राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
National Institute of Technology Sikkim

वार्षिक प्रतिवेदन

2022-23

वार्षिक प्रतिवेदन

2022-23

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

National Institute of Technology Sikkim

डाक पता:

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
रावंगला, साउथ सिक्किम
सिक्किम, भारत 737139
टेलीफोन: +91 7479013180

संपादक मंडल:

प्रो. एम. सी. गोविल
निदेशक, एनआईटी सिक्किम

डॉ. धनंजय त्रिपाठी
सह प्राध्यापक ,
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

डॉ. ऋचा मिश्रा
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

श्री साहिल मिंडा
आंतरिक लेखा परीक्षक, (F&A)

श्री सुमित कुमार
जनपद अभियांत्रिकी विभाग

श्री विष्णु कुमार शर्मा
कार्यालय सहायक

विषय सूची

	संस्थान का ध्येय	5
	संस्थान का लक्ष्य	5
	निदेशक की कलम से....	6
1	**परिचय**	9
	स्थान	11
	परिसर	12
	प्रशासन	16
2	**शासी मंडल एवं अन्य समितियाँ**	17
	शासी मंडल	17
	वित्त समिति भवन एवं कार्य समिति	18
	अभिषद् के सदस्य	18
	कुलसचिव, अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष	19
	प्राध्यापक प्रभारी	20
	संकाय सदस्यों की सूची	21
	'स्टॉफ सदस्यों की सूची	23
3	**शैक्षणिक कार्यक्रम**	24
	शैक्षणिक कार्यक्रम	25
	प्रदत्त उपाधियां	31
	अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ	33
4	**प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ**	38
	वेबिनार और वार्ता	39

	वर्ष-वार नियुक्ति सांख्यिकी	42
	शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में शाखावार नियुक्ति प्रतिशत.	42
	प्रशिक्षण	46
5	**छात्र कल्याण**	**50**
	कार्यक्रम और गतिविधियाँ	50
	विभागीय क्लबों की गतिविधियाँ	61
	छात्रों के लिए सुविधाएं	67
	बालक छात्रावास	69
	भोजनालय सुविधाएं	70
	क्रीड़ा और खेल	70
6	**अस्थायी परिसर में बुनियादी ढांचे का विकास**	73
7	**केंद्रीय पुस्तकालय**	76
8	**शोध और परामर्श**	78
9	**शोध प्रकाशन**	80
10	**संस्थान की नवाचार परिषद (आईआईसी) और उद्यमिता और नवाचार (ई एंड आई) सेल**	90
9	**चिकित्सा सुविधाएं**	92
10	**शैक्षणिक विभाग**	93
	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	94
	कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी विभाग	109
	विद्युत और कणिका अभियांत्रिकी विभाग	121
	यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	134
	गणित विभाग	153
	भौतिक विज्ञान विभाग	155
	रसायन विज्ञान विभाग	157
	मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग	165
12	**लेखापरीक्षा प्रतिवेदन और वार्षिक खाता**	169

संस्थान का ध्येय

विश्व को चिर- स्थाई रुप में दर्शन, विवेक और मूल्य प्रणाली के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकीय ज्ञान देने की क्षमता हमारे भारत में है एवं यह हमारा दायित्व है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम इसमें अपनी पूरी भूमिका निभाएगा।

संस्थान का लक्ष्य

छात्रों को तकनीकी एवं वैज्ञानिक रुप से उत्कृष्ट बनाने तथा भूमंडलीय अवसरों के लिए तैयार करने के साथ ही मूलतः भारतीय एवं समग्रतः वैश्विक दर्शन तथा जीवन मूल्यों के प्रति सजग 'चिंतक अभियंताओं' के रुप में दीक्षित एवं विकसित करना।

निदेशक का संदेश

"यह याद रखना चाहिए कि शिक्षा का उद्देश्य छात्रों के दिमाग को तथ्यों से भरना नहीं है...
बल्कि उन्हें सोचना सिखाना है"

~ रॉबर्ट एम. हचिन्स

उक्त विचार के अनुरूप, जो यहां राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में हमारे शैक्षिक दर्शन का मूल है, मुझे वर्ष 2022-23 की इस वार्षिक रिपोर्ट में हमारे संस्थान के महत्वपूर्ण प्रयासों, उपलब्धियों एवं हमारी वर्तमान व आगामी महत्वाकांक्षाओं पर प्रकाश डालने में खुशी हो रही है। विगत वर्षों में हमने संस्थान की शिक्षण व अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति देखी है। हमारा ध्येय केवल जानकारी प्रदान करने पर नहीं अपितु हमारे छात्रों के बीच बौद्धिक सोच और जिज्ञासा को बढ़ावा देने पर रहा है। इस दृष्टिकोण के अनुरूप, हमने अत्याधुनिक सुविधाओं को उपलब्ध करवाने एवं संसाधनों के कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त निवेश किया है। इन विकास कार्यों नें संस्थान में सीखने के अनुभव को काफी बढ़ाया है। हमारा लक्ष्य हमेशा अपने छात्रों को स्वतंत्र विचारक बनने के लिए उन्हें मानसिक रूप से सशक्त बनाना रहा है, जो लगातार विकसित हो रही दुनिया में विभिन्न प्रकार की जटिल से जटिल चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हों। हमें इस तथ्य पर गर्व है कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम देश भर के प्रतिभाशाली बुद्धिमताओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। हमारे स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति कार्यक्रमों, न केवल विशेष छात्रों को आकर्षित किया है, बल्कि उन्हें अपने चुने हुए क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल एवं मजबूत मानसिकता भी प्रदान कर रहा है। हमारे कई स्नातकों ने घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों में सफलता पाई है, एवं कुछ ने हमारे शैक्षिक दृष्टिकोण की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करते हुए, अपने स्वयं के उद्यम स्थापित करने का जोखिम भी उठाया है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, हम एक ऐसे वातावरण को उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं जो ज्ञान, नवाचार एवं तार्किक सोच को प्रोत्साहित करता है। पिछले वर्ष में सभी निकायों पर लक्ष्य प्राप्ति के लिए संस्थान के सभी संकायकर्मी, कर्मचारी एवं इससे जुड़े सभी व्यक्तियों की एवं उनके द्वारा किये गए अथक प्रयासों की सराहना करता हूँ। आगे, इस वर्ष संस्थान द्वारा की गई प्रगति का संक्षिप्त विवरण अवतरित है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम पूरी तरह से नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के व्यापक कार्यान्वयन के लिए समर्पित है, जो भारत में शिक्षा के परिदृश्य में एक परिवर्तनकारी बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है। हमने शैक्षणिक आवश्यकताओं, पाठ्यक्रम विकास एवं संबंधित

प्रशासनिक संचालन सहित हमारे शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न पहलुओं में एनईपी-2020 को अपनाया है। एनईपी-2020 के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारी एकीकृत प्रक्रियाओं में परिलक्षित होती है, जिसमें संबंधित एजेंसियों के साथ विशेषज्ञ-पर्यवेक्षित जुड़ाव शामिल है। हमारे शैक्षिक दृष्टिकोण के संरेखण को राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 के साथ सुनिश्चित करने के लिए एवं इनके पूर्णतया मुख्यधारा में लाने के लिए विचार-विमर्श एवं चर्चाएं पूरे वर्ष में होती रहती हैं। पिछले दो वर्षों में, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने रणनीतिक सहयोग के माध्यम से स्वयं का विस्तार किया है। हमने आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी भिलाई, आईआईटी दिल्ली, सीसीसीटी चिसोपानी और एनआईपीईआर कोलकाता सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इन पारस्परिक साझेदारियों का उद्देश्य अनुसंधान और शैक्षणिक परियोजनाओं को आगे बढ़ाना, नवाचार को बढ़ावा देना और एनईपी-2020 के व्यापक लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाना है। उभरते शैक्षिक परिदृश्य को देखते हुए, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने ऐसे पाठ्यक्रम पेश किए हैं जो नवीनतम तकनीकी प्रगति को दर्शाते हैं। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी विघटनकारी प्रौद्योगिकियां हैं। इसके अतिरिक्त, हमने उद्यमिता और स्टार्ट-अप पर आधारित एक पाठ्यक्रम शुरू किया है जो अभियांत्रिकी, नवाचार एवं उद्यमिता के बारे में बताता हैं। एनईपी-2020 के प्रमुख पहलुओं में से एक अनुसंधान-आधारित, कौशल-उन्मुख शिक्षा पर जोर है। इस दृष्टिकोण के अनुरूप, हमने एक व्यावसायिक अभ्यास लेखापरीक्षा पाठ्यक्रम शुरू किया है जो छात्रों को आवश्यक कौशल प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम हमारे छात्रों को वास्तविक दुनिया के सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने, जिम्मेदारी की भावना और सामाजिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करता है। इसके अलावा, हमने 'द आर्ट ऑफ लिविंग' संगठन द्वारा विकसित एक-क्रेडिट पाठ्यक्रम को अपनाया है, जो लोक विद्या दर्शन पर आधारित है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक रूप से मजबूत बनाना एवं उनकी सामर्थ्यता को बढाना है। तनाव प्रबंधन और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के लिए उपकरण प्रदान करके, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे छात्र न केवल अकादमिक रूप से कुशल हैं बल्कि भावनात्मक रूप से भी मजबूत हैं।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में हमारी दीर्घकालिक आकांक्षाओं में से एक अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एक स्थायी परिसर बनाना है। हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने इस सपने को हकीकत में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। राज्य सरकार ने इस उद्देश्य के लिए लगभग 100 एकड़ भूमि आवंटित की है, जो की संस्थान की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसके अलावा, स्थायी परिसर निर्माण के लिए आवश्यक उपयुक्तता एवं स्थिरता रिपोर्ट भी प्राप्त कर ली है, जिससे यह सुनिश्चित हो गया है कि परिसर का विकास पर्यावरण व शैक्षणिक मानक दोनों के अनुरूप है। हमारे प्रयास में अगला महत्वपूर्ण कदम स्थायी परिसर के निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) है। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने इस व्यापक डीपीआर को पूरा कर लिया है और शिक्षा मंत्रालय (एमओई) को सौंप दिया है। हम आने वाले दो - तीन महीनों में डीपीआर को अंतिम मंजूरी मिलने को लेकर आशावादी हैं। इस महत्वपूर्ण मंजूरी के बाद, हम निर्दिष्ट स्थल पर निर्माण गतिविधियों की शुरुआत के साथ तेजी से आगे बढ़ेंगे। यह उपलब्धि विश्व स्तरीय शिक्षा और अनुसंधान के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण छलांग का प्रतिनिधित्व करती है। नया परिसर न केवल हमारे कार्यक्रमों की गुणवत्ता बढ़ाएगा बल्कि हमारे छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए एक प्रेरणादायक और आधुनिक सेटिंग भी प्रदान करेगा।

हम राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में अपने छात्रों के लिए एक गतिशील शिक्षण-सीखने का माहौल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस उद्देश्य से, हमने स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रयोगशालाओं का महत्वपूर्ण नवीनीकरण किया है। ये पुनर्निर्मित सुविधाएं अब व्यावहारिक शिक्षण अनुभव को बढ़ाने के लिए नवीनतम तकनीक से सुसज्जित हैं। हमारी कक्षाओं में, हमने स्मार्टबोर्ड, प्रोजेक्टर और विभिन्न अन्य प्रौद्योगिकियों को एकीकृत किया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारी शिक्षण विधियां परस्पर संवादात्मक, आकर्षक एवं आधुनिक शैक्षिक प्रथाओं के साथ संरेखित हैं। अपनी प्रशासनिक और शैक्षणिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के प्रयास में, हमने समर्थ ई-गवर्नेंस ईआरपी परियोजना को सफलतापूर्वक लागू किया है, जो दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा बनाई गई थी और भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा वित्तीय रूप से सहायता प्राप्त है। यह परियोजना हमें छात्रों का विवरण एवं शैक्षणिक संचालन को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने में सक्षम बनाती है। हमने शुरुआत में शैक्षणिक, छात्र प्रबंधन और परीक्षा मॉड्यूल पर ध्यान केंद्रित किया और संस्थागत प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं में अपनी क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए धीरे-धीरे अन्य मॉड्यूल जोड़े हैं।

हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 2023 के पास-आउट बैच के लिए, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने 83.70% की प्रभावशाली प्लेसमेंट दर हासिल की है। यह उल्लेखनीय परिणाम हमारे छात्रों को उनके करियर को किकस्टार्ट करने के अवसर प्रदान करने के प्रति हमारे अटूट समर्पण को रेखांकित करता है। 100 प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा कुल 171 छात्रों को नौकरियां दी गई, जो उद्योग में हमारे छात्रों के उच्च सम्मान को दर्शाता है। हमारे छात्रों ने 9.88 एलपीए के औसत पैकेज के साथ प्लेसमेंट हासिल किया, जो उनकी क्षमता और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में प्राप्त शिक्षा की गुणवत्ता का प्रमाण है। पेश किया गया उच्चतम पैकेज प्रभावशाली 21.0 एलपीए था, जो हमारे छात्रों के पास मौजूद अपार क्षमता को दर्शाता है। यह सफलता हमारे छात्रों की कड़ी मेहनत, हमारे संकाय के समर्पण और हमारे कर्मचारियों और उद्योग भागीदारों के अथक समर्थन का प्रमाण है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि हमारे छात्र न केवल अकादमिक रूप से कुशल हों बल्कि पेशेवर दुनिया के लिए भी अच्छी तरह से तैयार हों।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने अपना पांचवा दीक्षांत समारोह दिनांक 08 अप्रैल 2023 को रावंगला में स्थित तथागत स्थल जिसे

आमतौर पर बुद्ध पार्क के रूप में जाना जाता है, में आयोजित किया। यह स्थल शांत एवं आध्यात्मिक रूप से बहुत ही सुरम्य है जो की हमारे स्नातक छात्रों की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए एक पृष्ठभूमि के रूप में कार्य करता है। इस वर्ष संस्थान ने 19 विद्यावाचस्पति (पीएच.डी.), 36 प्रौद्योगिकी स्नातकोतर (एम.टेक.), 15 विज्ञान स्नातकोत्तर (एम.एससी.) एवं 182 प्रौद्योगिकी स्नातक (बी.टेक.), जिन छात्रों ने वर्ष 2022 और 2023 में स्नातक किया को डिग्री प्रदान की है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम को असाधारण संकाय सदस्यों को आकर्षित करने की अपनी क्षमता पर गर्व है, जिनमें से कई को उनके अमूल्य अनुसंधान योगदान के लिए वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त है। हमारे प्रतिष्ठित संकाय शैक्षिक अनुभव को आकार देने और संस्थान के भीतर अकादमिक उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपने छात्रों को सर्वोत्तम संभव शिक्षा प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप, हमने विभिन्न अभियांत्रिकी विभागों में 12 अतिरिक्त शिक्षण पदों की भर्ती का कार्य किया है। विज्ञापन प्रकाशित किया गया था और आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 14 अगस्त 2023 थी। पूरी प्रक्रिया नवंबर 2023 के अंत तक पूरी हो जाएगी।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार एक मजबूत अनुसंधान विरासत को बनाए रखा है, जो विभिन्न अनुसंधान सूचकांकों में इसके उल्लेखनीय प्रदर्शन से स्पष्ट है। ज्ञान और नवाचार को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता में, सभी शैक्षणिक विभागों ने पीएचडी में अपने प्रवेश सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। हमारा संस्थान एसएमडीपी-सी2एसडी और विश्वेश्वरैया डॉक्टरेट कार्यक्रम जैसी बाहरी वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। ये परियोजनाएं, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), और शिक्षा वित्त और केंद्रीय समन्वय मंत्रालय (एमओई एफ एंड सीसी) जैसे प्रतिष्ठित निकायों द्वारा प्रायोजित हैं। , सफल समापन देखा गया है, जबकि अन्य जारी हैं। हमारे संकाय सदस्य नियमित रूप से विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), डीएसटी और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) सहित प्रमुख फंडिंग संगठनों से अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अनुरोध करते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग ने हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), शिक्षा मंत्रालय, और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) से दो अनुसंधान निधि प्राप्त की है। इसी तरह, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग को एसईआरबी मैट्रिक्स-वित्त पोषित अध्ययन के लिए अनुसंधान अनुदान से सम्मानित किया गया है। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग व भौतिकी विभाग, प्रत्येक ने आईसीएसएसआर और डीएसटी फंडिंग के साथ अपनी अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा किया, जो अनुसंधान उत्कृष्टता में विविधता को दर्शाता है। संसाधनों की भारी कमी के बावजूद, संस्थान के संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों ने वित्तीय वर्ष 2023-2024 के दौरान प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 76 शोध लेख, सम्मेलनों में 57 पत्र, 11 पुस्तक अध्याय और 1 पुस्तक प्रकाशित की। यह तथ्य उल्लेखनीय है कि दो सम्मेलन पत्रों को सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला।

हमारी शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेता है, जो देश के सामाजिक, आर्थिक और सतत विकास में योगदान देता है। ये कार्यक्रम समाज में हमारी भूमिका एवं प्रभाव के प्रति प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में काम करते हैं। हमारे छात्र फिट इंडिया मूवमेंट, एक भारत श्रेष्ठ भारत, स्वच्छ भारत, युवा संगम, स्किल इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और परीक्षा पे चर्चा जैसी विभिन्न पहलों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। ये पहलें केवल अवधारणाएं नहीं हैं बल्कि कार्रवाई योग्य मिशन हैं जिन्हें हम क्षेत्रीय जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सख्ती से बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार की युवा संगम 2023 पहल के हिस्से के रूप में, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राउरकेला के छात्रों ने हाल ही में युवा संगम 2023 के अन्तर्गत हमारे परिसर का दौरा किया। यह आदान-प्रदान न केवल सांस्कृतिक विविधता को बढ़ाता है बल्कि देश के विभिन्न क्षेत्रों के छात्रों के बीच एकता और सद्भाव की भावना को भी बढ़ावा देता है। बदले में, हमने अपने छात्रों को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान राउरकेला भेजा, सांस्कृतिक समझ के बंधन को मजबूत किया और अंतर-सांस्कृतिक शिक्षा और सहयोग के अवसर पैदा किए। हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कार्यक्रम बेहद सफल रहा और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम को विशेष मान्यता मिली।

हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम एक ठोस आधार तैयार कर रहे हैं और सभी हितधारकों के उत्साहपूर्ण समर्थन की बदौलत आने वाले वर्षों में संस्थान नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम को एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान के रूप में स्थापित करने और एक शक्तिशाली और स्वतंत्र भारत के निर्माण की प्रतिबद्धता को मजबूत करने में मदद करने के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। हालाँकि, यह केवल संस्थान की उपलब्धियों का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करता है; वार्षिक रिपोर्ट 2022-2023 में और अधिक विशिष्टताएँ शामिल होंगी।

मैं शिक्षा मंत्रालय (एमओई) एवं संस्थान के शासी मंडल (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स) के विचारों, मार्गदर्शन एवं एवं निरंतर प्राप्त सहयोग की सराहना करता एवं उनका आभार व्यक्त करता हूं। मैं उन सभी विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं संकाय सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूं जिन्होंने कड़ी मेहनत से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम को शैक्षणिक और वैज्ञानिक प्रतिभा का केंद्र बनाया है।

सादर,

जय हिन्द

प्रोफेसर महेश चंद्र गोविल
निदेशक, एनआईटी सिक्किम

परिचय

सिक्किम पूर्वी हिमालय की गोद में सूदूर पूर्वोत्तर राज्य के रूप में स्थित है। सिक्किम की स्थापना 17 वीं शताब्दी में तिब्बती बौद्ध धर्म के स्कूल, निंगम्मा लामा द्वारा बौद्ध साम्राज्य के रूप में हुई थी। आज भी सिक्किम निःसंदेह अपनी समृद्ध और अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करता है।

भूटिया समुदाय के लोग जो तिब्बत से पलायन कर इधर आए थे और साथ ही लेप्चा समुदाय के लोग जो सिक्किम के मूल निवासी थे, जिन्हें "दुनिया के अतिप्राचीन समुदायों में से एक" कहा जाता है, के द्वारा इस राज्य की स्थापना की गई थी। सिक्किम की व्युत्पत्ति शास्त्रीय नाम के दो लिंबु शब्दों, 'सु एवं 'खिम' से लिया गया है जिनका अर्थ क्रमशः 'नया' और 'महल' होता है। वर्तमान में, सिक्किम विश्व का पहला 100% जैविक राज्य बनकर अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कर रहा है। जैविक राज्य "ऑर्गेनिक स्टेट" की उपाधि अर्जित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित होने के कारण निश्चित रूप से देश की प्रतिष्ठा में वृद्धि हुई है। सिक्किम राज्य ने अपनी प्रशंसा के नए अध्याय तब और जोड़े जब उसने 50 अन्य राज्यों की जैविक खेती की प्रस्तावित नीतियों को पीछे छोड़कर अपने राज्य की नीति के लिए 2004 में स्वर्ण पदक जीता। सिक्किम राज्य के "सिक्किम जैविक मिशन' ने राज्य को पूरे विश्व में एक मात्र 100% जैविक राज्य के रूप में स्थापित किया जो अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। खेती के आधुनिक तंत्र के अनुकूल बदलते हुए भी अपने पारंपरिक अनोखे तरीकों की परंपरा का निर्वाह करना तथा उनके लिए मान्यता प्राप्त करना वास्तव में सराहनीय है। जैविक कृषि को सिक्किम की पारंपररिक खेती पद्धति के सबसे करीब माना जाता है, जो वृद्धि के लिए बाहरी तत्वों का कम से कम प्रयोग एवं रसायनों के उपयोग के प्रति पूरी तरह से उदासीनता बरतते हुए वर्षा पर आश्रित रहती है।

सिक्किम की कला, साहित्य, रीति-रिवाज, संस्कृति और नृत्य की भव्यता और विविधता अपने आप में विशिष्ट और अद्वितीय है। सिक्किम शब्द निश्चित ही विविध संस्कृति और रहस्यपूर्ण जातीय समुदायों की एक रहस्यमय भूमि को दर्शाता है, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के आधार पर अपने समान संज्ञानात्मक विकास के कारण एकता और शांति में विद्यमान है। "नेपाली" इस राज्य की लोकभाषा है, लेकिन विभिन्न समुदाय अलग-अलग भाषाएँ बोलते हैं। सिक्किम में नेपाली, भूटिया, लेप्चा, तमांग, लिंबू, नेवारी, राय, गुरुंग, मंगर, सुनवार और अंग्रेजी, कुल मिलाकर ग्यारह आधिकारिक भाषाएँ हैं। यहाँ प्रमुख धर्म हिंदू और बौद्ध धर्म हैं, हालांकि, ऐसे लोग भी हैं जो ईसाई धर्म, इस्लाम और जैन धर्म का पालन करते हैं। लेप्चा मुनिवाद को अपना पारंपरिक धर्म मानते हैं, जो बौद्ध और ईसाई धर्म के साथ सह-अस्तित्व रखता है। सिक्किम, सांस्कृतिक असमानता के क्षुद्र अनुष्ठानों से परे विविधता में एकता की अवधारणा को पूरा करता है क्योंकि यह अपनी अनूठी संस्कृति और परंपरा की सहज मूल चेतना को आत्मसात करता है।

सिक्किम एक लंबे समय तक एक साम्राज्य बना रहा और 1975 में 22 वें राज्य के रूप में विलय से पहले भारत द्वारा संरक्षित राज्य था। भारत सरकार ने भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में नवाचार और रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया है, इसलिए, भारत सरकार ने भारत के अन्य राज्यों के साथ इन क्षेत्रों में भी ऐसे उच्च संस्थानों की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ऐसे प्रयास का ही एक सुपरिणाम है जिसका उद्देश्य विश्व स्तर के बुनियादी ढाँचे और उन्नत शैक्षणिक उपकरण प्रदान करके छात्रों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, सिक्किम राज्य में उच्च गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा की जरूरतों को पूरा करने वाला एक प्रमुख शैक्षिक संस्थान है। यह वर्ष 2010 में 11 वीं पंचवर्षीय योजना के भाग के रूप में भारत सरकार द्वारा संसद के एक अधिनियम द्वारा स्वीकृत दस नए राष्ट्रीय संस्थानों में से एक है। इस स्थापना का उद्देश्य उत्कृष्टता पूर्ण तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता और मानव संसाधन का सृजन करते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध और विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना है। भारत सरकार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उच्चतम कौशल और क्षमता संपन्न मानवीय संसाधन विकसित करने में संस्थान की भूमिका को ध्यान में रखते हुए एक "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" का दर्जा दिया है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान परिषद द्वारा शासित, संस्थान में चार वैधानिक निकाय हैं, अर्थात्, शासी मंडल, वित्त समिति, भवन और निर्माण समिति और अभिषद्। संस्थान पूरी तरह से भारत सरकार, नई दिल्ली के शिक्षा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित है एवं संस्थान को पूर्ण वित्तीय और शैक्षणिक स्वायत्तता प्राप्त है।

अगस्त 2010 में अपनी स्थापना के उपरांत, संस्थान रवांगला दक्षिण सिक्किम में स्थित एक अस्थायी परिसर से संचालित हो रहा है। एक विषम जलवायु, खराब परिवहन, परिसर की छोटी जगह एवं अनेक चुनौतियों के बावजूद; संस्थान प्रारम्भिक समस्याओं को सुलझाते हुए शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में धीरे-धीरे लेकिन निरंतर आगे बढ़ा है। संस्थान का मानना है कि ग्रामीण विकास राष्ट्र के संतुलित विकास के लिए आवश्यक है; अतः संस्थान गरीबों और वंचितों हेतु विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लाभ के साथ-साथ ज्ञान के आदान-प्रदान को सक्षम करने के लिए प्रयासरत है। संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्र सामाजिक विकास संबंधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होकर राज्य भर के अन्य शैक्षणिक संस्थानों को सहायता प्रदान करने में लगे हुए हैं। संस्थान की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि इसके साथ जुड़े लोगों को सामाजिक जिम्मेदारी और अपनेपन की भावना प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। इसने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों द्वारा राष्ट्र के वंचित वर्गों को सुदृढ एवं सशक्त करने का मार्ग प्रशस्त करने हेतु नई पहल की है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रोनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी, और विद्युत एवं इलेक्ट्रोनिक्स अभियांत्रिकी में तीन (3) स्नातक कार्यक्रमों के साथ अपनी यात्रा शुरू की, जिसमें तीस (30) छात्रों के प्रवेश का प्रावधान रखा गया। वर्तमान में लगभग

हजार छात्र राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में नामांकित हैं। संस्थान सिविल अभियांत्रिकी, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी, विद्युत एवं इलेक्ट्रोनिक्स अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रोनिक्स और संचार अभियांत्रिकी, और यांत्रिकी अभियांत्रिकी में स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है। संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, माइक्रोइलेक्ट्रोनिक्स और वीएलएसआई डिजाइन और रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। संस्थान सभी अभियांत्रिकी विषयों, आधारभूत विज्ञान और मानविकी जैसे कार्यक्रमों में विद्या वाचस्पति की उपाधि भी प्रदान करता है।

संस्थान छात्रों के संपूर्ण विकास में विश्वास करता है अतः उन्हें तकनीकी, सांस्कृतिक, साहित्यिक और खेल आयोजनों जैसी सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों की दिशा में मजबूत रुझान विकसित करने पर एक अंतर्दृष्टि के साथ सशक्त बनाया जाता है। स्टाफ और संकाय सदस्यों के सक्षम नेतृत्व के मार्गदर्शन में -अभियंत्रण, वार्षिक प्रौद्योगिकी कार्यक्रम, वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम उद्गम्- और वार्षिक खेल जैसे समारोहों का आयोजन किया जाता है। संस्थान में युवा और ऊर्जावान छात्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं जो नवाचार के माध्यम से सीखने के माहौल के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए विचारों के विकास को बल देते हैं। पूरा करने की कोशिश करता है। तकनीकी कार्यक्रम के दौरान एक प्रदर्शनी आयोजित की जाती है जहां छात्र प्रोटोटाइप वर्किंग मॉडल प्रदर्शित करते हैं। उद्योग और शिक्षाविदों के विशेषज्ञों द्वारा उभरती प्रौद्योगिकियों और सेमिनारों पर कई कार्यशालाओं का आयोजन भी इन अवसरों पर किया जाता है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम देश के युवाओं को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाता है और उन्हें आधुनिक समयानुकूल आवश्यकताओं के अनुरुप राष्ट्र के समग्र विकास में अपनी भूमिका निर्वहन के लिए प्रोत्साहित करता है।

उच्च शिक्षा संस्थान के रूप में, तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ ही संस्थान नैतिक मूल्यों को स्थापित करता है ताकि यहां से उत्तीर्ण होने वाले छात्र अच्छे नागरिक बन सकें एवं समाज तथा राष्ट्र को लाभान्वित करने में अपना सक्रिय योगदान दे सकें। यह ध्यान रखना आवश्यक है कि राज्य की सांस्कृतिक विविधता एवं पारंपरिक और धार्मिक विविधता कैसे शिक्षार्थियों की बौद्धिक क्षमता को विकसित करने पर प्रभाव डाल सकती है। संस्कृति और परंपरा की ऐसी विविधताओं को अपनाने से नवाचार और उत्कृष्टता के विचारों का अंकुरण हो सकता है और एक समग्र विकास के माध्यम से अपनी मेधा को भी संस्कारित किया जा सकता है। संस्थान के छात्रों ने इस तरह की वृद्धि का प्रदर्शन किया है क्योंकि वे सिक्किम के भौतिक वातावरण और मौसम की स्थिति की विषमताओं के साथ-साथ सांस्कृतिक विविधता के अनुकूल अपने आपको ढालने में सफल रहे हैं। संस्थान नए परिवेश के साथ सौहार्दपूर्ण जीवन जीने की योग्यता विकसित करके पूर्ण शिक्षा का अर्थ बताता है। इसके अलावा, इसकी सांस्कृतिक विविधता उन्हें वनस्पतियों और जीवों की दुनिया के प्रति संवेदनशील बनाती है और धीरे-धीरे उनके मन को प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और प्राकृतिक मूल्यों को स्वीकार करने के लिए प्रशिक्षित करती है जो छात्रों की इस पीढ़ी के लिए एक बहुत बड़ी आवश्यकता है। हमारे छात्र इस तेजी से बदलती तकनीक और तेजी से बढ़ते आधुनिकीकरण की दुनिया में, हमारी समृद्ध जैव विविधता को बचाए रखना चाहते हैं और यह सराहनीय है कि वे इसे और विकसित करते रहना चाहते हैं। इस प्रकार संचालित शिक्षण कार्यक्रमों के साथ संस्थान छात्रों को प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण के प्रति संवेदनात्मक रूप से भी तैयार करने हेतु एक मंच प्रदान करता है और इस मिथक को तोड़ता है कि तकनीकी संस्थान प्रकृति एवं जैव विविधता का लालन-पालन नहीं करते हैं।

स्थान

सिक्किम एक ऐसा सदाबहार राज्य है जो बर्फ से ढके पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता व विविध समृद्धी को दर्शाता है एवं विश्व की वनस्पतियों , मनमोहक जीवों, प्राचीन झरनों, पवित्र झीलों, पवित्र गुफाओं, औषधीय पेड़ों, गर्म झरनों, कोमला धाराओं की नैसर्गिक संपदाओं से संपन्न है। सुलभ धुंध और बादलों के साथ हिमाच्छादित हरियाली इस पर्वतीय स्थान की शानदार सुंदरता को चार चाँद लगाती है। यहाँ दुनिया का तीसरा सबसे ऊँचा पर्वत कंचनजंघा है। पर्वत माला कंचनजंघा, सिक्किम के संरक्षक देवता के रूप में भी पूजनीय है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम, वर्ष 2010 में अपनी स्थापना के बाद से एक अस्थायी परिसर से काम कर रहा है जो दक्षिण सिक्किम के रावंगला में स्थित है।

रावंगला या रावांगला या रावोंगला एक छोटा शहर है जो भारतीय राज्य सिक्किम के दक्षिण सिक्किम जिले में आठ हजार (8000) फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यहाँ हिमालय या उच्च पर्वतीय प्रकार की जलवायु है, जहां मौसम में उतार-चढ़ाव के साथ-साथ ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात और बर्फबारी होती है। रावंगला में सर्दियों का तापमान हिमपात के समय शून्य से भी नीचे जाता है। सिक्किम की राजधानी गंगटोक से 80 किमी की दूरी पर स्थित यह एक शांत छोटा क़स्बा है। इस छोटे क़स्बे को शहर के प्रसिद्ध बुद्ध पार्क में भगवान गौतम बुद्ध की एक सौ तीस (130) फीट ऊंची प्रतिमा के निर्माण के लिए व्यापक रूप से प्रशंसा प्राप्त हुई है।

परिसर से निकटतम रेलवे स्टेशन, न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन, पश्चिम बंगाल है जो परिसर से लगभग एक सौ अठारह (118) किमी दूर है। हवाई संपर्क बागडोगरा हवाई अड्डे से उपलब्ध है जो कैंपस से लगभग एक सौ बत्तीस (132) किमी दूर है। यह संस्थान अस्थायी परिसर से शैक्षणिक और शोध गतिविधियों को सफलतापूर्वक संचालित कर रहा है और भौगोलिक तथा अन्य कारकों की चुनौतियों को पार करते हुए अपने उद्देश्य के प्रति समर्पित भाव से लीन है।

परिसर

रवांगला में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम एक ऐसे परिसर में है, जो शुरू में तिब्बत शरणार्थियों के लिए निवास कैंप के रूप में कार्य करता था। इस 'रिफ्यूजी कैंप' ने राष्ट्रीय महत्व के संस्थान 'के परिसर में तब्दील होने में कई शुरुआती चुनौतियों का सामना किया। हालांकि, संस्थान ने सीमित संसाधनों के बावजूद नाम और प्रतिष्ठा स्थापित करके एक मानक स्थापित किया है। सीमित संसाधनों और जगह की कमी के साथ पर्यावर्णीय कठिनाइयों की चुनौतियों का मजबूती से सामना करते हुए और सुधारात्मक उपायों के माध्यम से अपनी आभा और विकास अभिवृद्धि के साथ राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम निश्चित रूप से एक प्रेरणा स्रोत है।

रावंगला शहर, परिसर से सिर्फ 2.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। हालांकि, यहाँ बैंक, डाकघर और एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की पेशकश करता है, लेकिन एक छोटा शहर होने के नाते, इसमें सीमित सुविधाएं और स्वास्थ्य देखभाल की बहुत कम सुविधाएं हैं। संस्थान प्राकृतिक और नैसर्गिक सुंदरता की प्रचुरता के साथ एक सुरम्य स्थान पर स्थित है। कंचनजंगा, माउंट पंडिम, माउंट, सिनिओल्चु, माउंट, काबरु, आदि प्रमुख पर्वत हैं जो रावंगला से स्पष्ट दिखाई देती हैं। ऊंचाई पर भिन्नता के कारण इस स्थान की जलवायु जटिल और अत्यंत विविध है। इसके अलावा, दूरस्थ दुर्गम स्थान और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे तथा अस्थायी परिसर होने के कारण संस्थान प्रबंधन को अनेक कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने शिक्षण भवनों, प्रशासनिक ब्लॉक, हॉस्टल, फैकल्टी और कर्मचारियों के लिए निवास आदि को पुनर्निर्मित करने के लिए कठोर प्रयास किए हैं, जिससे प्रत्येक भवन के आकार के अनुरूप निर्माण एवं साज सज्जित किया जा सके तथा सीमित स्थान के भीतर शिक्षण की विभिन्न शाखाओं को समायोजित किया जा सके। यह भी ध्यातव्य है कि परिसर और रवांगला शहर में स्थानीय असुविधाओं, ख़राब अवसंरचनात्मक सुविधाओं और न्यूनतम आवश्यक जीवन सुविधाओं के कारण, जैसे कि संकाय सदस्यों एवं कार्मिकों के लिए समुचित संख्या में आवास सुविधा ना होना है, चिकित्सा सुविधा, स्कूलों और अन्य बुनियादी आवश्यक सेवाओं की कमी का होना संस्थान प्रशासन के सामने एक बड़ी चुनौती रही है। संस्थान छोड़ने वाले संकाय और कर्मचारियों की संख्या में पिछले कुछ वर्षों में वृद्धि हुई है, हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में संस्थान कुछ बुनियादी जीवन सुविधाएं प्रदान करके संस्थान में अच्छे संकाय और कर्मचारियों को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। हाँलाकि यह न्यूनतम मानकों के अनुसार भी पर्याप्त नहीं होगा।

संस्थान, अपने सीमित परिसर क्षेत्र में, आउटडोर खेल के मैदानों, चिकित्सा इकाई और लड़कों और लड़कियों के लिए व्यायामशालाओं के साथ-साथ अन्य अनिवार्य प्रतिष्ठानों से सुसज्जित है। छात्रों की संख्या में वृद्धि के कारण, संस्थान का वर्तमान अस्थायी परिसर संस्थान परिसर के भीतर सभी छात्रों को समायोजित करने में अपर्याप्त है। इसलिए, संस्थान ने रावंगला शहर में कई अच्छी तरह

से निर्मित और अर्ध-सुसज्जित इमारतों को किराए पर लिया है और उन्हें छात्रावास के रूप में उपयोग कर रहे हैं। संस्थान में कुल चौदह भवन खंड हैं जिनमें लड़कों के छात्रावास और लड़कियों के छात्रावास के रूप में उपयोग किए जाने वाले एक सौ तिहत्तर कमरों में आठ सौ छियालीस छात्र रहते हैं। चार बिल्डिंग ब्लॉक जिनमें चौबीस अपार्टमेंट हैं, का उपयोग संकाय और कर्मचारी क्वार्टर के रूप में किया जाता है।

कक्षाओं, कंप्यूटर प्रयोगशाला, संकाय कक्ष और अधिष्ठाता छात्र कल्याण और अधिष्ठाता शैक्षणिक के कार्यालय से युक्त एक अलग अच्छी तरह से निर्मित शैक्षणिक भवन परिसर के भीतर जगह पाता है। सिक्किम का पहला सुपर कंप्यूटर "परम कंचनजंगा" भी पुराने शैक्षणिक भवन में स्थित है। संस्थान का प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल भी उसी ब्लॉक में स्थित है। हालाँकि, सुपरकंप्यूटर सेंटर अब पुराना हो चुका है और इसे अपग्रेड करने की आवश्यकता है। कक्षाओं को अब स्मार्ट कक्षाओं में बदल दिया गया है और रूम हीटर और प्रोजेक्टर से सुसज्जित किया गया है।

संस्थान के प्रशासनिक भवन को हाल ही में पुनर्निर्मित किया गया है और इसमें निदेशक कार्यालय और सचिवालय, कुलसचिव कार्यालय, संकायाध्यक्ष के कार्यालय, लेखा अनुभाग, सम्मेलन / बैठक कक्ष, परीक्षा कक्ष और एक रसोई कक्ष हैं। प्रशासनिक भवन से सटे एक केन्द्रीय भंडार एवं कनिष्ठ अभियन्ता जनपद व विद्युत के कार्यालय अब पूरी तरह कार्यात्मक हैं।

पिछले वर्षों में संस्थान अपने प्रयोगशाला पाठ्यक्रमों को पूरा करने के लिए छात्रों को दूर के शिक्षण संस्थानों में भेजने हेतु विवश था क्योंकि संस्थान बुनियादी प्रयोगशाला सुविधाएं भी प्रदान करने में असमर्थ था। विदित है कि प्रयोगशालाएं किसी भी तकनीकी संस्थान के पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण अंग हैं, संस्थान में इस संदर्भ में कुछ नए शेड बनाए गए हैं और प्रयोगशाला सुविधाओं और कक्षाओं के लिए जगह की कमी की समस्या को कम करने के लिए अस्थायी परिसर में बिल्ड-अप स्थान को यथासंभव बढ़ाया गया है। मंत्रालय की इच्छानुसार, संस्थान की अध्ययन शाखाओं और विभागों में विविधता लाने के लिए यह अस्थायी व्यवस्था अभी भी अपर्याप्त हैं। अस्थायी परिसर संस्थान के विकास में बाधक है। संस्थान के लिए स्थायी परिसर की स्थापना इन दीर्घकालीन लंबित मुद्दों को हल करने के लिए एकमात्र व्यवहार्य समाधान है। अत्याधुनिक सुविधाओं और विश्व स्तर के बुनियादी ढांचे के साथ एक स्थायी परिसर न केवल संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा, बल्कि मानव-पूंजी संसाधन निर्माण में भी सहायक होगा और हमारे छात्रों को विश्व नेतृत्व करने योग्य बनाएगा।

स्थाई परिसर – वर्तमान स्थिति एवं अवलोकन

2010 में स्थापना के बाद से, एनआईटी सिक्किम एक अस्थायी परिसर से संचालित हो रहा है, और संस्थान के हितधारकों द्वारा 12 वर्षों से अधिक के निरंतर प्रयासों के बाद, सिक्किम राज्य सरकार ने एनआईटी सिक्किम के स्थायी परिसर के निर्माण के लिए लगभग 100 एकड़ भूमि सौंप दी है।

यह स्थल निचले हिमालय में 1120 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और इसके पश्चिमी हिस्से से बहने वाली तीस्ता नदी है। साइट का निकटतम शहर सिंगतम, पूर्वी सिक्किम है। यह क्षेत्र चिनार, सन्टी, ओक और एल्म की मध्यम पर्णपाती लकड़ियों के साथ-साथ नम अल्पाइन क्षेत्र के सदाबहार शंकुधारी पेड़ों से घिरा हुआ है।

स्थायी परिसर के निर्माण के लिए अंतिम डीपीआर तैयार कर 24 अप्रैल 2023 को मंत्रालय को सौंप दी गई है।

स्थायी परिसर के निर्माण के लिए कुल अनुमानित लागत का सारांश नीचे दिया गया है: -

केन्द्रीय मंत्रिमण्डल द्वारा मूल रुप में 2009 में अनुमोदन	संशोधित डीपीआर के अनुसार आरसिविल अभियांत्रिकी (रुपये करोड़ में)			
	निर्णाण कार्य सिविल (पूंजीगत)	उपस्कर एवं फर्नीचर	आवर्ती व्यय	कुल
250 (कोई बँटवारा नहीं दिया गया है)	632.46	103.32	257.91	993.69

"सभी एनआईटी (NITs) की तरह, एनआईटी सिक्किम का स्थायी कैम्पस पूरी तरह से आवासीय होगा जिसमें हॉस्टल, स्टाफ क्वार्टर्स, खेल सुविधाएँ और व्यावसायिक सुविधाएँ शामिल होंगी, साथ ही व्याख्यान हॉल परिसर, छात्र गतिविधि केंद्र, आतिथ्य गृह, पुस्तकालय भवन और आईसीटी आदि की सामान्य सुविधाएँ भी होंगी।" एक अच्छा बुनियादी ढांचा छात्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नए कैम्पस का आधुनिक ढांचा, सुसज्जित प्रयोगशालाएँ और अच्छी हवा पुनर्यापन की कक्षाएँ, यह निश्चित रूप से युवा उम्मीदवारों और शिक्षकों को उनके अध्ययन, शोध और नवाचार में प्रोत्साहित करेंगे। नए कैम्पस में लगभग 1260 छात्र, 105 शिक्षण स्टाफ और 116 गैर-शिक्षण स्टाफ सदस्यों को आवास प्रदान किया जाएगा। नीचे दिए गए नक्शे में एनआईटी सिक्किम के स्थायी कैम्पस में आवंटित भूमि और विभिन्न भवनों को दिखाया गया है।

अत्याधुनिक सुविधाओं और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ स्थायी परिसर की स्थापना संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी और मानव पूंजी निर्माण में सहायता करेगी और इच्छुक छात्रों को विश्व नेतृत्व करने के लिए प्रेरित करेगी।

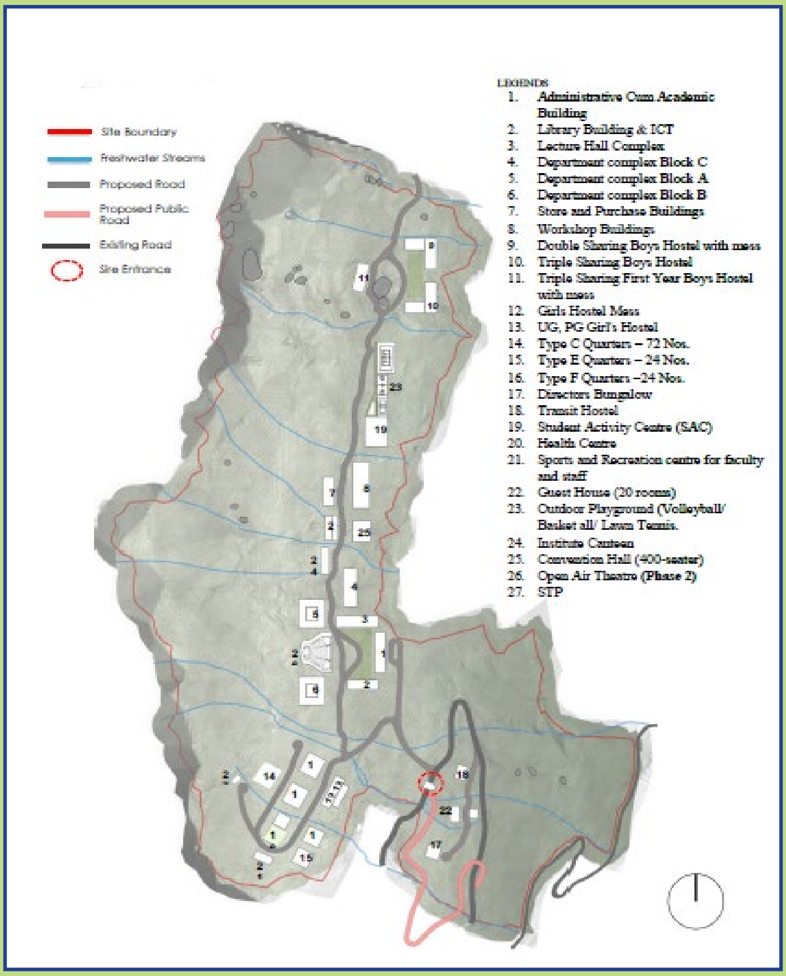

(एनआईटी सिक्किम के स्थाई परिसर का शिलान्यास भारत की माननीय राष्ट्रपति द्वारा 04 नवम्बर 2022 को किया गया)

प्रशासन

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम 2010 से भारत सरकार के अधीन संचालित एक स्वायत्त संस्थान है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, विज्ञान शिक्षा और शोध अधिनियम 2007 के अनुसार, संस्थान शासी मंडल द्वारा प्रशासित किया जाता है और निदेशक संस्थान का प्रमुख होता है। शासी मंडल में भारत सरकार, सिक्किम सरकार, उद्योगों, अन्य संस्थानों और संकाय के प्रतिनिधि हैं। निदेशक संस्थान के प्रधान शैक्षणिक और कार्यकारी अधिकारी हैं। उन्हें संकायाध्यक्ष द्वारा विभिन्न विभागों के प्रमुखों, प्रभारी प्राध्यापक, कुलसचिव और अन्य अधिकारियों एवं संस्थान की विभिन्न समितियों के प्रमुखों द्वारा दिन-प्रतिदिन के कार्यों में सहायता प्रदान की जाती है।

Organizational Structure

एनआईटी सिक्किम

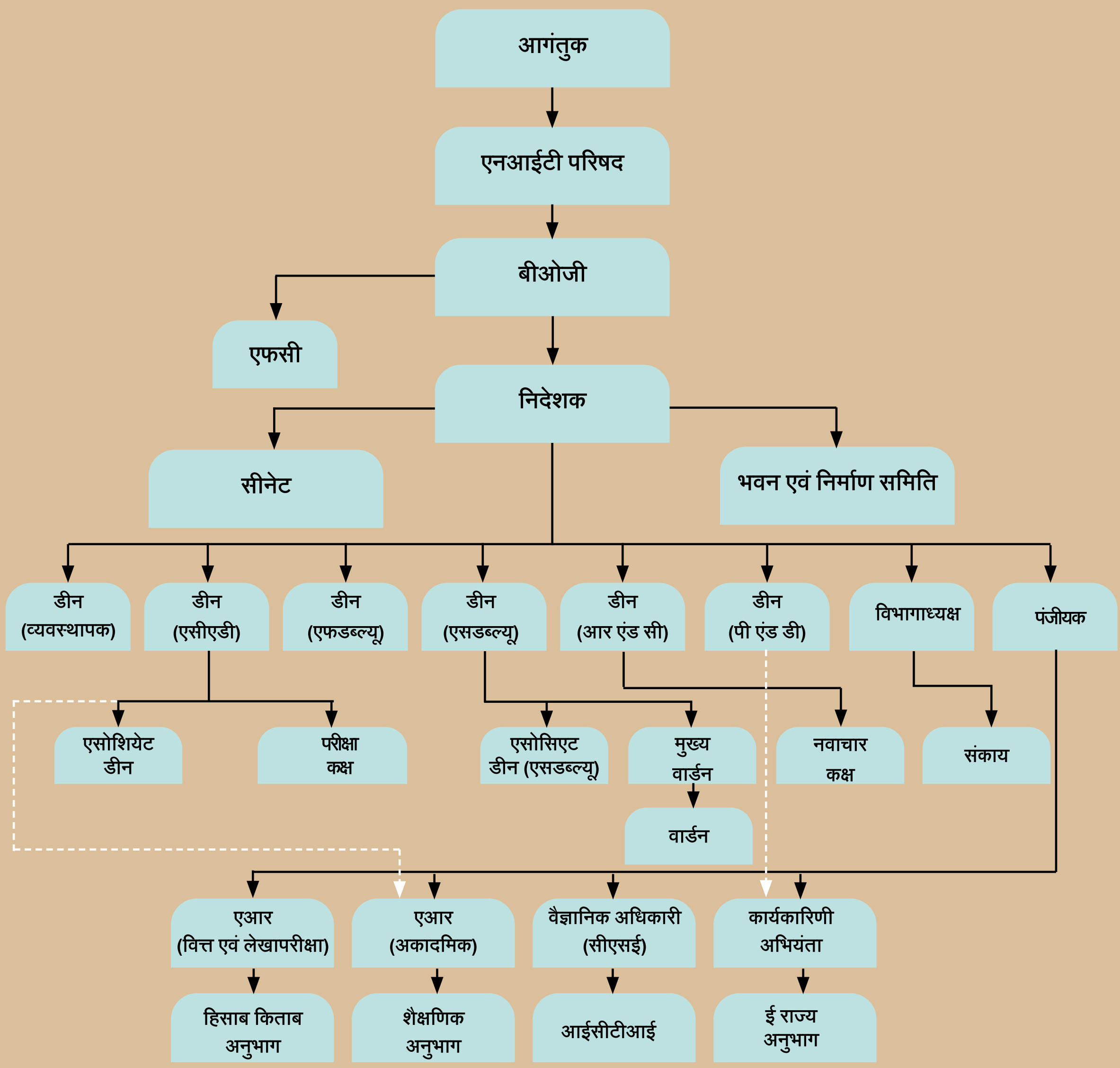

संस्थान छात्रों के सह-पाठ्यिक आवासीय और मनोरंजक गतिविधियों को प्रभावित करने के लिए विभिन्न समितियों, जैसे संस्थान कैंटीन समिति, छात्र सहायता कल्याण समिति, छात्रावास और भोजनालय समिति आदि का प्रबंधन करने के लिए छात्रों को अवसर प्रदान करता है।

भर्ती अभियान- शैक्षणिक पद

शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित निर्धारित भर्ती नियमों और अब तक प्राप्त विसंगति समिति की सिफारिशों का पालन करते हुए, नियमित संकाय पदों के लिए चौथी भर्ती प्रक्रिया 14 दिसंबर 2022 से 17 दिसंबर 2022 तक आयोजित की गई थी। विभिन्न संवर्गों में कुल 26 शिक्षण पद भरे गए और वर्तमान में, शिक्षण संवर्ग में केवल 12 रिक्तियां शेष हैं।

शासी मण्डल एवं अन्य प्रशासनिक समितियाँ

शासी मण्डल

आचार्य महेश चंद्र गोविल
निदेशक, एनआईटी सिक्किम
पदेन सदस्य-सह अध्यक्ष (प्रभारी)
रावंगला , दक्षिण सिक्किम 737139
ईमेल: director@nitsikkim.ac.in
govilmc@gmail.com

श्री जी. पी. उपाध्याय, आईएएस
सदस्यों
सलाहकार, खान एवं भूविज्ञान विभाग, सरकार सिक्किम के
ईमेल: gpupadhyaya@gmail.com

श्री उगयेन चोपेल
सदस्य
राज्य नॉमिनी
ईमेल: ugyenchopel@gmail.com

डॉ.अरबिंदा पांडा,
सदस्य
सहायक प्रोफेसर, एनआईटी सिक्किम
ईमेल: aurobind.panda@nitsikkim.ac.in

डॉ.सौरव मलिक,
सदस्य
एसोसिएट प्रोफेसर, एनआईटी सिक्किम
ईमेल: s.mallick@nitsikkim.ac.in

संयुक्त सचिव या उनके नामांकित व्यक्ति,
भारत सरकार, माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय
ईमेल: nit.edu@nic.in

संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार,
माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग,
शिक्षा मंत्रालय
ईमेल: jsfa.edu@gov.in

एनआईटी काउंसिल नॉमिनी

- 1 (रिक्त)

एनआईटी काउंसिल नॉमिनी (महिला)

– 2 (रिक्त)

निदेशक आईआईटी गुवाहाटी/उनके नामांकित व्यक्ति
निदेशक, आईआईटी गुवाहाटी
ईमेल: director@iitg.ac.in

डॉ.रंजन बसाक
कुलसचिव (प्रभारी) एवं सचिव, एनआईटी सिक्किम, रावंगला , दक्षिण सिक्किम
ईमेल: registrar@nitsikkim.ac.in

वित्त समिति

आचार्य महेश चंद्र गोविल
निदेशक, एनआईटी सिक्किम
पदेन सदस्य-सह अध्यक्ष
ईमेल: director@nitsikkim.ac.in
govilmc@gmail.com

श्री जी.पी.उपाध्याय आईएएस
बीओजी नामांकित व्यक्ति,
अतिरिक्त मुख्य सचिव,
सिक्किम सरकार
ईमेल: gpupadhyaya@gmail.com

डॉ.सौरव मलिक
बीओजी नामांकित व्यक्ति,
सह – प्राध्यापक, विद्युत एवं
इलेक्ट्रोनिक्स अभियांत्रिकी विभाग
ईमेल: s.mallick@nitsikkim.ac.in

संयुक्त सचिव या /उसका नामांकित व्यक्ति
भारत सरकार
माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग,
शिक्षा मंत्रालय
शास्त्री भवन,
नई दिल्ली - 110 001
ईमेल:: nit.edu@nic.in

संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग,
शिक्षा मंत्रालय
शास्त्री भवन,
नई दिल्ली - 110 001
ईमेल: jsfa.edu@gov.in

डॉ.रंजन बसाक
कुलसचिव (प्रभारी) एवं सचिव, एनआईटी सिक्किम
रावंगला , दक्षिण सिक्किम 737139
ईमेल: registrar@nitsikkim.ac.in

भवन एवं कार्य समिति

आचार्य महेश चंद्र गोविल
निदेशक, एनआईटी सिक्किम
पदेन सदस्य-सह अध्यक्ष
ईमेल: director@nitsikkim.ac.in

श्री मनीष कुमार जिंदल
मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ),
भारतीय गुणवत्ता नियंत्रण
ईमेल: manishjindal.hsbte@gmail.com

श्री राज कमल मित्तल
संयुक्त. महानिदेशक, सिविल अभियांत्रिकी,
मध्य कमान, लखनऊ
ईमेल: rkmittal123@gmail.com

डॉ.अरबिंद पांडा
अधिष्ठाता प्रभारी, योजना और विकास,
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
ईमेल: dpd@nitsikkim.ac.in

डॉ.रंजन बसाक
कुलसचिव (प्रभारी) एवं सचिव, एनआईटी सिक्किम
रावंगला , दक्षिण सिक्किम 737139
ईमेल: registrar@nitsikkim.ac.in

सीनेट के सदस्य

क	**निदेशक**	
	आचार्य महेश चंद्र गोविल निदेशक, एनआईटी सिक्किम, पदेन अध्यक्ष	अध्यक्ष
ख	**बाहरी सदस्य**	
	प्रो. अद्रिजीत गोस्वामी गणित विभाग, आईआईटी खड़गपुर	सदस्य
	प्रो. नूपुर टंडन मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, एमएनआईटी, जयपुर	सदस्य
	प्रो. ललित कुमार अवस्थी निदेशक, एनआईटी उत्तराखंड	सदस्य
	प्रो. वीरेन्द्र सिंह विद्युत अभियांत्रिकी विभाग , आईआईटी बॉम्बे	सदस्य
ग	**सभी विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, एनआईटी सिक्किम**	सदस्य
घ	**डॉ.रंजन बसाक** कुलसचिव (प्रभारी), एनआईटी सिक्किम	सचिव

कुलसचिव

डॉ.रंजन बसाक

कुलसचिव (प्रभारी) एवं सचिव, एनआईटी सिक्किम

रावंगला, दक्षिण सिक्किम 737139

ईमेल: registrar@nitsikkim.ac.in

अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष

अधिष्ठाता प्रशासन	डॉ.अचिंतेश नारायण विश्वास
अधिष्ठाता संकाय कल्याण	डॉ.धनंजय त्रिपाठी
अधिष्ठाता शैक्षणिक	डॉ.रंजन बसाक
अधिष्ठाता छात्र कल्याण	डॉ.सौरव मलिक
अधिष्ठाता शोध एवं परामर्श	डॉ.प्रत्यय कुइला
अधिष्ठाता नियोजन एवं विकास	डॉ.अरबिंदा पांडा
सह अधिष्ठाता शैक्षणिक (पीजी)	डॉ.मोले रॉय
विभागाध्यक्ष संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	डॉ.संग्राम रे
विभागाध्यक सूक्ष्म कनिका एवं संचार अभियांत्रिकी	डॉ. संजय कुमार जाना
विभागाध्यक्ष वैद्युतिक एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	डॉ.अरबिंदा पांडा
विभागाध्यक्ष यांत्रिकी अभियांत्रिकी	डॉ.अनिल लाल एस
विभागाध्यक्ष सिविल अभियांत्रिकी	डॉ.जॉय पाल
विभागाध्यक्ष गणित	डॉ.रवि श्रीवास्तव
विभागाध्यक्ष भौतिकी	डॉ.मो. नुरुज्जमन
विभागाध्यक्ष रसायन विज्ञान	डॉ.अचिंतेश एन बिस्वास
विभागाध्यक्ष मानविकी और सामाजिक विज्ञान	डॉ.धनंजय त्रिपाठी

संकाय-प्रभारी (एफआईसी)

क्र.सं.	समिति/प्रकोष्ठ/अनुभाग का नाम	संकाय प्रभारी
1	परीक्षा प्रकोष्ठ	डॉ. सुमित साहा
2	स्वास्थ्य देखभाल सेवाएँ	डॉ. ओम प्रकाश
3	क्रीडा और खेल	डॉ. संभुनाथ बर्मन
4	सांस्कृति गतिविधियां	डॉ. ऋचा मिश्रा एवं डॉ.कृति तिवारी
5	केंद्रीय पुस्तकालय	डॉ. तारकनाथ कुंडू
6	उद्यमिता एवं नवप्रवर्तन कक्ष	डॉ. हेमन्त कुमार कथानिया
7	बाहरी संबंध और आउटरीच गतिविधियाँ	डॉ. अनिंद्य बिस्वास
8	प्रशिक्षण एवं स्थानन	डॉ. धनंजय त्रिपाठी
9	भण्डार एवं क्रय अनुभाग	डॉ. अरबिंदा पांडा
10	पूर्व छात्र संबंधित प्रकोष्ठ	डॉ. संग्राम रे
11	आईसीटीआई (एफआईआईसीटीआई संयोजक / समन्वयक होंगे।	डॉ. प्रत्यय कुइला , समन्वयक, कंप्यूटिंग डिवाइस
		डॉ. मो. सरफराज आलम अंसारी, समन्वयक, कैंपस वाइड नेटवर्किंग
		डॉ. पंकज कुमार केसरवानी , सलाहकार, संस्थान वेबसाइट विकास एवं रखरखाव श्री गजेंद्र एस. शेखावत , समन्वयक, संस्थान वेबसाइट विकास एवं रखरखाव
12	प्रकाशन एवं मुद्रण	डॉ. धनंजय त्रिपाठी
13	सामुदायिक विकास और जागरूकता कार्यक्रम (सीडीएपी)	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी
14	भारतीय भाषा प्रचार-प्रसार	डॉ. धनंजय त्रिपाठी
15	वाहन एवं परिवहन प्रबंधन कक्ष	डॉ. सौरव मलिक
16	भूदृश्य, बागवानी और पर्यावरण संरक्षण कक्ष	डॉ. अंजन कुमार रे
17	मुख्य वार्डन	डॉ. रवि श्रीवास्तव
18	स्वच्छ भारत अभियान और फिट इंडिया मूवमेंट	डॉ. ओम प्रकाश
19	फिट इंडिया मूवमेंट और एक भारत श्रेष्ठ भारत	डॉ. संजय कुमार जाना डॉ.प्रत्यय कुइला
20	आउटसोर्स जनशक्ति	श्री रेवा एन शर्मा
21	संपदा - वैद्युतिक	डॉ. प्रदीप कुमार
22	संपदा - सिविल	श्री रेवा एन शर्मा
23	वार्षिक प्रतिवेदन (रिपोर्ट)	डॉ.धनंजय त्रिपाठी

आंतरिक शिकायत समिति

समिति सदस्यगण	
1. डॉ.रेशमी धारा ,	पीठासीन अधिकारी
2. डॉ.नूपुर टंडन,	बाहरी सदस्य
3. श्री जसलाल प्रधान,	बाहरी सदस्य
4. अधिष्ठाता छात्र कल्याण,	सदस्य
5. अधिष्ठाता संकाय कल्याण,	सदस्य
6. सुश्री चंद्रा कुमारी राय	सदस्य
7. श्रीमती निशिता छेत्री	सदस्य

संकाय एवं स्टॉफ विवरण

संस्थान के सभी संकाय सदस्य योग्य हैं, जो छात्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। एनआईटी सिक्किम में विभिन्न शैक्षणिक विषयों के संकाय सदस्य पीएचडी या डी.फिल उपाधिधारी हैं। अड़तीस (38) स्वीकृत शिक्षण स्टाफ पदों में से, संस्थान में वर्तमान में छब्बीस (26) स्थायी संकाय सदस्य हैं। और पिछले कुछ वर्षों के दौरान छात्रों के प्रवेश में वृद्धि हुई है और वर्तमान में 960 छात्रों ने प्रवेश लिया है (पीएचडी छात्रों को छोड़कर) और संकाय छात्र अनुपात 1:37 है; जो कि 1:12 के निर्धारित मानक अनुपात से बहुत अधिक नीचे है। इसलिए, अतिरिक्त बयालीस (42) संकाय पदों की तत्काल आवश्यकता है।

चूंकि संस्थान एक अस्थायी परिसर में दूरस्थ ।ग्रामीण स्थान में स्थित होकर काम कर रहा है जिसमें उचित चिकित्सा सुविधा, आवास और उचित स्कूली शिक्षा आदि जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कर्मियों को बनाए रखना और उनकी भर्ती करना एक बड़ी चुनौती बन गई है। एक अस्थायी परिसर में कमी के बावजूद एनआईटी सिक्किम छात्रों को शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने के लिए कड़े प्रयास कर रहा है।

विभिन्न चुनौतियों के बावजूद, एनआईटी सिक्किम के संकाय सदस्यों ने 2020-21 में 91 जर्नल पेपर, 34 सम्मेलन पत्रों, 20 पुस्तक अध्यायों और एक पुस्तक में योगदान दिया है। वर्ष 2021-22 के दौरान, संस्थान के संकाय सदस्यों और शोधार्थी ने प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में 106 शोध लेख, सम्मेलन की कार्यवाही में 61 पत्र, 10 पुस्तक अध्याय और एक पुस्तक प्रकाशित की है।

शोध गतिविधियों में जियोपॉलिमर कंपोजिट, टिकाऊ कंक्रीट, हरित सामग्री, अपशिष्ट आधारित निर्माण सामग्री, भूजल और अपशिष्ट जल उपचार, ढलान स्थिरता, असंतृप्त मिट्टी यांत्रिकी, गतिशील विश्लेषण, विकासवादी एल्गोरिदम, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, क्रिप्टोग्राफी और सूचना सुरक्षा, वायरलेस संचार, डिजिटल संचार, एंटीना विकास (अल्ट्रा-वाइडबैंड, एमआईएमओ, 5जी इत्यादि), ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार, पावर सिस्टम ऑपरेशन, कंट्रोल सिस्टम, मल्टी-रोबोट समन्वय, बीसवीं शताब्दी फिक्शन, अंग्रेजी में भारतीय लेखन, स्पेक्ट्रल ग्राफ सिद्धांत, संख्यात्मक रैखिक बीजगणित, उत्पादन योजना और इन्वेंटरी नियंत्रण (परिचालन शोध), प्रायोगिक और संख्यात्मक हीट ट्रांसफर और कम्प्यूटेशनल द्रव गतिशीलता, मशीन डिजाइन, इकोनोफिजिक्स, प्रायोगिक गैर-रेखीय गतिशीलता, डेटा आत्मसात, क्वांटम जानकारी और कई-शरीर भौतिकी के साथ इसका इंटरफ़ेस, सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान , जैव-अकार्बनिक रसायन विज्ञान जैसे कई और विविध क्षेत्र शामिल हैं। नियमित पदों पर नियुक्त संकाय सदस्यों की वर्तमान संरचना नीचे दी गई है: -

कैडर	चार स्तरीय कैडर नियमों के अनुसार स्वीकृत पदों की संख्या	वर्तमान संकाय
सहायक प्राध्यापक	23	12
सह प्राध्यापक	15	14
प्राध्यापक	00	00
कुल	38	26

संकाय सदस्यों की सूची

क्रमांक	नाम	विभाग
1	डॉ. संग्राम राय	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी
2	डॉ. प्रत्यय कुइला	
3	डॉ. मो.सरफराज आलम अंसारी	
4	डॉ. पंकज कुमार केसरवानी	
5	डॉ. संजय कुमार जाना	इलेक्ट्रोनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी
6	डॉ. हेमंत कुमार कथानिया	
7	डॉ. रेशमी धारा	

क्रमांक	नाम	विभाग
8	डॉ. अंजन कुमार रे	विद्युत एवं इलेक्ट्रोनिक्स अभियांत्रिकी
9	डॉ. सौरव मल्लिक	
10	डॉ. अरबिंद पांडा	
11	डॉ. प्रदीप कुमार	
12	डॉ. मोले रॉय	
13	डॉ. निमाइ चरण पटेल	
14	डॉ. शंभू नाथ बर्मन	यांत्रिकी अभियांत्रिकी
15	डॉ. रंजन बसाक	
16	डॉ. अनिल लाल एस	
17	डॉ. जय गोपाल गुप्ता	
18	डॉ. जॉय पाल	सिविल अभियांत्रिकी
19	डॉ. धनंजय त्रिपाठी	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
20	डॉ. रवि श्रीवास्तव	गणित
21	डॉ. ओम प्रकाश	
22	डॉ. मोहम्मद नुरुज्जमन	भौतिक विज्ञान विभाग
23	डॉ. अनिंद्य विश्वास	
24	डॉ. तारक नाथ कुंडू	रसायन विज्ञान
25	डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास	
26	डॉ. सुमित साहा	

इसके अतिरिक्त, संस्थान के मूलभूत/आवश्यक ढांचे और शिक्षा व प्रशासन दोनों से सम्बन्धित गतिविधियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। अधिकारी के कैडर में अस्थायी / तदर्थ कर्मचारियों के साथ काम करना भविष्य में कई चुनौतियों को आमंत्रित कर सकता है और संस्थान के उचित कामकाज में बाधा डाल सकता है। कर्मचारियों की अपर्याप्त संख्या के कारण संस्थान में समुचित सेट-अप का अभाव है। इससे लेखा, स्थापना, शैक्षणिक, भंडार एवं क्रय जैसे महत्वपूर्ण अनुभागों के कार्य भी सुचारु नहीं हो पाते हैं। इसलिए, संस्थान के उचित कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए, संस्थान ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को बार-बार विस्तृत रूप से नीचे दिए गए कम से कम इक्यावन (51) अतिरिक्त गैर-शिक्षण पदों को मंजूरी देने के लिए अनुरोध भेजा है। वर्तमान स्वीकृत संख्या केवल सैंतीस (37) है।

क्रमांक	कैडर	स्वीकृत पद
1	कुलसचिव	01
2	उप कुलसचिव	00
3	सहायक कुलसचिव	02
4	पुस्तकालयाध्यक्ष	00
5	उप पुस्तकालयाध्यक्ष	00
6	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	00
7	वरिष्ठ विद्यार्थी क्रियाकलाप एवं क्रीड़ा अधिकारी / सहायक अभियंता	00
8	विद्यार्थी क्रियाकलाप एवं क्रीड़ा अधिकारी	00
9	वैज्ञानिक अधिकारी / तकनीकी अधिकारी	01
10	अधिशासी अभियंता	01
11	चिकित्साधिकारी	00
12	तकनीकी सहायक / कनिष्ठ इंजीनियर / एसएएस सहायक / नर्स	09
13	अधीक्षक / लेखाकार	03
14	निजी सहायक	00
15	तकनीशियन / प्रयोगशाला सहायक / कार्य सहायक	10
16	वरिष्ठ तकनीशियन	00
17	वरिष्ठ सहायक	00
18	कनिष्ठ सहायक	06

क्रमांक	कैडर	स्वीकृत पद
19	आशुलिपिक	00
20	फार्मासिस्ट	00
21	बहुउद्देशीय कर्मचारी	04
कुल		37

कार्मिकों की सूची

क्रमांक	नाम	पदनाम
1	श्री राम प्रसाद नेपाल	सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
2	श्री साहिल मिंडा	सहायक कुलसचिव (वित्त एवं लेखा परीक्षा)
3	श्री गजेन्द्र सिहं शेखावत	वैज्ञानिक अधिकारी
4	श्री रेवा नाथ शर्मा	कनिष्ठ अभियन्ता /तकनीकी सहायक (जनपद)
5	श्री राहुल कुमार ब्याहुत	लेखाकार, लेखा अनुभाग
6	सुश्री चंद्रा कुमारी राय	लेखाकार, लेखा अनुभाग
7	श्री विष्णु कुमार शर्मा	अधीक्षक
8	श्री अमित तामंग	तकनीकी सहायक, इलेक्ट्रोनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी
9	सुश्री दीपिका छेत्री	तकनीकी सहायक, विद्युत एवं इलेक्ट्रोनिक्स अभियांत्रिकी
10	श्री भास्कर भट्टराई	कनिष्ठ अभियन्ता /तकनीकी सहायक (जनपद)
11	श्री अमृत शर्मा	कनिष्ठ अभियन्ता , (विद्युत)
12	सुश्री. सहेली साहा	कनिष्ठ अभियन्ता , संपदा सिविल
13	श्री सुमित कुमार	तकनीकी सहायक सिविल अभियांत्रिकी
14	श्री पवन कुमार कथानिया	तकनीकी सहायक इलेक्ट्रोनिक्स एवं विद्युत अभियांत्रिकी
15	श्री अनिल गुर्जर	तकनीकी सहायक, इलेक्ट्रोनिक्स एवं विद्युत अभियांत्रिकी
16	श्री सुनील कुमार कुशवाहा	तकनीकी सहायक, यांत्रिक अभियांत्रिकी
17	श्रीमती चन्द्रमा मजूमदार	तकनीशियन, जैव विज्ञान
18	श्री तपन छेत्री	प्रयोगशाला तकनीशियन, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
19	श्री सिद्धार्थ प्रधान	प्रयोगशाला सहायक, इलेक्ट्रोनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी
20	श्री मनीष कुमार	प्रयोगशाला तकनीशियन, विद्युत एवं इलेक्ट्रोनिक्स अभियांत्रिकी
21	श्री अमित मैती	तकनीशियन, यांत्रिकी अभियांत्रिकी
22	सुश्री चंदा मोक्तन	तकनीशियन, जनपद अभियांत्रिकी
23	श्री सुमन पाठक	प्रयोगशाला सहायक, रसायन विज्ञान विभाग
24	श्री हैप्पी मंडल	प्रयोगशाला सहायक, भौतिक विज्ञान विभाग
25	श्री महावीर गुर्जर	तकनीशियन इलेक्ट्रोनिक्स एवं विद्युत अभियांत्रिकी
26	श्री सैकत मिस्त्री	तकनीशियन, इलेक्ट्रोनिक्स एवं विद्त अभियांत्रिकी
27	श्री बापी मंडल	कनिष्ठ सहायक, निदेशक कार्यालय
28	श्रीमती निशिता छेत्री	कनिष्ठ सहायक, कुलसचिव कार्यालय
29	श्री भरत प्रधान	कनिष्ठ सहायक, लेखा अनुभाग
30	सुश्री क्षिरिंग ज़ंगमो भूटिया	कनिष्ठ सहायक, अधिष्ठाता (प्रभारी) विद्यार्थी मामले कार्यालय
31	सुश्री सोनम चोड़ेन तमांग	बहुउद्देशीय कर्मचारी, अधिष्ठाता (प्रभारी) शैक्षणिक मामले कार्यालय
32	श्री राजेश कुमार गुप्ता	कनिष्ठ सहायक, कुलसचिव कार्यालय
33	श्रीमती पूनम सिंह	बहुउद्देशीय कर्मचारी, एफआईसीएमए कार्यालय
34	श्री अरविन्द गुप्ता	कार्यालय सहायक, लेखा अनुभाग
35	सुश्री दिल कुमारी छेत्री	प्रयोगशाला परिचारक
36	श्री भावेश छेत्री	कार्यालय परिचारक, निदेशक कार्यालय

शैक्षणिक कार्यक्रम
और प्रदत्त उपाधियाँ

1. शैक्षणिक कार्यक्रम

संस्थान पांच विषयों में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम अर्थात बैचलर ऑफ टेक्नॉलॉजी (बी.टेक.), अभियांत्रिकी और विज्ञान के विशेष क्षेत्रों में दो वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम अर्थात मास्टर ऑफ टेक्नॉलॉजी (एम.टेक.) और मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) की उपाधि प्रदान करता है। इसी प्रकार, अभियांत्रिकी / प्रोद्योगिकी / विज्ञान / मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में पूर्णकालिक / अंशकालिक शोध कार्यक्रम अर्थात पीएच.डी. की उपाधि भी प्रदान की जाती है।

तालिका-1: विभागवार प्रस्तावित कार्यक्रम

क्र.सं	विभाग	स्नातक कार्यक्रम	स्नातकोत्तर कार्यक्रम	पीएच. डी. कार्यक्रम
1	**सिविल अभियांत्रिकी**	सिविल अभियांत्रिकी में बी.टेक.		
2	**संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी**	कंप्यूटर विज्ञान & अभियांत्रिकी में बी.टेक.	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम. टेक.	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में पीएच.डी.
3	**इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन अभियांत्रिकी**	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन अभियांत्रिकी बीटेक	माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई डिजाइन में एम. टेक.	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन अभियांत्रिकी में पीएच.डी
4	**विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी**	विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में बीटेक	विद्युत अभियांत्रिकी (कंट्रोल, पॉवर और इलेक्ट्रिक ड्राइव) में एम. टेक.	विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में पीएच.डी.
5	**यांत्रिकी अभियांत्रिकी**	यांत्रिकी अभियांत्रिकी में बीटेक		यांत्रिकी अभियांत्रिकी में पीएच.डी.
6	**रसायन विज्ञान**		रसायन शास्त्र में एम.एससी.	रसायन शास्त्र में पीएच.डी.
7	**गणित**			गणित में पीएच.डी.
8	**भौतिक विज्ञान**			भौतिक विज्ञान में पीएच. डी.
9	**मानविकी और सामाजिक विज्ञान**			अंग्रेजी में पीएच. डी.

संस्थान के ये सभी कार्यक्रम सीनेट द्वारा नियोजित एवम् पर्यवेक्षित हैं। सीनेट संस्थान का निर्णय लेने वाला सर्वोच्च निकाय है। सीनेट को सीनेट की स्थायी समिति (एसएससी), सीनेट स्नातक बोर्ड (एसयूजीबी), और सीनेट स्नातकोत्तर बोर्ड (एसपीजीबी) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है जो सीनेट के निर्णयों को लागू करने में भी सहायता करते हैं। सीनेट द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के परामर्श से विभागों द्वारा कार्यक्रमों की समय समय पर समीक्षा की जाती है। विशेषज्ञ समितियां कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम, विषय वस्तु और मूल्यांकन प्रक्रिया आदि की समीक्षा करती है। शिक्षण का माध्यम अंग्रेजी है और सभी कार्यक्रमों का मूल्यांकन भी अंग्रेजी में किया जाता है। सभी शैक्षणिक गतिविधियां सीनेट द्वारा अनुमोदित शैक्षणिक पंचांग के अनुसार ही निष्पादित की जाती है।

एम.टेक हेतु केंद्रीकृत काउंसलिंग (सीसीएमटी), एम.एससी. हेतु केंद्रीकृत काउंसलिंग (सीसीएमएन) और सेंट्रल सीट एलोकेशन बोर्ड (सीएसएबी) 2022 के माध्यम से स्नातक और स्नात्कोत्तर कार्यक्रमों में नए प्रवेश में सामान्य स्थिति की तुलना में दो-तीन महीने की देरी हुई है।

1.1. प्रवेश प्रक्रिया:

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी (बी.टेक.) : बी.टेक में प्रवेश राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मुख्य परीक्षा नामक राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में प्राप्त मेरिट के आधार पर, सीएफटीआई/ एनआईटी हेतु भारत सरकार की सामान्य नीति के अनुसार किए जाते हैं। सीटें संयुक्त सीट आवंटन प्रक्रिया (जेओएसएसए)/(सीएसएबी) द्वारा आवंटित की जाती है जिसमें सिक्किम राज्य के गृह राज्य कोटे के तहत 50% तथा शेष 50% भारत सरकार द्वारा अन्य राज्यों के उम्मीदवारों से विशुद्ध रूप से जेईई मुख्य परीक्षा में भारत सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गई केंद्रीकृत परामर्श प्रणाली द्वारा तैयार रैंकिंग के आधार पर पूर्ण की जाती है। इसके अलावा, सरकार द्वारा निर्धारित नीति के तहत चयनित विदेशी नागरिकों/एनआरआई के लिए सीटों की एक निर्दिष्ट संख्या। इसके अलावा, विदेशी नागरिकों के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित नीति (डीएएसए/आईसीसीआर,आदि) के तहत चयनित विदेशी नागरिकों/ प्रवासी भारतीयों को सीधे कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश प्रदान किया जाता है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग व्यक्ति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए सीटें आरक्षित है।

मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक.): जीएटीई में पात्रता प्राप्त उम्मीदवारों को एम.टेक में प्रवेश सेंट्रल काउंसलिंग फॉर मास्टर्स ऑफ टेक्नोलॉजी (सीसीएमटी) नामक सामान्य प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से दिया जाता है। सरकारी संगठनों/ उद्योग/ केंद्रीय वित्त पोषित तकनिकी संस्थानों आदि से प्रायोजित उम्मीदवारों के लिए प्रवेश, परीक्षा/ साक्षात्कार/ गेट स्कोर के माध्यम से पूर्णकालिक आधार पर उपलब्ध है। एम.टेक पाठ्यक्रम में प्रायोजित उम्मीदवार जीएटीई में अर्हता प्राप्त करने के बावजूद छात्रवृत्ति प्राप्त करने हेतु पात्र नहीं हैं। सीसीएमटी आवंटन के बाद खाली रहने वाली सीटें सीसीएमटी द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों के अनुरूप संस्थान प्रवेश परीक्षा (आईएटी) के माध्यम से भरी जाती हैं।

मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.): एम.एससी. पाठ्यक्रम में प्रवेश एनआईटी में एमएससी हेतु केंद्रीकृत काउंसलिंग प्रक्रिया (सीसीएमएन) के माध्यम से आईआईटी-जेएएम में प्राप्त स्कोर के आधार पर दिया जाता है। सीसीएमएन आवंटन के बाद खाली रहने वाली सीटें सीसीएमएन द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों के अनुरूप संस्थान प्रवेश परीक्षा (आईएटी) के माध्यम से भरी जाती हैं।

डॉक्टरेट कार्यक्रम (पीएचडी): पीएचडी कार्यक्रम में (नियमित/ अंशकालिक/ प्रायोजित) प्रवेश संबंधित विभागों द्वारा आयोजित संस्थान स्तरीय परीक्षा/ व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से दिए जाते हैं।

1.2 प्रवेश संबंधी आंकड़े 2022-23:

तालिका-2: शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में प्रवेशित विद्यार्थी

क्र.सं	विभाग	बी. टेक..		एम. टेक.		एम.एससी.		पीएच.डी.
		कुल सीटें	प्रवेश दिया गया	कुल सीटें	प्रवेश दिया गया	कुल सीटें	प्रवेश दिया गया	प्रवेश दिया गया
1	सिविल अभियांत्रिकी	30	28					
2	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	40	39	22	0			11
3	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	30	29	22	0			5
4	विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	30	26	22	1			4
5	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	30	30					2
6	रसायन विज्ञान					17	10	4
7	भौतिक विज्ञान							3
8	गणित							3
9	मानविकी और सामाजिक विज्ञान							1
	कुल	160	152	66	01	17	10	33

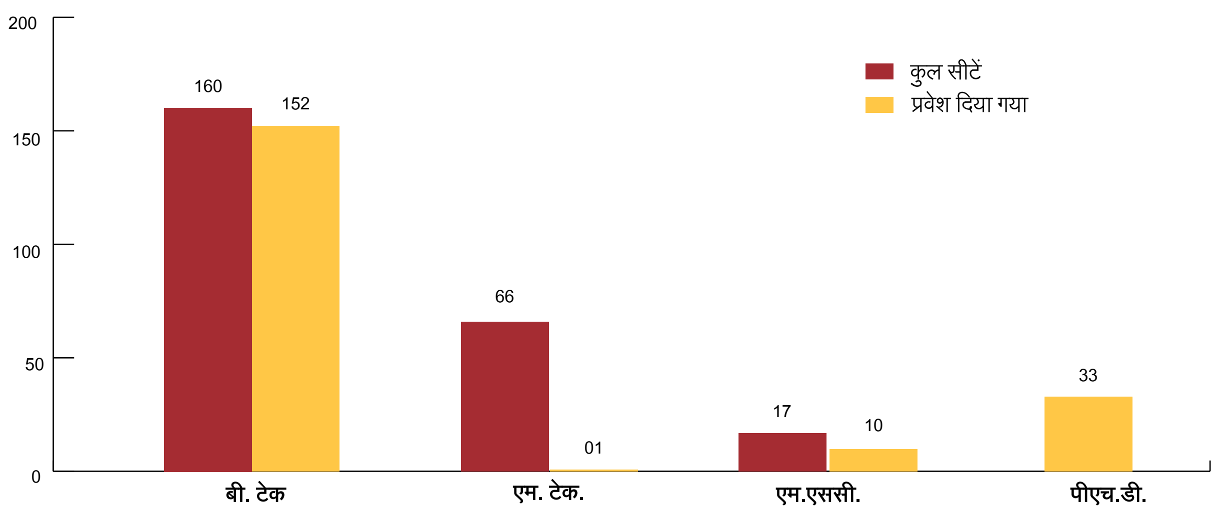

तालिका-3: शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में श्रेणीवार और लिंगवार दिए गए प्रवेश का विवरण

कार्यक्रम	विभाग	2022-23 में वास्तविक प्रवेश	वर्ग						लिंग		विशेष श्रेणी
			अनु. जाति	अनु. जनजाति	ओबीसी एनसीएल	ईडब्लू एस*	सामान्य	कुल	पुरुष	महिला	दिव्यांग
बी.टेक.	सी.ई.	28	4	9	9	लागू नहीं	6	28	23	5	0
	सी.एस.ई	39	8	3	14	लागू नहीं	14	39	32	7	1
	ई.सी.ई.	29	6	2	9	लागू नहीं	12	29	22	7	0
	ई.ई.ई.	26	4	2	11	लागू नहीं	9	26	21	5	0
	एम.ई.	30	6	1	12	लागू नहीं	11	30	25	5	0
एम.टेक.	सीएसई	00	0	0	0	लागू नहीं	0	0	0	0	0
	सी.एस.ई	00	0	0	0	लागू नहीं	0	0	0	0	0
	ई.सी.ई.	01	0	0	0	लागू नहीं	1	1	0	1	0
एम.एससी.	रसायन विज्ञान	10	2	2	2	लागू नहीं	4	10	5	5	0
पीएच.डी.	सभी विभाग	33	2	1	10	लागू नहीं	20	33	24	9	0
कुल		**196**	**32**	**20**	**67**	**लागू नहीं**	**77**	**196**	**152**	**44**	**1**

* वर्ष 2022-23 के पाठ्यक्रमों में बी.टेक., एम. टेक. और एम.एससी. में प्रवेश के लिए ईडब्ल्यूएस को आरक्षण देने पर विचार नहीं किया गया क्योंकि शिक्षा मंत्रालय ने एनआईटी सिक्किम को इसमें छूट दी थी।

चार्ट-2: 2022-23 में सभी कार्यक्रमों में प्रवेश का श्रेणीवार प्रतिशत

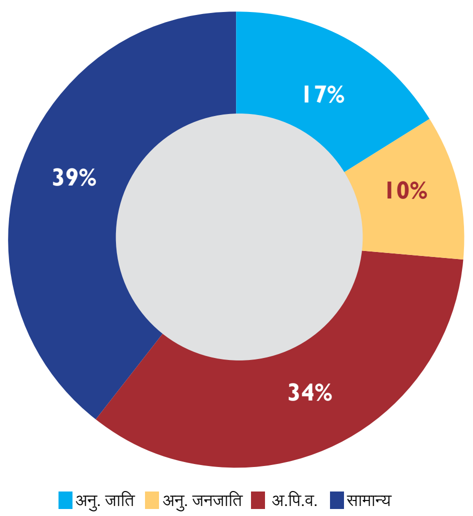

चार्ट-3: 2022-23 में प्रवेशित विद्यार्थियों का लिंगवार वितरण

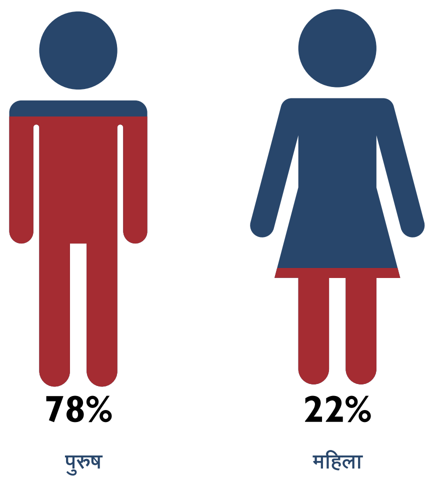

चार्ट-4: विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश का तरीका

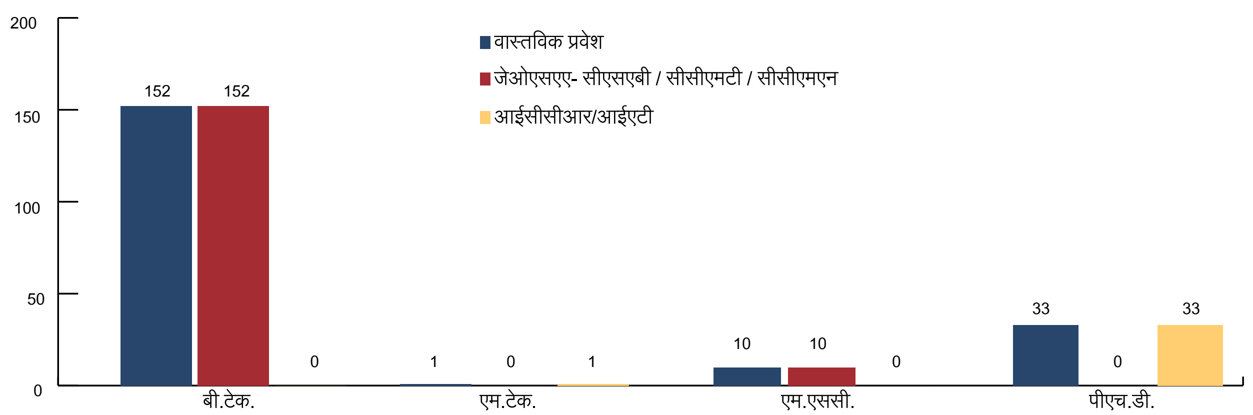

1.3 वर्ष 2022-23 में पजीकृत कुल विद्यार्थी :

तालिका-4: 2022-23 के दौरान विद्यार्थियों की कुल संख्या :

कार्यक्रम	वर्ग				लिंग			दिव्यांग
	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अ.पि.व.	सामान्य	कुल	पुरुष	महिला	
बी. टेक.	97	60	195	239	591	463	128	5
एम. टेक.	7	1	4	21	33	18	15	0
एम. एससी.	3	2	5	16	26	15	11	0
पीएच. डी.	10	4	19	39	72	56	16	0
कुल	**117**	**67**	**223**	**315**	**722**	**552**	**170**	**5**

नोट: *आईसीसीआर प्रायोजित कार्यक्रम के तहत चार छात्र बी. टेक. पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर रहे हैं।

चार्ट-5: प्रतिशत में विद्यार्थियों का (श्रेणी, लिंग और कार्यक्रम वार) वितरण।

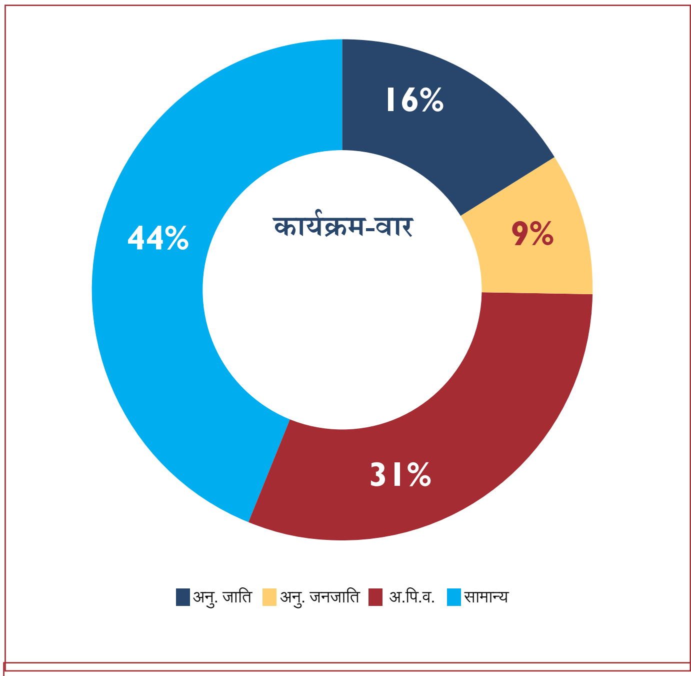

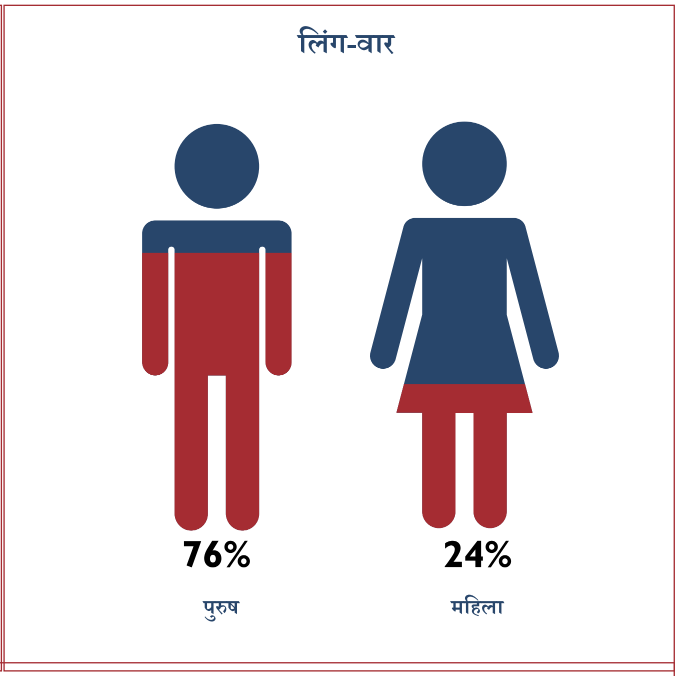

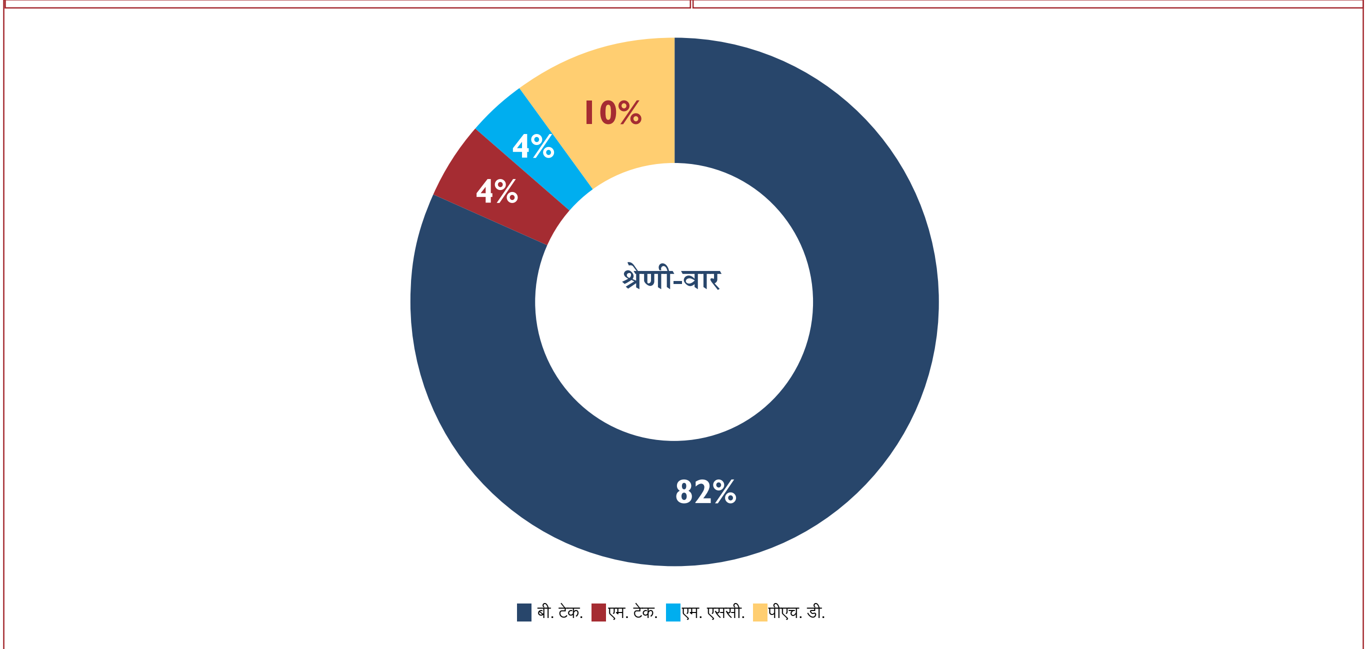

1.4 शैक्षणिक कैलेंडर :

शैक्षणिक कैलेंडर इस तरह से तैयार किया जाता है कि उसमें विद्यार्थियों की शैक्षणिक, सह-शैक्षणिक और अन्य संबंधित गतिविधियां/ कार्यक्रम पूरे सत्रार्ध काल में अच्छी तरह से वितरित हों।

सीनेट शैक्षणिक कार्यालय द्वारा तैयार शैक्षणिक कैलेंडर का अनुमोदन करता है। 2022-23 के शैक्षणिक सत्र के लिए शैक्षणिक कैलेंडर की प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार हैं:-

तालिका 5: समसंख्यांक (इवन) सत्रार्ध 2022-23 का शैक्षणिक कैलेंडर

क्र. सं	गतिविधियाँ	बी.टेक. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ वर्ष (IV/VI/VIII सत्रार्ध) एम. टेक. और एम. एससी. द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर	बी.टेक. प्रथम वर्ष _ (द्वितीय सेमेस्टर)
1	कक्षा का प्रारम्भ	23 जनवरी, 2023	13 मार्च, 2023
2	प्रथम मध्यावधि परीक्षा	20-22 फरवरी, 2023	10-12 अप्रैल, 2023
3	मध्य सत्रार्ध ब्रेक	06-10 मार्च, 2023	24-25 और 27 मई, 2021
4	द्वितीय मध्यावधि परीक्षा	3-6 अप्रैल, 2023	15-17 मई, 2023
5	अंतिम सत्र परीक्षा	8-20 मई, 2023	12-24 जून, 2023
6	प्रैक्टिकल/सत्रिक परीक्षा	22-27 मई, 2023	26 जून-01 जुलाई, 2023
7	परिणाम की घोषणा	02 जून, 2023	10 जुलाई, 2023
8	ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम और अनुपूरक परीक्षा	29 मई-21 जुलाई, 2023	लागू नहीं
9	विषम सेमेस्टर 23-24 का प्रारम्भ	24 जुलाई, 2023	24 जुलाई, 2023

तालिका 6: विषम संख्यांक सत्रार्ध 2022-23 का शैक्षणिक कैलेंडर

क्र. सं	गतिविधियाँ	बी.टेक. तृतीय, चतुर्थ वर्ष (V/VII सत्रार्ध), एम.टेक और एम. एससी. द्वितीय वर्ष (तृतीय सत्रार्ध)	बी.टेक. द्वितीय _ वर्ष (तृतीय सत्रार्ध)	बी.टेक. प्रथम वर्ष, प्रथम सत्रार्ध
1	ओरिएंटेशन/ इंडक्शन प्रोग्राम			10 नवंबर, 2022
2	कक्षा का प्रारम्भ	25 जुलाई, 2022	16 अगस्त 2022	14 नवंबर 2022
3	प्रथम मध्यावधि परीक्षा	29-31 अगस्त, 2022	19-21 सितंबर, 2022	10-12 दिसंबर, 2022
4	द्वितीय मध्यावधि परीक्षा	17-19 अक्टूबर, 2022	31 अक्टूबर- 02 नवंबर, 2022	16-18 जनवरी, 2023
5	अंतिम सत्र परीक्षा	21 नवंबर- 03 दिसंबर, 2022	28 नवंबर- 10 दिसंबर, 2022	20-25 फरवरी, 2023
6	प्रैक्टिकल/सत्रीय परीक्षा	05-10 दिसम्बर, 2022	12-17 दिसंबर, 2022	27 फरवरी- 04 मार्च, 2023
7	परिणाम की घोषणा	23 दिसंबर, 2021	23 दिसंबर, 2021	10 मार्च, 2023
8	सम सेमेस्टर की शुरूआत	23 जनवरी, 2023	23 जनवरी, 2023	13 मार्च, 2023

1.5 2022-23 शैक्षणिक सत्र के लिए संस्थान शुल्क (प्रति सत्रार्ध):

तालिका-7

कार्यक्रम	सामान्य/ अ.पि.व. {वार्षिक पारिवारिक आय 5 लाख और अधिक} (रुपये में)	सामान्य/ अ.पि.व. {वार्षिक पारिवारिक आय 1 से 5 लाख के बीच}* * (रुपये में)	सामान्य/ अ.पि.व. {वार्षिक पारिवारिक आय एक लाख से कम}** (रुपये में)	अ.जा./ अ.ज.जा./ दिव्यांग** (रुपये में)
बी.टेक.	70,160.00	28,494.00	7,660.00	7,660.00
एम.टेक.	42,440.00	लागू नहीं	लागू नहीं	7,440.00
एम.एससी.	14,940.00	लागू नहीं	लागू नहीं	7,440.00
पीएच.डी.	15,350.00 (एफटी) / 14,470.00 (पीटी)	लागू नहीं	लागू नहीं	7,850 .00 (एफटी) / 6,970.00 (पीटी)

एफटी = पूर्णकालिक, पीटी = अंशकालिक

नोट: उपरोक्त शुल्क में हॉस्टल/मेस शुल्क शामिल नहीं है।

***ट्यूशन शुल्क माफी/छूट:** *शिक्षा मंत्रालय के दिशा-निर्देशानुसार अनुसूचित जाति., अनुसूचित जन जाति. और दिव्यांग श्रेणियों से संबंधित छात्रों को बी.टेक. की ट्यूशन फीस में पूरी तरह से छूट दी गई है। इसके अलावा, सामान्य/ अ.पि.व. छात्र जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय एक लाख से कम है, उन्हें पूरी ट्यूशन फीस माफी मिलती है और एक लाख से पांच लाख के बीच वार्षिक पारिवारिक आय वर्ग के लिए शिक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 33-4/2014-टीएस.III.के अनुसार 2016 से ट्यूशन फीस में 2/3 छूट मिलती है।*

जीएटीई में पात्रता प्राप्त एम.टेक. छात्रों को पीएच.डी. की तरह फैलोशिप प्राप्त होती है। संस्थान के शेष छात्रों का बड़ा हिस्सा भी विभिन्न एजेंसियों से छात्रवृति प्राप्त करता है।

1.6 सभी कार्यक्रमों में ट्यूशन फीस में छूट के लाभार्थी विद्यार्थियों की पूरी फीस माफ, फीस में 2/3 छूट वाली श्रेणियां :-

तालिका-8

कार्यक्रम	जिन्हें पूरी ट्यूशन फीस में छूट प्राप्त हैं।		जिनकी पूरी ट्यूशन फीस माफ़ है।	जिन्हें ट्यूशन फीस में 2/3 छूट प्राप्त हैं।	जिन्हें पूरी ट्यूशन फीस देनी होती है।
	अ.जा./ अ.ज.जा. विद्यार्थियों की संख्या	दिव्यांग विद्यार्थियों की संख्या	अ.पि.व.-एनसीएल / सामान्य विद्यार्थियों की संख्या {वार्षिक पारिवारिक आय एक लाख से कम}	अ.पि.व.-एनसीएल/ सामान्य विद्यार्थियों की संख्या {वार्षिक पारिवारिक आय 1 से 5 लाख के बीच}	अ.पि.व.-एनसीएल/ सामान्य विद्यार्थियों की संख्या {वार्षिक पारिवारिक आय 5 लाख और अधिक}
बी.टेक.	157	05	248	71	110
एम.टेक.	8	00	NA*	NA*	25
एम.एससी	05	00	NA*	NA*	21
पीएच.डी.	14	00	NA*	NA*	58

1.7 परीक्षा एवं मूल्यांकन :

संस्थान की सभी स्नातक, स्नातकोत्तर परीक्षाएं और पीएच. डी. पाठ्यक्रम संबंधी कार्य संबंधित विभागों द्वारा संचालित किया जाता है और शैक्षणिक अनुभाग/ परीक्षा प्रकोष्ठ इसकी केंद्रीय रूप से निगरानी करता है। शोध प्रबंध और थीसिस सहित सभी परीक्षाओं के लिए परीक्षा का माध्यम अंग्रेजी है।

किसी भी विद्यार्थी के प्रदर्शन का मूल्यांकन दो सूचकांकों के आधार पर किया जाता है; एक सेमेस्टर के लिए सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट औसत (एसजीपीए) और कुल ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) जो किसी भी समय सभी पूर्ण सेमेस्टर के लिए ग्रेड प्वाइंट इंडेक्स है। सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट औसत (एसजीपीए) की गणना एक सेमेस्टर में सभी पाठ्यक्रमों में प्राप्त ग्रेड के आधार पर की जाती है और कुल ग्रेड प्वाइंट औसत (सीजीपीए) की गणना सभी पूर्ण सेमेस्टर में उत्तीर्ण ग्रेड के आधार पर की जाती है।

प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए, क्रमशः 20%, 30% और 50% के वेटेज के साथ सैद्धांतिक विषयों के लिए सतत आंतरिक मूल्यांकन, मध्यावधि परीक्षा और अंतिम परीक्षा के आधार पर एक ग्रेड प्रदान किया जाता है। पेपर सेटिंग और मूल्यांकन विभाग के संबंधित पाठ्यक्रम प्रशिक्षक द्वारा किया जाता है। परीक्षा प्रकोष्ठ में ग्रेड प्रस्तुत करने से पहले मूल्यांकन की गई सभी उत्तर पुस्तिकाएं संबंधित पाठ्यक्रम प्रशिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को दिखाई जाती हैं।

2. प्रदान की गईं डिग्रियां

2.1 अंतिम वर्ष का परिणाम (जून 2022):

तालिका-9

क्र. सं.	कार्यक्रम एवं विभाग	परीक्षा में बैठे	6.5 सीजीपीए से अधिक अंक प्राप्त करने वाले	6.5 सीजीपीए से कम अंक प्राप्त करने वाले	कुल उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
1	सिविल अभियांत्रिकी में बी.टेक.	28	23	5	28	98.8%
2	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में बी.टेक.	53	48	5	53	
3	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन अभियांत्रिकी में बी.टेक.	35	32	03	35	
4	विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में बी.टेक.	40	28	10	38	
5	यांत्रिकी अभियांत्रिकी में बी.टेक.	24	19	05	24	
बी.टेक., कुल		**180**	**150**	**28**	**178**	
6	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम. टेक.	10	10	**0**	**10**	97%
7	माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई डिजाइन में एम. टेक.	14	14	**0**	**14**	
8	इलेक्ट्रीकल (कंट्रोल, पॉवर और इलेक्ट्रिक ड्राइव) अभियांत्रिकी में एम. टेक.	13	12	**0**	**12**	
एम. टेक., कुल		**37**	**36**	**0**	**36**	
9	रसायन शास्त्र में एम.एससी.	**15**	**14**	**1**	**15**	**100%**
एम.एससी. कुल		**15**	**14**	**1**	**15**	

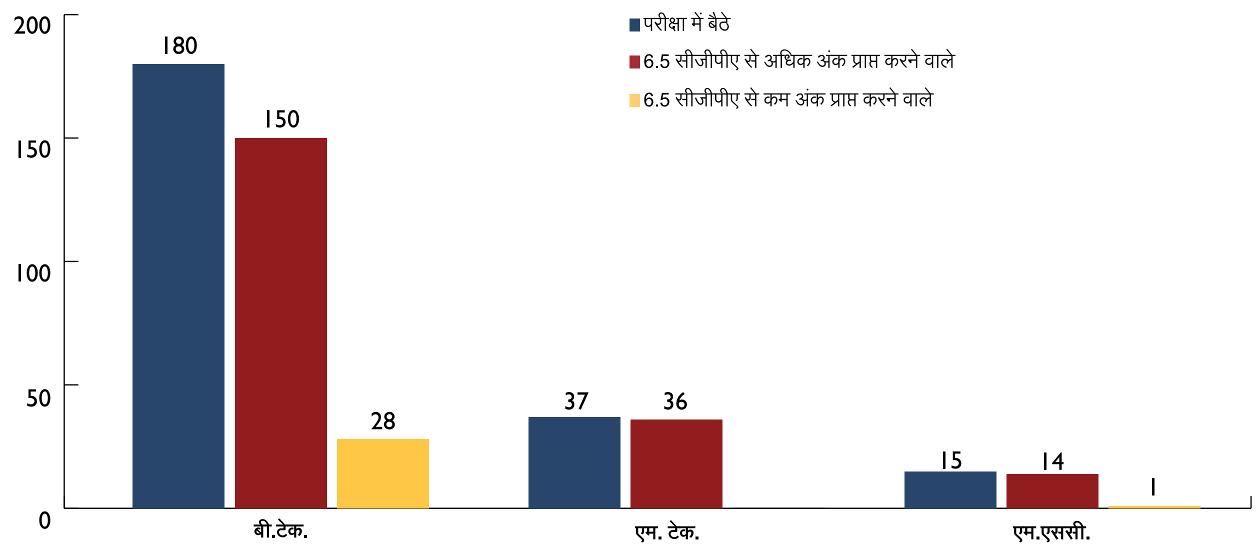

2.2 अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 में प्रदान की गईं पीएच. डी. की डिग्रियां

तालिका-10

क्र. सं.	विभाग	नाम	Title of Thesis
1	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन अभियांत्रिकी	डॉ.सुभानिल मैती	पावर और क्षेत्र अनुकूलित हाई-स्पीड फ्रीक्वेंसी डिवाइडर का डिज़ाइन
2	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन अभियांत्रिकी	डॉ.प्रीति गुप्ता	पीएलएल एप्लीकेशन के लिए ट्रांसकंडक्टेंस-कैपेसिटेंस आधारित ड्रॉप लूप फ़िल्टर का डिज़ाइन

क्र. सं.	विभाग	नाम	Title of Thesis
3	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	श्री सद्दाम हुसैन मलिक	अहाते के अंदर प्राकृतिक संवहन और एन्ट्रॉपी गठन: एक संख्यात्मक अध्ययन
4	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	श्री लक्ष्मण आर	तटस्थ वायुमंडलीय सीमा परत की संख्यात्मक मॉडलिंग
5	विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	श्री रोशन प्रधान	मॉडल पूर्वानुमान नियंत्रण के साथ बेहतर विद्युत गुणवत्ता आधारित फोटोवोल्टिक वितरित उत्पादन प्रणाली
6	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	श्री वीरकुंवर अन्वेष केशव	औद्योगिक अपशिष्ट के साथ प्रबलित एएल कंपोजिट के यांत्रिक और ट्राइबोलॉजिकल व्यवहार संबंधी कुछ अध्ययन
7	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	सुश्री लक्ष्मी राय	बॉलीवुड में शेक्सपियर की चुनिंदा त्रासदियों का सिनेमाई रूपांतरण
8	इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्यूनिकेशन अभियांत्रिकी	सुश्री निगिदिता प्रधान	फेज़-लॉक्ड लूप अनुप्रयोग के लिए फेज़-फ्रीक्वेंसी डिटेक्टर और चार्ज पंप का डिज़ाइन और विश्लेषण
9	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	सुश्री अंकिता शर्मा	असम में सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसयांत्रिक अभियांत्रिकी) के अवसरों और चुनौतियों संबंधी अन्वेषण
10	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	श्री सुमन मजूमदार	इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स और ब्लॉकचेन आधारित ई-वोटिंग प्रणाली के लिए सिद्ध सुरक्षित संचार प्रोटोकॉल का डिज़ाइन
11	विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	श्री देबंजन मुखर्जी	नवीन मेटा-ह्यूरिस्टिक तकनीक का उपयोग करके पॉवर नेटवर्क की अधिकतम लोडेबिलिटी सीमा में वृद्धि
12	विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	श्री अरबिंद घोष	पॉवर सिस्टम के लिए इंटेलिजेंट लोड फ्रीक्वेंसी नियंत्रक
13	विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	श्री अमित कुमार	कस्टम पॉवर उपकरणों की विभिन्न टोपोलॉजी पर प्रदर्शन में वृद्धि
14	विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	श्री अरिंदम सिंघा	इंटेलिजेंट नेटवर्क रोबोटिक सिस्टम
15	भौतिक विज्ञान	श्री अजित महतो	शेयर बाज़ारों का समयमान और विशेषताएँ
16	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	सुश्री दीपान्विता साधुखान	एलिप्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी (ईसीसी) का उपयोग करके इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और इसके अनुप्रयोगों के लिए कुशल और सुरक्षित रिमोट उपयोगकर्ता प्रमाणीकरण योजनाओं का विकास
17	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान	श्री भास्कर छेत्री	कस्टम पॉवर उपकरणों की विभिन्न टोपोलॉजी पर प्रदर्शन में वृद्धि
18	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	श्री पिंटू कुमार राम	माइक्रोएरे स्वास्थ्य देखभाल डेटा के प्रसंस्करण और विश्लेषण के लिए विकासवादी एल्गोरिदम और मशीन लर्निंग तकनीक

3. अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

3.1 अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 (एनईपी 2020), जिसे 29 जुलाई, 2020 को भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था, भारत की नई शिक्षा प्रणाली के दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। नई नीति पिछली राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 का स्थान लेगी। यह नीति ग्रामीण और शहरी भारत दोनों में प्रारंभिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रस्तुत करती है।

i. **संस्थान भारत सरकार की परिकल्पना के अनुरूप राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। नीति का गहन अध्ययन करने और कार्यान्वयन नीतियों/ उपायों की सिफारिश करने के लिए, विभिन्न विषयगत क्षेत्रों पर आधारित विभिन्न उप-समितियों का गठन निम्नानुसार किया गया था:**

- शैक्षणिक सुधार समिति
- शोध एवं विकास गतिविधियों संबंधी समिति
- अंतर्राष्ट्रीयकरण संबंधी समिति
- भारतीय भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने संबंधी समिति
- राष्ट्रीय नवाचार और स्टार्ट-अप नीति संबंधी समिति

इन समितियों ने कार्यान्वयन तंत्र के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों को परिष्कृत करके विस्तृत रणनीतिक योजनाएँ तैयार की हैं।

ii. **संस्थान द्वारा एआईसीटीई, नई दिल्ली के सहयोग से एक सप्ताह तक चलने वाला ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया गया था, जिसमें "एनईपी 2020- समग्र शिक्षा की ओर" विषय के तहत एनईपी संबंधी प्रतिष्ठित वक्ता को आमंत्रित किया गया था। इसका उद्देश्य एनईपी संबंधी अवसरों और सहयोगी चुनौतियों पर संकाय और कर्मचारियों के ज्ञान को बढ़ाना है।**

iii. **संस्थान ने एनईपी, 2020 में उल्लिखित लोक विद्या (पारंपरिक कलाओं को बढ़ावा देने) की अवधारणा के आधार पर 'द आर्ट ऑफ लिविंग' द्वारा शुरू किए गए क्रेडिट पाठ्यक्रमों में से एक को अपनाया है। आशा है कि 'आर्ट ऑफ लिविंग-लीप' नामक पाठ्यक्रम से विद्यार्थी मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनेंगे और तनाव प्रबंधन में युवाओं की मदद करेगा।**

iv. **संस्थान की सीनेट ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के तहत स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए मल्टीपल एंट्री और एग्जिट नीति के कार्यान्वयन के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।**

नीति की मुख्य बातें इस प्रकार संक्षेप में दी गई हैं:

a) विद्यार्थियों को किसी भी समय शैक्षणिक कार्यक्रम छोड़ने की अनुमति है और एक निश्चित अवधि के अंतराल के बाद वे फिर से इसमें शामिल हो सकते हैं।

b) पात्र होने पर विद्यार्थियों को किसी भी समय शैक्षणिक पुरस्कार के साथ अध्ययन के कार्यक्रम से स्थायी रूप से बाहर निकलने की अनुमति है।

c) बी.टेक के विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम को बीच में छोड़ने के लिए तीन निकास बिंदु होंगे। एम.टेक / एम.एससी. कार्यक्रम में एक निकास बिंदु होगा।

v. **संस्थान ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशन में शैक्षणिक बैंक क्रेडिट के लिए पंजीकरण कराया है। इस संबंध में गठित समिति योजनाओं के अनुसार नीति/क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार कर रही है।**

vi. **सभी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम और विषय वस्तु को संशोधित किया गया है, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अनुसार मॉड्यूल शामिल किए गए हैं और आगे संस्थान उद्योग की आवश्यकता, टिकाऊ रोजगार क्षमता, संस्कृति और भाषाओं के संरक्षण आदि पर विचार करते हुए समग्र दृष्टिकोण के साथ पाठ्यक्रम के विकास के लिए प्रयास कर रहा है।**

3.2 इंडक्शन कार्यक्रम:

बी.टेक. के नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए एक सप्ताह तक चलने वाला ऑनलाइन इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को नए शिक्षण-अधिगम माहौल के साथ तालमेल बिठाने, सीखने की खुशी को फिर से पाने, पाठ्यक्रम संबंधी सामग्री और संस्थागत लोकाचार को अधिक आसानी से आत्मसात करने और आने वाले समय में शिक्षक-विद्यार्थी संवाद की गुणवत्ता को बढ़ाने में मदद करना है। कार्यक्रम में गतिविधियों की एक श्रृंखला शामिल है जिसमें साहित्यिक क्षेत्रों में विद्यार्थियों की क्षमता का परीक्षण, विभागीय प्रेरण, साथियों के दबाव से प्रभावी ढंग से निपटने संबंधी व्याख्यान, सार्वभौमिक मानवीय मूल्य, योग, ध्यान जैसी पाठ्येतर गतिविधियाँ और प्रतिष्ठित उद्योगों के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं उद्यमियों के व्याख्यान शामिल हैं।

3.3 साथियों का समूह बनाकर सीखना:

संस्थान ने पीयर ग्रुप लर्निंग की एक अनूठी पहल शुरू की है जिसमें वरिष्ठ / पूर्व विद्यार्थियों को कनिष्ठ विद्यार्थियों को पढ़ाने/सलाह देने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस पहल की परिकल्पना विद्यार्थी शिक्षकों में व्यावसायिकता के पहलु का विकास करने, नियमित शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया की पूर्ति करने और विद्यार्थी समुदाय में फेलोशिप के विकास में योगदान देने के लिए की गई है।

3.4 पेशेवर अभ्यास:

प्रोफेशनल प्रैक्टिस स्नातक बी.टेक पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण भाग है। विद्यार्थियों के क्षितिज को व्यापक बनाने के लिए, इस पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में, विभिन्न पेशेवर संगठनों में काम करने वाले विशेषज्ञों को विद्यार्थियों को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस पहल से पेशेवर संगठनों में विद्यार्थियों की नियोजनीयता बढ़ने की संभावना है।

3.5 समझौता ज्ञापन (एमओयू):

संस्थान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विविध क्षेत्रों में शैक्षणिक और शोध के विकास के लिए अपने क्षितिज का विस्तार करने का प्रयास कर रहा है। अतीत से ही संस्थान ने प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों और संगठनों जैसे आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी भिलाई, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी रूड़की, आईआईटी गांधीनगर, एमएनआईटी जयपुर, द चटर्जी ग्रुप (टीसीजी) लाइफसाइंसेज, कोलकाता, एनएचआईडीसीएल के साथ शैक्षणिक शोध और सहयोग के लिए कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

3.6 नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) के तहत शैक्षणिक पुरस्कारों का डिजिटलीकरण:

वर्ष 2021 तक स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के उत्तीर्ण हुए बैचों और मौजूदा विद्यार्थियों के ग्रेड शीट और उपाधि प्रमाण पत्र के रूप में विद्यार्थियों के शैक्षणिक पुरस्कार इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (MeitY) मंत्रालय के डिजी-लॉकर प्लेटफॉर्म के माध्यम से राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी (एनएडी) में प्रकाशित किए गए हैं। इससे विद्यार्थियों को आवश्यकता पड़ने पर अपने पुरस्कारों की सच्ची प्रमाणित प्रति प्राप्त करने में सुविधा होगी।

3.7 स्कूली विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक एक्सपोज़र:

संस्थान पूरे सिक्किम राज्य से शैक्षिक पर्यटन/ एक्सपोज़र विजिट के लिए स्कूली विद्यार्थियों को आमंत्रित करता है। इस गतिविधि का उद्देश्य राज्य के विद्यार्थियों को विज्ञान और अभियांत्रिकी में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना है । संस्थान के तकनीकी कर्मचारी उन्हें विभिन्न प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं, सुपर कंप्यूटर और स्मार्ट कक्षाओं सहित परिसर के निर्देशित दौरे पर ले जाते हैं। संकाय सदस्य भी स्कूली विद्यार्थियों के साथ बातचीत करते हैं और उन्हें विज्ञान और अभियांत्रिकी के क्षेत्र में उपलब्ध असंख्य अवसरों और इन अवसरों को हासिल करने हेतु प्रवेश परीक्षाओं से अवगत कराते हैं।

3.8 स्कूली विद्यार्थियों के लिए जागरूकता सृजन और कैरियर परामर्श :

सिक्किम राज्य में उच्च तकनीकी शिक्षण संस्थान कुछ ही संख्या में हैं। स्कूली विद्यार्थियों की जरूरतों और रुचि को समझते हुए, एनआईटी सिक्किम ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई), उच्च तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में सीएफटीआई/ विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में तैयार जानकारी के साथ सिक्किम के सभी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पोस्टर, बैनर और पत्रक विकसित और वितरित किए हैं। इस जानकारी में किसी भी विद्यार्थी के शैक्षणिक प्रदर्शन, योग्यता और रुचियों के आधार पर उसके करियर के संबंध में पेशेवर सलाह भी शामिल है। इसका उद्देश्य स्कूली बच्चों को उनकी आकांक्षाओं की शिक्षा प्राप्त करने में सहायता करना और उन्हें अपनी संभावनाओं को बेहतर ढंग से समझने और उसके अनुसार कार्य करने में सक्षम बनाना है। यह उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुंचने की राह बताता है और कार्रवाई करने योग्य सुझाव देता है।

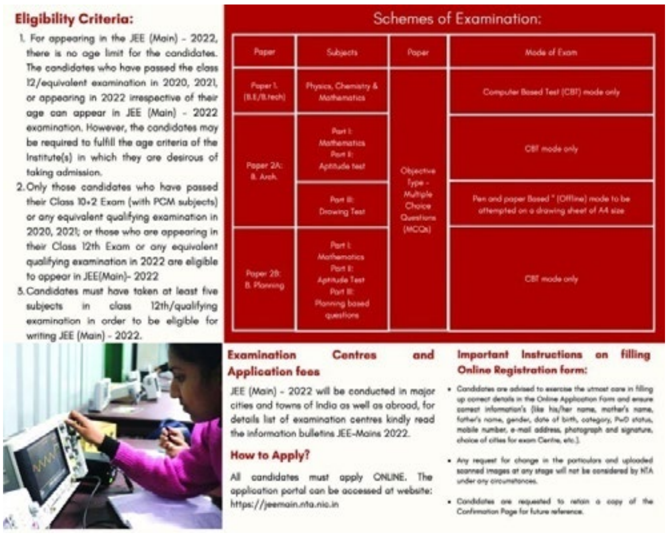

3.9 सीनेट की बैठक:

सीनेट संस्थान की सर्वोच्च शैक्षणिक संस्था है। इसका गठन एनआईटी अधिनियम, 2007 की धारा 14 के तहत किया गया है। शैक्षणिक मामलों से संबंधित सभी प्रमुख निर्णयों पर सीनेट द्वारा विचार और अनुमोदन किया जाता है। संस्थान के निदेशक सीनेट के अध्यक्ष हैं। सीनेट की बैठकें 2022-23 के दौरान निम्नलिखित तारीखों पर बुलाई गईं:

13 जून, 2022 को पहली आपातकालीन सीनेट बैठक

28 जून, 2022 को 21 वीं सीनेट बैठक

22 वीं सीनेट बैठक 24 सितंबर, 2022 को

3.10 दीक्षांत समारोह:

18 फरवरी, 2023 को 23 वीं सीनेट बैठक

संस्थान का चौथा दीक्षांत समारोह 16 अप्रैल, 2022 को गंगटोक में आयोजित किया गया था। सिक्किम के माननीय मुख्यमंत्री ने समारोह के मुख्य अतिथि बनने की सहमति दी है। हालाँकि, दिल्ली में किसी महत्वपूर्ण बैठक के कारण उन्होंने माननीय शिक्षा मंत्री श्री कुंगा नीमा लेप्चा को दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में नियुक्त किया। दीक्षांत समारोह के दौरान 2020 और 2021 के 370 छात्रों ने अपनी उपाधि प्राप्त की। दीक्षांत समारोह के दौरान डॉ.मणि कुमार शर्मा, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय और महिला अधिकारिता मंत्री, सिक्किम सरकार को वर्ष 2020 और 2021 के दौरान राज्य में कोविड-19 महामारी में किए गए सामाजिक कार्यों में उनके अपार योगदान के लिए डॉ.क्टर ऑफ साइंस (मानद उपाधि) से सम्मानित किया गया। ।

प्रशिक्षण एवं
नियोजन प्रकोष्ठ

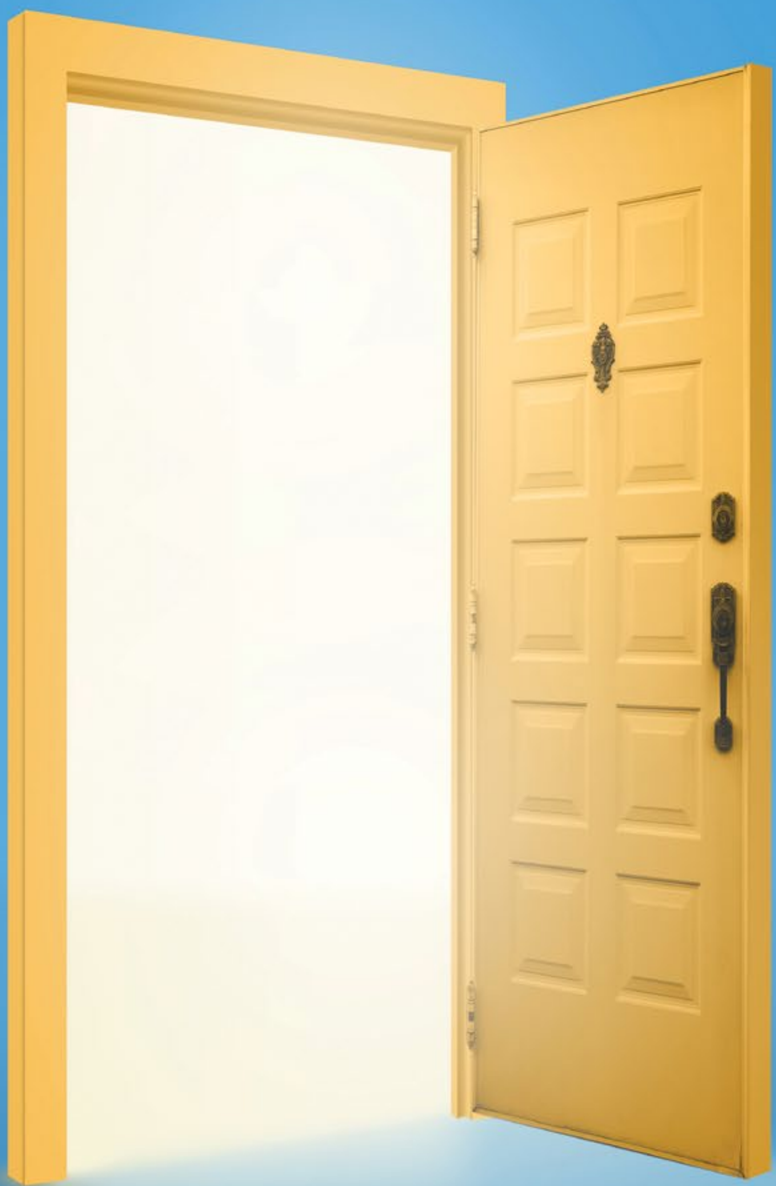

प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम का प्रशिक्षण और नियोजन प्रकोष्ठ, कॉर्पोरेट जगत और संस्थान के बीच एक मजबूत अंतराफलक बनाने के उद्देश्य से वर्ष भर कार्यरत रहता है। प्रकोष्ठ अग्रणी संगठनों और फर्मों के साथ उनके ज्ञान और कौशल आवश्यकताओं को समझने के साथ ही तकनीकी उत्कृष्टता एवं वैश्विक प्रदर्शन की सुविधा प्रदान करता है जिससे छात्रों को भारत और दुनिया के दर्शन और मूल्यों को देखने का अवसर मिल सके। पूर्व की भांति ही, प्रशिक्षण और नियोजन प्रकोष्ठ ने प्रशिक्षण और नियोजन गतिविधियों की योजना बनाना, इसे व्यवस्थित एवं समेकित करना जारी रखा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को पर्याप्त औद्योगिक प्रशिक्षण मिले एवं तत्पश्चात उन्हें उनकी आकांक्षाओं और उद्देश्यों के अनुरूप संगठनों में नियुक्ति मिले। यह छात्रों के तकनीकी और सॉफ्ट कौशल को विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न कंपनियों और संस्थाओं के सहयोग से नवीनतम रुझानों और प्रौद्योगिकियों के बारे में विविध विशेषज्ञ वार्ता, कार्यशालाओं, पूर्व छात्रों के संपर्क सत्र, समूह चर्चा और सेमिनार में भाग लेने के अवसर प्रदान करने का प्रयास करता है। प्रकोष्ठ निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है तथा प्रतिवर्ष नए मानक स्थापित करता जा रहा है। इस प्रकार, प्रकोष्ठ ने छात्रों को सर्वाधिक मांग वाली संस्थाओं में नियुक्ति पाने के अपने करियर-लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु अपने रोजगारपरक कौशल विकसित करने में मदद का उत्कृष्ट प्रयास किया है, जिससे छात्रों, पूर्व छात्रों, संकाय सदस्यों और उद्योगों के बीच एक प्रगाढ़ संबंध और साझेदारी का निर्माण हुआ है।

छात्रों की कैरियर संभावनाओं में अभिवृद्धि करना -

प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने हमारे छात्रों को उनके भविष्य के कैरियर पहलुओं के संदर्भ में उपलब्ध बेहतर संभावनाएं प्रदान करने के लिए कई प्रयास किए हैं। हम अपने छात्रों को चुनौतीपूर्ण योग्यता और कोडिंग मूल्यांकन की सहायता से उनकी पढ़ाई में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल सेट और ज्ञान प्रदान करते हैं। प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ छात्रों को विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों में प्रशिक्षु के रूप में काम करने का अवसर प्रदान करता है ताकि वे औद्योगिक क्षेत्र में अनुभव प्राप्त कर सकें। छात्रों को रोजगार खोजने में सहायता करने के लिए, प्रकोष्ठ ने अपनी रणनीति को संशोधित किया है और बदलती कॉर्पोरेट अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए परिष्कृत प्रक्रियाओं को लागू किया है। इसने छात्रों को उनकी पेशेवर नैतिकता बनाने और उन्हें अपना करियर पथ चुनते समय सलाह देने में मदद हेतु कई तरह की आभासी नियोजन चर्चाएं और सेमिनार भी आयोजित किए।

नियोजन आधारित अभ्यास-

2022-23 में प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ की गतिविधियों को मोटे तौर पर इस प्रकार वर्णित किया जा सकता है

- वर्तमान बाज़ार रुझानों, आवश्यकताओं और नियुक्तिकर्ताओं की अपेक्षाओं को समझने के लिए संस्थान और उद्योग के बीच एक मजबूत अंतराफलक स्थापित करना।
- छात्रों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के लिए कार्यशालाओं, वेबिनार और प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करके उन्हें करियर मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करना।
- छात्रों को उपयुक्त इंटर्नशिप खोजने में सहायता प्रदान करना, जिससे उन्हें अपने संबंधित क्षेत्रों में व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव प्राप्त करने में सहायता मिलती है।
- नियोजन अभियान का आयोजन करना और इसके लिए प्रतिष्ठित कंपनियों और संगठनों को आमंत्रित करना।

वेबिनार:

प्रशिक्षण और नियोजन प्रकोष्ठ ने वर्ष 2022-23 के दौरान प्रख्यात शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा निम्नलिखित वेबिनार और वार्ता का आयोजन किया।

क्रमांक	संसाधन व्यक्ति	विषय	तारीख
1	हर्षदा टोपाले	कैरियर विजन	6 मई, 2023
2	प्रतीक कथूरिया	वित्तीय जागरूकता	6 मई, 2023
3	श्री जीतेश चौधरी श्री. जसबीर सिंह	वीएलएसआई उद्योग में करियर	11 फरवरी, 2023
4	जोसेफ ऑगस्टीन	टीओईएफएल और जीआरई सामान्य परीक्षण	15 जनवरी 2023
5	-	टेक में करियर	7 जनवरी 2023
6	लक्ष्य आनंद	यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के लिए तैयारी रणनीति	2 जुलाई, 2022
7	सोएनिल सोएबेदार राज कुमार रॉय राहुल शर्मा शुभम सारस्वत सरोज माला	साइबर सुरक्षा	26 मार्च, 2022

सी-डैक सिने द्वारा "वीएलएसआई उद्योग में करियर" पर वेबिनार

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के प्रमुख शोध एवं विकास संगठन, सी डैक ने इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र से संबंधित छात्रों के लिए "वीएलएसआई उद्योग में करियर" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार के माध्यम से, सी-डैक सिने ने सर्किट डिजाइन उद्योग में काम करने की इच्छा रखने वालों के लिए ज्यादा मांग वाले करियर अवसरों पर प्रकाश डाला।

वक्ता/विशेषज्ञ

- श्री जीतेश चौधरी, निदेशक, सी-डैक, सीने।
- श्री. जसबीर सिंह, स्टाफ इंजीनियर, वेस्टर्न डिजिटल

टीओईएफएल और जीआरई जनरल टेस्ट पर वेबिनार

डीपी क्यूब लर्निंग के सहयोग से प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने "टीओईएफएल और जीआरई जनरल टेस्ट" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार के दौरान, छात्रों ने टीओईएफएल और जीआरई जनरल टेस्ट की संरचना, प्रारूप और सामग्री के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्रों ने परीक्षा की तैयारी के लिए प्रभावी रणनीतियों, परीक्षा देने की युक्तियों और सफल होने में मदद के लिए उपलब्ध संसाधनों के बारे में भी सीखा।

वक्ता/विशेषज्ञ

- जोसेफ ऑगस्टीन (उत्तर और पूर्वी भारत क्षेत्रीय प्रबंधक, ईटीएस इंडिया)

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की रणनीति पर वेबिनार

ट्रेनिंग एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने नेक्स्ट आईएएस के सहयोग से "यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की रणनीति" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों ने अजय चौहान (फैकल्टी, नेक्स्ट आईएएस) और लक्ष्य आनंद (एआईआर-101, सीएसई-2021) जैसे विद्वानों के साथ चर्चा की। छात्रों को भारत की सिविल सेवाओं, यह किस प्रकार से एक संतोषप्रद रोजगार है तथा भारत की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक को पास करने के रोडमैप इत्यादि के बारे में पता चला।

वक्ता/विशेषज्ञ

- अजय चौहान (संकाय, अगला आईएएस)
- अजय चौहान (संकाय, अगला आईएएस)

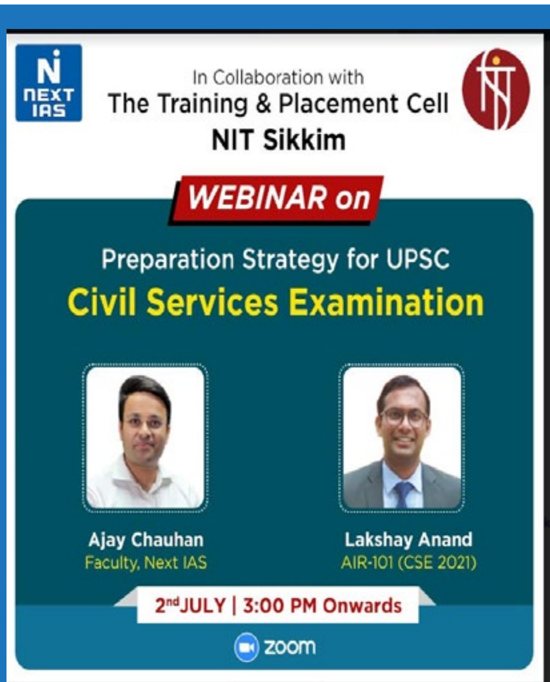

सोएबिट साइबर सिक्योरिटी और हाइपेक्स टेक्नोलॉजी द्वारा साइबर सुरक्षा पर वेबिनार

प्रशिक्षण और नियोजन प्रकोष्ठ ने **सोएबिट साइबर सुरक्षा** (नीदरलैंड) और **हाइपेक्स टेक्नोलॉजी प्राइवेट** लिमिटेड (लखनऊ, उत्तर प्रदेश) के सहयोग से **"साइबर सुरक्षा"** विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया है। वेबिनार के दौरान, उपस्थित लोग साइबर सुरक्षा के ज्ञान और करियर पथ के साथ-साथ साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में विभिन्न अवसरों से परिचित हुए।

वक्ता/विशेषज्ञ

- सोएनिल सोएबेदार (सोएबिट साइबर सुरक्षा के संस्थापक, नीदरलैंड सरकार में वरिष्ठ सुरक्षा इंजीनियर)
- राज कु. रॉय (हाइपेक्स टेक्नोलॉजी के सह-संस्थापक)
- राहुल शर्मा (ब्लू कोड सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के सह-संस्थापक)
- शुभम सारस्वत (सूचना सुरक्षा इंजीनियर)
- सरोज माला (साइबर सुरक्षा ट्रेनर)

"प्रौद्योगिकी में करियर" पर वेबिनार

प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने **मसाई द्वारा प्रीप्लीफ** के सहयोग से "कैरियर इन टेक" पर एक विशेष वेबिनार का आयोजन किया। मसाई दुनिया के सबसे बड़े परिणाम-संचालित संस्थाओं में से एक है। वेबिनार का मुख्य फोकस विभिन्न डोमेन में नए पाठ्यक्रमों को पेश करना था। प्रतिभागियों को उद्योग के शीर्ष प्रशिक्षकों से डेटा संरचनाओं, एल्गोरिदम और फ्रंट एंड विकास में कौशल को तेज करने की अनुमति दी गई थी। वक्ता ने ऑनलाइन उपस्थिति बनाने और शीर्ष तकनीकी दिग्गजों का ध्यान आकर्षित करने पर ज्यादा ध्यान दिया।

"करियर विजन" पर वेबिनार

क्लाउड काउंसिलेज के सहयोग से प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने "करियर विजन" पर एक विशेष वेबिनार का आयोजन किया। क्लाउड कांउसिलेज आईटी और प्रबंधन परामर्श क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है जिसके ह्दय में सामाजिक मुद्दे बसे हैं। वेबिनार का मुख्य फोकस करियर विजन के महत्व, करियर विजन के आधार और घटकों, करियर विजन स्टेटमेंट विकसित करने के कदम और उपकरण की पेशकश करना था।

वक्ता/ विशेषज्ञ

हर्षदा टोपाले (सह-संस्थापक और प्रबंध पार्टनर, क्लाउड काउंसिलेज प्राइवेट लिमिटेड)।

"वित्तीय जागरूकता" पर वेबिनार

सेंटर फॉर इन्वेस्टमेंट एजुकेशन एंड लर्निंग के सहयोग से प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ ने "वित्तीय जागरूकता" पर एक विशेष वेबिनार का आयोजन किया। सीआईईएल एक अग्रणी निवेश शिक्षा और शिक्षण समाधान कंपनी है जो भारत में निवेश और वित्तीय सेवा क्षेत्र के लिए योग्यता निर्माण पर केंद्रित है। वेबिनार का मुख्य फोकस सामान्य रूप से निवेश और विशेष रूप से निवेश विकल्पों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, महत्वपूर्ण वित्तीय लक्ष्यों के लिए बेहतर योजना बनाना था।

वक्ता/विशेषज्ञ

- प्रतीक कथूरिया

वर्षवार नियोजन आंकड़े

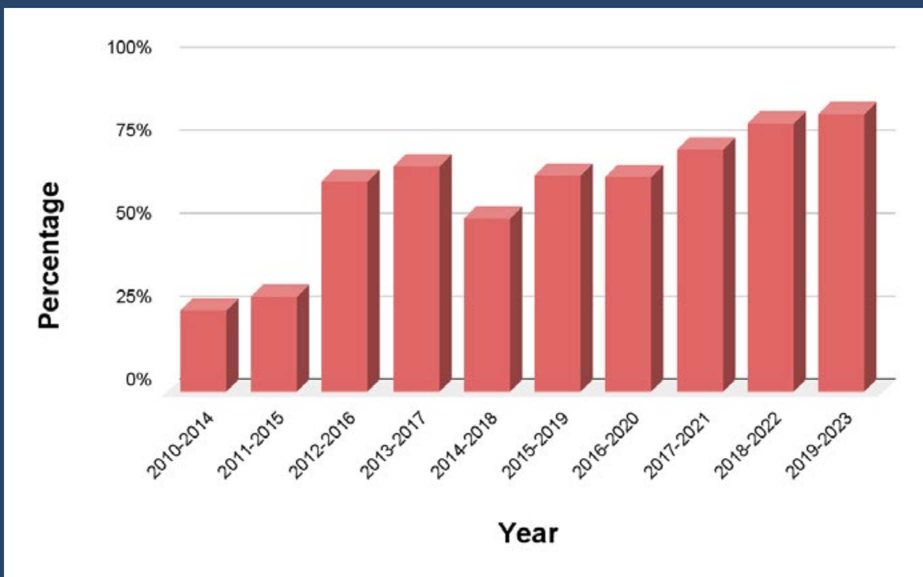

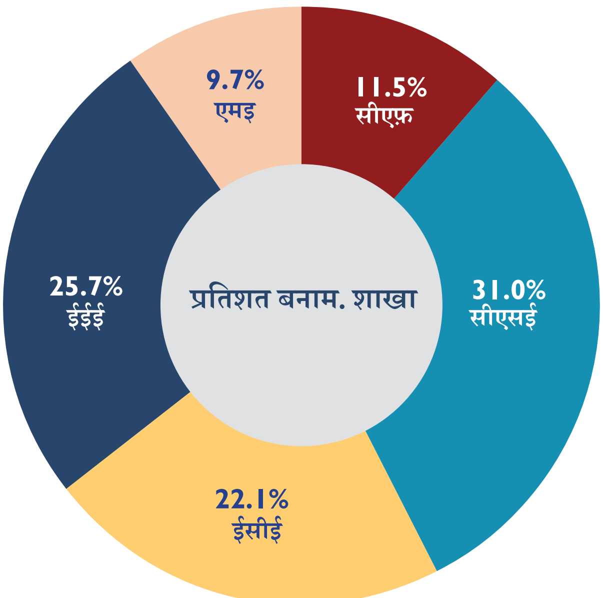

लिंग के अनुसार प्लेसमेंट सांख्यिकी:

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

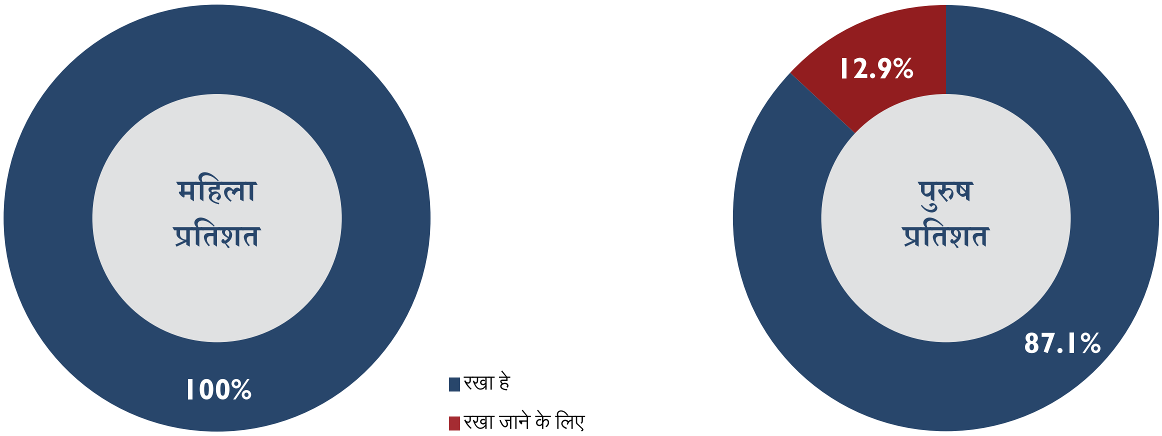

कणिकीय और संचार अभियांत्रिकी विभाग

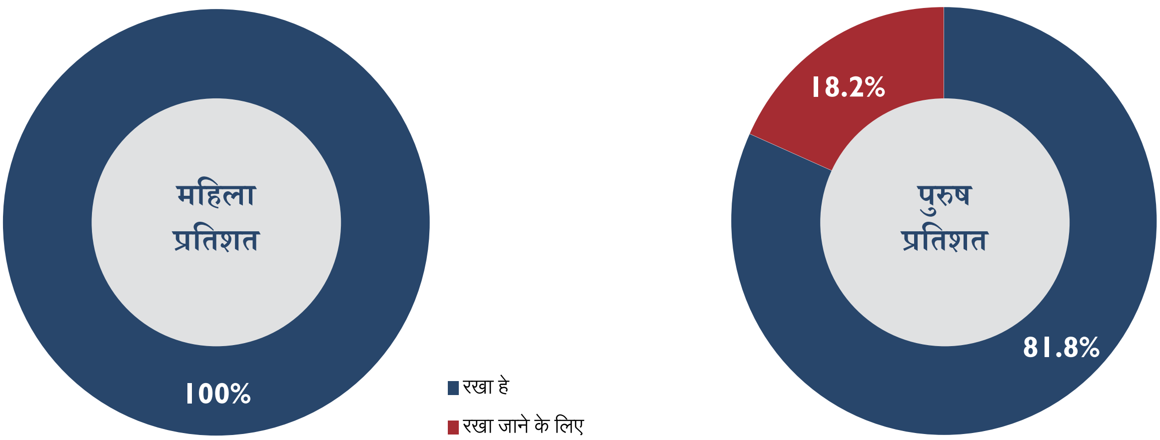

विद्युत और कणिका अभियांत्रिकी विभाग

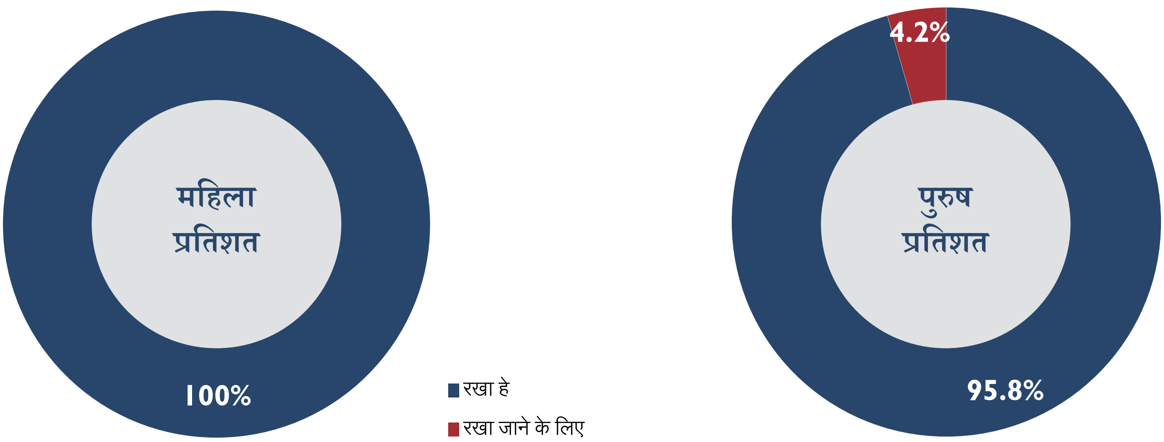

जनपद अभियांत्रिकी विभाग

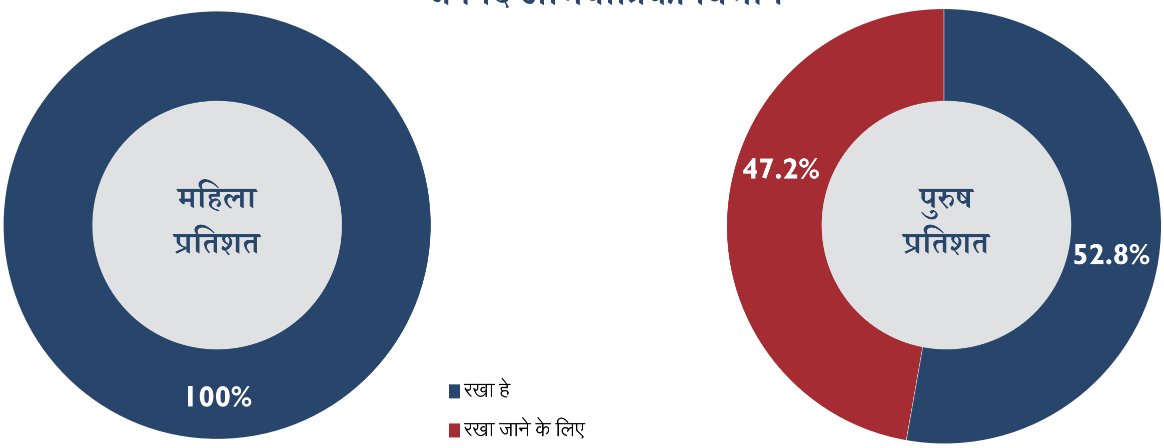

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

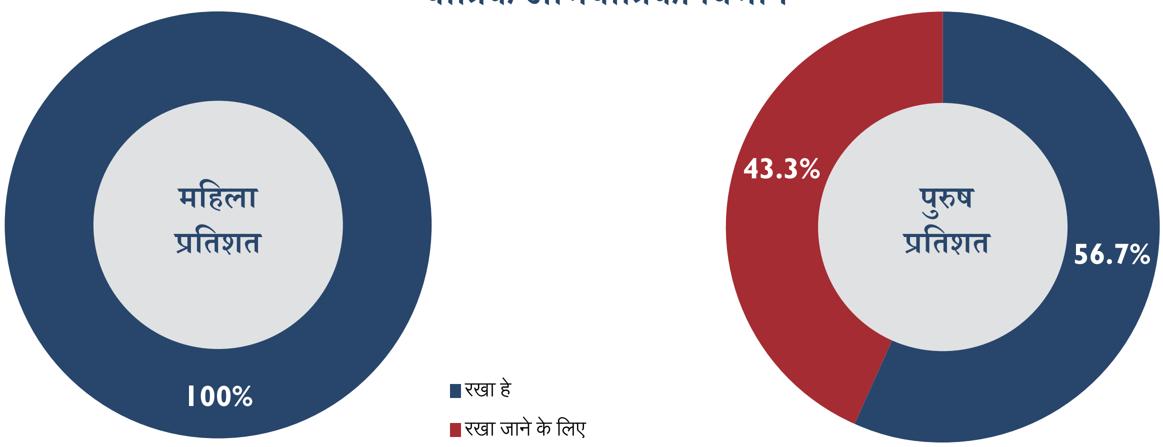

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

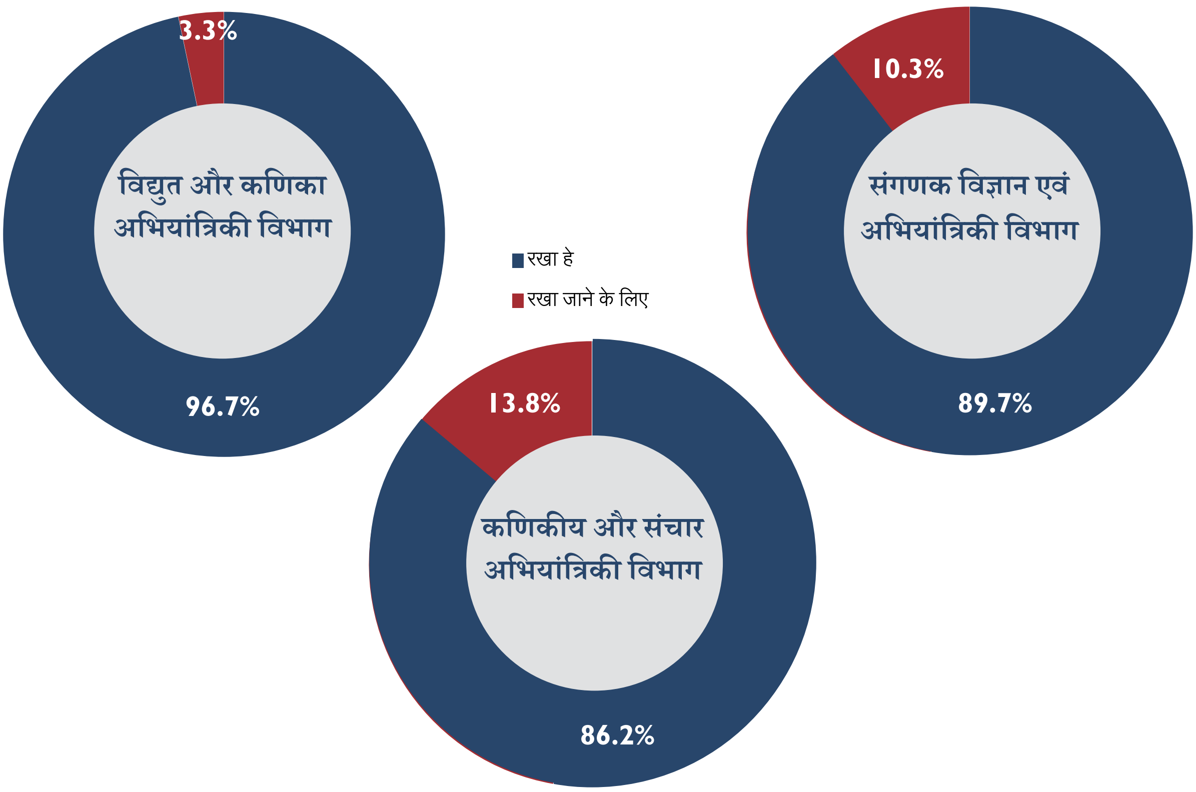

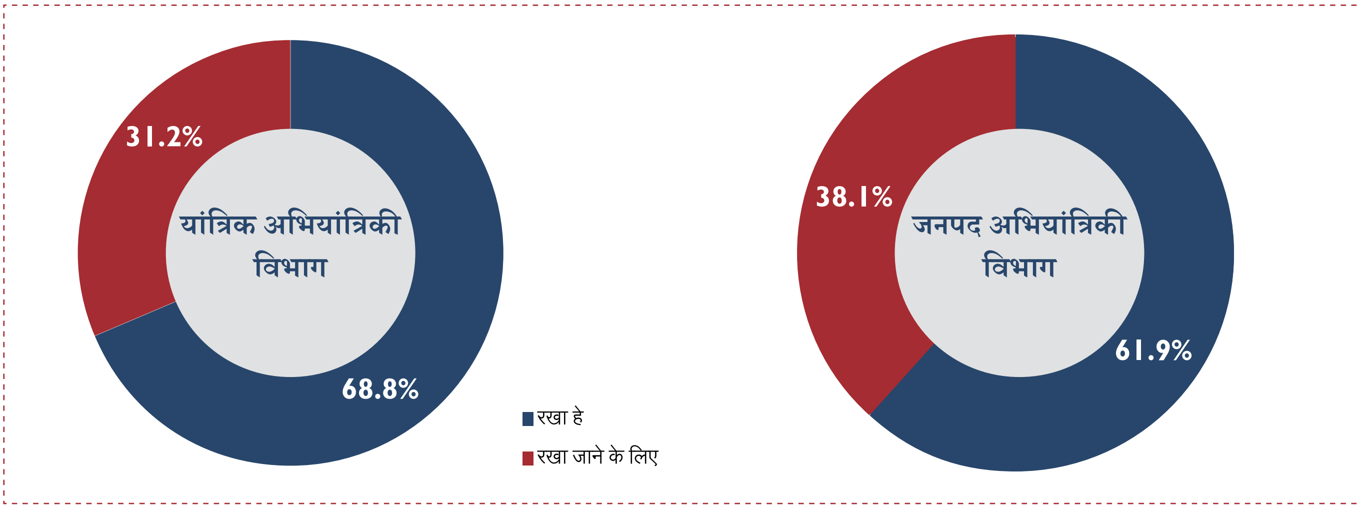

विस्तृत नियोजन सांख्यिकी 2022-23

पाठ्यक्रम	शाखा	छात्रों की कुल संख्या	नियोजित छात्रों की संख्या
प्रौद्योगिकी स्नातक	सिविल अभियांत्रिकी	21	13
प्रौद्योगिकी स्नातक	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	39	35
प्रौद्योगिकी स्नातक	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	29	25
प्रौद्योगिकी स्नातक	विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	30	29
प्रौद्योगिकी स्नातक	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	16	11
प्रौद्योगिकी परास्नातक	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	12	8
प्रौद्योगिकी परास्नातक	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	9	4
प्रौद्योगिकी परास्नातक	विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	11	7
कुल		**167**	**132**

कोर अभियांत्रिकी डोमेन, आईटी, परामर्श और गैर-तकनीकी सहित विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों ने संस्थान से छात्रों की नियुक्ति की है। शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 171 नियुक्ति प्रस्ताव के साथ औसत पैकेज 9.88 लाख प्रति वर्ष दर्ज किया गया है।

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में बेंचमार्क नियोजन उपलब्धियां

1. एक छात्र को 21 लाख प्रति वर्ष के पैकेज के साथ सैनडिस्क में चुना गया।
2. ऑटोडेस्क द्वारा 20 लाख प्रति वर्ष के पैकेज के साथ तीन छात्रों का चयन किया गया।
3. 11 छात्रों को 19 लाख प्रति वर्ष के पैकेज के साथ सी-डॉ.ट के लिए चुना गया।
4. क्रैडलप्वाइंट में 16.63 लाख प्रति वर्ष के पैकेज के साथ चार छात्रों का चयन किया गया।
5. एक छात्र को 14 लाख प्रति वर्ष के पैकेज के साथ ट्रक एक्स में चुना गया।
6. एक छात्र का वैलियो में 14 लाख प्रति वर्ष के पैकेज पर चयन हुआ।
7. एक छात्र को 13.58 लाख प्रति वर्ष के पैकेज के साथ टेराडाटा में चुना गया था।
8. एक छात्र का 13.3 लाख प्रति वर्ष के पैकेज के साथ 314ई आईटी कॉर्पोरेशन में चयन हुआ।
9. पांच छात्रों को 12.47 लाख प्रति वर्ष के पैकेज के साथ पब्लिसिस सैपिएंट में चुना गया।
10. एक छात्र को 12 लाख प्रति वर्ष के पैकेज के साथ विनजीत में चुना गया।
11. दो छात्रों का 11 लाख प्रति वर्ष के पैकेज के साथ टूमाइंड्स में चयन हुआ।
12. एक छात्र को 11 लाख प्रति वर्ष के पैकेज के साथ आईबीएम के लिए चुना गया।
13. एक छात्र को 10.34 लाख प्रति वर्ष के पैकेज के साथ मारुति सुजुकी के लिए चुना गया।

इंटर्नशिप

इंटर्नशिप छात्रों को उद्योगों में काम करने का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करती है। यह छात्रों को उनकी शैक्षणिक योग्यताओं को लागू करके अपने कौशल, ज्ञान और सैद्धांतिक प्रक्रियाओं में सुधार करने का अवसर देती है। इंटर्नशिप पेशेवर दुनिया के व्यावहारिक अनुभवों से छात्रों को परिचित कराती है। शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में प्रौद्योगिकी स्नातक (2020-24 बैच, 5वें और 6वें सेमेस्टर) के 262 छात्रों ने ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन छुट्टियों के दौरान इंटर्नशिप की है।

क्र.सं	कंपनी	शाखाएँ	छात्रों की संख्या
1	लार्सन एंड टुब्रो	सीई	7
2	यंत्रोमित्रा टेक्नोलॉजिज	सीई, सीएसई, ईसीई, ईईई, एमई	17
3	तेल और प्राकृतिक गैस निगम	एमई, ईसीई	5
4	जॉन्स इलेक्ट्रिक	सीई, ईसीई, ईईई, एमई	14
5	वी एस सूचना विज्ञान	सीई, सीएसई, ईसीई, एमई	7
6	फ़ॉक्सैसर टेक्नोलॉजी	सीई, सीएसई, ईसीई, ईईई, एमई	42
7	इटिफाई बिजनेस सर्विसेज	क्या, ईसीई, एमई	3
8	थिंक टू एक्जाम लर्निंग एलएलपी	सीएसई, ईसीई, ईईई	6
9	पुटाटो टेक्नोलॉजीज	सीएसई, ईसीई	3
10	एस्क्वायर इन्फोटेक	सीएसई, ईसीई, एमई	10
11	पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	ईईई	11
12	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	एमई	2
13	माइक्रोजेंसिस प्राइवेट लिमिटेड	सीएसई, ईसीई, ईईई, एमई	12
14	सेवा समाधान	ईसीई	1
15	एवरकॉन्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	सीएसई	2
16	नैनोबिज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	एमई	1
17	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	एमई	1
18	धाराक्षा इकोसोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	एमई	4
19	आईटीएस प्लानर्स एंड इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड	सीएसई	2
20	यूनीवलैब्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	सीएसई, ईसीई	2
21	इनफिनियॉन	सीएसई, ईसीई	4
22	कमिंस इंडिया	एमई	4
23	प्रद्जना इंटेलीसिस प्राइवेट लिमिटेड	सीएसई	3
24	यूलाटेक एलएलपी	सीएसई, ईसीई	2
25	मेकुवा टेक्नोलॉजीज	एमई	1
26	निसेवा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	ईसीई	1
27	टाटा मोटर्स	एमई	4
28	महिंन्द्रा एंड महिन्द्रा	एमई	3
29	ज़िपार सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	सीएसई, ईसीई, ईईई	6
30	एमएचटेकिन	सीएसई, ईईई	2
31	एचसीपी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड	सीई	3
32	बैगमो प्राइवेट लिमिटेड	ईईई	1
33	डेवलोफॉक्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	ईईई	1
34	नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	सीई	5
35	राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र	सीएसई	1
36	इन्टेलिथिंक	सीएसई, ईसीई, ईईई	4
37	गैमन इंजीनियर और ठेकेदार	सीई	1
38	सन रन मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड	एमई	1
39	आइडेंटिफाई यू टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	सीएसई	6

क्र.सं	कंपनी	शाखाएँ	छात्रों की संख्या
40	इगुरुस कंसल्टेंसी सर्विसेज एलएलपी	सीएसई, ईसीई	7
41	एनएचआईडीसीएल	सीई	4
42	केनमार्क आईटीएन सॉल्यूशंस	सीएसई, ईसीई, ईईई, एमई	1
43	सीएडीडी क्राफ्टर एलएलपी	ईसी, एमई	14
44	चारिस निर्माण	सीई	2
45	कर्नलज़ कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड	सीई	1
46	एनालॉग मिक्स मीडिया	सीएसई, ईसीई, ईईई, एमई	15
47	ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया लिमिटेड	ईईई	13
कुल			**262**

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में बेंचमार्क इंटर्नशिप उपलब्धियां

(1) प्रौद्योगिकी स्नातक के चार छात्रों को ऑफर दिया गया है -कमिंस इंडिया में 6 महीने की इंटर्नशिप।

(2) प्रौद्योगिकी स्नातक के चार छात्रों को ऑफर दिया गया है -इन्फिनियॉन में 11 महीने की इंटर्नशिप।

(3) प्रौद्योगिकी स्नातक के आठ छात्रों को ऑफर दिया गया है - इसरो में 2 महीने की इंटर्नशिप।

(प्रौद्योगिकी स्नातक तृतीय वर्ष) 2020-24 बैच (विषम सेमेस्टर, 2022) की शाखा-वार शीतकालीन इंटर्नशिप

पाठ्यक्रम	शाखा	कुल छात्र	इंटर्नशिप प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या
प्रौद्योगिकी स्नातक	सिविल अभियांत्रिकी	13	13
प्रौद्योगिकी स्नातक	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	39	39
प्रौद्योगिकी स्नातक	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	26	26
प्रौद्योगिकी स्नातक	विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	27	27
प्रौद्योगिकी स्नातक	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	25	25
कुल		**130**	**130**

2020-2024 बैच शीतकालीन परीक्षण सांख्यिकी

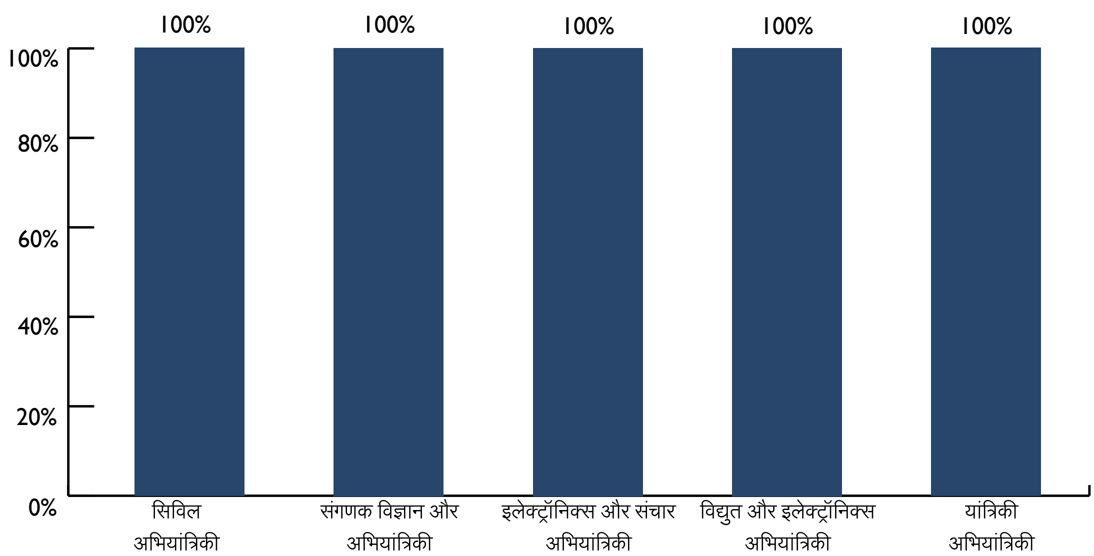

(प्रोद्योगिकी स्नातक तृतीय वर्ष) 2020-24 बैच (सम सेमेस्टर, 2023) की शाखा-वार ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप

पाठ्यक्रम	शाखा	कुल छात्र	इंटर्नशिप प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या
प्रौद्योगिकी स्नातक	सिविल अभियांत्रिकी	18	18
प्रौद्योगिकी स्नातक	संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी	40	40
प्रौद्योगिकी स्नातक	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	26	26
प्रौद्योगिकी स्नातक	विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी	28	28
प्रौद्योगिकी स्नातक	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	26	26
	कुल	**138**	**138**

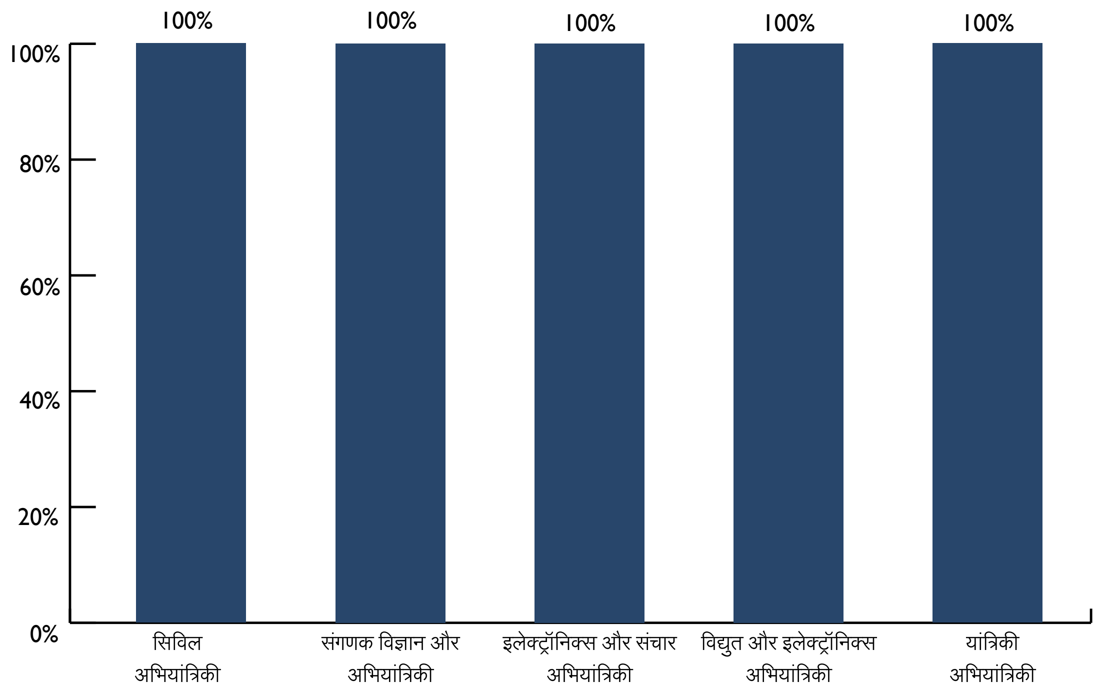

उच्च अध्ययन कर रहे छात्र

- श्री ऋत्विक ए जॉर्ज एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी, फीनिक्स, एरिजोना, यूएसए से एमएस कर रहे हैं।
- श्री के प्रेम स्वरूप को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) में प्रवेश मिल गया है और वह प्रौद्योगिकी परास्नातक कर रहे हैं।
- श्री दीपक कुमार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना में प्रवेश मिल गया है और वे स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी परास्नातक की पढ़ाई कर रहे हैं।
- श्री कमल कांत माहौर को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में प्रवेश मिल गया है और वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रौद्योगिकी परास्नातक कर रहे हैं।
- श्री आलोक त्रिपाठी को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू) वाराणसी में प्रवेश मिल गया है और वे वीएलएसआई में प्रौद्योगिकी परास्नातक कर रहे हैं।
- श्री लोहित सूरीसेटी अमेरिका के इलिनोइस विश्वविद्यालय से एमएस की पढ़ाई कर रहे हैं।
- श्री जसवन्त साई मिडिडोडला ह्यूस्टन विश्वविद्यालय में कंप्यूटर और सिस्टम अभियांत्रिकी में एमएस कर रहे हैं।
- कुमारी औरुनिमा समद्दर अमेरिका के पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय से मास्टर्स की पढ़ाई कर रही हैं।

छात्र कल्याण

छात्र कल्याण

छात्र जीवन में अध्ययन के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल आयोजनों के विभिन्न मंचों में प्रदर्शन करने के पर्याप्त अवसर मिलने से कॉलेज का जीवन यादगार और संपूर्ण हो जाता है। एक दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र के अस्थायी परिसर में होने के बावजूद, संस्थान शिक्षा मंत्रालय (एमओई), भारत सरकार के निर्देशों के अनुरूप नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ वर्ष भर कई सांस्कृतिक, खेल-खेलकूद कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान आयोजित करते रहता है।

कार्यक्रम और गतिविधियाँ

संस्थान द्वारा पूरे वर्ष के दौरान स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, सांस्कृतिक उत्सव, साहित्यिक कार्यक्रम, वार्षिक खेल जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण और बहुआयामी कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्रों को अंतर - राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान खेल, सांस्कृतिक और तकनीकी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है। भारत सरकार के विभिन्न अभियानों जैसे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, एफ.आई.टी. इंडिया, खेल, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियाँ, एकता दिवस, हिंदी पखवाड़ा आदि के अनुरूप संस्थान के अन्य कार्यक्रम हैं जहाँ छात्र स्वस्थ और एकजुट रहने के लिए खुद को शामिल कर सकते हैं। साथ ही, कई विभागीय क्लबों ने विभिन्न अवसरों पर विविध छात्र कार्यक्रम आयोजित किए।

स्वतंत्रता दिवस

संस्थान के सभी छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ परिसर में 76वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। समारोह की शुरुआत संस्थान के होम गार्ड्स के मार्च पास्ट से हुई, जिसके बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और राष्ट्रगान गाया गया। माननीय निदेशक प्रो. एम. सी. गोविल ने इस दिन के महत्व के बारे में सभा को संबोधित किया और हमारे देश के समग्र विकास के लिए एन.आई.टी. सिक्किम के संकाय, कर्मचारियों और छात्र समुदाय के कर्तव्यों के बारे में सभा को संबोधित किया।

संस्थान के होम गार्ड द्वारा मार्च पास्ट

एक भारत श्रेष्ठ भारत (ई.बी.एस.बी.)

एनआईटी सिक्किम ने 15.11.2022 से 19.11.2022 तक युग्मन संस्थान दिल्ली स्कूल ऑफ बिजनेस के साथ 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की पहल के अंतर्गत पांच दिवसीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम की मेजबानी की। विविधता में एकता को बढ़ावा देने के लिए ई.बी.एस.बी. के तहत विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। ई.बी.एस.बी. की पहल के तहत, दिल्ली स्कूल ऑफ बिजनेस के 2 संकायों के प्रोफेसर नीरजा अरोड़ा और डॉ.अनुराग बनर्जी ने 22 छात्रों के साथ, सिक्किम के रीति-रिवाजों, संस्कृतियों और परंपराओं को जानने और समझने के लिए एन.आई.टी. सिक्किम का दौरा किया। मेजबान संस्थान होने के नाते एन.आई.टी. सिक्किम ने पारंपरिक नृत्य, नाटक, एकांकी नाटक, बोली और भोजन का आदान-प्रदान, तथागत त्सल, चारधाम, टेमी चाय बागानों का दौरा, जैविक खेतों का दौरा और किसानों और स्थानीय गैर सरकारी संगठनों के साथ बैठक की व्यवस्था की।

विभिन्न ई.बी.एस.बी. गतिविधियों की झलकियाँ

इसके अलावा, एक भारत श्रेष्ठ भारत (ई.बी.एस.बी.) कार्यक्रम के तहत एन.आई.टी. सिक्किम और टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, दिल्ली के छात्रों के बीच 19 दिसंबर 2022 को एक ऑनलाइन पारस्परिक (इंटरैक्शन) कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य सिक्किम और दिल्ली के छात्रों के बीच संस्कृति, परंपरा, भाषा और अन्य जीवन प्रथाओं को सांझा करना था। कार्यक्रम में युग्मित राज्यों और संस्थानों के बीच सांस्कृतिक विविधता में एकता को चित्रित करने की कल्पना की गई। टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज दिल्ली ई.बी.एस.बी. के तहत एन.आई.टी. सिक्किम के साथ एक युग्मित संस्थान है। संक्षिप्त भाषण, प्रस्तुतियाँ, गायन, बोलियाँ-संस्कृति आदि सांझा करने की विभिन्न गतिविधियाँ, कार्यक्रम का मुख्य भाग रहे।

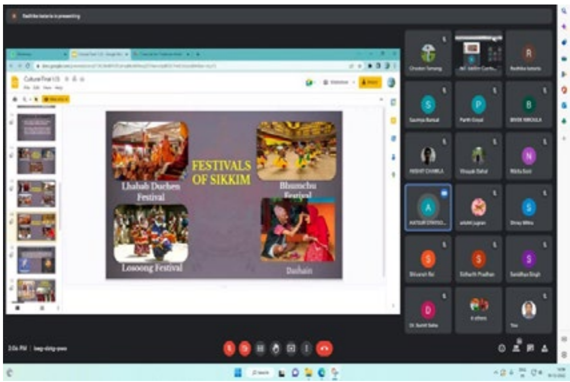

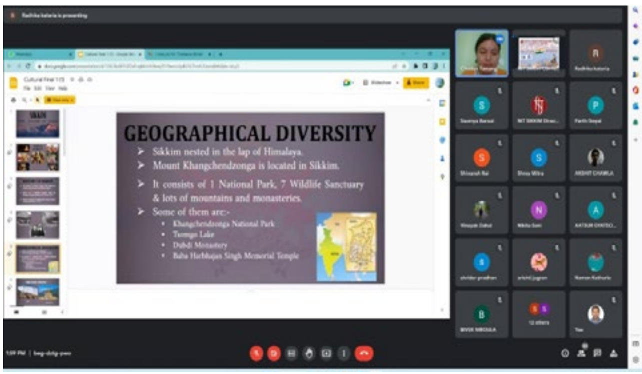

प्रभात फेरी

आज़ादी का अमृत महोत्सव (ए.के.ए.एम.) की पहल के अंतर्गत "हर घर तिरंगा" के उपलक्ष्य में प्रभात फेरी-एक सभा (रैली) 13 अगस्त 2022 को आयोजित की गई। प्रभात फेरी तथागत त्सल (बुद्ध पार्क), रावंगला से एन.आई.टी. सिक्किम परिसर तक की गई। माननीय निदेशक प्रो. एम.सी. गोविल, संस्थान के सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने बड़े उत्साह के साथ प्रभात फेरी में भाग लिया। रैली में रावंगला प्रशासनिक कर्मियों, स्थानीय स्कूलों के छात्रों और स्थानीय युवाओं ने भी भाग लिया। प्रतिभागियों ने तिरंगे झंडे, बैनर, पोस्टर प्रदर्शित करते हुए, देशभक्ति के गीत गाते हुए, देशभक्ति के नारे लगाते हुए मार्च किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

हमारे दैनिक जीवन में योग के अभ्यास के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 21 जून को पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 की थीम (उद्देश्य) “मानवता के लिए योग” थी। एन.आई.टी. सिक्किम ने 2 सप्ताह का योग सत्र आयोजित किया, जो 7 जून 2022 से शुरू हुआ और 21 जून 2022 को समाप्त हुआ। सत्र, योग प्रशिक्षक श्री आर.पी. पौडयाल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया जिसमें संस्थान के निदेशक, संकाय, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया था।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 का आयोजन

गणतंत्र दिवस

26 जनवरी 2023 को 74वां गणतंत्र दिवस, संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ, परिसर में मनाया गया। इस अवसर पर होम गार्ड्स द्वारा परेड़ की गई। एन.आई.टी. सिक्किम के निदेशक प्रो. एम. सी. गोविल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। निदेशक ने इस दिन के महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभा को संबोधित किया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किये तथा अन्य गतिविधियाँ भी आयोजित की गई।

खेल कूद एवं खेल प्रतियोगिताएं

संस्थान द्वारा वर्ष भर विभिन्न खेल एवं खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। छात्रों को अंतर एन.आई.टी. स्पोर्ट्स मीट में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है। नियमित इनडोर गेम और खेल गतिविधियों के लिए, प्रत्येक छात्रावास में टेबल टेनिस और कैरम बोर्ड की सुविधाएं हैं। इसके अलावा, परिसर के अंदर दो खेल मैदान हैं जहां छात्र फुटबॉल, वॉलीबॉल, खो-खो और क्रिकेट खेल सकते हैं। पुराने शैक्षणिक भवन के अंदर एक सुव्यवस्थित इनडोर बैडमिंटन कोर्ट भी उपलब्ध है। रात में खेलने की सुविधा के लिए सभी मैदानों और कोर्ट में बिजली की उचित सुविधाएं हैं। इसके अलावा, छात्रों को खेल और खेल गतिविधियों में प्रेरित करने के लिए संस्थान की वार्षिक खेल प्रतियोगिता हर साल आयोजित की जाती है। छात्र वार्षिक खेल प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। छात्रों के लिए वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आनंद लेने के लिए खो-खो, रस्साकशी, फुटबॉल, क्रिकेट और कई अन्य रोमांचक गतिविधियों जैसे खेल आयोजित किए गए थे।

युवा संगम

भारत सरकार की एक पहल, एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत, युवा संगम भारत के विभिन्न राज्यों में युवाओं, मुख्य रूप से उच्च शिक्षा के छात्रों के लिए संपर्क यात्रा आयोजित करने पर केंद्रित है। शिक्षा मंत्रालय ने एन.आई.टी. सिक्किम को सिक्किम राज्य के लिए नोडल कार्यान्वयन संस्थान के रूप में चुना और इसे ओडिशा राज्य के लिए एन.आई.टी. राउरकेला के साथ जोड़ा। सिक्किम के 25 छात्रों को ओडिशा के संपर्क यात्रा के लिए चयनित किया गया और उनके साथ एन.आई.टी. सिक्किम के 5 समन्वयक भी थे। यात्रा को श्री कुंगा नीमा लेप्चा, माननीय शिक्षा मंत्री, सिक्किम सरकार द्वारा, श्री इंद्र हैंग सुब्बा, सांसद लोकसभा, सिक्किम, प्रोफेसर एम.सी.गोविल, निदेशक एन.आई.टी. सिक्किम की उपस्थिति में 24 फरवरी 2022 को एम.जी. मार्ग, गंगटोक से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस कार्यक्रम में अर्जुन पुरस्कार विजेता और प्रसिद्ध मुक्केबाज श्री जसलाल प्रधान और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता श्रीमती संध्या गुरुंग और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे।

एम.जी. मार्ग, गंगटोक से हरी झंडी दिखाकर रवाना करने का कार्यक्रम

अतिथियों के साथ सिक्किम के युवा एवं समन्वयक

मेजबान संस्थान होने के नाते, एन.आई.टी. सिक्किम ने युवा संगम कार्यक्रम के लिए 5 दिनों के शैक्षिक सह सांस्कृतिक प्रदर्शन दौरे के लिए ओडिशा के 31 छात्रों और 5 समन्वयकों का स्वागत किया। एन.आई.टी. सिक्किम की टीम द्वारा एन.जे.पी. स्टेशन और मेली चेकपोस्ट (सिक्किम की सीमा) पर युवाओं का स्वागत किया गया। बाद में, संस्थान के निदेशक, संकाय, कर्मचारियों और छात्रों द्वारा एनआईटी सिक्किम परिसर में ओडिशा, सेना, रेलवे और मीडिया कर्मियों के प्रतिनिधियों के लिए एक भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। पारंपरिक स्वागत के रूप में, तिलक लगाया गया और निदेशक ने खादा (पारंपरिक औपचारिक दुपट्टा) भेंट किया और प्यार के प्रतीक के रूप में सभी प्रतिनिधियों को एक-एक गुलाब दिया गया।

मेल्ली चेकपोस्ट पर (सिक्किम की सीमा)

एनआईटी सिक्किम परिसर में प्रतिनिधियों का स्वागत

युवा संगम कार्यक्रम के पहले दिन, ओडिशा की युवा टीम को सिक्किम की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन करने के लिए एन.आई.टी. सिक्किम द्वारा एन.वाई.के. नामची और जे.एन.वी. रावंगला के सहयोग से एक दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। ओडिशा के युवाओं ने ओडिसी नृत्य भी प्रस्तुत किया।

सिक्किम का सांस्कृतिक नृत्य

ओडिशा का सांस्कृतिक नृत्य

माननीय निदेशक एनआईटी सिक्किम के साथ ओडिशा की टीम

युवा संगम के दूसरे दिन, ओडिशा की टीम ने टेमी टी एस्टेट का दौरा किया, उन्हें सिक्किम की एकमात्र जैविक चाय की प्रसंस्करण इकाई और निर्माण के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने टेमी टार्कू में स्थानीय होम स्टे का भी दौरा किया। बाद में, उन्होंने सिद्धेश्वर धाम, जिसे चार धाम, नामची के नाम से भी जाना जाता है, का दौरा किया और पूजा-अर्चना की और वापस लौटते समय जौबरी में प्रगतिशील जैविक किसानों के साथ बातचीत भी की।

सिद्धेश्वर धाम, नामची

टेमी चाय प्रसंस्करण इकाई में

जैविक सब्जी स्टॉल, जौबारी

5.03.2023 को, ओडिशा के युवा, माननीय निदेशक प्रो. एम. सी. गोविल और एन.आई.टी. सिक्किम के कर्मचारियों के साथ राजभवन, गंगटोक में सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मिले। माननीय राज्यपाल ने अपनी संस्कृति और परंपरा को जानने के महत्व के बारे में जानकारी दी और आगे कहा कि युवा इस विविधतापूर्ण देश को सुपर इंडिया बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ओडिशा के युवाओं ने भी सिक्किम के युवा संगम दौरे के लिए चुने जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

राजभवन, गंगटोक में सिक्किम के माननीय राज्यपाल, श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य के साथ

अगले दिन ओडिशा की टीम ने समुद्र तल से 13,200 फीट की ऊंचाई पर स्थित ग्नथांग घाटी का दौरा किया।

ग्नथांग घाटी की कुछ झलकियाँ

ओडिशा की टीम ने 7 मार्च 2023 को सिक्किम की अपनी संपर्क यात्रा समाप्त की। टीम ने युवा संगम की दूरदर्शी अवधारणा के लिए माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी और माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान का धन्यवाद किया। उन्होंने दौरे के दौरान हार्दिक आतिथ्य और आरामदायक यात्रा व्यवस्था के लिए एन.आई.टी. सिक्किम सौजन्य, आई.आर.सी.टी.सी. और सिक्किम सरकार को भी धन्यवाद दिया।

परीक्षा पे चर्चा

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ परीक्षा पे चर्चा के तहत एक सहभागितापूर्ण कार्यक्रम 27 जनवरी 2023 को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया था। छात्रों, अभिभावकों और संकायों को ऑनलाइन पंजीकरण करने और परीक्षा पे चर्चा 2023 प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमारे भावी राष्ट्र निर्माताओं के लिए सीखने को और अधिक आनंददायक बनाने के लिए हर साल इस कार्यक्रम के तहत छात्रों के साथ सहभागितापूर्ण कार्यक्रम कर रहे हैं।

महिला पखवाड़ा

'महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन हेतु अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर 25 नवंबर से 10 दिसंबर 2022 तक महिला पखवाड़ा मनाया गया। इसके अंतर्गत, 25 नवंबर को कर्मचारियों के लिए एक संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गई, जहां नामची जिला न्यायालय की वरिष्ठ वकील श्रीमती प्रसूना शर्मा ने "कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013" पर एक जानकारीपूर्ण बातचीत की।" संस्थान के कर्मचारियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के प्रति संवेदनशील बनाने और जागरूकता पैदा करने के लिए गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की गई:

1. डॉ.प्राण शर्मा के साथ "स्वस्थ महिला सशक्तीकरण" पर विशेष सहभागितापूर्ण सत्र।
2. श्री अतुल कोठारी, राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली द्वारा प्रेरक सत्र।
3. छात्रों और कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम।
4. "कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न" विषय पर कर्मचारियों के बीच पोस्टर प्रतियोगिता।
5. कर्मचारियों के लिए मुक्त प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

माननीय निदेशक प्रोफेसर एम.सी. गोविल, कुलसचिव, संकाय अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और एन.आई.टी. सिक्किम के संकाय और कर्मचारियों ने भाग लिया।

जनजातीय गौरव दिवस

भारत सरकार ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया है। यह तिथि श्री बिरसा मुंडा की जयंती है, जिन्हें देश भर के आदिवासी समुदाय के लोग अपने भगवान के रूप में पूजते हैं। एन.आई.टी. सिक्किम ने जनजातीय गौरव दिवस मनाया और उन सभी जनजातीय महानायकों को सम्मान दिया जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बहुत बड़ा योगदान दिया था। इस अवसर पर लघु भाषण / वाद-विवाद, प्रश्नोत्तर सत्र, जनजाति नायकों के वृत्तचित्र वीडियो का प्रदर्शन, व्याख्यान आदि पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। माननीय निदेशक प्रोफेसर महेश चंद्र गोविल ने छात्रों को संबोधित किया और जनजाति महानायक के योगदान के बारे में सभा को अवगत कराया और सभी स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम में संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

सांकेतिक भाषाओं का अंतर्राष्ट्रीय दिवस

एन.आई.टी. सिक्किम ने स्पेशल स्कूल फॉर स्पीच एंड हियरिंग इंपेयर्ड, गंगटोक के सहयोग से "अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस" का आयोजन किया। कार्यक्रम की शोभा माननीय निदेशक प्रोफेसर महेश चंद्र गोविल ने विशेष शिक्षा के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और स्कूल के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में बढ़ाई। विशेष बच्चों को उच्च शिक्षा और प्रौद्योगिकी के महत्व के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए एन.आई.टी. सिक्किम के वैचारिक वीडियो/फोटोग्राफी प्रदर्शित की गई। सांकेतिक भाषा, प्रतीकों, थीम और अन्य प्रचार सामग्री पर वीडियो भी प्रदर्शित किया गया और स्कूल प्रबंधन को सौंपा गया। विशेष बच्चों ने राष्ट्रगान और सिक्किम के राज्य गीत की सुंदर प्रस्तुति की। सभी विशेष बच्चों को उपयोगी स्टेशनरी और एक्टिविटी किट और स्कूल प्रबंधन को प्रतीक चिन्ह के रूप में साइनेज सामग्री सौंपी गई।

रक्तदान शिविर

एन.आई.टी. सिक्किम ने नामची जिला अस्पताल के ब्लड बैंक और सिक्किम के स्वैच्छिक रक्त दाता संघ के सहयोग से 18 जून 2022 को रावंगला परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। संस्थान के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने स्वेच्छा से 74 यूनिट रक्तदान किया। शिविर नामची ब्लड बैंक की डॉ.रचना लामिचानी के नेतृत्व में चिकित्सा टीमों की देखरेख में आयोजित किया गया। वी.बी.डी.ए.एस. सिक्किम के जिला और राज्य अध्यक्ष ने रक्तदान के महत्व पर जागरूकता पैदा की है। माननीय निदेशक, प्रो. एम. सी. गोविल ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया और मानवता के लिए एक नेक कार्य के रूप में शिविर आयोजित करने के लिए मेडिकल टीम और वी.बी.डी.ए.एस. के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

The Regnant Ink

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में छात्रों के साहित्यिक और अभिव्यक्ति कौशल सहित समग्र विकास हेतु स्थापित 'द रेग्नेंट इंक' प्रत्येक छात्र की पाठ्येतर गतिविधियों को बढ़ाने और उन्हें कुछ नया सीखने की उत्कृष्ट यात्रा पर ले जाने के लिए 24 फरवरी 2018 से लगातार प्रयासरत है। साहित्यिक आयोजनों के माध्यम से सीखने और अन्वेषण करने के लिए द रेग्नेंट इंक पूरे शैक्षणिक वर्ष में पुस्तक समीक्षा, कविता प्रतियोगिता, लेखन कार्यशालाएं और साहित्यिक उत्सव सहित कई गतिविधियों का आयोजन करता है।

द रेग्नेंट इंक का लक्ष्य एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहां छात्र खुद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकें, अपनी साहित्यिक अभिव्यक्तियों को साझा कर सकें और विभिन्न साहित्यिक विधाओं और विषयों पर सार्थक चर्चा में भाग ले सकें। साहित्य और रचनात्मक लेखन के प्रति प्रेम को बढ़ावा देकर, क्लब छात्रों को कुशल संचार कौशल और आलोचनात्मक सोच क्षमताओं के साथ एक सर्वांगीण व्यक्ति बनने के लिए प्रोत्साहित करता है।

आयोजित कार्यक्रमों की सूची:

क्र.सं	कार्यक्रम	तिथि
1.	हर घर तिरंगा	15/08/2022
2.	हिंदी पखवाड़ा	29/09/2022
3.	डॉ.संजय शंकर मुखर्जी द्वारा वार्ता सत्र	13/10/2022
4.	दिवाली के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता	24/10/2022
5.	"अभ्युदय" - सांस्कृतिक कार्यक्रम	25/10/2022
6.	एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता	30/10/2022
7.	एकता दिवस समारोह	31/10/2022
8.	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	26/11/2022
9.	नेक्स्ट पिचर्स	12/02/2023
10.	भारतीय पूंजी बाजार पर सेमिनार	20/03/2023
11.	अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स (श्री अन्ना) वर्ष 2023 के अंतर्गत कार्यक्रम	26/03/2023 - 27/03/2023

1. हर घर तिरंगा कार्यक्रम

किसी भी देश की ताकत उसके स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को मनाने के ढंग से आंकी जा सकती है, जो उस देश के बंधे हुए पंखों के खुलने का प्रतीक होता है। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने द रेग्नेंट इंक के सहयोग से "हर घर तिरंगा" के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया, जैसे- जिज्ञासा - एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, प्रवाह – एक निबंध लेखन प्रतियोगता जिसमे छात्रों ने अपना साहित्यिक कौशल और राष्ट्र के प्रति अपने आदर्शों, मूल्यों और प्रतीकों के ज्ञान को प्रदर्शित किया। कलात्मक पक्ष को प्रदर्शित करने के लिए "रसप्रबंध" ने न केवल स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए एक शानदार मंच प्रदान किया, बल्कि हर किसी को उस भूमि के प्रति संवेदनशील और आभारी होने का एहसास भी कराया, जिस पर हम रहते हैं। "खजाने की तलाश" खेल ने सभी को न केवल ख़ज़ाना खोजने के लिए एक साथ आने के लिए प्रेरित किया, बल्कि हमारे पास मौजूद आजादी के खजाने की याद भी दिलाई।

इस भव्य उत्सव के अंतर्गत कार्यक्रम सूची:

क्र.सं	नाम	कार्यक्रम	तिथि
1.	चलचित्र	देशभक्ति फ़िल्म	06 अगस्त 2022
2.	प्रवाह	निबंध लेखन प्रतियोगिता	07 अगस्त 2022
3.	जिज्ञासा	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	07 अगस्त 2022
4.	खज़ाने की तलाश	खज़ाना खोज	07 अगस्त 2022
5.	प्रभात फेरी	संयोजन	13 अगस्त 2022
6.	रसप्रबंध	नाटिका प्रतियोगिता	13 अगस्त 2022
7.	त्रिवर्णम	सांस्कृतिक कार्यक्रम	14 अगस्त 2022
8.	फ्रीडम बैडमिंटन चैम्पियनशिप	बैडमिंटन प्रतियोगिता	6 - 14 अगस्त 2022

2. हिंदी पखवाड़ा

भारत के लोगों की भाषा हिंदी ने इस देश के प्रत्येक व्यक्ति के दिलों में एक विशेष स्थान बना लिया है। यह भाषा पूरी दुनिया में चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गई है क्योंकि भाषा की सुंदरता और सरलता ने दुनिया भर में सभी के दिलों को छू लिया है। इस भाषा के महत्व अनगिनत है और भाषा के प्रति हमारे प्यार को साझा करने के लिए, द रेग्नेंट इंक के छात्रों ने गर्व से एक सप्ताह का आयोजन किया, जिसमें छात्रों की प्रतिभा को चित्रित किया गया क्योंकि उन्होंने अपने शब्दों की ताकत के माध्यम से अपनी आंतरिक भावनाओं को व्यक्त किया। छात्रों ने एक वाद-विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से 'निजीकरण ने भारतीय अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित किया है' विषय पर अपनी राय रखी , जहाँ अनेक उत्कृष्ट विचार उभर कर सामने आए।

छात्रों के समूह की मनभावन धुनों ने हिंदी धुनों के साथ मिलकर अनेक दिलों को पिघला दिया, जिसने सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम में एक अद्वितीय छाप छोड़ी। वहाँ पत्र और निबंध लेखन के द्वारा प्रतिभाओं को उभरने का मौका मिला और भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला गया। भाषा किसी के विचारों को व्यक्त करने का एक साधन मात्र ही नहीं है, बल्कि एनआईटी सिक्किम के छात्रों ने गर्व से भाषा के प्रति अपना स्नेह दिखाया और अपनी हिंदी भाषा से उन्होंने हमें याद दिलाया कि इस देश को 'हिंदुस्तान' के रूप में भी क्यों पहचाना जाता है।

कार्यक्रमों की सूची :-

क्र.सं	नाम	कार्यक्रम
1.	अंदाज़-ए-बयान और	कवि सम्मेलन
2.	लोक सभा	वाद-विवाद प्रतियोगिता
3.	काव्य मंजरी	कविता प्रस्तुति
4.	अंताक्षरी	अंताक्षरी
5.	वृतांत	कहानी लेखन प्रतियोगिता
6.	निबन्ध लेखन	निबंध लेखन प्रतियोगिता

3. डॉ.संजय शंकर मुखर्जी द्वारा वार्ता सत्र

द रेग्नेंट इंक ने 13 अक्टूबर 2022 को सौराष्ट्र विश्वविद्यालय में अंग्रेजी और सीएलएस विभाग के प्रतिष्ठित प्रोफेसर डॉ.संजय शंकर मुखर्जी द्वारा एक वार्ता सत्र की मेजबानी की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंजीनियरों को अपने संबंधित तकनीकी क्षेत्रों के ज्ञान के अलावा साहित्य में शब्दों की गहराई और हमारे जीवन पर उनके प्रभाव को भी जानना चाहिए। बातचीत के दौरान, डॉ.मुखर्जी ने दर्शकों को कई साहित्यिक दिग्गजों की कृतियों से परिचित कराया, जिनमें विलियम शेक्सपियर की सॉनेट 18 और रॉबर्ट फ्रॉस्ट की स्टॉपिंग बाई वुड्स ऑन ए स्नोई इवनिंग शामिल है। साहित्य के इन कालातीत अंशों का विश्लेषण करके, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि ये अंश कैसे भावनाओं और अनुभवों को व्यक्त करते हैं जो हमारे मानव अस्तित्व को आकार देते हैं। उन्होंने अपने व्याख्यान से इस बात को याद दिलाया कि साहित्य हमारे व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, चाहे हमारा पेशा कुछ भी हो। साहित्य की सराहना और समझ पैदा करके, इंजीनियर और समाज के दुसरे सभी क्षेत्रों के व्यक्ति अपने दृष्टिकोण को व्यापक बना सकते हैं, अपने संचार कौशल को बढ़ा सकते हैं और समस्या-समाधान के लिए अपने दृष्टिकोण को आकार दे सकते हैं।

4. रंगोली प्रतियोगिता

दीपावली महोत्सव के शुभ अवसर पर द रेम्नेंट इंक ने रंगोली बनाओ प्रतियोगिता "रंग-अबीरा" का आयोजन किया। इसका आयोजन 24 अक्टूबर 2022 को किया गया था जिसमें प्रत्येक प्रतिभागी हमारे रीति-रिवाजों और संस्कृति को समानांतर रूप से बनाए रखने के साथ-साथ रंगों के हम पर पड़ने वाले प्रभावों को महत्व देते हुए खुशी से ओत-प्रोत हुए। भाग लेने वाले लोगों ने अद्भुत रंगोलियाँ बनाई। जहाँ रंगोलियाँ देखने में बहुत सुंदर थीं, वहीं उन्होंने हमारे कॉलेज को एक घरेलू माहौल भी दे दिया।

5. अभ्युदय- सांस्कृतिक कार्यक्रम

25 अक्टूबर, 2022 को रोशनी के त्योहार दिवाली के शुभ अवसर पर पूरे संस्थान को रोशनी से सजाया गया, शानदार रंगोलीयों का सुंदर प्रदर्शन किया गया, और पूरे संस्थान को दीये की रोशनी से जगमगा दिया गया। इस अवसर को आलोकित करने के लिए, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के साहित्यिक क्लब द रेम्नेंट इंक ने "अभ्युदय" नामक एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया - जो क्लब का सबसे प्रतीक्षित सांस्कृतिक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सांस्कृतिक सद्भाव और प्रतिभा का विकास करना था। संस्थान के छात्रों द्वारा नृत्य, बेहद मनोरंजक नाटक और आकर्षक संगीतमय प्रस्तुतियों आदि अनेक प्रस्तुतियों ने न केवल प्रतिभा का प्रदर्शन किया बल्कि दर्शकों को भी उनके मनमोहक मंचन से मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम, विद्यार्थियों के बीच भाईचारे की भावना का संचार करते हुए सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

6. एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत ड्राइंग प्रतियोगिता

कला एक माध्यम के रूप में कार्य करती है जो मानव चेतना को सर्वोच्च शक्ति से जोड़ती है। इसे उन कुछ माध्यमों में से एक माना जाता है जिसके माध्यम से कोई व्यक्ति रचनात्मक रूप से अपनी राय और धारणाएं प्रदर्शित कर सकता है। यह न केवल एक रचनात्मक प्रदर्शन है बल्कि एक उपचारात्मक माध्यम भी है जो किसी के दिमाग को विकसित करती है, उसे चिंतित और भाव विह्वल होने से बचाती है जो सोच को धुंधला कर देती है और किसी की विचार प्रक्रिया की स्पष्टता को बाधित कर देती है।

रेग्नेंट इंक साहित्य के सभी रूपों को ध्यान में रखता है, और चित्रकला उनमें से एक है।

हमने लोगों की प्रतिभा को रंगों के रूप से सामने लाने के लिए एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया।

7. एकता दिवस समारोह

एकता दिवस के गौरवशाली परिपेक्ष्य में, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम ने संस्थान के साहित्यिक क्लब द रेग्नेंट इंक के सहयोग से "रन फॉर यूनिटी" आयोजित करने की पहल की। यह दौड़ हमारे अत्यधिक विविधता वाले देश की विभिन्न संस्कृतियों और धर्मों के बीच भाईचारे की भावना फैलाने के लिए आयोजित की गई थी। संस्था के छात्रों ने इस कार्यक्रम में इतने जोश के साथ भाग लिया कि वे बड़ी से बड़ी बाधा को पार करने के लिए उतारू थे। प्रतिभागियों के बीच आसमान छू लेने वाले उत्साह के साथ बुद्ध पार्क से दौड़ शुरू हुई और एक पूर्व निर्धारित मार्ग का अनुसरण करते हुए संस्थान के मुख्य द्वार पर समाप्त हुई। कई चेकपोस्टों पर ऊर्जा पेय की निरंतर आपूर्ति से तरोताजा होते हुए प्रतिभागियों ने दौड़ का भरपूर आनंद लिया।

'रन फॉर यूनिटी' के बाद छात्रों के लिए एक शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जहां उन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने की शपथ ली। उसी दिन, छात्रों के लिए उक्त विषय पर अपने कौशल, ज्ञान और जागरूकता प्रदर्शित करने के लिए भाषण प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी और प्रदर्शनी जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन सभी कार्यक्रमों में छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और दर्शकों को इन कार्यक्रमों से बहुत सारी जानकारी मिली और एक नई समझ पैदा हुई।

8. संविधान दिवस पर प्रश्नोत्तरी

हर साल द रेग्नेंट इंक 26 नवंबर को अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित करके संविधान दिवस मनाता है। 'जिज्ञासा' व्यक्ति को अधिक जानकार और बुद्धिमान बनाती है। किसी भी प्रश्नोत्तरी का उद्देश्य आपके ज्ञान का परीक्षण करना होता है। प्रश्नोत्तरी आपको सीखने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखने में मदद करती है। यह सब देखते हुए हमारे कॉलेज के छात्रों ने हमारे संविधान के महत्व को बढ़ाने के लिए इस वर्ष भी एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया था जिसमें छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और इस कार्यक्रम को भव्य सफल बनाया।

9. भारतीय पूंजी बाजार पर सेमिनार

छात्रों से लेकर नौकरीपेशा वर्ग तक, ट्रेडिंग के प्रभाव ने समग्र रूप से अपना प्रभाव फैला लिया है। यह कई लोगों के लिए मुख्य और सहायक दोनों तरह की आय का स्रोत बन गया है। संस्थान के भीतर ट्रेडर्स को जागरूक करने के लिए, द रेग्नेंट इंक ने संस्थान के छात्रों और स्कोलर्स के बीच भारत पूंजी बाजार के दायरे की समझ विकसित करने के लिए सेबी, एनएसडीएल और एनएसई के वरिष्ठ प्रतिनिधियों को आमंत्रित करने की पहल की। सेमिनार 25 मार्च, 2023 को शुरू हुआ। सेमिनार श्री सुभाशीष सेन गुप्ता एनएसडीएल, कोलकाता और श्री किंजल घोष, सहायक महाप्रबंधक सेबी, कोलकाता ने संबोधित किया। संस्थान के माननीय निदेशक श्री महेश चंद्र गोविल ने मुख्य अतिथि के रूप में सत्र की अध्यक्षता की। संस्थान के छात्रों और स्कोलर्स ने सत्र के बाद वर्तमान बाजार प्रतिभूतियों के बारे में एक नई समझ और अधिक जागरूकता के साथ एमपीएच से विदाई ली।

10. अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष

अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (आईवाईओएम) 2023 के उपलक्ष्य में, द रेग्नेंट इंक ने दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों का उद्देश्य बाजरा और उनके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस वर्ष के आयोजन में शामिल होने के लिए श्री के.वी. राम सुब्बा रेड्डी को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने बाजरा आधारित खाद्य व्यंजनों पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया।

इसके साथ ही निम्नलिखित कार्यक्रम भी आयोजित किए गये:

- द मिलेट्स ट्रैप : एक पाक कला प्रतियोगिता जहां छात्रों ने विभिन्न प्रकार के बाजरे के समावेश के साथ अपनी पाक कला का प्रदर्शन किया।
- प्रश्नोत्तरी चर्चा: इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को बाजरे के बारे में अधिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना था ।
- बाजरे पर प्रस्तुति: छात्रों ने बाजरे के उत्पादन से लेकर इसके लाभों सहित सभी पहलुओं को शामिल करते हुए स्लाइड तैयार कर प्रस्तुत की, ताकि बाजरे को अपने दैनिक भोजन की दिनचर्या में शामिल किया जा सके।
- वर्ड्स ऑन फायर: एक निबंध प्रतियोगिता जिसने छात्रों को आम जनता के बीच बाजरे को लोकप्रिय बनाने के संभावित तरीकों के बारे में अपने विचारों को रखने का अवसर प्रदान किया।
- भाषण प्रतियोगिता: एक मंच जहां छात्रों ने बाजरा खाने के अपने अनुभव और रेसिपी और उनके लाभों को साझा किया.
- बाजरे के पकौड़े और खीर की दावत: आखिर में बाजरे के स्वाद से अवगत कराने के लिए बाजरे से बने पकौड़े और खीर को कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों के बीच वितरित किया गया।

11. द नेक्स्ट पिचर्स

'द नेक्स्ट पिचर्स' द रेग्नेंट इंक द्वारा आयोजित उन रचनात्मक दिमागों के लिए सबसे विशेष कार्यक्रमों में से एक था जिसमें कोई भी किसी को भी कुछ भी बेच सकते हैं। इसका आयोजन 12 फरवरी 2023 को किया गया था। 'द नेक्स्ट पिचर्स' ऑन-द-स्पॉट मार्केटिंग और पूर्व नियोजित पिचिंग का मिश्रण था। इसने प्रतिभागियों को यह सीखने के लिए प्रेरित किया कि सूक्ष्म बिन्दुओं पर कैसे ध्यान दिया जाए और उन्हें विक्रय बिंदुओं में कैसे बदला जाए। कम समय में अपने विचार व्यक्त करना एक अच्छे मार्केटिंग व्यक्ति की पहचान है और वह भी तब जब आपको दर्शकों के सामने कुछ बेचना हो। प्रत्येक प्रतिभागी ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया और इससे उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला ।

छात्रों के लिए सुविधाएं

छात्रवृत्तियाँ

संस्थान नोडल अधिकारी (छात्रवृत्ति) - श्री राम नेपाल

एनआईटी सिक्किम के छात्र, केंद्र सरकार और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत छात्रवृत्ति से लाभान्वित होते हैं। एनआईटी सिक्किम ने केन्द्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के साथ-साथ विभिन्न राज्यों के छात्रवृत्ति पोर्टल पर पंजीकरण कराया है जिससे प्रत्यक्ष रुप से छात्रों को उनकी पारिवारिक आय, विभिन्न श्रेणियों, तथा शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करता है और तदनुसार छात्रों को लाभ मिलता है।

छात्रवृत्ति के लिए विवरण नीचे उल्लिखित किया गया है:

A. अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति योजना

इस योजना के तहत छात्रों को निम्नलिखित मद पर वित्तीय सहायता मिलती हैं -

a. ट्यूशन फीस: संस्थान के नियम के अनुसार सभी अनुसूचित जनजाति के छात्रों को ट्यूशन फीस में पूरी छूट मिलती है।

b. किताबें और स्टेशनरी: रु. 5,000/- प्रति वर्ष प्रति छात्र।

c. रहने का खर्च: रु. 36,000/- प्रति वर्ष प्रति छात्र।

d. कंप्यूटर और सहायक उपकरण: पाठ्यक्रम के दौरान रु. 45,000/- एकमुश्त सहायता।

e. अन्य धनवापसी न किए जाने वाले शुल्क: दुसरे संस्थानों को सभी शैक्षणिक/गैर-शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए छात्र द्वारा भुगतान की गई रिफंड न किए जाने वाला शुल्क । यह रकम हरेक साल अलग-अलग हो सकती है.

B. अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा श्रेणी के लिए केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना

इस योजना के तहत छात्रों को निम्नलिखित मद पर वित्तीय सहायता मिलती है -

a. ट्यूशन फीस: संस्थान के नियम के अनुसार सभी अनुसूचित जाति के छात्रों को ट्यूशन फीस में पूरी छूट मिलती है।

b. किताबें और स्टेशनरी: रु. 5,000/- प्रति वर्ष प्रति छात्र।

c. रहने का खर्च: रु. 36,000/- प्रति वर्ष प्रति छात्र।

d. कंप्यूटर और सहायक उपकरण: पाठ्यक्रम के दौरान रु. 45,000/- एकमुश्त सहायता।

e. अन्य रिफंड न किए जाने वाला शुल्क: दुसरे संस्थानों को सभी शैक्षणिक/गैर-शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए छात्र द्वारा भुगतान की गई रिफंड न किए जाने वाला शुल्क। यह राशि प्रत्येक वर्ष भिन्न भिन्न हो सकती है।

C. कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना

छात्रवृत्ति राशि रु. 10,000/- प्रति वर्ष

D. अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित छात्रों के लिए योग्यता सह आय आधारित छात्रवृत्ति

इस योजना के तहत छात्रों को निम्नलिखित मद पर वित्तीय सहायता मिलती है -

a. कोर्स शुल्क: रु. 20,000/- प्रति वर्ष.

b. भरण-पोषण भत्ता: शैक्षणिक वर्ष में 10 माह की अवधि के लिए 10,000 रुपये प्रति माह।

E. दिव्यांग छात्रों के लिए केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना

इस योजना के तहत, छात्रों को निम्नलिखित मद पर वित्तीय सहायता मिलती है -

a. भरण-पोषण भत्ता: रु. 1600/- प्रति माह

b. दिव्यांग भत्ता: यह राशि उम्मीदवार के दिव्यांगता मानदंडों के आधार पर भिन्न हो सकती है।

c. पुस्तक भत्ता: रु. 1500/- प्रति वर्ष

d. अनिवार्य रिफंड न किए जाने वाले शुल्क की प्रतिपूर्ति: सभी शैक्षणिक / गैर-शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए छात्र द्वारा अन्य संस्थानों को रिफंड न किए जाने बाले शुल्क का भुगतान। यह राशि प्रत्येक वर्ष भिन्न-भिन्न हो सकती है।

F. अन्य राज्यों से छात्रवृत्ति:

निम्नलिखित राज्यों से संबंधित छात्र अपने संबंधित राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजनाओं से छात्रवृत्ति का लाभ उठाते हैं: बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, असम और सिक्किम।

G. अन्य फंडिंग एजेंसियों से छात्रवृत्ति:

a. स्वामी दयानंद चैरिटेबल एजुकेशन फाउंडेशन

b. सैमसंग स्टार छात्रवृत्ति

c. फाउंडेशन फॉर शैक्षणिक एंड एक्सेस (एफएईए)

d. एस.आर. जिंदल छात्रवृत्ति

e. एनएचएफडीसी

इनके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों की कई और छात्रवृत्ति योजनाएं हैं जहां से छात्रों को सीधे तौर पर लाभ मिलता है। संस्थान स्तर पर सत्यापन के बाद, छात्रों के आवेदन उनके संबंधित राज्य और फिर संबंधित मंत्रालय को भेजे जाते हैं। यदि चयन प्राधिकारी द्वारा किसी छात्र को चुना जाता है, तो छात्र सीधे अपने बैंक खातों में अपनी छात्रवृत्ति प्राप्त करते हैं।

केंद्रीय योजनाओं, यूजीसी योजनाओं और संबंधित राज्य योजनाओं के माध्यम से वर्ष 2022-23 के दौरान छात्रवृत्ति के लिए अनुशंसित छात्रों की संख्या निम्नानुसार है:-

क्र.सं	छात्रवृत्ति योजनाएं	छात्र संख्या
1	अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए उच्च श्रेणी शिक्षा की केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति	42
2	एसटी छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति (अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए औपचारिक रूप से शीर्ष श्रेणी की शिक्षा)	39
3	ईशान उदय - पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना	4
4	कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की केंद्रीय क्षेत्र योजना	5
5	व्यावसायिक और तकनीकी संगणक विज्ञान पाठ्यक्रमों के लिए मेरिट कम मीन्स स्कालरशिप	1
6	पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अल्पसंख्यक सीएस	3
7	दिव्यांग छात्रों के लिए उच्च श्रेणी शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति	2
8	उच्च व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए एनईआर के छात्रों को वित्तीय सहायता (एनईसी मेरिट छात्रवृत्ति)	2
9	एकल लड़की के लिए स्नातकोत्तर इंदिरा गांधी छात्रवृत्ति	2
10	विश्वविद्यालय रैंक धारकों के लिए स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति (प्रथम और द्वितीय रैंक धारक)	1
11	अरुणाचल प्रदेश राज्य वजीफा योजना	1
12	अनुसूचित जनजाति के बच्चों की शिक्षा के लिए अम्ब्रेला योजना - अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (पीएमएस) अरुणाचल प्रदेश	1
13	अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति - असम	1
14	ओबीसी, ईबीसी और डीएनटी छात्रों के लिए पीएम यशस्वी पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति- सिक्किम	14
15	अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए केंद्र प्रायोजित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति - सिक्किम	3
16	अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना- सिक्किम	1
17	अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति- बिहार	6
18	ई-मेधावृत्ति पीजी मेरिट- ओडिशा	1
19	मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना- राजस्थान	1
20	अनुसूचित जनजातियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना- राजस्थान	1
	कुल छात्र	131

छात्रावास

वर्तमान में, संस्थान एक अस्थायी परिसर में स्थित है और परिसर के भीतर छात्रावास सुविधा सीमित है। परिसर के भीतर और बाहर यूजी (बीटेक) और पीजी (एमटेक, एमएससी और पीएचडी) छात्रों के लिए संस्थान आवास उपलब्ध है। परिसर के भीतर छात्राओं के लिए अलग छात्रावास सुविधा भी उपलब्ध है। छात्रावास के सभी कमरे आवश्यक फर्नीचर जैसे चारपाई, कुर्सी-मेज, अलमारी आदि सुविधाओं से युक्त हैं। परिसर-छात्रावास पूरी तरह से वाई-फाई सुसज्जित हैं। छात्रों को छात्रावासों में गीजर, वाशिंग मशीन, टीवी, व्यायामशाला और इनडोर गेम्स जैसी बुनियादी सुविधाओं की भी सुविधा प्रदान की जाती है।

A. परिसर छात्रावास विवरण:-

परिसर के मुख्य वार्डन - डॉ.रवि श्रीवास्तव

(i) छात्रावास (बॉयज)

क्र.सं	छात्रावास का नाम	निवासियों की संख्या	वार्डन का नाम
1.	बीएच 1	146	डॉ.संग्राम रे – (प्रॉक्टर) डॉ.अविनाश कुमार (इस्तीफा दे दिए) श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत डॉ. मोहम्मद सरफराज आलम अंसारी (22.02.23 से)
2.	बीएच 2	160	डॉ.धनंजय त्रिपाठी (प्रॉक्टर) डॉ.शंभूनाथ बर्मन डॉ.सुमित साहा
3.	बीएच 3 एवं 4	30	डॉ.संजय कुमार जैन – (प्रॉक्टर) डॉ.दीपमाल्य बसाक डॉ.अभिषेक राजन

(ii) छात्रावास (गर्ल्स)

क्र.सं	छात्रावास का नाम	निवासियों की संख्या	वार्डन का नाम
1	जीएच -1	29	डॉ.रेशमी धारा डॉ.ऋचा मिश्रा डॉ.कृति तिवारी
2	जीएच -2	28	
3	जीएच -4	5	
4	जीएच -5	28	
5	जीएच -6	26	
6	जीएच -7	15	
7	जीएच -8	11	

B. बाह्य, परिसर छात्रावास

यूजी प्रथम वर्ष और पीजी के छात्रों को समायोजित करने के लिए रवंगला शहर में किराये के आधार पर तीन (03) इमारतों को भी लिया जाता है। इसके अलावा, बाह्य, परिसर के छात्रावासों में रहने वाले छात्रों को उनकी सुविधा के लिए बस सुविधा भी प्रदान की जाती है।

बाह्य, परिसर के सहायक मुख्य वार्डन – डॉ.देबजीत साहा

क्र.सं	छात्रावास का नाम	निवासियों की संख्या	वार्डन का नाम
1.	ओएच-1	75	डॉ.मो.नुज्जमान – (प्रॉक्टर) डॉ.दीपायन दास डॉ.सुदीप बनर्जी डॉ.नीलांजन दत्ता डॉ.सुरेश कुमार चौबे डॉ.विष्णु टी.बी. डॉ.सौविक पात्रा
2.	ओएच -2	21	
3.	ओएच -3	21	

भोजनालय सुविधाएं

एनआईटी सिक्किम में तीन अलग-अलग छात्र भोजनालय चल रहे हैं। परिसर के भीतर दो भोजनालय अलग से स्थित हैं, जो परिसर के छात्र-छात्राओं की सुविधा के लिए कार्यरत हैं। एक भोजनालय परिसर के बाहर वाले छात्रावास में स्थित है, जो बाहर के छात्रावास में रहने वाले छात्रों के लिए संचालित किया जा रहा है। मुख्य वार्डन और अन्य वार्डनों की देखरेख में छात्र भोजनालय समिति, भोजनालय ठेकेदार द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के सुचारू कामकाज और गुणवत्ता की देखरेख करती है।

एनआईटी सिक्किम खेल सप्ताह

हर साल की तरह, संस्थान की खेल और खेल समिति ने 27-29 अक्टूबर 2022 को संस्थान के मैदान में "वार्षिक स्पोर्ट्स मीट" का आयोजन किया गया। वार्षिक खेल प्रतियोगिता के दौरान आयोजित अधिकांश खेल जैसे क्रिकेट (लड़कियां और लड़के दोनों), फुटबॉल (लड़कियां और लड़के दोनों), वॉली बॉल (लड़कियां और लड़के दोनों), खो-खो (लड़कियां और लड़के दोनों), लंबी कूद (लड़कियां और लड़के दोनों), शॉट पॉट (लड़कियां और लड़के दोनों), डिस्कस थ्रो (लड़कियां और लड़के दोनों), 4x100 मीटर रिले दौड़ (लड़कियां और लड़के दोनों), 100 मीटर दौड़ (लड़कियों और लड़कों दोनों), 50 मीटर दौड़ (केवल लड़कियों), शतरंज (लड़कियों और लड़कों दोनों), कैरम (लड़कियों और लड़कों दोनों), रस्साकशी (लड़कियों और लड़कों दोनों) का आयोजन किया गया। वार्षिक खेल प्रतियोगिता की कुछ तस्वीरें नीचे साँझा की गई हैं।

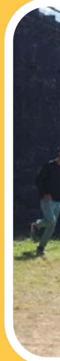

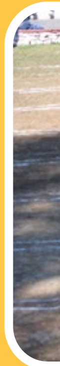

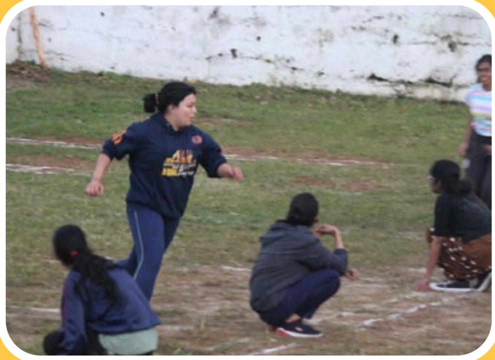

NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY SIKKIM
ANNUAL SPORTS MEET

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

खेल, छात्र जीवन का एक अभिन्न हिस्सा हैं और यह युवा दिमाग को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए, संस्थान छात्रों को विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। हर साल छात्र विभिन्न एनआईटी और अन्य कॉलेजों में आयोजित खेल गतिविधियों में भाग लेते हैं।

इस साल फरवरी के महीने में हमारे कॉलेज के छात्रों ने दो अलग-अलग कॉलेजों में भाग लिया है।:

1. **बीआईटी पटना - शतरंज और बैडमिंटन के लिए**
2. **एनआईटी राउरकेला - इंटर एनआईटी फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए**

हमारे छात्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया और प्रतियोगिताओं का भरपूर आनंद लिया।

बीआईटी पटना

एनआईटी राउरकेला

अस्थायी परिसर में

बुनियादी ढांचे का विकास

संस्थान के वर्तमान अस्थायी परिसर में जगह और बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण, बुनियादी आवश्यकता, बुनियादी ढांचे और पुराने पारंपरिक और अस्थायी शेड संरचनाओं के नियमित रखरखाव कार्यों के निर्माण के प्रयास किए गए हैं। संस्थान के संपदा अनुभाग ने बुनियादी ढांचे से संबंधित सभी गतिविधियों का प्रबंधन किया है। संस्थान पिछले एक दशक से अस्थायी परिसर से संचालित हो रहा है और परिसर को आवश्यक शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों के निर्वाहन के लिए नियमित मरम्मत और रखरखाव की आवश्यकता है। इसके अलावा, बीडब्ल्यूसी और बीओजी की मंजूरी के साथ, आवश्यक और बुनियादी प्रयोगशालाओं / शिक्षण हेतु कक्षों और अन्य बुनियादी ढांचे देने के लिए अस्थायी शेड का निर्माण शुरू किया जाता है। वर्ष 2022-23 में, संस्थान ने निम्नलिखित परियोजनाएं शुरू की हैं, जिनकी मरम्मत और निर्माण किया जाता है।

ए) शैक्षणिक ब्लॉक के पास मार्ग में शेड का विस्तार

क्योंकि रावंगला में साल में लगभग 6 से 7 महीने तक भारी बारिश होती है, इसलिए संकाय/छात्रों/कर्मचारियों के लिए कक्षाओं और प्रयोगशालाओं तक पहुंचना बहुत मुश्किल हो जाता है। उपर्युक्त क्षेत्रों की ओर जाने वाले रास्ते खुले थे और पैदल यात्रियों के लिए उस पर चलना बेहद फिसलन भरा और खतरनाक हो गया था। इस संदर्भ में संबंधित मार्ग क्षेत्रों को माइल्ड स्टील संरचनात्मक अनुभागों द्वारा समर्थित पारदर्शी शीटों द्वारा कवर किया गया था। यह कार्य सिविल अभियांत्रिकी विभाग की देखरेख में संपदा विभाग द्वारा किया गया था और इसे चित्र 1 में दर्शाया गया है।

चित्र.1 शैक्षणिक ब्लॉक के पास मार्ग में शेड का विस्तार

बी) गर्ल्स हॉस्टल के पास वाशिंग मशीन के लिए शेड का निर्माण

संस्थान के छात्रावास में रहने वाली छात्राओं के लिए कपड़े धोने के लिए कोई निर्धारित स्थान नहीं था। छात्रावास के अंदर उपलब्ध स्थान सीमित है और वॉशिंग मशीनें बाहर लगाई गई थीं। रावंगला में पूरे वर्ष भारी वर्षा होने की संभावना होती है, वॉशिंग मशीन बारिश के संपर्क में आ जाती है जिससे वाशिंग मशीनों के ऊपरी आवरण में जंग लग जाती है। इसलिए उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए धुलाई क्षेत्र के लिए छत सहित एक अलग से ही स्थान प्रदान करना आवश्यक हो गया था। संपत्ति विभाग ने इस उद्देश्य के लिए हॉस्टल ब्लॉक के पास स्थान की पहचान की थी। फिसलन और जल-जमाव से बचने के लिए धुलाई क्षेत्र के फर्श पर एंटी-स्किड सिरेमिक टाइलें बिछाई गईं। कपड़े धोने की जगह में कम से कम तीन मशीनों को रखने के लिए माइल्ड स्टील स्ट्रक्चरल सेक्शन और पीवीसी पारदर्शी शीट का उपयोग करके संरचना बनाई गई थी। यह कार्य सिविल अभियांत्रिकी विभाग की देखरेख में एनआईटी सिक्किम के संपदा विभाग द्वारा किया गया है। इसे चित्र 2 में दर्शाया गया है।

चित्र 2. गर्ल्स हॉस्टल के पास वाशिंग मशीन के लिए शेड का निर्माण

सी) एटीएम के लिए सिंगल यूनिट रूम का निर्माण

संस्थान के छात्र, शिक्षक और कर्मचारी पूरी तरह से परिसर से लगभग 4 किमी दूर रावंगला बाजार में स्थित एटीएम पर निर्भर थे। इसे ध्यान में रखते हुए, परिसर में एटीएम स्थापित करने के लिए विभिन्न बैंकों से संपर्क किया गया। हालाँकि, केवल यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, नामची ने एनआईटी सिक्किम के संकायों, कर्मचारियों और छात्रों तक सुविधाओं की आसान पहुंच के लिए एटीएम स्थापित करने के अनुरोध पर विचार किया था। किराया या बिजली शुल्क वसूले बिना बैंक की आवश्यकताओं के अनुसार उपयुक्त संरचना के साथ स्थान उपलब्ध कराने पर सहमति हुई। इसके लिए मुख्य द्वार के पास की जगह की पहचान कर ली गई है और आवश्यकता के अनुसार 10'x6' की आरसीसी संरचना का निर्माण किया गया है। निर्माण कार्य सिविल अभियांत्रिकी विभाग के मार्गदर्शन में संस्थान के संपदा विभाग द्वारा किया गया है। इसे चित्र 3 में दर्शाया गया है।

चित्र 3 सी) एटीएम सुविधा के लिए सिंगल यूनिट रूम का निर्माण

डी) पार्क और आसपास के मार्ग क्षेत्रों का नवीनीकरण

मौजूदा पार्क को पेवर ब्लॉक और एंटी-स्किड टाइल्स का उपयोग करके आवश्यक पथ के साथ नवीनीकृत किया गया है। इसके अलावा पास के मार्ग की मरम्मत और रखरखाव आदि की भी आवश्यकता थी। यह कार्य सिविल अभियांत्रिकी विभाग की देखरेख में संपदा विभाग द्वारा किया जाता है और इसे चित्र 4 में दर्शाया गया है।

चित्र 4: पार्क और आसपास के मार्ग क्षेत्रों का नवीनीकरण

ई) मुख्य द्वार से शैक्षणिक ब्लॉक सीढ़ी तक सीसी एप्रोच रोड की मरम्मत

एनआईटी सिक्किम के वर्तमान परिसर में मानसून के मौसम में भारी वर्षा होती है जो लगभग 6 से 7 महीने तक चलती है और इसके कारण, शैक्षणिक ब्लॉक के पीछे की सड़क, जो 12 साल पहले बनाई गई थी, मानसून में गड्ढों, तूफानी नाली के पानी आदि के कारण गंभीर रूप से खराब हो गई थी, और पैदल यात्रियों और वाहनों की आवाजाही के लिए असुरक्षित हो चली थी। सीमेंट कंक्रीट का उपयोग करके इसकी मरम्मत और रखरखाव किया गया है। यह काम सिविल अभियांत्रिकी विभाग की देखरेख में संपदा विभाग द्वारा किया गया है और संस्थान द्वारा दैनिक आधार पर श्रमिकों को काम पर रखा गया है और इसकी तस्वीर चित्र 5 में दी गई है।

चित्र 5: सीमेंट कंक्रीट प्रयोग करते हुए सड़क की मरम्मत

एफ) प्रशिक्षण एवं स्थानन प्रकोष्ठ का विस्तार

संस्थान के अस्थायी परिसर में निर्मित स्थान सीमित है और वर्तमान में टी एंड पी सेल संस्थान के छोटे से हिस्से में काम कर रहा है। एल्युमीनियम एक्सट्रूड सेक्शन और पार्टिकल बोर्ड का उपयोग करते हुए टी एंड पी सेल के लिए एक अतिरिक्त कक्ष बनाने के लिए किया जाता है ताकि टीएंडपी के प्रतिनिधियों को प्लेसमेंट और इंटर्नशिप से संबंधित आवश्यक कार्य करने के लिए कुछ और जगह प्रदान की जा सके। उक्त कार्य यांत्रिक एवं सिविल अभियांत्रिकी विभाग की देखरेख में संपदा अनुभाग द्वारा किया गया है और उसे चित्र 6 में दर्शाया गया है।

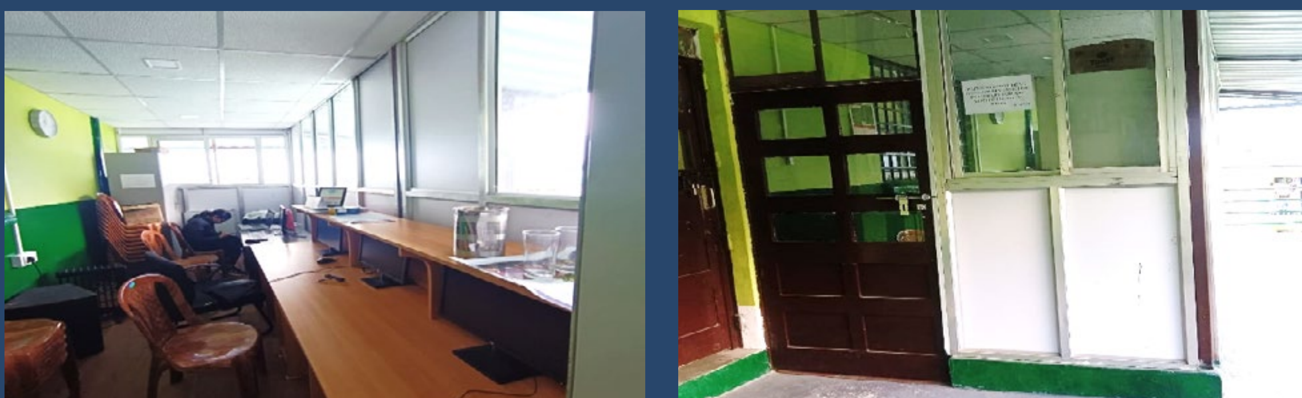

चित्र 6 : प्रशिक्षण एवं स्थानन प्रकोष्ठ का विस्तारित खण्ड

केंद्रीय पुस्तकालय

संस्थान की शैक्षणिक और शोध गतिविधियों का एक अभिन्न अंग है। इसे वर्ष 2012 में ज्ञान और सूचना केंद्र (केआईसी) के रूप में स्थापित किया गया था, जो ज्ञान भण्डारण, शोध सहायता और अध्ययन सुविधाओं को सुनिश्चित करता है। पुस्तकालय का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं की सुविधानुसार उनकी सीखने की जरूरतों की पूर्ति के लिए प्रभावी सेवाएं प्रदान करना है।

पुस्तकालय संग्रह

पुस्तकालय अपने शुरूआती दिनों से लगातार विकसित हुआ है और प्रिंट और डिजिटल प्रारूप दोनों में संस्थान के शैक्षणिक समुदाय के लिए उचित उचित संख्न्या में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सामग्री प्रदान करता है। इसमें पाठ्य पुस्तकों, कथा पुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों, विश्वकोशों, शब्दकोशों, शोध-अनुसंधान अन्य विधि-1 पत्रिकाओं और पत्रिकाओं का एक पर्याप्त संग्रह है। संस्थान ने छात्रों और शोधकर्ताओं की शोध एवं अन्य विभिन्न जरूरतों को पूरा करने के लिए स्प्रिंगर-नेचर, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी (एपीएस), जेएसटीओआर, एएससीई, आईएसआईडी डेटाबेस, एनडीएल ई-रिसोर्सेज और डिजिट जैसी जर्नल और पत्रिकाओं का सब्सक्रिप्शन ले रखा है। ई-पुस्तकों और अन्य ई-संसाधनों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, केंद्रीय पुस्तकालय डेलनेट के साथ भी जुड़ा हुआ है। उपयोगकर्ता डेलनेट से विभिन्न ई-संसाधनों को खोज सकते हैं। शोधार्थी "क्विलबोट" प्लेटफ़ॉर्म का भी उपयोग कर सकते हैं, जो विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है जैसे कि एक व्याख्याकार, व्याकरण परीक्षक, साइटेशन्स जनरेटर, साहित्यिक चोरी परीक्षक, और कई दूसरी सुविधाएँ। हम एक संस्थागत डिजिटल रिपॉजिटरी बनाने के लिए भी" सकारात्मक पहल कर रहे हैं।

E-Resources:

Resource	Remarks
ACM Digital Library	IP Based Access
American Physical Society - eSS Collection	IP Based Access
ASCE Journals Online	IP Based Access
Institute for Studies in Industrial Development (ISID) Database	IP Based Access
JSTOR	IP Based Access
Springer Link 1700 Collection + Nature Journal	IP Based Access
Trunitin	Remote Access
QuillBot	Remote Access
DELNET	Remote Access
Digit e-Magazine	Remote Access

पुस्तकालय सेवाएँ

केन्द्रीय पुस्तकालय कोहा पुस्तकालय स्वचालन सॉफ्टवेयर के साथ स्वचालित है जो एक ओपन सोर्स एकीकृत पुस्तकालय प्रणाली (आईएलएस) है। उपयोगकर्ता आसानी से ओपीएसी (ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग) का उपयोग करके पुस्तकों और पुस्तकालय के अन्य संसाधनों की उपलब्धता का पता कर सकते हैं। यहां तक कि छात्र ओपीएसी के माध्यम से अपने मोबाइल या पीसी का उपयोग करके अपने स्वयं के पुस्तकालय खाते की जांच कर सकते हैं। परिसंचरण प्रक्रिया समय बद्ध है क्योंकि पुस्तकों का संचलन बारकोड स्कैनिंग सिस्टम के माध्यम से निष्पादित किया जाता है। डीडीसी वर्गीकरण प्रणाली के अनुसार पुस्तकों को अच्छी तरह से व्यवस्थित किया जाता है ताकि मनचाही पुस्तक का पता लगाना आसान हो।

स्थान की सीमाओं के बावजूद, बहुउद्देश्यीय हॉल में छात्रों के लिए वाचनालय के लिए विशेष व्यवस्था की गई है कमरे में सुविधा के लिए उचित हीटिंग सुविधाएँ भी उपलब्ध है।

पुस्तकालय फोटोकॉपी, मुद्रण और स्कैनिंग सुविधाओं से पूरी तरह से सुसज्जित है। इसके लिए कंप्यूटर के साथ दो बड़े आकार के कैनन प्रिंटर सह स्कैनर प्रदान किए गए हैं।

केंद्रीय पुस्तकालय वर्ष भर सीमित शीर्षकों पर बुक बैंक सेवाएं प्रदान कर रहा है। केंद्रीय पुस्तकालय में गेट, कैट और आईआईटी-जेईई आदि जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें भी शामिल हैं। पुस्तकालय में अलग से संदर्भ कक्ष की सुविधा भी उपलब्ध है। सीएएस, एसडीआई और रेफरल सेवाएं यहां प्रदान की जाती हैं। छात्र पुस्तकालय से ई-पत्रिका और ई-समाचार पत्र भी प्राप्त कर सकते हैं। छात्रों को अपनी रुचि के क्षेत्र में संसाधनों का लाभ उठाने के लिए एनडीएल (राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय) तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

"पुस्तकालय किसी संस्था का हृदय होता है"

-राधाकृष्णन, भारत के दूसरे राष्ट्रपति

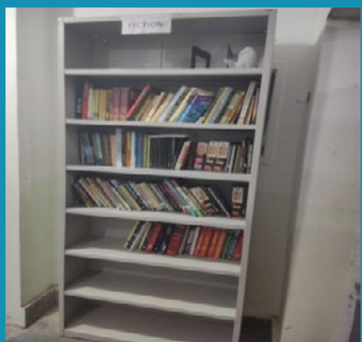

शोध और परामर्श

पिछले दो वर्षों के दौरान संस्थान ने शैक्षणिक और शोध सहयोग के लिए 14 शैक्षिक, शोध और औद्योगिक संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें सात प्रमुख आईआईटी और दो एनआईटी शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद, टीसीजी लाइफसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड कोलकाता, राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड, राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा और शोध संस्थान कोलकाता और सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सूरत के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इनमें से कुछ समझौता ज्ञापनों ने हमारे सबसे उत्कृष्ट छात्रों को प्रमुख आईआईटी में अपन बी.टेक. कार्यक्रमों को पूरा करने और स्नातक कार्यक्रम के पूरा होने के तुरंत बाद अपने पीएच.डी. कार्यक्रम को शुरू करने में सक्षम बनाया है। हमारे दो विद्यार्थी, सिविल अभियांत्रिकी विभाग से सुश्री स्वाति और विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग से सुश्री सृष्टि शर्मा वर्तमान में आईआईटी हैदराबाद में अपने बी.टेक. कार्यक्रम के अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहे हैं। हमारे कुछ विद्यार्थी आईआईटी गांधीनगर में अपने एम.टैक. और पीएचडी कार्यक्रमों को पूरा कर रहे हैं। संस्थान के छात्रों, विद्यार्थी और कर्मचारियों के शैक्षणिक विकास के लिए इन समझौता ज्ञापनों के दायरे में असंख्य अवसर उपलब्ध हैं। विशेष रूप से, ये शैक्षणिक, शोध और औद्योगिक संगठन भी हमारे छात्रों को प्रशिक्षण के अवसर प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा, समझौता ज्ञापन हमारे शिक्षको को शिक्षाविदों और अन्य संगठनों के शोधकर्ताओं के साथ सहयोगी शोध कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, इस प्रकार उन्हें अपनी सीमाओं का विस्तार करने और राष्ट्र के विकास में योगदान करने में सक्षम बनाते हैं। डीआरडीओ और एनआईटी सिक्किम के बीच संयुक्त सहयोग के हिस्से के रूप में, संस्थान में हाल ही में एक डॉप्लर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर) और रेडियोमीटर स्थापित किया गया है। एकत्र किए गए डेटा का उपयोग सिक्किम में मौसम पूर्वानुमान के लिए विभिन्न एल्गोरिदम और मॉडल विकसित करने के लिए किया जाएगा। डेटा का उपयोग डीआरडीओ और एनआईटी सिक्किम दोनों द्वारा विभिन्न शोध और विकास कार्यों के लिए किया जाएगा।।

संस्थान, जो अभी भी एक अस्थायी परिसर से संचालित हो रहा है, ने वर्षों से यथोचित रूप से अच्छे बुनियादी शोध ढांचे का निर्माण किया है। पीएचडी करने वाले शोध विद्वानों का मार्गदर्शन लगभग सभी अभियांत्रिकी, विज्ञान और मानविकी विषयों के संकाय सदस्यों द्वारा किया जा रहा है। वर्ष 2022-23 में अठारह रिसर्च स्कॉलर्स ने पीएचडी उपाधि की उपाधि प्राप्त की है। पीएच.डी. डिग्री उपाधि प्राप्त करने वाले शोध विद्वानों की संख्या अगले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। संस्थान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, सेमीकंडक्टर डिवाइसेस, विद्युत संचालित वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा, क्वांटम कम्प्यूटेशन जैसे उभरते शोध क्षेत्रों का पता लगाने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसी कई प्रयोगशालाओं के लिए आवश्यक उपकरण खरीदे हैं। अत्याधुनिक शोध को बढ़ावा देने के लिए नई सर्वर क्लास मशीनों, जीपीयू और हाई-एंड कंप्यूटर टर्मिनलों को जोड़कर कम्प्यूटेशनल सुविधाओं को बढ़ाया गया है। संकाय सदस्यों को ज्ञान के सृजन और देश के लोगों के लिए लाभकारी नवाचार के लिए परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। संस्थान विभिन्न जनशक्ति विकास और शिक्षा परियोजनाओं की गुणवत्ता में सुधार के कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से भाग लेता है। संकाय सदस्य नियमित रूप से एसईआरबी, डीबीटी, डीएसटी और इसरो जैसी फंडिंग एजेंसियों के मांग के अनुसार शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं। संसाधनों की कमी के बावजूद, संकाय सदस्य और शोधार्थी अच्छी गुणवत्ता वाले शोध कार्य में लगे हुए हैं जो उनके प्रयासों और शीर्ष श्रेणी की शोध पत्रिकाओं और सम्मेलनों में प्रकाशनों से स्पष्ट है। वर्ष 2022-23 के दौरान, संस्थान के संकाय सदस्यों और शोधार्थियों ने प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में 76 शोध लेख, सम्मेलन कार्यवाही में 57 पत्र, 11 पुस्तक अध्याय और 1 पुस्तक प्रकाशित की है। संस्थान को उच्च गुणवत्ता वाले शोध को पोषित करने और बढ़ावा देने के लिए अपनी शोध सुविधाओं में और सुधार करने की आवश्यकता है। यह परिकल्पना की गई है कि उचित संसाधनों के साथ, संस्थान की शोध विश्वसनीयता में सुधार होगा, और यह वैश्विक मान्यता के माध्यम से अपनी योग्यता दर्शाएंगे। एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग और विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग द्वारा दो उन्नत उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम (एड ईएसडीपी) सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

संकाय सदस्यों को परामर्श परियोजनाएं शुरू करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। परामर्श परियोजनाएं संस्थान के लिए राजस्व का स्रोत होने के अलावा शिक्षकों को विषय के बारे में उनके ज्ञान और विशेषज्ञता को बढ़ाने में सहायता करती हैं। वर्ष 2022-23 में निम्नलिखित बाह्य (एक्स्ट्रा-म्यूरल) शोध परियोजनाएं चल रही थीं / पूरी की गईं।

शोध परियोजनायें :

1. **एलिप्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी (ईसीसी) का उपयोग करके संचार प्रोटोकॉल के साथ कुशल और सुरक्षित सामग्री केंद्रित नेटवर्क (सीसीएन) आर्किटेक्चर का विकास**

   प्रधान अन्वेषक - डॉ. संग्राम रे

   फंडिंग एजेंसी - विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)

2. **एलिप्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी (ईसीसी) का उपयोग करते हुए कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क (सीसीएन) के संदर्भ में कुशल और सुरक्षित इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) संचार ढांचे का डिजाइन - एक अगली पीढ़ी की स्मार्ट संचार तकनीक**

   प्रधान अन्वेषक - डॉ. संग्राम रे
   फंडिंग एजेंसी – इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई)

3. **उद्योग अनुप्रयोगों के लिए उच्च वर्तमान कन्वर्टर्स आधारित डब्ल्यूबीजी उपकरणों का डिजाइन और विकास (डब्ल्यूबीजी-सीओएनवी) उप-शीर्षक: प्रेरण हीटिंग के लिए उच्च आवृत्ति पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कन्वर्टर्स**

   प्रधान अन्वेषक: डॉ. मोले रॉय, सह- प्रधान अन्वेषक: डॉ. अरबिंदा पांडा

   फंडिंग एजेंसी: नेशनल मिशन ऑन पावर इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी फेज-III **(एनएएमपीईटी-3, एमईआईटीवाई)**

4. **जटिल नेटवर्क सिद्धांत के माध्यम से पावर ग्रिड की गतिशीलता: भेद्यता, स्थिरता और सिंक्रनाइज़ेशन का एक अध्ययन**

   प्रधान अन्वेषक: डॉ. अंजन कुमार रे

   फंडिंग एजेंसी: विज्ञान और अभियांत्रिकी शोध बोर्ड (एसईआरबी)

5. **जल उपचार के लिए विद्युत रासायनिक रूप से उत्पन्न ऑक्सोमेटल कॉम्प्लेक्स**

   प्रधान अन्वेषक: डॉ. अचिंतेश नारायण विश्वास

   फंडिंग एजेंसी: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)

शोध प्रकाशन

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

शोध पत्रिकाएं (जर्नल्स)

1. भौमिक, गोपा, मोनू वर्मा, एम. सी. गोविल और संतोष कुमार विप्पार्थी। "हाइफाइनेट: हाथ के इशारे की पहचान के लिए हाइब्रिड फीचर अटेंशन नेटवर्क, मल्टीमीडिया उपकरण और अनुप्रयोग पृष्ठ **1-20, 2022**
2. पटेल, आर.बी., ललित अवस्थी, एम. सी. गोविल और रचिता, "हाई-टेक वर्ल्ड के लिए एन-लेयर प्लेटफॉर्म, डेटा समाधान डिजाइन करने में डेटा-गहन वितरित कंप्यूटिंग सिस्टम की भूमिका में, पृष्ठ **83-96**। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, **2023**
3. मिश्रा, आनंद के., इमैनुएल एस. पिल्ली और एम. सी. गोविल. "कंटेन **4 N 6:** कंटेनर कलाकृतियों का एक व्यवस्थित मूल्यांकन। जर्नल ऑफ क्लाउड कंप्यूटिंग, वॉल्यूम **11,** नंबर **1,** पृष्ठ **1-14, 2022**
4. जैन, विनेश कुमार, अर्का प्रोकाश मजूमदार, परवेज फारूकी और एम.सी. गोविल। "इंटरनेट ऑफ थिंग्स में कंजेशन कंट्रोल : वर्गीकरण, चुनौतियां और भविष्य की दिशाएं। सस्टेनेबल कंप्यूटिंग: सूचना विज्ञान और सिस्टम, वॉल्यूम **35,** पृष्ठ **100678, 2022**
5. चौधरी, अनीता, एम. सी. गोविल, गिरधारी सिंह, ललित के अवस्थी और इमैनुएल एस पिल्ली। "क्लाउड वातावरण में ऊर्जा-जागरूक वैज्ञानिक वर्कफ़्लो शेड्यूलिंग। क्लस्टर कंप्यूटिंग, पृष्ठ **1-30, 2022**
6. दीपान्विता साधुखान, संग्राम रे, मऊ दासगुप्ता और जोएल जेपीसी रॉड्रिग्स, "सीएलएएसीएस-आईओडी: ड्रोन के इंटरनेट के लिए प्रमाणपत्र-एम्बेडेड लाइटवेट प्रमाणीकरण और एक्सेस कंट्रोल स्कीम", जर्नल ऑफ सॉफ्टवेयर: प्रैक्टिस एंड एक्सपीरियंस, विली, **2023**। **(https://doi.org/10.1002/spe.3196**, एससीआई, **2021** पृष्ठ **– 3.2**
7. उद्दालक चटर्जी, संग्राम रे, शर्मिष्ठा अधिकारी, मुहम्मद खुर्रम खान और मऊ दासगुप्ता, "एलिप्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी का उपयोग करके कुशल और सुरक्षित ई-वोटिंग योजना", सुरक्षा और गोपनीयता, विली, खंड **6,** नंबर **3,** पृष्ठ ई **283, 2023**। **(https://doi.org/10.1002/spy2.283**, एसीएम, **2022** प्रभाव कारक **– 1.4)**
8. अनिंद्य कुमार बिस्वास, मऊ दासगुप्ता, संग्राम रे, दीपान्विता साधुखान, अशोक कुमार दास और यंगहो पार्क, "एलसीएएम: एमएनईटी और डीएसआर रूटिंग प्रोटोकॉल को सुरक्षित करने के लिए लाइटवेट सर्टिफिकेट अथॉरिटी", वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशन, स्प्रिंगर, **2023 (https://doi.org/10.21203/rs.3.rs-2380078/v1,** एससीआई, **2021** प्रभाव कारक **– 2.017)**
9. अनिंद्य कुमार बिस्वास, मऊ दासगुप्ता और संग्राम रे, "क्यू पेंग एट अल की पीवीएसएस योजना का क्रिप्टएनालिसिस और सुधार", क्रिप्टोलॉजी, टेलर एंड फ्रांसिस, पृष्ठ **1-14, 2023**। **(https://doi.org/10.1080/01611194.2023.2175185,** एससीआई, **2021** प्रभाव कारक **– 0.680)**
10. उद्दालक चटर्जी, संग्राम रे, मुहम्मद खुर्रम खान, मऊ दासगुप्ता और चिएन-मिंग चेन, "फॉग कंप्यूटिंग के संदर्भ में आईओटी संचार के लिए एक ईसीसी-आधारित हल्के रिमोट उपयोगकर्ता प्रमाणीकरण और प्रमुख प्रबंधन योजना", कम्प्यूटिंग, स्पिनर, वॉल्यूम **104,** नंबर **6,** पृष्ठ.**1359-1395, 2022, (https://doi.org/10.1007/s00607-022-01055-8,** ईएससीआई, **2021** प्रभाव कारक **– 2.420)**
11. अनिंद्य कुमार बिस्वास, मऊ दासगुप्ता, संग्राम रे और मुहम्मद खुर्रम खान, "उन्नत ब्लॉकचेन के साथ एक संभावित चीटिंग फ्री (टी, एन) थ्रेशोल्ड सीक्रेट शेयरिंग स्कीम", कंप्यूटर और विद्युत अभियांत्रिकी, एल्सेवियर, वॉल्यूम **100,** पृष्ठ **107925, 2022 (https://doi.org/10.1016/j.compeleceng.2022.107925,** एससीआईई, **2021** प्रभाव कारक **– 4.152)**
12. विवेक कुमार, संग्राम रे, दीपान्विता साधुखान, जयश्री कर्माकर और मऊ दासगुप्ता, "एल्गामल ईसीसी का उपयोग करके डब्ल्यूएसएन में एन्हांस्ड पेयरिंग-फ्री आइडेंटिटी-आधारित ब्रॉडकास्ट ऑथेंटिकेशन प्रोटोकॉल", सुरक्षा और गोपनीयता, विली, वॉल्यूम **6,** नंबर **3,** पृष्ठ ई **278, 2022**। **(https://doi.org/10.1002/spy2.278,** एसीएम, **2022** प्रभाव कारक **– 1.4)**
13. विवेक कुमार और संग्राम रे, "बैटल रॉयल ऑप्टिमाइज़ेशन एल्गोरिदम का उपयोग करके संशोधित ईसीसी के आधार पर प्रसारण प्रमाणीकरण के लिए पेयरिंग-फ्री पहचान-आधारित डिजिटल हस्ताक्षर एल्गोरिदम", वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, स्प्रिंगर, वॉल्यूम **123,** नंबर **3,** पृष्ठ **2341-2365, 2022**। **(https://doi.org/10.1007/s11277-021-09244-y,** एससीआई, **2021** प्रभाव कारक **– 2.017)**
14. सुमन मजूमदार, संग्राम रे, दीपान्विता साधुखान, मुहम्मद खुर्रम खान और मऊ दासगुप्ता, "ईएसओटीपी: आईओटी संचार के लिए ईसीसी-आधारित सुरक्षित ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग प्रोटोकॉल", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम, विली, वॉल्यूम। **35,** नंबर **3,** पृष्ठ ई **5026, 2022 (https://doi.org/10.1002/dac.5026,** एससीआई, **2022** प्रभाव कारक **– 1.822)**
15. मऊ दासगुप्ता उद्दालक चटर्जी, संग्राम रे, शर्मिष्ठा अधिकारी और मुहम्मद खुर्रम खान, "एलिप्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी का उपयोग करके कुशल और सुरक्षित ई-वोटिंग योजना", सुरक्षा और गोपनीयता, विली, वॉल्यूम। **6,** नंबर **3,** पृष्ठ। **e283, 2022. (https://doi.org/10.1002/spy2.283,** एसीएम, **2022** प्रभाव कारक **– 1.4)**
16. दया सागर गुप्ता, संग्राम रे, तजिंदर सिंह और मधु कुमारी, "संभावित सुरक्षा वाले वाहनों के इंटरनेट के लिए पोस्ट-क्वांटम लाइटवेट पहचान-आधारित दो-पक्ष प्रमाणित कुंजी विनिमय प्रोटोकॉल", कंप्यूटर कम्युनिकेशंस, एल्सेवियर, वॉल्यूम। **181,** पृष्ठ **69-79, 2022**। **(https://doi.org/10.1016/j.comcom.2021.09.031,** एससीआईई, प्रभाव कारक - **5047)**
17. पिंटू कुमार राम और प्रत्यय कुइला, "जीएएई: असंतुलित स्वास्थ्य देखभाल डेटा के लिए एन्सेंबल क्लासिफायर के साथ ऑटोएनकोडर

पर आधारित एक नया आनुवंशिक एल्गोरिथ्म," जर्नल ऑफ सुपरकंप्यूटिंग (स्प्रिंगर), वॉल्यूम **79**, पृष्ठ **541-572 (2023)** (एससीआई/एससीआईई)

18. पिंटू कुमार राम और प्रत्यय कुइला, "माइक्रोएरे डेटा के पाथ वे सूचना से जीन चयन के लिए मल्टी-लेयर परसेप्ट्रॉन के साथ डायनामिक स्केलिंग फैक्टर आधारित अंतर विकास," मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लिकेशन (स्प्रिंगर), वॉल्यूम **82**, पृष्ठ **13453-13478 (2023)** (एससीआई/एससीआईई)

19. अंसारी, मोहम्मद सरफराज आलम, कुंवर पाल, प्रज्जवल गोविल और महेश चंद्र गोविल, "पी **2** पी नेटवर्क में लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए एक फजी आधारित पदानुक्रमित फ्लैश कंजेशन कंट्रोल। पीयर-टू-पीयर नेटवर्किंग और एप्लिकेशन (**2023): 1-22** डीओआई: **https://doi.org/10.1007/s12083-023-01463-3**

20. अंसारी, मोहम्मद सरफराज आलम, कुंवर पाल, प्रज्जवल गोविल, महेश चंद्र गोविल, और ललित कुमार अवस्थी, सदंर्भ ; पीयर-टू-पीयर ट्रैफ़िक और सेल्फिश -पीयर पहचान के लिए संपर्क (**SAMPARK**) डेटासेट का एक सांख्यिकीय विश्लेषण। मल्टीमीडिया उपकरण और आवेदन **82**, संख्या **6 (2022): 8507-8535** डीओआई: **https://doi.org/10.1007/s11042-022-13556-x**

21. सरकार, नायरिता, राजन गुप्ता, पंकज कुमार केसरवानी और महेश चंद्र गोविल, "एक प्रभावी हाइब्रिड डीप लर्निंग मॉडल का उपयोग करके वायु गुणवत्ता सूचकांक की भविष्यवाणी। पर्यावरण प्रदूषण **315 (2022): 120404**

सम्मेलन

22. सागर, साक्षी, अनीता चौधरी, मोहम्मद सरफराज आलम अंसारी और एम. सी. गोविल "क्लाउड कंप्यूटिंग में ऊर्जा-जागरूक सर्वर समेकन का एक सर्वेक्षण। कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस में विकास: इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग में फ्रंटियर्स पर 10 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही: सिद्धांत और अनुप्रयोग (एफआईसीटीए 2022), पृष्ठ 381-391। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, 2023

23 केशव, कोणार्क, अभिषेक पांडे, गोपा भौमिक और एम.सी. गोविल "रीईडीनेट-सिंगल इमेज डीहाजिंग के लिए एक एनकोडर-डिकोडर फ्रेमवर्क। इंटेलिजेंट डेटा अभियांत्रिकी और एनालिटिक्स में: इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग में फ्रंटियर्स पर 10 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही: सिद्धांत और अनुप्रयोग (एफआईसीटीए 2022), पृष्ठ 249-258, सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, 2023

24. मित्तल, मृदुल, सौरव गुप्ता, पंकज कुमार केसरवानी और एम.सी.गोविल "वेक्टरिंग, क्रिप्टोग्राफी और स्टेग्नोग्राफ़ी का उपयोग करके सुरक्षा वृद्धि इंटेलिजेंट सिस्टम, एडवांस्ड कंप्यूटिंग एंड कम्युनिकेशन (आईएसएसीसी) पर 2023 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, पृष्ठ 1-8। आईई, 2023

25. कुमैन, संदीप चंद, महीप सिंह, एम.सी. गोविल और इमैनुएल शुभाकर पिल्ली "अनुकूलित फ़िल्टर दृष्टिकोण का उपयोग करके वीडियो (ओं) के लिए साल्ट एवं पैपर नाइज रिडक्शन एप्रोच 2022 में विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक टेक्नोलॉजीज (आईसीईएफटी) में उभरते फ्रंटियर्स पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पृष्ठ 1-6। आईई, 2022

26. कुंदन कांति साहा, संग्राम रे और दीपान्विता साधुखान, *"संगठनात्मक विकी के लिए एक हल्का और सटीक सूचना पुनर्प्राप्ति प्रणाली", कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस में विकास: इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग में फ्रंटियर्स पर 10 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही: सिद्धांत और अनुप्रयोग (एफआईसीटीए 2022), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मिजोरम, भारत*, 18 - 19 जून, 2022, स्प्रिंगर, वॉल्यूम 326, पृष्ठ 495-507। *(https://link.springer.com/chapter/10.1007/978-981-19-7513-4_43)*

27. अनिंद्य कुमार बिस्वास, मऊ दासगुप्ता और संग्राम रे, *"ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का उपयोग करके डिजिटल शैक्षणिक प्रमाणपत्रों का सुरक्षित प्रबंधन"*, मशीन लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग, नेटवर्क सुरक्षा और डेटा विज्ञान: माइंड 2021 पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही , राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, भारत, 11-12 दिसंबर 2021, स्प्रिंगर, वॉल्यूम 946, पृष्ठ *805-813। (https://doi.org/10.1007/978-981-19-5868-7_60)*

28. प्रियंका दास, संग्राम रे, दीपानविता साधुखान और मऊ दासगुप्ता, *"सुरक्षा और विश्वास प्रबंधन तंत्र को शामिल करते हुए 5 जी-सक्षम वीएएनईटी आर्किटेक्चर"*, 2022 आईईईई सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर 6 वां सम्मेलन (सीआईसीटी), एबीवी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान ग्वालियर, ग्वालियर, भारत, 18-20 नवंबर, 2022, *आईईईई*, पृष्ठ 1-6। *(https://ieeexplore.ieee.org/abstract/document/9997842)*

29. शांतनु घोष, प्रत्यय कुइला और तरुण बिस्वास, "नेचर इंड्यूस्ड एल्गोरिथ्म का उपयोग करके यूएवी-असिस्टेड एमईसी के लिए एक ऊर्जा कुशल ऑफलोडिंग तकनीक," 10 वीं इंटरनेशनल। इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग के फ्रंटियर्स पर सम्मेलन: सिद्धांत और अनुप्रयोग (*एफआईसीटीए* 2022), स्मार्ट इनोवेशन, सिस्टम एंड टेक्नोलॉजीज *(स्प्रिंगर), वॉल्यूम 327*, पृष्ठ *309-318 (2022)*। (एनआईटी मिजोरम द्वारा आयोजित)

30. अबिसेक दहल, शांतनु घोष, प्रत्यय कुइला और तरुण बिस्वास, "आपदा प्रभावित क्षेत्रों में यूएवी की प्रक्षेपवक्र योजना और डेटा संग्रह," 10 वीं इंटरनेशनल, इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग के फ्रंटियर्स पर सम्मेलन: सिद्धांत और अनुप्रयोग (*एफआईसीटीए* 2022), स्मार्ट इनोवेशन, सिस्टम एंड टेक्नोलॉजीज *(स्प्रिंगर), वॉल्यूम 327*, पृष्ठ *319-326 (2022)*। एनआईटी मिजोरम द्वारा आयोजित)

31. पिंटू कुमार राम और प्रत्यय कुइला, "एफसीपीएसओ: स्वास्थ्य डेटा के लिए पार्टीकल क्लस्टरिंग अनुकूलन का उपयोग करके फीचर क्लस्टरिंग का मूल्यांकन," 10 वीं इंटरनेशनल इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग के फ्रंटियर्स पर सम्मेलन: सिद्धांत और अनुप्रयोग (*एफआईसीटीए* 2022), स्मार्ट इनोवेशन, सिस्टम एंड टेक्नोलॉजीज *(स्प्रिंगर), वॉल्यूम 327*, पृष्ठ *419-428* (*2022*) (एनआईटी मिजोरम द्वारा आयोजित) (सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार)

32. अभिषेक कुमार, शांतनु घोष, बी बालाजी नाइक और प्रत्यय कुइला, "पार्टिकल स्वार्म ऑप्टिमाइज़ेशन का उपयोग करके क्लाउड कंप्यूटिंग सिस्टम में ऊर्जा कुशल वर्कफ़्लो शेड्यूलिंग," *सिग्नल प्रोसेसिंग और कंप्यूटर विजन* (*एसआईपीसीओवी*) -2023, आईईईई एक्सप्लोर, *2023 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन* (एनआईटी सिलचर द्वारा आयोजित)

33. साकेत कुमार और प्रत्यय कुइला, "वाहन नेटवर्क में कण झुंड अनुकूलन आधारित कुशल क्लस्टर गठन," *सिग्नल प्रोसेसिंग और कंप्यूटर विजन* (एसआईपीसीओवी) -2023, आईईईई एक्सप्लोर, *2023 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन* (एनआईटी सिलचर द्वारा आयोजित) (सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार)

34. सुमन सोम, मार्लोम बे और प्रत्यय कुइला, "क्लस्टर-आधारित वायरलेस सेंसर नेटवर्क में रिले नोड्स के कुशल प्लेसमेंट के लिए कण झुंड अनुकूलन," *सिग्नल प्रोसेसिंग और कंप्यूटर विजन* (एसआईपीसीओवी) -2023, आईईईई एक्सप्लोर, *2023 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन* (एनआईटी सिलचर द्वारा आयोजित)

35. अंसारी, मोहम्मद सरफराज आलम, कुंवर पाल, महेश चंद्र गोविल, प्रज्जवल गोविल और आदर्श श्रीवास्तव। "मशीन लर्निंग और फीचर चयन तकनीकों का उपयोग करके पी 2 पी ट्रैफ़िक पहचान। *एज एनालिटिक्स में: 26 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही चयनित-एडीकॉम 2020*, पृष्ठ 393-407, सिंगापुर: स्प्रिंगर सिंगापुर, 2022, डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-981-19-0019-8_30

36. विश्वास, सोहम, चंदन कुमार, सुमन सोम, मो.सरफराज आलम अंसारी, महेश चंद्र गोविल "क्लाउड सिस्टम में दुर्भावनापूर्ण ट्रैफ़िक की पहचान करने के लिए एआई-सक्षम आईडीएस" *उन्नत कम्प्यूटेशनल और संचार प्रतिमान (आईसीएसीसीपी 2023) पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, स्प्रिंग।* (प्रस्तुत और स्वीकार किया गया)

37. खनाल, बिपल, चंदन कुमार, मो.सरफराज आलम अंसारी। "एनआईटीएसडीएन: एमएल-आधारित इंट्रूजन का पता लगाने वाली प्रणाली के लिए एसडीएन डेटासेट का विकास" *उन्नत कम्प्यूटेशनल और संचार प्रतिमान (आईसीएसीसीपी 2023) पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, स्प्रिंग।* (प्रस्तुत और स्वीकार किया गया)।

38. किरण, कट्टा उदय, मानवेंद्र सिंह, मो.सरफराज आलम अंसारी, महेश चंद्र गोविल "पीठ के निचले हिस्से में दर्द की बीमारी के लिए योग मुद्रा को पहचानने के लिए गहन शिक्षण दृष्टिकोण", *संचार, उपकरण और कंप्यूटिंग (आईसीसीडीसी, 2023) पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, स्प्रिंगर* (प्रस्तुत और स्वीकार किया गया)।

पुस्तक के अध्याय

39. दीपान्विता साधुखान, संग्राम रे और मऊ दासगुप्ता, "मेडिकल थिंग्स के इंटरनेट में डेटा फ्यूजन: ट्रस्ट प्रबंधन, सुरक्षा और गोपनीयता की ओर", *स्मार्ट हेल्थकेयर के लिए डेटा फ्यूजन,* **सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस। (स्वीकार किया गया)**

40. दीपान्विता साधुखान, मऊ दासगुप्ता और संग्राम रे, "साइबर थ्रेट इंटेलिजेंस: औद्योगिक साइबर रक्षा के लिए एक मानकीकृत सुरक्षात्मक दृष्टिकोण", डिजिटल छवि सुरक्षा: तकनीक और अनुप्रयोग, *सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस।* **(स्वीकार किया गया)**

41. प्रियंका दास, संग्राम रे, दीपान्विता साधुखान और महेश चंद्र गोविल, *"उद्योग 5.0 के लिए 6 जी संचार प्रौद्योगिकी: संभावना, अवसर, सुरक्षा मुद्दे और भविष्य की दिशाएं", सुरक्षित और स्मार्ट साइबर-फिजिकल सिस्टम*, **सीआरसी प्रेस, टेलर एंड फ्रांसिस। (स्वीकार किया गया)**

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

पत्रिकाएं:

1. दास, के., दंडापट, ए. एवं जाना, एस.के., 2022. "डिज़ाइन ऑफ अ 1.29–1.61 GHz एलसी-वीसीओ विद् इंप्रूव्ड फेज़ नॉयज एंड फिगर-ऑफ-मेरिट (एफओएम टी) फॉर जीपीएस एंड सैटेलाइट नेविगेशन". जर्नल ऑफ सर्किट्स, सिस्टम्स एंड कंप्यूटर्स, 31(16), पी. 2250274।

2. प्रधान, एन. एवं जाना, एस.के., 2022. "इंप्रूव्ड फेज़ नॉयज पर्फोर्मेन्स ऑफ पीएफडी/सीपी ऑपरेटिंग इन 1.5 MHz–4.2 GHz फॉर फेज़-लॉक्ड लूप अप्लिकेशन"। सर्किट्स, सिस्टम्स, एवं सिग्नल प्रोसेसिंग, 41(12), पीपी. 6651-6671।

3. गुप्ता, पी. एवं जाना, एस.के., 2023. "डिज़ाइन ऑफ अ कॉनफिगरेबल थर्ड-ऑर्डर G m-C फिल्टर यूज़िंग क्यूएफडी एवं बीडी-क्यूएफजी मॉस-बेस्ड ओटीए फॉर फास्ट लॉकिंग स्पीड पीएलए". जर्नल ऑफ सर्किट्स, सिस्टम्स एवं कंप्यूटर्स, 32(03), पी. 2350040।

4. प्रधान, एन. एवं जाना, एस.के., 2023. "डिज़ाइन ऑफ पीएफडी विद् फ्री डेड ज़ोन एंड मिनिमाइज़्ड ब्लाइंड ज़ोन फॉर हाइ स्पीड पीएलएल अप्लिकेशन"। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स, 110(9), पीपी. 1614-1632।

5. कथानिया, एच. के., कडयान, वी., कादिरी, एस. आर. एवं कूरीमो, एम., 2022। "डेटा ऑग्मेनटेशन यूज़िंग स्पेक्ट्रल वॉरपिंग फॉर लो रीसोर्स चिल्ड्रेन एएसआर"। जर्नल ऑफ सिग्नल प्रोसेसिंग सिस्टम्स, 94(12), पीपी. 1507-1513।

6. कथानिया, एच. के., कादिरी, एस. आर., अलकू, प. एवं कूरीमो, एम., 2022। "ए फ़ॉरमंट मॉडिफिकेशन मेथड फॉर इंप्रूव्ड एएसआर ऑफ चिल्ड्रेन'स स्पीच"। स्पीच कम्यूनिकेशन, 136, पीपी. 98-106।

7. सिंह, जे. एवं वर्मा, सी., 2022। "मॉडलिंग मेथड्स फॉर नैनोस्केल सेमिकंडक्टर डिवाइसस"। सिलिकॉन, 14(10), पीपी. 5125-5132।

8. वर्मा, सी. एवं सिंह, जी., 2022। "डिज़ाइन एंड सेल्फ़-कन्सिस्टेंट स्क्रोडिंगर-पाय्ज़सन मॉडेल सिम्युलेशन ऑफ अल्ट्रा-थिन Si-चॅनेल नैनोवायर एफईटी"। सिलिकॉन, 14(11), पीपी. 6185-6191।

9. सिंह, जे., चक्रवर्ती, डी. एवं कुमार, एन., 2022। "डिज़ाइन एंड पैरामेट्रिक वॅरीयेशन असेसमेंट ऑफ डोपिंग लेस नैनोट्यूब फील्ड-एफेक्ट ट्रांजिस्टर (डीएल-एनटी-एफईटी) फॉर हाइ पर्फोर्मेन्स"। सिलिकॉन, 14(8), पीपी. 4097-4105।

10. सिंह, जे., वर्मा, ए., तिवारी, वी.के. एवं सिंह, एस., 2022। "डिज़ाइन एंड पैरामेट्रिक अनॅलिसिस ऑफ GaN ऑन सिलिकॉन हाई इलेक्ट्रान मोबिलिटी ट्रांजिस्टर फॉर आरएफ पर्फोर्मेन्स एनहॅन्स्मेंट"। सिलिकॉन, 14(11), पीपी. 6311-6319।

11. वर्मा, सी., सिंह, जे., त्रिपाठी, एस. के. एवं कुमार, आर., 2022। "डिज़ाइन एंड पर्फोर्मेन्स अनॅलिसिस ऑफ अल्ट्राथिन नैनोवायर फेट अमोनिया गैस सेन्सर"। सिलिकॉन, 14(11), पृष्ठ 6321-6327।

12. सिंह, जे., वाधवा, जी. एवं राज, बी., 2023। "डिज़ाइन एंड सेन्सिटिविटी एस्टिमेशन ऑफ लीनीयर ग्रेडेड वर्क फंक्शन गेट एलेक्ट्रोड हेटेरो जंक्शन वर्टिकल टफेट बायोसेन्सर"। माइक्रोसिस्टम टेक्नॉलजीस, 29(2), पीपी. 279-287।

13. माइती, एस. एवं जाना, एस.के., 2023. "डिज़ाइन ऑफ ए पावर-पर्फोर्मेन्स-एरिया (पीपए) ऑप्टिमाइज़्ड एमओएस करेंट मोड लॉजिक प्री-स्कालेर"। सर्किट्स, सिस्टम्स, एवं सिग्नल प्रोसेसिंग, पीपी. 1-16।

14. सोम, ए. एवं जाना, एस.के., 2023. "पर्फोर्मेन्स असेस्मेंट्स ऑफ गेट इंजिनीयर्ड डोपिंगलेशस स्कॉटकी टनेल एमओएसएफईटी इन प्रेज़ेन्स ऑफ इंटरफेशियल ट्रॅप चार्जस"। सिलिकॉन, पृष्ठ 1-14।

15. पांडे, डी. एवं कुंडू, एस., 2023. "ए क्रिस्मस ट्री-शेप्ड क्वैडबैंड कॉपॅक्ट एंटेना विद् ट्रिपल स्लॉट्स फॉर वेरियस वायरलेस टेक्नॉलजीज"। आईईटीई जर्नल ऑफ रिसर्च, पृष्ठ 1-10।

16. सांतरा, ए., महतो, एस., कुंडू, एस. एवं बोस, ए., 2023. "एनएवीआईसी पोज़िशनिंग फ्रॉम द सेकेंडरी सर्विस रीजन एवं बियॉंड: ए स्टडी यूज़िंग कॉपॅक्ट एनएवीआईसी मॉड्यूल्स"। प्रोसीडिंग्स ऑफ द नॅशनल ऐकॅडमी ऑफ साइन्सेज, इंडिया सेक्शन ए: फिज़िकल साइन्सेज, पीपी. 1-8।

17. कर, जी. एन., वर्मा, पी., महतो, एस., सांतरा, ए., कुंडू, एस. एवं बोस, ए., 2023. "ऐन आईओटी-एनेबल्ड मल्टी-सेन्सर सिस्टम विद् लोकेशन डिटेक्शन फॉर एग्रिकल्चरल अप्लिकेशन्स"। एमएपीएएन, पीपी. 1-8।

18. महतो, एस., गोस्वामी, एम., कुंडू, एस. एवं बोस, ए., 2023. "सिंगल-बेसलाइन लोंग-डिस्टेन्स आरटीके यूज़िंग ए सीएलएस जीएनएसएस मॉड्यूल एंड ओपन-सोर्स सॉफ्टवेर: ए केस स्टडी फ्रॉम इंडिया"। आईईटीई जर्नल ऑफ रिसर्च, पृष्ठ 1-12।

19. महतो, एस., दत्ता, डी., गोस्वामी, एम., कुंडू, एस. एवं बोस, ए., 2023. "क्यूज़ेडएसएस रीजनल नॅविगेशन सिस्टम विज़िबिलिटी एंड सोल्यूशन एक्सपीरियेन्स फ्रॉम इंडिया"। नेशनल अकॅडमी साइन्स लेटर्स, 46(1), पीपी. 61-64।

20. महतो, एस., सरकार, एस., गोस्वामी, एम., कुंडू, एस. एवं बोस, ए., 2023. "जीएलओएनएएसएस-एनएवीआईसी हाइब्रिड ऑपरेशन फ्रॉम इंडिया टुवर्ड्स सीमलेस एंड इंप्रूव्ड पर्फोर्मेन्स"। नॅशनल एकॅडमी साइन्स लेटर्स, 46(3), पीपी. 245-250।

21. कुंडू, एस. एवं चटर्जी, ए., 2022. "ए न्यू कॉपॅक्ट अल्ट्रा-वाइडबैंड फ्रीक्वेन्सी सेलेक्टिव सर्फेस विद् एंग्युलर स्टेबिलिटी एंड पोलराइज़ेशन इनडिपेंडेन्स फॉर एंटेना रेडीयेशन एनहॅन्स्मेंट इन माइक्रोवेव इमेजिंग अप्लिकेशन"। एईयू-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन्स, 155, पी.154351।

22. कुंडू, एस. एवं चटर्जी, ए., 2022. "ए कॉम्पैक्ट सुपर वाइडबैंड एंटेना विद् स्टेबल एवं इंप्रूव्ड रेडीयेशन यूज़िंग सूपर वाइडबैंड फ्रीक्वेन्सी सेलेक्टिव सर्फेस"। एईयू-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन्स, 150, पी.154200।

23. सांतरा, ए., डान, एस., बनर्जी, पी., कुंडू, एस. एवं बोस, ए., 2022. "ऑन टाइमिंग पर्फोर्मेन्स ऑफ एनएवीआईसी रिसीवर थ्रू पीपीपी टाइम ट्रान्स्फर टेक्नीक"। एमएपीएएन, 37(1), पीपी. 207-214।

24. धारा, आर., यादव, एस., महतो, एस., शर्मा, एम. एम. एवं गोविल, एम.सी., 2022. "ऐन एंटिपोडल एंटेना विद् इंप्रूव्ड ऑक्सीयल रेशियो बैंडविथ"। आईईटीई जर्नल ऑफ रिसर्च, पीपी. 1-9।

25. धारा, आर., कुंडू, टी. एवं सनोज, एम., 2022. "सर्कुलरली पोलराइज्ड हेक्शा-बैंड प्लेनर स्लॉट एंटेना फॉर डब्ल्यूएलएएन एवं वायरलेस कम्यूनिकेशन अप्लिकेशन"। रेडियोइलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन्स सिस्टम्स, 65(1), पीपी. 48-59।

26. धारा, आर. एवं कुंडू, टी., 2022. "वाइडबैंड सर्कुलरली पोलराइज्ड पी-शेप्ड मॉनपोल एंटेना फॉर सी-बैंड अप्लिकेशन"। रेडियोइलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन्स सिस्टम्स, 65(3), पीपी. 129-141।

सम्मेलन

1. माइती, शुभनील; कुंडू, लोकनाथ; जाना, संजय कुमार, "ए डिवाइड-बाइ-5 प्री-स्केलर डिज़ाइन अप्रोच फॉर 5जी अप्लिकेशन्स माइक्रो एवं नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइसस", सर्किट्स एंड सिस्टम्स: सिलेक्ट प्रोसीडिंग्स ऑफ एमएनडीसीएस 2021, 2022, स्प्रिंगर, सिंगापुर।

2. गुप्ता, प्रीति; जाना, संजय कुमार; गोविल, महेश चंद्रा, "डिज़ाइन ऑफ लो पावर टू-स्टेज ओटीए बेस्ड सेकेंड-ऑर्डर जीएम-सी फिल्टर फॉर फास्ट लॉकिंग पीएलएल बेस्ड फ्रीक्वेन्सी सिंथेसाइज़र", ऐड्वान्सेज इन वीएलएसआई, कम्यूनिकेशन, एंड सिग्नल प्रोसेसिंग: सिलेक्ट प्रोसीडिंग्स ऑफ वीसीएएस 2021 2022, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, सिंगापुर।

3. प्रधान, निगिदिता; जाना, संजय कुमार; "डिज़ाइन एंड अनॅलिसिस ऑफ फास्ट फ्रीक्वेन्सी एक्वज़िशन फेज़ फ्रीक्वेन्सी डिटेक्टर", ऐड्वान्सेज इन वीएलएसआई, कम्यूनिकेशन, एंड सिग्नल प्रोसेसिंग: सिलेक्ट प्रोसीडिंग्स ऑफ वीसीएएस 2021, 2022 स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, सिंगापुर।

4. गुप्ता, प्रीति; जाना, संजय कुमार, गोविल, महेश चंद्रा; "डिज़ाइन ऑफ लो पावर टू-स्टेज ओटीए बेस्ड फॉर फास्ट सेकेंड-ऑर्डर लॉकिंग पीएलएल", अड्वान्सेज इन वीएलएसआई, कम्यूनिकेशन, एवं सिग्नल प्रोसेसिंग: सिलेक्ट प्रोसीडिंग्स ऑफ वीसीएएस 2021, 2022, स्प्रिंगर नेचर।

5. सोम, अर्णब; जाना, संजय, "पर्फोर्मेन्स असेस्मेंट्स ऑफ गेट इंजिनीयर्ड डोपिंगलेस स्कॉटकी टनेल मॉस्फेट इन प्रेज़ेन्स ऑफ इंटरफेशियल ट्रॅप चार्जस", 2023।

6. सोम, अर्णब; जाना, संजय कुमार; "पर्फोर्मेन्स एनहॅन्स्मेंट ऑफ डाइइलेक्ट्रिक इंजिनीयर्ड डोपिंग लेस InGaN टनेल फेट फॉर लो पावर एनालॉग/रेडियो फ्रीक्वेन्सी अप्लिकेशन्स", एमर्जिंग इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज, सर्किट्स एवं सिस्टम्स: सिलेक्ट प्रोसीडिंग्स ऑफ ईईडीसीएस वर्कशॉप, जो आईएसडीसीएस 2022, 2023, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, सिंगापुर के सहयोग से आयोजित हुआ।

7. दास, सुदीप्त; रिमझिम, ऋतु; मंडल, दुर्बादल; कर, राजीब, "इवॉल्व्ड मल्टीऑब्जेक्टिव लो साइड-लोब टेपर फॉर बीम स्टेयरबल अरेज़", 2022 16वां युरोपियन कॉन्फ्रेंस ऑन ऐंटेनाज एवं प्रॉपगेशन (ईयूसीएपी) 2022, इंटरनेशनल (आईईईई फ्लैगशिप कॉन्फ्रेंस)।

8. धीरज पांडे, अनुषा डोगरा, सुरजीत कुंडू, "रेक्टैंगुलर पॅच, यू एंड एच स्लॉट ट्रिपल बैंड एंटेना फॉर डिफरेंट वायरलेस अप्लिकेशन्स", 2022, आईईईई माइक्रोवेव्स, आंटेन्नस, एवं प्रॉपगेशन कॉन्फ्रेंस (एमएपीसीओएन), 2022।

9. धीरज पांडे, सुरजीत कुंडू, "कॉपॅक्ट ड्युल बैंड एंटेना फॉर सब-6GHz अप्लिकेशन्स", 2022 आईईई माइक्रोवेव्स, ऐंटेनाज, एवं प्रॉपगेशन कॉन्फ्रेंस (एमएपीसीओएन), 2022।

10. सोमनाथ महतो, सुरजीत कुंडू, "ए ड्युअल पोलैराइज्ड सुपर-वाइडबैंड फ्रीक्वेन्सी सेलेक्टिव सर्फेस विद् इक्विवलेंट सर्किट मॉडेल", 2022 3तीय यूआरएसआई ऐट्लॅंटिक एंड एशिया पेसिफिक रेडियो साइंस मीटिंग (एटी-एपी-आरएएससी), 2022।

11. एस. महतो, एम. गोस्वामी, ए. बोस, सुरजीत कुंडू, "ऑन यूज़ैबिलिटी ऑफ ड्युयल-फ्रीक्वेन्सी, कॉपॅक्ट जीएनएसएस मॉड्यूल्स फॉर लोंग बेसलाइन आरटीके", 2022, 3तीय उरसी अट्लांटिक एंड एशिया पैसिफिक रेडियो साइन्स मीटिंग (एटी-एपी-आरएएससी), 2022।

12. आलोक कुमार, सुरजीत कुंडू, "डेवलपमेंट ऑफ वेब पेज एवं आंड्राय्ड अप्लिकेशन फॉर आईओटी-एनेबल्ड एग्रिकल्चरल सिस्टम", एनईआरसी-2022, 2022, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, सिंगापुर।

13. ए. कुमार, ए. मंडल, ए. डोगरा, पी. गोविल, डी. पांडे, सुरजीत कुंडू, "डेवलपमेंट ऑफ आईयोटी-एनेबल्ड मल्टी-सेन्सर यूनिट फॉर एग्रिकल्चरल अप्लिकेशन्स",एनईआरसी-2022, 2022, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, सिंगापुर।

14. आर. धारा, "थियरी ऑफ कॅरेक्टरिस्टिक्स मोड बेस्ड डिज़ाइन ऑफ ए प्लेनर मॉनपोल एंटेना विद् पोलराइज़ेशन डाइवर्सिटी फॉर एफएसएस एवं एसएआर अप्लिकेशन", इन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ऑप्टिकल एवं वायरलेस टेक्नॉलजीस (पृष्ठ 89-98)। स्प्रिंगर, सिंगापुर. डीओआई: 10.1007/978-981-19-1645-8_10, 2023, स्प्रिंगर।

15. सिंह, एन., धारा, आर. एवं पॉल, एस., "ए सिंगल-बैंड अल्ट्राथिन पोलराइज़ेशन-इनसेन्सिटिव मेटंटेरियल अब्ज़ॉर्बर फॉर एक्स-बैंड अप्लिकेशन्स"। 5वां इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन पावर, कंट्रोल एंड एंबेडेड सिस्टम्स (आईसीपीसीईएस) (पीपी. 1-4)। आईईईई, 2023, जनवरी।आईईईई

16. आर. धारा, "थियरी ऑफ कॅरेक्टरिस्टिक्स मोड बेस्ड डिज़ाइन ऑफ ए प्लेनर मॉनपोल एंटेना विद् पोलराइज़ेशन डाइवर्सिटी फॉर एफएसएस एवं एसएआर अप्लिकेशन", इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ऑप्टिकल एवं वायरलेस टेक्नॉलजीज (पीपी. 89-98) में। स्प्रिंगर, सिंगापुर। डीओआई: 10.1007/978-981-19-1645-8_10. 2023, स्प्रिंगर।

17. महतो, एस. एवं धारा, आर., "मशरूम शेप्ड प्रिंटेड मॉनपोल एंटेना फॉर यूडब्ल्यूबी अप्लिकेशन"। 2022 आईईईई माइक्रोवेव्स, एंटेनाज, एवं प्रॉपगेशन कॉन्फ्रेंस (एमएपीसीओएन) (पीपी. 2046-2050)। आईईईई, 2022, दिसम्बर, आईईईई।

18. धारा, आर., कुंडू, टी. एवं जाना, एस.के., "ड्युयल-बैंड ड्युयल पोलैराइज्ड सर्कुलर्ली पोलैरिज़्ड एवं लीनीयर्ली पोलारिज़्ड एल-शेप्ड पैच एंटेना लोडेड विद् स्ट्रीप एवं स्क्वेर स्लॉट", ऑप्टिकल एंड वायरलेस टेक्नॉलजीज (पृष्ठ 47-61)। स्प्रिंगर, सिंगापुर। डीओआई: 10.1007/978-981-16-2818-4_6, 2022, स्प्रिंगर

19. आर. धारा, "क्वैड बैंड प्लेनर मॉनपोल एंटेना विद् पोलराइज़ेशन डाइवर्सिटी फॉर एफएसएस एवं एसएआर अप्लिकेशन", इन एमर्जिंग टेक्नालॉजी ट्रेंड्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्यूनिकेशन एंड नेटवर्किंग: सिलेक्ट प्रोसीडिंग्स ऑफ द फोर्थ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, ईटी2ईसीएन 2021 (पृष्ठ 85-93)। सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर, 2022, स्प्रिंगर।

20. प्रसाद, एस., धारा, आर., शेखावत, जी. एस., "एसिमीट्रिक सीपीडब्ल्यू – एफईडी ग्राउंड प्लेन विद् सर्क्युलर्ली पोलैराइज़्ड प्रिंटेड मॉनपोल एंटेना विद् एसएआर 27थ इंटरनेशनल ऐड्वॅन्स्ड कंप्यूटिंग एंड कम्यूनिकेशन्स कॉन्फ्रेंस (एडीसीओएम 2022)", इंटरनेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 9 - 10 मार्च 2023, आईआईटी बैंगलोर (शोध-पत्र प्रस्तुत किया एवं प्रकाशन हेतु स्वीकृत), 2023.

21. संतोष, वी. जे. आर., विवेक, ए., धारा, आर., एवं शेखावत, जी. एस., "सर्क्युलर पोलैराइज्ड मल्टी-बैंड ड्युयल सेन्स स्क्वेर स्लॉट एंटेना फेड बाइ कोपलनर वेवगाइड" 27वां इंटरनेशनल एड्वॅन्स्ड कंप्यूटिंग एवं कम्यूनिकेशन्स कॉन्फ्रेंस (एडकॉम 2022), इंटरनेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 9 - 10 मार्च 2023, आईआईटी बैंगलोर (शोध-पत्र प्रस्तुत किया एवं प्रकाशन हेतु स्वीकृत), 2023.

22. मरीन, एम., धारा, आर., महतो एस., "सर्क्युलर्ली पोलारिज़्ड मॉडिफाइड पी-शेप्ड माइक्रोस्ट्रीप एंटेना विद् स्लॉटेड मॉडिफाइड ग्राउंड प्लेन", नॉर्थ ईस्ट रिसर्च कॉक्लेव (एनईआरसी 2022), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, मई 20-22, 2022. (संक्षिप्त प्रस्तुति एवं प्रकाशित), 2023।

23. मरीन, एम., धारा, आर., महतो एस, "डिज़ाइन एंड अनॅलिसिस ऑफ ऐन एसिमीट्रिक सीपीडब्ल्यू फेड कॉम्पैक्ट ड्युयल बैंड सर्क्युलर्ली पोलैराइज्ड मॉनपोल एंटेना", इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन साइन्स, टेक्नोलॉजी एवं इंजीनियरिंग (आईसीएसटीई 23), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान मणिपुर,17 -18 फरवरी 2023. (शोध-पत्र प्रस्तुत किया एवं प्रकाशन हेतु स्वीकृत), 2023।

24. कुमार, टी., धारा, आर., महतो एस, "ए सर्क्युलर्ली पोलैराइज्ड एसिमीट्रिक वाइड स्लॉट माइक्रोस्ट्रीप एंटेना फॉर वायरलेस कम्यूनिकेशन", अप्लिकेशन नॉर्थ ईस्ट रिसर्च कॉक्लेव (एनईआरसी 2022), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, मई 20-22, 2022. (संक्षिप्त प्रस्तुति एवं प्रकाशित), 2023।

25. कुमार, टी., धारा, आर., महतो एस, "ए मिनियेचुराइज़्ड मॉडिफाइड कोच फ्रॅक्टल एंटेना विद् पार्शियल ग्राउंड प्लेन फॉर वाइडबैंड अप्लिकेशन", इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन साइन्स, टेक्नोलॉजी एवं इंजीनियरिंग (आईसीएसटीई 23), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान मणिपुर,17 -18 फरवरी 2023. (शोध-पत्र प्रस्तुत किया एवं प्रकाशन हेतु स्वीकृत), 2023

26. सिंह, ए. के., धारा, आर., महतो एस, "सर्क्युलर्ली पोलैरिज़्ड मॉडिफाइड एफ-शेप्ड कॉम्पैक्ट माइक्रोस्ट्रीप एंटेना विद् सिम्मेट्रिकली इनवरटेड एफ-शेप्ड ग्राउंड प्लेन", नॉर्थ ईस्ट रिसर्च कॉक्लेव (एनईआरसी 2022),भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, मई 20-22।

27. सिंह, ए. के., धारा, आर., महतो एस. "ए ड्युयल बैंड ड्युयल पोलैराइज्ड कपल्ड एसिमीट्रिक टी-शेप्ड मॉनपोल एंटेना फॉर लीनीयर एवं सर्कुलर पोलराइज़ेशन", इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन साइन्स, टेक्नोलॉजी एवं इंजीनियरिंग (आईसीएसटीई 23), राष्ट्रीय प्रोद्योगिकी संस्थान मणिपुर,17 -18 फरवरी 2023. (शोध-पत्र प्रस्तुत किया एवं प्रकाशन हेतु स्वीकृत), 2023.

पुस्तक अध्याय

1. डॉ. सुरजीत कुंडू, आलोक कुमार, "डेवेलपमेंट ऑफ वेब पेज एवं आंड्राय्ड अप्लिकेशन फॉर आईओटी-एनेबल्ड एग्रिकल्चरल सिस्टम", 2023, स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर।

2. डॉ. सुरजीत कुंडू, ए. कुमार, ए. मंडल, ए. डोगरा, पी. गोविल, डी. पांडे, "डेवलपमेंट ऑफ आईओटी-एनेबल्ड मल्टी-सेन्सर यूनिट फॉर एग्रिकल्चरल अप्लिकेशन्स", 2023, स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर।

विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग

प्रकाशनों की सूची

1. ए. घोष, ए. के. रे, ओ. सिंह और एम. जमशिदी, «निर्णय चर की कम संख्या के साथ अनुकूलित लोड फ्रीक्वेंसी नियंत्रक प्रदर्शन: एक गुरुत्वाकर्षण खोज एल्गोरिथ्म-आधारित विधि», आईईईई सिस्टम, मैन और साइबरनेटिक्स पत्रिका, खंड 9, अंक 1, पृष्ठ 48-57, आईईईई, 2023

2. सिंघा, ए. के. रे और ए. बी. समद्दर, «फिक्स्ड एंड वेरिएबल एडजेकेंसी-आधारित डायरेक्टेड नेटवर्क टोपोलॉजी के तहत मल्टी-यूएवी का गठन नियंत्रण», जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च, 81 (12) 1285-1296, सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर, 2022

3. ओ. सिंह, ए. घोष और ए. के. रे, «एसआई सेल, मोनो-क्रिस्टलीय और पॉली-क्रिस्टलीय पीवी मॉड्यूल के दो, चार और पांच पैरामीटर आकलन आधारित मॉडलिंग», सिलिकॉन, स्प्रिंगर, 2022

4. ए. घोष, ओ. सिंह और ए. के. रे, "बाउंड्री रिस्ट्रिक्टेड पार्टिकल स्वार्म ऑप्टिमाइज़ेशन का उपयोग करके 7 डीओएफ रोबोटिक मैनिपुलेटर का व्युत्क्रम काइनेमेटिक समाधान", आईएफएसी-पेपर्स ऑनलाइन, वॉल्यूम 55, अंक 1, पृष्ठ 101-105, 2022

5. अरकर, पी. के. कुंडू, एस. के. साहू, टी. के. पाणिग्रही, पी. एस. पात्रो, ए. रजक, "सौर सिंचाई प्रणाली के लिए उपयोगिता सहायक नियंत्रकों का विकास", नवीकरणीय ऊर्जा फोकस, खंड 45, जून, 2023, पृष्ठ 53-67

6. एच. मलिक, ए. के. यादव, एफ.पी.जी. मार्केज़ और जे.एम. पिनार-पेरेज़, "भारत में पवन ऊर्जा संसाधन मूल्यांकन के लिए हवा की गति की भविष्यवाणी करने के लिए कैस्केड कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क में राहत एल्गोरिथ्म का नया अनुप्रयोग", ऊर्जा रणनीति समीक्षा, खंड 41, पृष्ठ 1-14, मई 2022

7. रोशन प्रधान, अरबिंदा पांडा, "एमपीसी आधारित ग्रिड-बाउंड पीवीडीजी सिस्टम का मॉडलिंग और सिमुलेशन," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी रिसर्च, वॉल्यूम 12, नंबर 1, पृष्ठ 422-432,2022

8. आर. साहू और एम. रॉय, "संशोधित संदर्भ तरंग का उपयोग करके 5-स्तरीय इन्वर्टर के लिए कैपेसिटर वोल्टेज का संतुलन," 2021 राष्ट्रीय विद्युत इलेक्ट्रॉनिक्स सम्मेलन (एनपीईसी), भुवनेश्वर, भारत, 2021, पृष्ठ 01-06

9. सुधांशु शेखर दास, अरबिंदा पांडा, "फोटोवोल्टिक डीजी सिस्टम के लिए एन्हांस्ड बूस्ट एक्टिव स्विच नियंत्रित आधारित जेडएसआई का डिजाइन और विश्लेषण" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी रिसर्च, वॉल्यूम 12, नंबर 3, पृष्ठ 1651-1661, 2022

10. प्रदीप कुमार, इस्लावातु श्रीकांत, वृद्धिशील चालकता अधिकतम पावर पॉइंट ट्रैकिंग एल्गोरिदम, क्लीनर एनर्जी सिस्टम, वॉल्यूम 4, 100062, 2023 के तहत पीवी-आधारित वितरण स्थैतिक प्रतिपूरक द्वारा बिजली की गुणवत्ता में वृद्धि

11. इलावतु, श्रीकांत, प्रदीप कुमार, अमित कुमार और सुरेंदर रेड्डी सलकुटी। विभिन्न औद्योगिक भारों के लिए इकोसो और ईएसआरएफ एसओजीआई-एफएलएल विधियों द्वारा एच-ब्रिज डीएसटीटीसीओएम नियंत्रण द्वारा बिजली की गुणवत्ता का विश्लेषण। स्मार्ट सिटी, खंड 5, संख्या 4, 1590-1610, 2022

12. प्रदीप कुमार, एसआरएफ और यूवीटी नियंत्रण आधारित डीएसटीएटीकॉम का तुलनात्मक बिजली गुणवत्ता विश्लेषण। स्मार्ट ग्रिड में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और उच्च वोल्टेज। विद्युत अभियांत्रिकी में व्याख्यान नोट्स, खंड 817, स्प्रिंगर, सिंगापुर (2022)

13. अमित कुमार, प्रदीप कुमार, पारंपरिक और प्रस्तावित वृद्धि के तुलनात्मक बिजली गुणवत्ता विश्लेषण एसआरएफ एसओजीआई-एफएलएल नियंत्रण आधारित डीएसटीटीसीओएम। जर्नल ऑफ अभियांत्रिकी रिसर्च (जेईआर), 10 (3 ए), पृष्ठ 145-174, 2022

14. एस. शर्मा, ए. के. सिंह, ओ. सिंह, ए. के. रे, "मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) का प्रक्षेपवक्र ट्रैकिंग और नियंत्रण: एक कण झुंड अनुकूलन आधारित दृष्टिकोण", पूर्वोत्तर शोध सम्मेलन, आईआईटी गुवाहाटी, मई, 2022

15. ए. घोष, ओ. सिंह, ए. के. रे, "आपदा प्रबंधन में निगरानी: यूएवी के लिए पीएसओ आधारित टास्क असाइनमेंट", नॉर्थ-ईस्ट रिसर्च कॉन्क्लेव, आईआईटी गुवाहाटी, मई, 2022

16. आयुष चौहान; कुंतल मंडल; अरबिंद पांडा, "रीसेट स्विच और पूर्वाग्रह का उपयोग करके इलेक्ट्रिक वाहन का प्रदर्शन सुधार," गतिशील प्रणालियों (एसीओडीएस) के नियंत्रण और अनुकूलन में प्रगति पर 7 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, खंड 55, अंक 1, 2022, पृष्ठ.144-149, 2022

17. कोच्चि केरल में 24-26 नवंबर के दौरान आयोजित आईईईई 19 वें भारत परिषद अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विस्मित दत्ता, नीलांजन दास,

अरबिंदा पांडा, सुकांत हलधर ने "प्रत्यक्ष टोक़ नियंत्रण तकनीक के साथ जेडएसआई आधारित बीएलडीसी मोटर में टोक़ रिपल का शमन" किया

18. सुधांशु शेखर दास, अरबिंदा पांडा, विस्मित दत्ता "कम कैपेसिटर वोल्टेज आधारित हाई बूस्ट एक्टिव स्विच-नियंत्रित जेड सोर्स इन्वर्टर" आईईईई 19 वें भारत परिषद अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, कोच्चि केरल

19. संतू शिट और प्रदीप कुमार, रैखिक और गैर-रैखिक लोडिंग स्थितियों के तहत बिजली प्रणाली की समस्या को हल करने के लिए स्टेटकॉम के मॉडलिंग। पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीईएसडी -2022) राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जमशेदपुर, भारत, 23-24 अप्रैल, 2022

20. राजेश रंजन, अमित यादव और प्रदीप कुमार, दो चरणों के बिजली रूपांतरण आधारित ग्रिड से जुड़े पीवी सिस्टम के प्रदर्शन का मूल्यांकन। पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीपीईएसडी -2022) राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जमशेदपुर, भारत, 23-24 अप्रैल, 2022

21. आर. अथा, एस. मलिक और ए. राजन, "लेवी फ्लाइट आधारित एडेप्टिव पार्टिकल स्वार्म ऑप्टिमाइज़ेशन का उपयोग करके रेडियल वितरण नेटवर्क में वितरित ऊर्जा संसाधनों का इष्टतम एकीकरण," स्मार्ट पावर के लिए इंटेलिजेंट कंट्रोलर और कंप्यूटिंग पर 2022 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईसीसीएसपी), पृष्ठ 1-6, 2022

22. डी. मुखर्जी और एस. मलिक, "एक आईलैंडिंग स्विच के माध्यम से पीवी सिस्टम को पावर ग्रिड से जोड़ने वाला एक रिड्यूस्ड स्विच मल्टीलेवल इन्वर्टर," आईएफएसी-पेपर्सऑनलाइन, वॉल्यूम 55, पृष्ठ 955-960, 2022। प्रभाव कारक: 1.132

पुस्तक अध्याय:

1. हिमांशु, ए. सिंघा, ए. कुमार और ए. के. रे, "एडेप्टिव पार्टिकल स्वार्म ऑप्टिमाइज़ेशन का उपयोग करके मोबाइल रोबोट की पथ योजना"। में: रॉय, एस, सिनवार, डी., पेरुमल, टी., स्लोविक, ए., टावारेस, जे.एम. आर.एस. इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति, वॉल्यूम 1424, स्प्रिंगर, 2022

2. इस्लावत् श्रीकांत और प्रदीप कुमार, न्यूरल नेटवर्क आधारित डीएसटीएटीसीओएम कंट्रोल फॉर पावर क्वालिटी एनहांसमेंट, रोबोटिक्स, कंट्रोल एंड कंप्यूटर विजन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरसीसीवी -2022), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी उत्तराखंड, भारत ने 19-20 फरवरी, 2022 को इओटवोस लोरांड यूनिवर्सिटी, हंगरी के सहयोग से काम किया।

3. डी. मुखर्जी और एस. मलिक, "टीएचडी को कम करने के लिए संशोधित बीबीओ-आधारित पीवी एकीकृत कम घटक बहुस्तरीय इन्वर्टर," पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स में हालिया प्रगति में, स्प्रिंगर, पृष्ठ 15-29, 2022

यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग

शोध पत्रिकाएँ (जर्नल्स)

1. लक्ष्मण, आर. और आर. बसाक। "दबाव-संचालित सीमा स्थिति का उपयोग करके प्रयोगशाला पैमाने पर दो-आयामी पहाड़ी पर वायुमंडलीय सीमा परत का संख्यात्मक अनुकरण। जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल एप्लाइड मैकेनिक्स 53, नंबर 3 (2022): 379-392

2. एस सोम., «तुर्बुलेंटरिजीम के तहत असर करने वाले डबल-लेयर्ड छिद्रपूर्ण जर्नल के स्थिर-स्थिति दबाव प्रोफाइल का विश्लेषण», प्रोक आईमेक भाग ई: जर्नल ऑफ प्रोसेस यांत्रिकी अभियांत्रिकी, 2022, 1-9

3. बनर्जी, एस., और साहू, पी. (2022), «एजेड 31-डब्ल्यूसी-ग्रेफाइट हाइब्रिड नैनोकम्पोजिट्स के अपघर्षक पहनने के व्यवहार का निर्माण और जांच», धातु, 12 (9), 1418

4. दीपायन दास और आशीष कुमार सिंह (2022) रत्न चमकाने वाले वर्कस्टेशन का एर्गोनोमिक डिजाइन और मूल्यांकन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑक्यूपेशनल सेफ्टी एंड एर्गोनॉमिक्स

5. मोहंती, यूके, कपिल, ए., अबे, वाई., सुगा, टी., तनाका, एम. और शर्मा, ए., 2022. भारी निर्माण के लिए एक संसाधन-कुशल प्रक्रिया डिजाइन: एकल-पास-प्रति-परत संकीर्ण अंतर वेल्डिंग का एक मामला। टिकाऊ सामग्री और प्रौद्योगिकी, 33

सम्मेलन

1. देबजीत साहा, आदित्य प्रकाश घोष, अनिल के प्रजापति, आनंद प्रसाद "निचली दीवार पर जुड़े बैफल्स की ऊंचाई को बदलकर एक गोलाकार वाहिनी के माध्यम से अशांत द्रव प्रवाह का विश्लेषण"। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हाल के नवाचारों पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आरआईएसटी -2022), जुलाई 2022

2. हिरणमय सामंत देबजीत साहा, कमल गोलुई, राजेश डे "प्रायोगिक जांच और इनवेलॉक्स प्रकार के पवन टरबाइन की सीएफडी मॉडलिंग"। द्रव थर्मल और ऊर्जा प्रणालियों में पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएफटीईएस -2022), जून 2022

3. हिरणमय सामंत, कमल गोलुई, एसके तारिफ अली और देबजीत साहा "सरलीकृत और यथार्थवादी द्विभाजन धमनी मॉडल में अस्थिर प्रवाह का संख्यात्मक अध्ययन"। स्थिरता के लिए विकासवादी विनिर्माण, डिजाइन और परिचालन प्रथाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईएमडीओपीएस-2022), दिसंबर 2022

4. जॉयदीप पॉल, हिरणमॉय सामंत, देबजीत साहा, बिनॉय मनादल, अभिजीत मजूमदार, "हीटेड ब्लॉक के साथ छिद्रपूर्ण गुहा में थर्मल संवहन, अभियांत्रिकी डिजाइन और कंप्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईडीसी -2023), जनवरी 2023

5. घोष, एच., मुखोपाध्याय, एस., साहा, एम., बनर्जी, सुदीप, और पांजा,

बी. (2023). सीएनसी टर्नर में 45 सी 8 कार्बन स्टील मिश्र धातु की मशीनिंग विशेषताओं का अध्ययन। सामग्री आज: कार्यवाही

6. रोहन कुमार साहू, चटराज मंगेर, कीर्ति तिवारी और शंभूनाथ बर्मन। संशोधित पीवीटी सिस्टम डिजाइन और प्रदर्शन अध्ययन। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और स्थिरता (आईसीएसटीएस) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, 5-6 नवंबर 2022, मौलाना मुख्तार अहमद नदवी तकनीकी परिसर, भारत। (बेस्ट पेपर अवार्ड-ट्रैक ए)

7. सोमिल गुप्ता, प्रज्वल छेत्री, कीर्ति तिवारी और शंभूनाथ बर्मन। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और स्थिरता (आईसीएसटीएस) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की एक संशोधित घरेलू सौर जल तापन प्रणाली कार्यवाही का तुलनात्मक विश्लेषण, 5 से 6 नवंबर 2022, मौलाना मुख्तार अहमद नदवी तकनीकी परिसर, भारत

8. मनीष कुमार और शंभूनाथ बर्मन ऊर्जा भंडारण (ICFTES2022-ईएस-191) के लिए उपयोग की जाने वाली चरण परिवर्तन सामग्री (एसआईसी) का संख्यात्मक विश्लेषण, द्रव थर्मल और ऊर्जा प्रणालियों में पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, 9-11 जून, 2022, एनआईटी कालीकट, केरल, भारत

9. ए के सिंह, वी पी मिश्रा, एस बर्मन, के तिवारी, पी मंडल और एन बर्मन। इथेनॉल डीजल मिश्रण के उत्सर्जन विशेषताओं और प्रदर्शन विश्लेषण का अध्ययन। यांत्रिकी और सामग्री अभियांत्रिकी में नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (आईएमएमई -2022), 4-6 नवंबर, 2022, एमएनएनआईटी इलाहाबाद, प्रयागराज, भारत

10. ए के सिंह, वी पी मिश्रा, एस बर्मन और पी मंडल। विभिन्न मिश्रित डीजल ईंधन के लिए उत्सर्जन विशेषताओं और प्रदर्शन और उत्सर्जन विशेषताओं का तुलनात्मक अध्ययन। विनिर्माण, स्वचालन, डिजाइन और डिजाइन में भविष्य की प्रौद्योगिकियों पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही यांत्रिकी और सामग्री अभियांत्रिकी में ऊर्जा (आईसीओएफटी -2022), 14-16 दिसंबर, 2022, एनआईटी पुडुचेरी, कराईकल, भारत

11. ए के सिंह, वी पी मिश्रा, एस बर्मन, पी मंडल। इथेनॉल-डीजल मिश्रण का प्रदर्शन विश्लेषण और उत्सर्जन विशेषता। आंतरिक दहन इंजन और दहन पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (एनसीआईसीईसी 2022), 5-7 नवंबर, 2022, वीआईटी चेन्नई, भारत

12. एके सिंह, वीपी मिश्रा, एस बर्मन डीजल ईंधन के साथ 1-पेंटानोल के मिश्रणों का उपयोग करके वीसीआर डीजल इंजन के प्रदर्शन और उत्सर्जन विशेषता की जांच। हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में हाल के रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (एनसीआरटीजीईटी 2022), 9 दिसंबर, 2022, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, भारत

13. मोहंती, यूके, शर्मा, ए., अबे, वाई., फुजीमोटो, टी., नाकातानी, एम., कितागावा, ए., तनाका, एम. और सुगा, टी., 2022. एसी स्क्वायर वेवफॉर्म वेल्डिंग पर पैरामीट्रिक अध्ययन। सामग्री आज: कार्यवाही, 56, पृष्ठ.2980-2987

पुस्तक अध्याय

1. विभूति भूषण नायक, शुभम कुमारी ठाकुर और उपासना साह, एक मिनीचैनल हीट सिंक के माध्यम से नैनोफ्लुइड्स का उपयोग करने वाले थर्मो-इलेक्ट्रिक प्रशीतन प्रणाली का थर्मल प्रबंधन, यांत्रिकी अभियांत्रिकी में हालिया प्रगति, स्प्रिंगर नेचर, 2022, डीओआई: 10.1007/978-981-19-9493-7

2. बनर्जी, एस., पांजा, बी., और साहू, पी. (2022). 6 डब्ल्यूईडीएम में टाइटेनियम मिश्र धातु की मशीनिंग विशेषताओं का पैरामीट्रिक अनुकूलन। गैर-पारंपरिक मशीनिंग में (पृष्ठ 171-188), डी ग्रुइटर

3. दास, डी। मानव मानसिक प्रदर्शन पर शोर विशेषताओं के प्रभावों की एक व्यवस्थित समीक्षा। में: चक्रवर्ती, डी., कर्मकार, एस., साल्वे, यू.आर. एचडब्ल्यूडब्ल्यूई 2021। नेटवर्क और सिस्टम में व्याख्यान नोट्स, खंड 391। स्प्रिंगर,

रसायन विज्ञान विभाग

प्रकाशन

सहकर्मी-समीक्षित (पीयर रिव्यूड) एससीआई पत्रिकाओं में (2022-23)

1. दास आर, कुंडू टी *, बासुमतारी जे, 2023. एरिलडियाजोनियम लवण का उपयोग करके 1, 3-डायोन के दृश्य मान प्रकाश मध्यस्थ ऑर्गेनोकैटेलिटिक डिहाइड्रोजनेटिव एज़ा-युग्मन। आरएससी अग्रिम। 13 (5): 3147-3154। [IF: 4.036]

2. लेप्चा पी, बिस्वास एस, चौधरी एसएन, बोस एस, देबगुप्ता जे, पॉल एस, बिस्वास एएन*, 2023. एक कोबाल्ट (III) - हाइड्रोक्सो कॉम्प्लेक्स जिसमें पानी के ऑक्सीकरण के लिए एक इलेक्ट्रोकेटेलिस्ट के रूप में पेंटाडेंटेट एमिडेट लिगैंड होता है। यू.जे. 26 (7): e202200611. [IF: 2.551]

3. रसैली एस, बरुआ के, शर्मा डी, लेप्चा पी, बिस्वास एस, बिस्वास एएन, तमांग एस, परियार ए*, 2023. तर्कसंगत रूप से मैंगनीज-आधारित धातु-कार्बनिक ढांचे को महान धातु-मुक्त ऑक्सीजन कमी प्रतिक्रिया के लिए परोपकारी धातु ऑक्साइड अग्रदूतों के रूप में डिजाइन किया गया है। केम। 62 (7): 3026-3035। [IF: 5.436]

4. घोष एस *, सरकार एस, पॉल एस, शील एस, महापात्र एस, बिस्वास एएन, डी जीसी *, 2023. एच-बॉन्डिंग इंटरैक्शन पाथवे के माध्यम से उत्पन्न अत्यधिक ल्यूमिनेसेंट और सेमीकंडक्टिंग कार्बनिक चार्ज ट्रांसफर कॉम्प्लेक्स। क्रिस्टा रेस टेक्नोलॉजी। 58 (4): 2200228। [यदि: 1.599]

5. मैती बी*, 2022. फ्रंटिसपीस: (हाइड्रोजन) सल्फाइट और मेटालोप्रोटीन के बीच क्रॉस-टॉक: मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव। केम यूर जे। 28, e202104342.

6. सुब्बा एस, साहा एस *, मंडल एस, घोष एजे, साहा टी। 2022. एस्परगिलोलाइड का पहला कुल संश्लेषण। टेट्राहेड्रॉन लेट। 106:154081. [IF: 2.032]

7. सिंह जी, गहतोरी जे, पोद्दार एमके, सामंत सी, भट्टाचार्य एस, बिरादर एवी, बोरदोलोई ए*, 2022. γ-वैलेरोलैक्टोन के फॉर्मिक एसिड मध्यस्थता संश्लेषण के लिए ZrO_2 मैट्रिक्स पर स्थिर उप-नैनोमीटर

आकार के पीटी कणों के संश्लेषण पर अध्ययन। कैम सलेक्ट . 7 (20): e202200029. [IF: 2.307]

8. सेनगुप्ता एम, दास एस, भट्टाचार्य एस, गाजी जे, प्रसाद वीवी, इस्लाम एसएम *, बोरदोलोई ए *, 2022. ला-एमओएफ पर कार्बन मोनोऑक्साइड और अमोनिया के एक साथ उपयोग के माध्यम से दवा मध्यवर्ती Pd@ सतत संश्लेषण। मोल कैटल। 522:112212. [IF: 5.089]

9. धारा आर *, कुंडू टी, 2022. सी-बैंड एप्लिकेशन के लिए वाइडबैंड गोलाकार ध्रुवीकृत पी-आकार का मोनोपोल एंटीना। रेडियोइलेक्ट्रॉन। संचार। Syst. 65 (3): 129-141।

10. धारा आर*, कुंडू टी, सनोज एम। 2022. डब्ल्यूएलएएन और वायरलेस संचार अनुप्रयोग के लिए गोलाकार ध्रुवीकृत हेक्सा-बैंड प्लानर स्लॉट एंटीना। रेडियोइलेक्ट्रॉन। संचार। Syst. 65 (1): 48-59

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (2022-23)

1. धारा आर *, कुंडू टी, जना एसके। 2022. डुअल-बैंड दोहरी ध्रुवीकृत गोलाकार ध्रुवीकृत और रैखिक रूप से ध्रुवीकृत एल-आकार का पैच एंटीना स्ट्रिप और स्क्वायर स्लॉट से भरा हुआ । *ऑप्टिकल और वायरलेस टेक्नोलॉजीज: ओडब्ल्यूटी 2020 की कार्यवाही*। **771:47-61**

पुस्तकें/अध्याय (2022-23)

1. **सचिदुलाल बिस्वास और अचिंतेश एन. बिस्वास,** *'हैंडबुक ऑफ सी-एच फंक्शनलाइजेशन'* **(संपादक: डी. मैती), 2022, विली-वीसीएच (ऑनलाइन आईएसबीएन: 9783527834242) में 'हाइड्रोकार्बन के ऑक्सीफंक्शनलाइजेशन में प्रासंगिकता के हाई-वैलेंट ऑक्सोमैंगनीज कॉम्प्लेक्स'।**

2. **चारु अरोड़ा और सुमंत्रा भट्टाचार्य,** *'एडवांस्ड फिजिकल केमिस्ट्री प्रैक्टिकल गाइड*'**, 2022, बेंथम बुक्स (आईएसबीएन: 978-1-68108-911-9)**

छात्रों की उपलब्धियां

- डॉ. सचिदुलाल बिस्वास (एनआईटी सिक्किम से पीएचडी 2021) स्कूल ऑफ केमिस्ट्री, ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन, आयरलैंड में पोस्टडॉ. क्टोरल रिसर्च एसोसिएट के रूप में शामिल हुए
- गणेश कोंडरे और परागज्योति गोहेन (2019-21) ने 2022 में सीएसआईआर-नेट क्वालीफाई किया है।
- अमृत दास (M.Sc 2022-24), कुशल दुबे (M.Sc 2021-23), स्वीटी गुप्ता (M.Sc 2019-21), सिद्धांत गुप्ता, कुमार यशवर्धन, सुरेंद्रनाथ बर्मन (M.Sc 2020-22) ने 2022-23 में गेट क्वालीफाई किया है।

- अपूर्व अधिकारी (M.Sc 2020-22) को डॉ.क्टरेट अध्ययन के लिए कंसास विश्वविद्यालय में चुना गया।
- इंडियन केमिकल सोसाइटी और सिक्किम मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित आणविक और सामग्री विज्ञान में उन्नत शोध (एआरएम 2 एस -2022) पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुति प्रतियोगिता में संहिता चौधरी और बिथिका बर्मन (एमएससी 2021-23) ने दूसरा स्थान हासिल किया।
- संहिता चौधरी (एमएससी 2021-23) ने एनआईपीईआर कोलकाता में अपने शोध इंटर्नशिप कार्य के आधार पर एक लेख प्रकाशित किया है, जिसका शीर्षक है "निरंतर प्रवाह संश्लेषण में ग्रिग्नार्ड प्रतिक्रिया को सुरक्षित और स्वच्छ बनाना और संश्लेषण के लिए आवेदन करना और सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) और प्रमुख प्रारंभिक सामग्री (केएसएम) के संश्लेषण के लिए आवेदन करना" "क्रिप्स, 2022, 16, 5" में।
- अमित बनर्जी (एमएससी 2021-23) ने 2022-23 में डब्ल्यूबीएसईटी (राज्य पात्रता परीक्षा) उत्तीर्ण की है।
- अमित बनर्जी (एमएससी 2021-23) ने आईएफएस शिक्षा विभाग से फोरेंसिक विज्ञान और फोरेंसिक चिकित्सा में विशेषज्ञ/स्वर्ण प्रमाण पत्र प्राप्त किया।
- संपूर्णा रॉय को संस्थान के 5 वें दीक्षांत समारोह के दौरान M.Sc कार्यक्रम (2020-22) में उच्चतम सीजीपीए हासिल करने के लिए स्वर्ण पदक मिला।

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

1. चक्रवर्ती, संजना, और त्रिपाठी, धनंजय (2023) " लिंग पहचान प्रभाव: द कार्पेट वीवर के माध्यम से पुरुषत्व और इसकी पारस्परिकता का अध्ययन"। बॉयहुड स्टडीज जर्नल में स्वीकार किया गया।
2. मिश्रा, आर. और त्रिपाठी, डी. (2022) अरुण कोलाटकर की सर्प सत्र और गिरीश कर्नाड की ययाति के पौराणिक पुनर्कथन (रीटेलिंग) में जेरार्ड जेनेट के कथात्मक उद्धरणों को डिकोड करना। आधुनिक भाषाओं के जॉर्डन जर्नल में स्वीकार किया गया।
3. मार्क्सिया, ओली सिगो (2022), फिनटेक (2022) के दायरे में: भारत और दुनिया। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कांग्रेस का आयोजन कहरामनमारस सुल्कु इमाम विश्वविद्यालय, तुर्की द्वारा किया गया, 12-14 मई।
4. राय, एल, और त्रिपाठी, डी. (2022), पाठ से फिल्म तक: मैकबेथ और मकबूल का तुलनात्मक अध्ययन। कोजिटो, 14 (1), 135-153
5. सरमा, ए., सैकिया, बी., और त्रिपाठी, डी. (2022). क्या उद्यमी प्रेरणा के लिए उद्यमी वा लिंग कोई मायने रखता है: असम के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से उत्तर। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल वुमन स्टडीज, 23 (5), 20-40

संस्थान की नवाचार परिषद (आईआईसी) और उद्यमिता और नवाचार (ई एंड आई) सेल

आईआईसी और ई एंड आई सेल छात्रों को उनकी तकनीकी रचनात्मकता का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित और समर्थन करती हैं। छात्र अभिनव कार्यों में लगे हुए हैं और संस्थान उन्हें देश भर के विभिन्न मंचों पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए समर्थन देता है। छात्रों के बीच आत्मविश्वास पैदा करने, आवश्यक ज्ञान प्रदान करने और उनके कौशल का पोषण करने के लिए, नियमित आधार पर विभिन्न कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है।

एम. सी. गोविल, निदेशक, एन.आई.टी. सिक्किम के नेतृत्व में, पच्चीस छात्रों और छह संकाय सदस्यों की एक टीम ने आईआईटी गुवाहाटी में नॉर्थ ईस्ट रिसर्च कॉन्क्लेव (एनईआरसी) 2022 में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया था, जैसे कि पूर्ण वार्ता सत्र, तकनीकी पेपर प्रस्तुति (मौखिक और पोस्टर दोनों), अभिनव मॉडल प्रदर्शन और प्रदर्शनी आदि। मॉडलों के अलावा, एनआईटी सिक्किम के छात्रों द्वारा एनईआरसी -2022, आईआईटी गुवाहाटी में ग्यारह तकनीकी पेपर (पोस्टर और मौखिक) भी प्रस्तुत किए गए थे।

- श्री सोमनाथ महतो और उनके पीएचडी पर्यवेक्षक डॉ.सुरजीत कुंडू, ईसीई विभाग, एनआईटी सिक्किम को मई, 2022 में नॉर्थ-ईस्ट रिसर्च कॉन्क्लेव (एनईआरसी) 2022, आईआईटी गुवाहाटी में "आपदा निगरानी प्रणाली के लिए कॉम्पैक्ट जीएनएसएस मॉड्यूल" नामक अपने शोध पत्र के लिए 'स्प्रिंगर बेस्ट पेपर अवार्ड' मिला।
- 22 मई, 2022 को नॉर्थ-ईस्ट रिसर्च कॉन्क्लेव (एनईआरसी) 2022, आईआईटी गुवाहाटी में एक्सपो में चार तकनीकी और नवाचार मॉडल का प्रदर्शन किया गया।

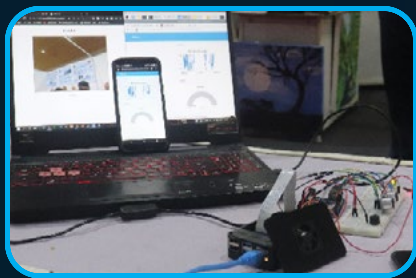

एनईआरसी-2022, आईआईटी गुवाहाटी में एनआईटी सिक्किम स्टॉल की कुछ तस्वीरें:

हितधारकों के बीच एनईआरसी-2022 को बढ़ावा देने के लिए एक रोड शो भी आयोजित किया गया था। एम.सी. गोविल, निदेशक, एनआईटी सिक्किम ने इस आयोजन के महत्व का उल्लेख करते हुए एक संक्षिप्त भाषण दिया। एनईआरसी -2022 रोड शो कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें नीचे प्रस्तुत की गई हैं।

एनईपी 2020 के मिशन का समर्थन करने के लिए राष्ट्रीय नवाचार और स्टार्टअप नीति (एनआईएसपी) के कार्यान्वयन के लिए एक संस्थान समिति का गठन किया गया है। एनआईटी सिक्किम अपने आंतरिक छात्रों के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों और पेशेवरों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दे रहा है।

एनआईटी सिक्किम में एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम (ईएसडीपी) के तहत निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

- 16-20 मार्च, 2023 के दौरान "कृषि और पशुपालन में स्वचालन और ऊर्जा प्रबंधन" पर 5 दिवसीय उन्नत उद्यमिता और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन एनआईटी सिक्किम के विद्युत एवं इलेक्ट्रोनिक्स अभियांत्रिकी विभाग द्वारा किया गया था।
- 18-22 मार्च, 2023 के दौरान "उद्योगों और कृषि में आईओटी और एआई/एमएल के अनुप्रयोग" पर 5 दिवसीय उन्नत उद्यमिता और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम। प्रशिक्षण कार्यक्रम संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग, एनआईटी सिक्किम द्वारा आयोजित किया गया था।

पूर्वोत्तर के प्रतिभागियों ने आईआईटी दिल्ली, आईआईटी गुवाहाटी, आईआईटी पटना, आईआईटी गांधीनगर, हैदराबाद विश्वविद्यालय, जादवपुर विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआईएच), एनआईटी सिक्किम सहित प्रतिष्ठित संस्थानों और उद्योगों के विशेषज्ञों से व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

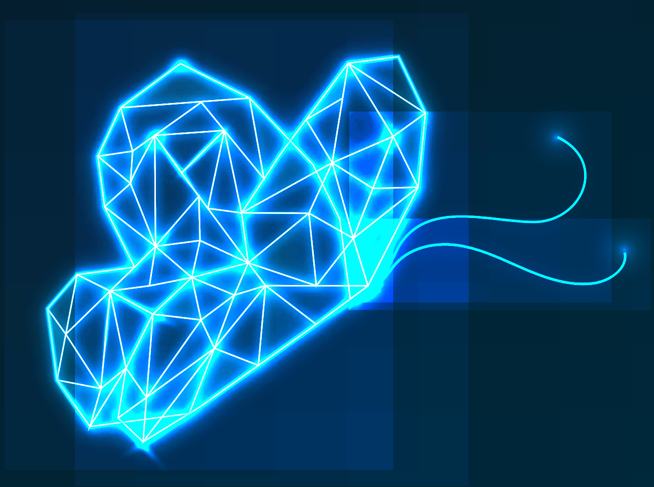

चिकित्सा सुविधाएंः

संस्थान की चिकित्सा इकाई में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं सुलभ हैं जो आवासीय क्षेत्र और शैक्षणिक क्षेत्र के बीच परिसर के भीतर स्थित है। चिकित्सा इकाई नियमित रुप से 24 घंटे खुलती है, हालांकि आपातकालीन स्थिति में यह चौबीसों घंटे कार्यरत रहती है। विजिटिंग डॉ.क्टर सप्ताह में चार बार परिसर का दौरा करते हैं और प्रति विजिट 3 घंटे के लिए ओपीडी के आधार पर सामान्य रोगी परामर्श प्रदान करते हैं।

चिकित्सकों का विवरण इस प्रकार हैं:

क्र.सं	चिकित्सक का नाम और पदनाम
1	डॉ.डी. देओकाटा प्रधान मुख्य सलाहकार (ऑर्थो)
2	डॉ.सुदीप प्रधान, एम बी बी एस
3	डॉ.प्रतीक रसैली, एमओटीसी, डीटीसी
4	डॉ.संगीता सुब्बा, सलाहकार (औषधि) (कंसलटैंट मेड़ीसिन)

तीन नर्सें भी सामान्य चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए उपलब्ध हैं जो प्राथमिक चिकित्सा, ड्रेसिंग, अंतःशिरा द्रव जलसेक, रक्तचाप, पल्स दर, एसपीओ-2, वजन माप और ऑक्सीजन थेरेपी की सुविधा प्रदान करती हैं। संस्थान के छात्र, कर्मचारी और अन्य लाभार्थी जिनकी संख्या लगभग 1024 है। चिकित्सा इकाई में निःशुल्क आउटडोर चिकित्सा उपचार, दवाएं, प्राथमिक चिकित्सा, ड्रेसिंग, नेबुलाइजेशन और अंतःशिरा द्रव जलसेंक सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

संस्थान के छात्रों और कर्मचारियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा किट और ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ एक एम्बुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध है।

आईपीडी उपचार के लिए छात्रों के लिए चिकित्सा बीमा सुविधा उपलब्ध है।

चिकित्सा इकाई में हाल ही में विभिन्न नई और सामान्य दवाओं को भी शामिल किया गया है और माइनर प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक अधिकांश उपकरण भी उपलब्ध कराए गए हैं।

चिकित्सा इकाई ने सभी लाभार्थियों को सोशल सामाजिक दूरी बनाए रखने, मास्क पहनने और टीका लगवाने के महत्व के बारे में शिक्षित करके कोविड-19 के निवारक उपायों से जागरूक करने में भी मदद की।

हालांकि, एक दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में स्थित होने के नाते, संस्थान की समग्र चिकित्सा सुविधाओं को उन्नत करने और बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि लाभार्थियों को सुचारू चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें।

तस्वीर: एनआईटी सिक्किम में एम्बुलेंस सुविधा

चित्र: मेडिकल यूनिट में मेडिकल स्टोर

चित्र: चिकित्सा इकाई में सूक्ष्म (माइनर) प्रक्रियाएं

डॉ.ओम प्रकाश, (एफआई-एचसीएस)

शैक्षणिक विभाग

संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

एक कंप्यूटर बुद्धिमान कहलाने के लायक होगा यदि वह किसी एक इंसान को यह विश्वास करने के लिए धोखा दे सके कि वह मानव है

- एलन ट्यूरिंग

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम में संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग (सीएसई) वर्ष 2010 में संस्थान की स्थापना के बाद से कार्य कर रहा है। विभाग शोध में उत्कृष्टता के साथ एक उत्कृष्ट शिक्षण वातावरण प्रदान करता है।

विभाग कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी में चार साल की प्रौद्योगिकी स्नातक (बी. टेक) उपाधि, दो साल की प्रौद्योगिकी निष्णात (एम.टेक.) उपाधि और पीएच.डी. प्रदान करता है। विभाग के पास कंप्यूटर विज्ञान के सभी पहलुओं से संबंधित विषयों पर एक व्यापक पाठ्यक्रम है जिसमें प्रयोज्यता पर विशेष जोर दिया गया है जो अभियांत्रिकी की नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके प्रदान किया जाता है। पाठ्यक्रम संरचना नवीनतम है और इसमें क्षेत्र में नवीनतम विकास के साथ छात्रों और शिक्षकों को लैस करने के लिए अत्याधुनिक पाठ्यक्रम शामिल हैं। विभाग संकाय सदस्यों की विशेषज्ञता के आधार पर अंतःविषय और बहु-विषयक परियोजनाओं को विकसित करने के लिए लगातार तत्पर है।

विभाग में चल रहे शोध के प्रमुख क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, क्रिप्टोग्राफी, साइबर सुरक्षा, समानांतर-वितरित और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग, एल्गोरिदम, क्लाउड कंप्यूटिंग, वायरलेस और सेंसर नेटवर्क, कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क, इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी, पोस्ट क्वांटम क्रिप्टोग्राफी आदि शामिल हैं। विभाग और संस्थान सामूहिक रूप से शोध समूहों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हैं और विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सामुदायिक विकास के क्षेत्र में काम करने वाले विभिन्न अन्य संगठनों के समन्वित प्रयास का उपयोग करके विशेष रूप से सिक्किम और सामान्य रूप से उत्तर-पूर्व क्षेत्र में शोध गतिविधियों का लाभ उठाते हैं। विभाग के पास उच्च गति ईथरनेट और वायरलेस नेटवर्क द्वारा समर्थित अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा है।

संकाय और छात्र अक्सर परियोजनाओं पर सहयोग करते हैं, परिसर में अन्य विभागों के शोधकर्ताओं, भारत में उत्तर-पूर्व क्षेत्र के कॉलेजों और विदेशों में संस्थानों के साथ मिलकर काम करते हैं। विभाग में उपलब्ध उत्कृष्ट वातावरण और गुणवत्ता शोध के अवसरों के अलावा, समुदाय और टीम वर्क की वास्तविक भावना भी है। विभाग को विश्वेश्वरैया पीएच.डी. योजना, एमईआईटीवाई और डीएसटी से शोध अनुदान, राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन, पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए विशिष्ट विकास परियोजनाओं आदि जैसी योजनाओं के तहत विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से शोध हेतु अनुदान प्राप्त होते हैं और इस प्रकार यहां शोध की समृद्ध संस्कृति है। विभाग उन्नत भारत अभियान और स्थानीय समुदाय की वैज्ञानिक जीवन शैली के विकास (परमाणु ऊर्जा विभाग की योजना के अनुसार) के माध्यम से सामुदायिक विकास के लिए भी योगदान देता है।

विभाग का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले ज्ञान प्रदान करने में योग्य बनना है और मानवता की सेवा के उद्देश्य से कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी डोमेन के साथ-साथ अंतर-विषयक शोध में शोध दृष्टिकोण विकसित करना है। इन सेवाभाव दृष्टिकोणों को प्रचलित उद्योग मानकों के साथ तालमेल रखते हुए सभी व्यावसायिक गतिविधियों में नैतिकता के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाते हुए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में ज्ञान प्रदान करके विकसित किया जा सकता है।

विभाग द्वारा चलाए जाने वाले कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- संगणक विज्ञान एंड अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी स्नातक - बीटेक
- संगणक विज्ञान एंड अभियांत्रिकी में प्रौद्योगिकी निष्णात- एम.टेक
- कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी में पीएच.डी.

शिक्षक गण विवरण

प्रोफेसर महेश चंद्र गोविल
प्रोफेसर और निदेशक
पीएच.डी. (आई.आईटी. रुड़की), एम.टेक. (आई.आई.टी. रुड़की), बी.टेक. एम.एन.आई.टी. जयपुर (पूर्व में एम.आर.ई.सी.)
रुचि के क्षेत्र: रियल टाइम सिस्टम्स, समानांतर और वितरित सिस्टम, फाल्ट टोलेरेंट सिस्टम, क्लाउड कंप्यूटिंग, नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स.

डॉ.संग्राम रे
एसोसिएट प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष
पीएच.डी. (आईआईटी (आईएसएम) धनबाद), एम.टेक. (आईआईटी -आईएसएम) धनबाद), एम. एससी. (आईआईटी -आईएसएम) धनबाद), बी.एससी. गणित -ऑनर्स, (बीयू), गेट 2006 में ऑल इंडिया रैंक - 49
रुचि के क्षेत्र: क्रिप्टोग्राफी, सार्वजनिक कुंजी बुनियादी ढांचा, एलिप्टिक वक्र क्रिप्टोग्राफी, सामग्री केंद्रित नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी, पोस्ट क्वांटम क्रिप्टोग्राफी।

डॉ.प्रत्यय कुइला
एसोसिएट प्रोफेसर और अधिष्ठाता (शोध और परामर्श)
पीएचडी (आईआईटी (आईएसएम), धनबाद, एमटेक (एनआईटीटीटीआर कोलकाता), बीटेक (गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ अभियांत्रिकी एंड सिरेमिक टेक, कोलकाता)
रुचि के क्षेत्र: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, सॉफ्ट कंप्यूटिंग, विकासवादी एल्गोरिदम, कम्प्यूटेशनल जटिलता, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, वितरित कम्प्यूटिंग

डॉ.सरफराज आलम अंसारी
सहायक प्रोफेसर
पीएच.डी. (एनआईटी सिक्किम), एम.टेक (एनआईटी दुर्गापुर), बीई (मगध विश्वविद्यालय)
रुचि के क्षेत्र: नेटवर्क प्रौद्योगिकी, सूचना सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन

डॉ.पंकज कुमार केसरवानी
सहायक प्रोफेसर
पीएचडी (एनआईटी सिक्किम), एमएस (आईआईआईटी, इलाहाबाद), बी.एससी. (इविंग क्रिश्चियन कॉलेज, इलाहाबाद), एमसीए (यूपीटीयू, लखनऊ)
रुचि के क्षेत्र: सूचना सुरक्षा, साइबर फोरेंसिक

अस्थायी संकाय सदस्य

डॉ.कृष्ण कुमार
श्री प्रशांत गुप्ता
श्री अरुणांग्शु पाल

स्टाफ़

श्री तपन छेत्री
तकनीशियन
एमसीए

प्रयोगशाला सुविधाएं

1. कंप्यूटर नेटवर्क प्रयोगशाला

   कंप्यूटरों की संख्या: 28

गतिविधियाँ और उद्देश्य

- कंप्यूटर नेटवर्किंग की मौलिक अवधारणाओं की समझ का निर्माण करना
- डेटा संचार के सामान्य सिद्धांतों का वर्णन करने के लिए, स्तरित दृष्टिकोण (ओएसआई मॉडल और टीसीपी / आईपी) की अवधारणा के साथ कंप्यूटर का संगठन
- हब, ब्रिजों और स्विच के साथ एक सरल लैन को लागू करना और इंटरनेट में पैकेट के वितरण को लागु करना।
- छात्रों को उन्नत नेटवर्किंग अवधारणाओं से परिचित कराने के लिए, कंप्यूटर नेटवर्किंग में उन्नत पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों को तैयार करना
- बुनियादी कंप्यूटर नेटवर्क प्रौद्योगिकी समझ के लिए, विभिन्न प्रकार के नेटवर्क टोपोलॉजी और प्रोटोकॉल को समझने के लिए
- यह आकलन करने के लिए कि डेटा संरचनाओं और एल्गोरिथ्म डिजाइन विधियों की पसंद कार्यक्रमों के प्रदर्शन को कैसे प्रभावित करती है।
- एक विशिष्ट अनुप्रयोग (एप्लीकेशन) के लिए उपयुक्त डेटा संरचना और एल्गोरिथ्म डिजाइन विधि का चयन करने के लिए
- डेटा संरचनाओं जैसे लीनियर लिस्ट्स, स्टैक्स, कुयूज, हैश टेबल, बाइनरी ट्रीज, हिप्स, टूर्नामेंट ट्री, बाइनरी सर्च ट्री, और इन समाधानों के लिए ग्राफ़ और राइटिंग प्रोग्राम्स का उपयोग करके समस्याओं को हल करने के लिए।

प्रयोगशाला पाठ्यक्रम आयोजित:

- डेटा संचार
- कंप्यूटर नेटवर्क
- उन्नत कंप्यूटर नेटवर्क
- इंटेरनेट ऑफ़ थिंग्स
- वायरलेस सेंसर नेटवर्क
- वायरलेस नेटवर्क सुरक्षा
- साइबर फोरेंसिक
- ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी

कंप्यूटर प्रयोगशाला नं. 1 (कंप्यूटर नेटवर्क प्रयोगशाला) के अंदर का दृश्य

2. डेटा विज्ञान प्रयोगशाला

कंप्यूटरों की संख्या: 27

गतिविधियाँ और उद्देश्य

- वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक समस्याओं के समाधान के लिए मात्रात्मक मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण तकनीकों को लागू करना, निष्कर्षों को संप्रेषित करना, और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन तकनीकों का उपयोग करके परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना
- व्यावसायिक निर्णय लेने में उपयोग की जाने वाली सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण तकनीकों के ज्ञान का प्रदर्शन करना
- व्यावसायिक समस्याओं का विश्लेषण करने के लिए डेटा विज्ञान के सिद्धांतों को लागू करना
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बिल्डिंग ब्लॉक्स की एक बुनियादी समझ विकसित करने के लिए जैसा कि इंटेलीजेंट एजेंटों के खोज, ज्ञान प्रतिनिधित्व, अनुमान, तर्क और सीखना संदर्भ में प्रस्तुत किया गया है:
- मशीन इंटेलिजेंस बनाने के लिए एल्गोरिदम लागू करना
- मशीन लर्निंग एल्गोरिदम को पर्यवेक्षित, अर्ध-पर्यवेक्षित और गैरपरिवर्तित के रूप में चिह्नित करने के लिए
- मशीन लर्निंग टूलबॉक्स का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए

प्रयोगशाला पाठ्यक्रम आयोजित

- कृत्रिम बुद्धि
- मशीन लर्निंग
- डीप लर्निंग
- बिग डेटा
- प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण
- डेटा एनालिटिक्स

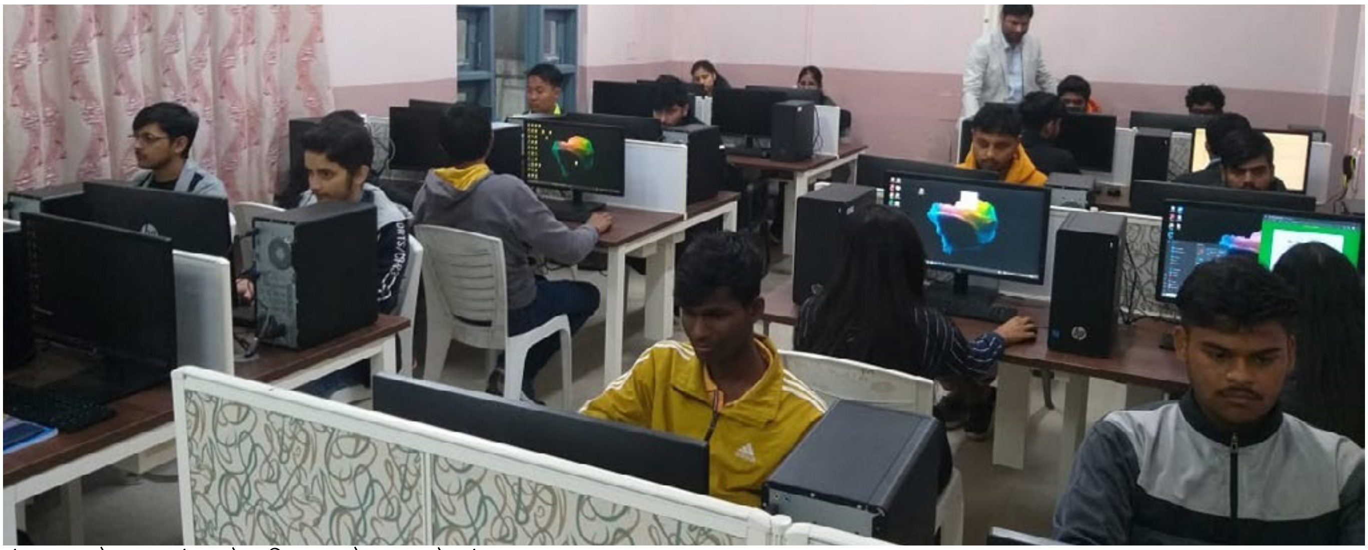

कंप्यूटर प्रयोगशाला नं. 2 (डेटा विज्ञान प्रयोगशाला) के अंदर का दृश्य

3. कम्प्यूटिंग प्रयोगशाला

कंप्यूटरों की संख्या: 70

गतिविधियाँ और उद्देश्य

- विभिन्न कंप्यूटर प्रोग्रामिंग भाषाओं को सीखने के लिए
- एल्गोरिदम के एसिम्प्टोटिक प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए
- एल्गोरिदम के लिए पुनरावृत्ति संबंधों को हल करने के लिए गणितीय सूत्रीकरण, जटिलता विश्लेषण और पद्धतियों को समझने के लिए
- महत्वपूर्ण एल्गोरिथ्म डिजाइन प्रतिमान और विश्लेषण के तरीकों को लागू करने के लिए
- अग्रिम डेटा संरचनाओं का उपयोग करके एल्गोरिदम डिजाइन करने के लिए
- गैर-निर्धारक बहुपद (एनपी) वर्ग की समस्याओं को समझना और मानक दृष्टिकोण का उपयोग करके समाधान तैयार करना
- समानांतर और वितरित कंप्यूटिंग में समकालीन ज्ञान के साथ छात्रों को प्रदान करने के लिए
- समवर्ती और वितरित कार्यक्रमों के बारे में तर्क के लिए विभिन्न पद्धतियों और दृष्टिकोणों को पेश करना
- डेटाबेस अवधारणाओं, संरचनाओं और प्रश्न भाषा (query) को समझने के लिए
- ई-आर मॉडल और रिलेशनल मॉडल को समझने के लिए
- एक सरल डेटाबेस सिस्टम को डिजाइन और निर्माण करना और डीबीएमएस के मॉडलिंग, डिजाइन और कार्यान्वयन में शामिल मौलिक कार्यों के साथ क्षमता का प्रदर्शन करना
- कार्यात्मक निर्भरता और कार्यात्मक अपघटन को समझने के लिए

प्रयोगशाला पाठ्यक्रम आयोजित

- सी, पायथन, जावा में प्रोग्रामिंग
- एल्गोरिदम का डिजाइन और विश्लेषण
- उन्नत एल्गोरिदम
- डेटा संरचना
- इमेज प्रोसेसिंग
- ऑपरेटिंग सिस्टम
- डी बी एम एस

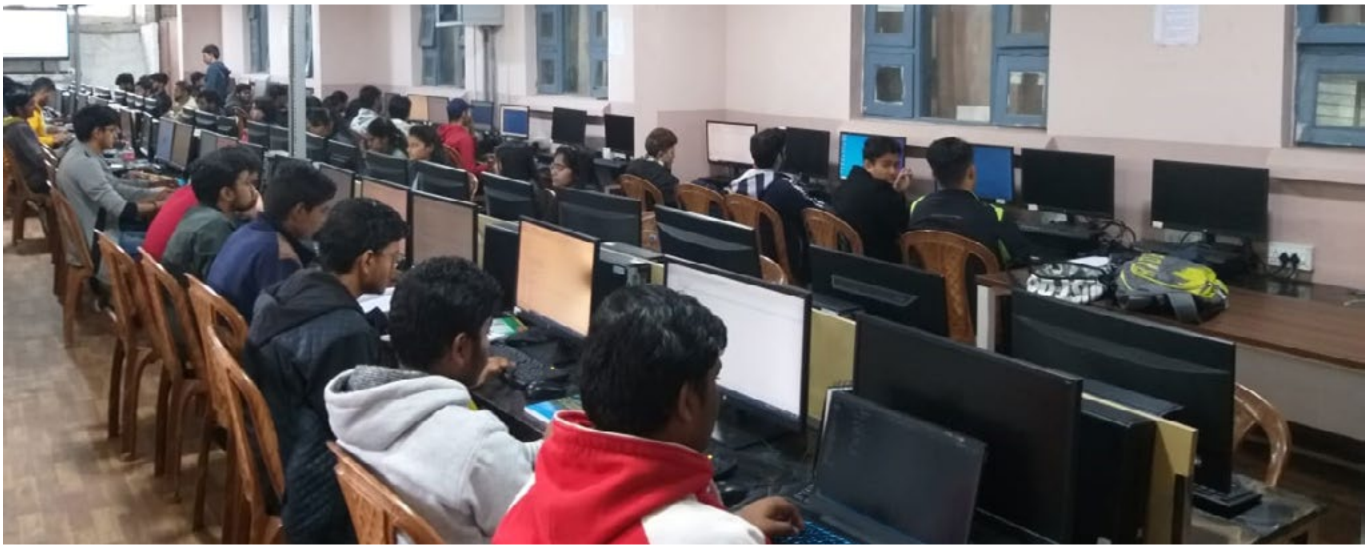

कंप्यूटर प्रयोगशाला नं. 3 (कंप्यूटिंग प्रयोगशाला) के अंदर का दृश्य

4. सिमुलेशन और मॉडलिंग प्रयोगशाला

कंप्यूटरों की संख्या : 40

गतिविधियाँ और उद्देश्य

- ऑपरेटिंग सिस्टम की अवधारणाओं और सिद्धांतों को पहचानने के लिए
- अंतर्निहित सिद्धांतों, तकनीकों और दृष्टिकोणों को समझने के लिए व्यापक परिचय प्रदान करना जो ऑपरेटिंग सिस्टम में ज्ञान के एक सुसंगत निकाय का गठन करते हैं
- कंप्यूटर ग्राफिक्स और छवि प्रसंस्करण शुरू करने के लिए
- 2 डी ऑब्जेक्ट विज़ुअलाइज़ेशन, 2 डी वस्तुओं का ज्यामितीय परिवर्तन
- 3 डी ऑब्जेक्ट्स विज़ुअलाइज़ेशन, प्रोजेक्शन

प्रयोगशाला पाठ्यक्रम आयोजित

- सॉफ्टवेयर मॉडलिंग और डिजाइन
- सॉफ्ट कम्प्यूटिंग
- विकासवादी कम्प्यूटिंग
- कंप्यूटर ग्राफ़िक्स
- इमेज प्रोसेसिंग
- कंप्यूटर विजन

कंप्यूटर प्रयोगशाला नं. 4 (सिमुलेशन और मॉडलिंग प्रयोगशाला) के अंदर का दृश्य

5. उन्नत कंप्यूटिंग और शोध प्रयोगशाला

जीपीयू सुविधा

जीपीयू की संख्या : 08

विशेषताएं:

प्रोसेसर: Intel Xeon 5122 3.6Ghz, 4C, 16.5MB कैश, 105W

मेमोरी: 64 जीबी (2 x 32 जीबी) डीडीआर4 2666 डीआईएमएम ईसीसी रेग्राम 768 जीबी तक विस्तार योग्य

हार्ड डिस्क: 512GB 2.5 in SATA SSD, 2TB 7200 SATA हार्ड डिस्क

ग्राफिक्स: 2 * Nvidia 2080TI 11GB

ओएस: विंडोज 10 प्रो वर्कस्टेशन प्लस इंडिया

प्रयोगशाला पाठ्यक्रम आयोजित

- फॉग कम्प्यूटिंग
- एज कम्प्यूटिंग
- क्लाउड कम्प्यूटिंग
- क्वांटम कम्प्यूटिंग
- नेचर इन्सपायर्ड कंप्यूटिंग
- पैरेलल एंड डिस्ट्रीब्यूटिड कंप्यूटिंग

गतिविधियाँ और उद्देश्य

- ओपनएमपी, एमपीआई और मैप-रिड्यूस समानांतर वातावरण के साथ एचपीसी पीएएएस प्रदान करने के लिए
- गोल्डन छवियों के रूप में उपलब्ध एचपीसी एप्लिकेशन का चयन करने के लिए सुमेघा स्टैक
- आईएएएस-एमपीआई क्लस्टर, हैडूप क्लस्टर ओपनएमपी सर्वर, वर्चुअल सर्वर, वर्चुअल स्टोरेज
- पीएएएस- लिनक्स आधारित एमपीआई, हैडूप, ओपनएमपी ग्लस्टर एफएस, पौपुलर प्रोग्रामिंग भाषा और पुस्तकालय
- एसएएएस-चयनित अनुप्रयोग (जैसे मौसमी पूर्वानुमान मॉडल के लिए पीएसई) और नमूना समानांतर कार्यक्रम

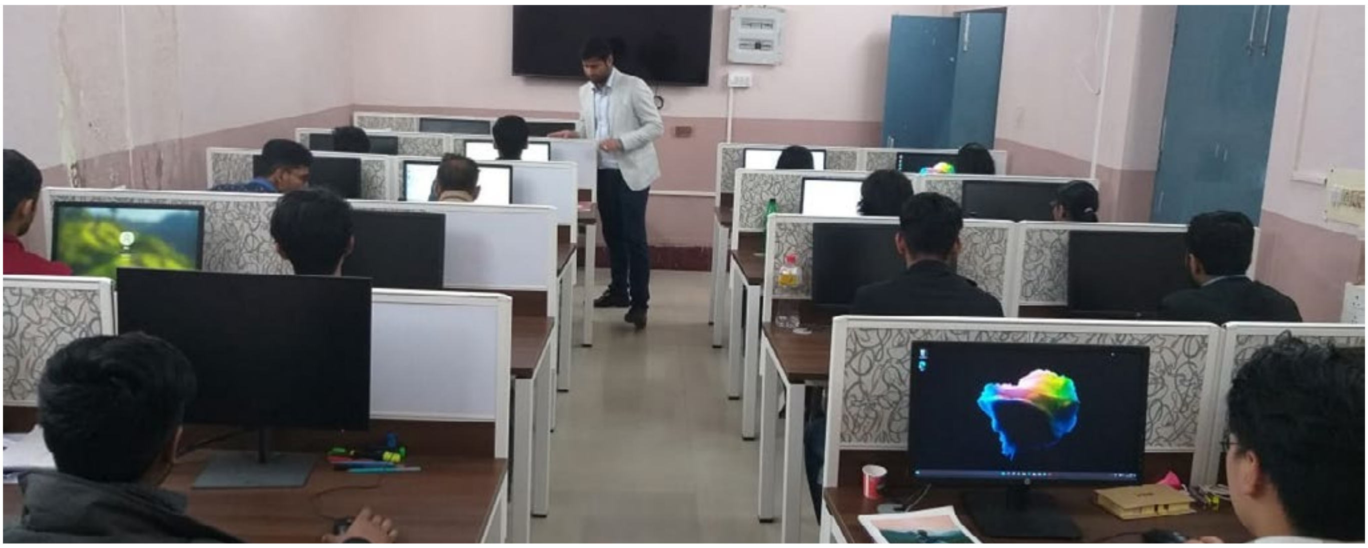

कंप्यूटर प्रयोगशाला नं. 5 (उन्नत कंप्यूटिंग और शोध प्रयोगशाला) के अंदर का दृश्य

एचपीसी आर्किटेक्चर

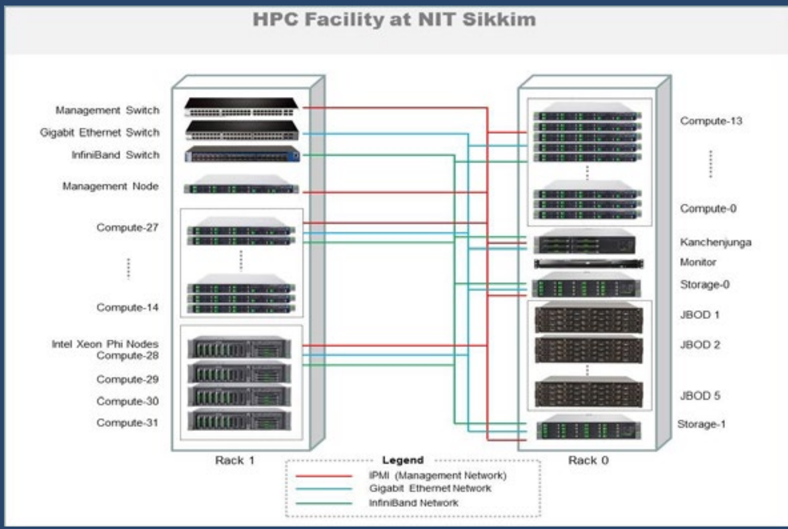

परम कंचनजंगा

एचपीसी के स्पेसिफिकेशन

- 66 इंटेल जियोन आइवी ब्रिज (E5-2650V2) प्रोसेसर
- 15.02 टीएफएलओपीएस का चरम प्रदर्शन
- 528 x86_64 आधारित प्रसंस्करण कोर
- 2.112 टीबी (2112 जीबी) कुल मेमोरी (64 जीबी प्रति नोड)
- मास्टर नोड में 6 X 600 जीबी, 15K आरपीएम, एसएएस 6 GBPS हॉट-प्लग एचडीडी
- 2 X 250 जीबी, 7.2 आरपीएम, एंटरप्राइज साटा एचडीडी इन कम्प्यूट नोड्स
- 4 X इंटेल जियोन Phi 5110P त्वरक (8 GB, 60 सह-प्रसंस्करण कोर)
- 50 TB NL-SAS और 20 TB SAS भंडारण RAID6 संग्रहण के रूप में कॉन्फ़िगर किया गया
- प्राथमिक नेटवर्क के रूप में 36-पोर्ट 56GBPS 4X FDR InfiniBand
- 48-पोर्ट गीगाबिट ईथरनेट एक माध्यमिक नेटवर्क के रूप में
- 48-पोर्ट गीगाबिट ईथरनेट एक प्रबंधन नेटवर्क के रूप में
- विज़ुअलाइज़ेशन / प्रबंधन नोड

एचपीसी का उपयोग करके आर एंड डी परियोजना पूरी हुई: एनआईटी सिक्किम में एसएमडीपी-सी 2 एसडी परियोजना

एचपीसी पर काम कर चुके / कर रहे शोधकर्ता

1. डॉ. जॉर्ज बिस्वास, रिसर्च स्कॉलर, भौतिकी विभाग
2. डॉ. निगिदाता प्रधान, रिसर्च स्कॉलर, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग
3. डॉ. प्रीति गुप्ता, परियोजना संकाय, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग
4. डॉ. रेशमी धारा, रिसर्च स्कॉलर, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

एनआईटी सिक्किम में एचपीसी पर शोध कार्य कर रहे बाहरी संगठन

निम्नलिखित संगठनों को अपने शोध कार्य करने के लिए एनआईटी सिक्किम में एचपीसी तक पहुंच प्रदान की जाती है:

1. आईएनएसटी मोहाली
2. सिक्किम विश्वविद्यालय
3. केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब
4. आशुतोष कॉलेज, कोलकाता

एचपीसी सिस्टम पर चल रहे अनुप्रयोगों (सॉफ्टवेयर उपकरण) की सूची

1. ओनामा (पैरेलल एप्लीकेशन सूट)
2. CHReME (एचपीसी संसाधन प्रबंधन के लिए)
3. रोम (क्षेत्रीय महासागर मॉडलिंग प्रणाली)
4. गॉसियन 9 और गॉस व्यू 5
5. ओपन फोम (ओपन सोर्स फील्ड ऑपरेशन और मैनिपुलेशन)
6. वीएएसपी और वानियर90
7. काडेन्स
8. मैंटर
9. मैटलैब
10. एन्सिस19आर (ईएम और सीएफडी)
11. एनाकोंडा & पायथन
12. इंटेल समानांतर स्टूडियो (इंटेल एमपीआई, फोरट्रान, ओपनएमपी कंपाइलर)
13. गैन्ग्लिया (क्लस्टर निगरानी)

विभाग में चल रही / पूर्ण हो चुकी शोध एवं विकास परियोजनाएं / योजनाएं

- आईसीपीएस प्रभाग, डीएसटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित एलिप्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी (ईसीसी) का उपयोग करके संचार प्रोटोकॉल के साथ कुशल और सुरक्षित सामग्री केंद्रित नेटवर्क (सीसीएन) आर्किटेक्चर का विकास (100करोड़ रुपये) 20 लाख)
- एलिप्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी (ईसीसी) का उपयोग करते हुए कंटेंट सेंट्रिक नेटवर्क (सीसीएन) के संदर्भ में कुशल और सुरक्षित इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) संचार ढांचे का डिजाइन - एक अगली पीढ़ी की स्मार्ट संचार तकनीक, जो इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है (68 लाख रुपये)

अन्य विभागों/संस्थानों के साथ सहयोग

- ब्रेमेन विश्वविद्यालय, जर्मनी
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधीनगर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
- सीडीएसी, पुणे
- मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर
- डॉ.बी. आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर

विभागीय समितियां

क्र.सं.	समिति का नाम	सदस्य (गण)
1	शैक्षणिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति (APEC)	(i) डॉ.संग्राम रे, संयोजक और विभागाध्यक्ष (ii) डॉ.प्रत्यय कुइला, संयोजक डीयूजीसी (iii) संबंधित छात्र (ओं) के संकाय सलाहकार (iv) डॉ.एमएसए अंसारी, विभागाध्यक्ष (नामित) (v) डॉ. मोले रॉय, अधिष्ठाता शैक्षणिक द्वारा नामित
2	विभागीय स्नातक समिति (डीयूजीसी)	(i) डॉ. प्रत्यय कुइला, संयोजक (ii) डॉ.संग्राम रे, संयोजक डीपीजीसी और विभागाध्यक्ष (iii) डॉ. एमएसए अंसारी, सदस्य (iv) डॉ. पंकज कुमार केसरवानी, सदस्य
3	विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी)	(i) डॉ.संग्राम रे, संयोजक और विभागाध्यक्ष (ii) डॉ.प्रत्यय कुइला, संयोजक डीयूजीसी (iii) डॉ. एमएसए अंसारी, सदस्य (iv) डॉ. पंकज कुमार केसरवानी, सदस्य (v) डॉ.संजय कुमार जाना, सीनेट के अध्यक्ष द्वारा नामित
4	विभागीय परीक्षा समिति	(i) डॉ.पंकज कुमार केसरवानी, संयोजक (ii) श्री कृष्ण कुमार, सदस्य (iii) श्री प्रशांत गुप्ता, सदस्य (iv) सभी संकाय सलाहकार, सदस्य
5	विभागीय परिणाम समिति	(i) डॉ. एमएसए अंसारी, संयोजक (ii) सभी सुविधाजनक सलाहकार, सदस्य
6	विभागीय समय सारणी समिति	(i) डॉ.पंकज कुमार केसरवानी, संयोजक (ii) श्री कृष्ण कुमार, सदस्य
7	विभागीय पुस्तकालय समिति	श्री प्रशांत गुप्ता, संयोजक

क्र.सं.	समिति का नाम	सदस्य (गण)
8	विभागीय रिपोर्ट तैयार करना, दीक्षांत समारोह और अभिलेख समिति	(i) डॉ. संग्राम रे, संयोजक (ii) श्री अरुणांग्शु पाल, सदस्य
9	समन्वयक, सामुदायिक विकास	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी, संयोजक
10	संकाय सलाहकार	(i) बी.टेक द्वितीय वर्ष- डॉ.पंकज कुमार केसरवानी (ii) बी.टेक तृतीय वर्ष- डॉ.एमएसए अंसारी (iii) बी.टेक चतुर्थ वर्ष- श्री अरुणांग्शु पाल (iv) एम.टेक- डॉ.प्रत्यय कुइला
11	प्रयोगशाला प्रभारी सीएल-1	डॉ.अंसारी
12	प्रयोगशाला प्रभारी सीएल-2	डॉ.प्रत्यय कुइला
13	प्रयोगशाला प्रभारी सीएल-3	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी
14	प्रयोगशाला प्रभारी सीएल-4	श्री प्रशांत गुप्ता

संकाय सदस्यों की प्रशासनिक जिम्मेदारियां (संस्थान स्तरीय)

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	संस्थान स्तर की जिम्मेदारियां
1	प्रोफेसर एम. सी. गोविल	**निदेशक**
2	डॉ.संग्राम रे	• *अधिष्ठाता छात्र कल्याण, संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी - 08.09.2022 से अब तक* • *अधिष्ठाता छात्र कल्याण, – 16.07.2019 से 07.09.2022 तक* • *नोडल अधिकारी, आरटीआई सेल – 20.02.2023 से अब तक* • *संकाय प्रभारी, पूर्व छात्र मामलों के प्रकोष्ठ – 14.09.2022 से अब तक* • *अध्यक्ष, प्रभावी प्रचार दल – 30.07.2019 से अब तक* • *प्रॉक्टर/ वार्डन, बॉयज छात्रावास 1 – 28.09.2022 से अब तक*
3	डॉ.प्रत्यय कुइला	• *अधिष्ठाता रिसर्च एंड कंसल्टेंसी – 07.09.2022 से अब तक* • *संकाय प्रभारी, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी अवसरंचना (एफआईआईसीटीआई) – 09.12.2016 से अब तक* • *संकाय समन्वयक, कंप्यूटिंग डिवाइस – 18.08.2021 से अब तक* • *फैकल्टी इंचार्ज, फिट इंडिया मूवमेंट एंड एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) – 08.09.2022 से अब तक* • *मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) – 28.02.2023 से अब तक* • *नोडल अधिकारी, समर्थ ई-गवर्नेंस। शिक्षा मंत्रालय (एमओई) की एक पहल – 07.02.2023 से अब तक*
4	डॉ.मोहम्मद एस. आलम अंसारी	• *समन्वयक, कैंपस वाइड नेटवर्किंग – 08.09.2022 से अब तक* • *वार्डन, बॉयज छात्रावास -1 – 22.02.2023 से अब तक*
5	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी	• *संकाय प्रभारी, सामुदायिक विकास और जागरूकता कार्यक्रम - 14.09.2022 से अब तक*

कार्यशाला का आयोजन

- एमएसएमई मंत्रालय द्वारा 18-22 मार्च, 2023 के दौरान "उद्योगों और कृषि में आईओटी और एआई/एमएल के अनुप्रयोग" पर उन्नत ईएसडीपी को 10 लाख रुपये की वित्त पोषण राशि के साथ वित्त पोषित किया गया।
- एआईसीटीई/अटल ने 19-30 दिसंबर, 2022 के दौरान "डीप लर्निंग का उपयोग करते हुए कंप्यूटर विजन और इमेज प्रोसेसिंग: शोध मुद्दे और अनुप्रयोग" पर ऑनलाइन एफडीपी प्रायोजित किया।
- एम एस एम ई, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "कृषि और पशुपालन में स्वचालन और ऊर्जा प्रबंधन" पर 5 दिवसीय उन्नत उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम 16-20 मार्च, 2023 के दौरान ईईई विभाग, एन आई टी सिक्किम, रवंगला द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

मुख्य वक्ता (की नोट स्पीकर) / विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

- जिला गंगा सुरक्षा समिति जिला पर्यावरण समिति के सदस्य श्री बृजनंदन पाठक ने 13.09.2022 को "स्वच्छ जल और स्वच्छता" पर एक विशेषज्ञ भाषण दिया।
- आईआईईएसटी शिबपुर के पूर्व निदेशक प्रोफेसर अजय कुमार रे ने 13.11.2022 को "क्रिटिकल थिंकिंग" पर एक विशेषज्ञ भाषण दिया।

मुख्य वक्ता (की नोट स्पीकर) / विशेषज्ञ व्याख्यान

- प्रोफेसर एम.सी. गोविल ने 29 मई 2023 को आईहब दिव्यसंपर्क, आईआईटी रुड़की के सहयोग से "इंटेलिजेंट सिस्टम और पायथन प्रोग्रामिंग के लिए उभरती प्रौद्योगिकी" पर अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में आई ओ टी पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर एम. सी. गोविल 20 जनवरी 2023 को ट्रिगिन टेक्नोलॉजीज द्वारा आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन मिशन शिक्षा 2.0" में मातृभाषा में विश्वविद्यालय शिक्षा: वैश्विक साक्षरता के लिए गेम चेंजर पर विशेषज्ञ-सह-पैनलिस्ट थे।
- प्रोफेसर एम.सी. गोविल ने ताशकंद में एमिटी विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी और अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित "एआई /एमएल और डेटा एनालिटिक्स में स्मार्ट - भविष्य की प्रौद्योगिकियां पर अंतरराष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर एम.सी. गोविल "उद्योग-शिक्षा सहयोग" पर नई दिल्ली में चौथे एपीएसी: ग्लोबल एजुकेशन एंड स्किल कॉन्क्लेव में विशेषज्ञ-सह-पैनलिस्ट थे।
- डॉ.संग्राम रे ने एनआईटी सिक्किम में 18-22 मार्च, 2023 के दौरान "उद्योगों और कृषि में आईओटी और एआई/एमएल के अनुप्रयोग" पर उन्नत ईएसडीपी में दो विशेषज्ञ व्याख्यान दिए।
- डॉ.प्रत्यय कुइला ने एनआईटी सिक्किम में 18-22 मार्च, 2023 के दौरान "उद्योगों और कृषि में आईओटी और एआई/एमएल के अनुप्रयोग" पर उन्नत ईएसडीपी में दो विशेषज्ञ व्याख्यान दिए।
- डॉ.प्रत्यय कुइला ने एनआईटी वारंगल द्वारा आयोजित 22-31 अगस्त, 2022 के दौरान अनुकूलन तकनीक: सिद्धांत, अभ्यास और उभरते अनुप्रयोग (ओटी 2 पीईए) पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में 25 अगस्त, 2022 को "पार्टिकल स्वार्म ऑप्टिमाइज़ेशन एंड केस स्टडी" पर दो विशेषज्ञ व्याख्यान दिए।

सामुदायिक विकास में भागीदारी

- संकाय सदस्यों द्वारा पास के स्कूलों में व्याख्यान।
- आस-पास के गांवों और स्कूलों के बच्चों के लिए कंप्यूटर से परिचया।
- आस-पास के स्कूली छात्रों द्वारा विभाग/प्रयोगशाला का दौरा।
- आईटीआई केवजिंग के लिए शिक्षण और तकनीकी सहायत

इंटर्नशिप की उपलब्धियां

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के छात्रों को विभिन्न सम्मानित संगठनों में 100% इंटर्नशिप के प्रस्ताव मिले । संगठनों में प्लेटफॉर्म 9 सिस्टम्स, जेडएस एसोसिएट्स, जीआरएबी, सैमसंग रिसर्च आदि शामिल हैं।

प्लेसमेंट उपलब्धियां

सीएसई विभाग के छात्रों को विभिन्न सम्मानित संगठनों में प्लेसमेंट के प्रस्ताव मिले। संगठनों में प्लेटफॉर्म 9 सिस्टम्स, जेडएस एसोसिएट्स, जीआरएबी, सैमसंग रिसर्च आदि शामिल हैं। विभाग के 92% निवर्तमान छात्रों को कैंपस साक्षात्कार के माध्यम से नियुक्ति मिली। सबसे ज्यादा प्लेसमेंट ऑफर 24 प्रतिवर्ष का मिला।

छात्र जिन्हें बी. टेक. की उपाधि प्रदान की गई

क्र. सं.	छात्र का नाम	परियोजना रिपोर्ट का शीर्षक	पर्यवेक्षक
1	आदर्श श्रीवास्तव	टास्क ऑफ़लोडिंग के लिए क्वांटम प्रेरित कण झुंड अनुकूलन	डॉ.प्रत्यय कुइला
2	रुचि कुमारी ठाकुर	मल्टीमोड स्पीच ट्रांसफॉर्मेशन	डॉ.कुमुद त्रिपाठी
3	सिद्दयंत रॉय	मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग विधियों का उपयोग करके क्लाउड कंप्यूटिंग वातावरण में घुसपैठ का पता लगाना	डॉ.आनंद कुमार मिश्रा
4	नीलाव चटर्जी	टास्क ऑफ़लोडिंग के लिए क्वांटम प्रेरित कण झुंड अनुकूलन	डॉ.प्रत्यय कुइला
5	आशीष चटर्जी	मल्टी-क्लास फसल कीट वर्गीकरण के लिए डीप कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क का एक सरल दृष्टिकोण	डॉ.प्रत्यय कुइला
6	अचिरा रायचौधरी	रीयलटाइम सामाजिक दूरी और फेस मास्क डिटेक्शन सिस्टम का सिमुलेशन और विश्लेषण	डॉ.संग्राम रे

क्र. सं.	छात्र का नाम	परियोजना रिपोर्ट का शीर्षक	पर्यवेक्षक
7	श्रीजना भट्टाराई	स्नॉर्ट, ज़ीक, वायरशार्क का उपयोग करके हस्ताक्षर आधारित आईडीएस और यूएनएसडब्ल्यू-एनबी 15 डेटासेट पर एमएल का उपयोग करके घुसपैठ का पता लगाना	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी
8	अनुपा पोखरिया	दुश्मन से बचाव आधारित पथ आवंटन के लिए भू-स्थानिक वितरण और गतिशील युद्ध वातावरण के आधार पर यूएवी स्पैनेबल क्षेत्र का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व	डॉ.प्रत्यय कुइला
9	सुमित कुमार शर्मा	एक्सडीबी नेट: छवि कैप्शनिंग के लिए घने ब्लॉक डिजाइन को अपनाना	डॉ.गोपा भौमिक
10	सुदर्शन तिमशिना	भाषण से जानकारी पुनर्प्राप्ति	डॉ.कुमुद त्रिपाठी
11	बिजय सुब्बा	वेब आधारित अनुप्रयोगों में भेद्यता मूल्यांकन	डॉ. एम. सरफराज आलम अंसारी
12	अमन राज	हेरिस्टिक आधारित लागत जागरूक वर्कफ़्लो शेड्यूलिंग	डॉ.बालाजी बी. नाइक
13	पल्लवी गुप्ता	रियल टाइम सोशल डिस्टेंस और फेस मास्क डिटेक्शन सिस्टम का डिजाइन	डॉ.संग्राम रे
14	दसारी हेमंत कुमार	ऑडियो खोज अभिव्यक्ति	डॉ.कुमुद त्रिपाठी
15	शानू त्यागी	तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग कर वीडियो में चेहरे की अभिव्यक्ति पहचान	डॉ. एम. सरफराज आलम अंसारी
16	रोहित कुमार रजक	एक्सडीबी नेट: छवि कैप्शनिंग के लिए घने ब्लॉक डिजाइन को अपनाना	डॉ.गोपा भौमिक
17	सोनम ग्यालत्सेन लाचेनपा	मोबाइल एज कंप्यूटिंग में अनुकूलन में देरी	डॉ.बालाजी बी. नाइक
18	शुभम छेत्री	मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग विधियों का उपयोग करके क्लाउड कंप्यूटिंग वातावरण में घुसपैठ का पता लगाना	डॉ.आनंद कुमार मिश्रा
19	बोडिगे वेंकट साई गौड़	मल्टी-क्लास फसल कीट वर्गीकरण के लिए डीप कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क का एक सरल दृष्टिकोण	डॉ.प्रत्यय कुइला
20	निजाम कृष्ण चैतन्य	DB4n6 - SQLite फ़ाइल नक्काशी, मानकीकरण और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन	डॉ.आनंद कुमार मिश्रा
21	एडन	BiLSTM का उपयोग कर अमेज़ॅन समीक्षाओं का भावना विश्लेषण	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी
22	विकास प्रसाद	NET4N6: नेटवर्क हमले और रोकथाम तंत्र का विश्लेषण	डॉ.आनंद कुमार मिश्रा
23	शुभम अग्रवाल	डेंसएक्सनेट - कोविड -19 डिटेक्शन के लिए एक डीप अनुरूप तंत्रिका नेटवर्क	डॉ.गोपा भौमिक
24	जतिन कुमार	मल्टीमोड स्पीच ट्रांसफॉर्मेशन	डॉ.कुमुद त्रिपाठी
25	राजन गुप्ता	हाइब्रिड डीप लर्निंग मॉडल का उपयोग करके वायु गुणवत्ता सूचकांक भविष्यवाणी	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी
26	अभिषेक पांडे	ReEdNet – एनइनकोडर – डिकोडर फ्रेमवर्क फॉर सिंगल इमेज डिहेजिंग	डॉ.गोपा भौमिक
27	वर्षा रानी	क्लाउड कंप्यूटिंग वातावरण के लिए स्तरवार प्राथमिकता जागरूक वर्कफ़्लो शेड्यूलिंग एल्गोरिथ्म	डॉ.बालाजी बी. नाइक
28	अमन कुमार साहनी	भाषण से जानकारी पुनर्प्राप्ति	डॉ.कुमुद त्रिपाठी
29	मनीषा रंजन	एनएफसी का उपयोग कर एम-वॉलेट में बायोमेट्रिक आधारित प्रमाणीकरण का डिजाइन	डॉ.संग्राम रे
30	अर्जुन कुमार	ब्लॉकचेन पर 51% हमले का विश्लेषण और रोकथाम	डॉ. एम. सरफराज आलम अंसारी

क्र. सं.	छात्र का नाम	परियोजना रिपोर्ट का शीर्षक	पर्यवेक्षक
31	अंकुश यादव	मशीन लर्निंग का उपयोग करके स्टैक ओवरफ्लो टैग भविष्यवाणी	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी
32	दिव्यांशु गौतम	एज कंप्यूटिंग में यूएवी द्वारा देरी अनुकूलन की समीक्षा	डॉ.प्रत्यय कुइला
33	ककराला रोहित वेंकट कार्तिक	NPL मॉडल पर आधारित क्रॉस-डोमेन मानव भाषा आधारित प्रश्नों के लिए एक SQL क्वेरी जनरेटर	डॉ.बी.बालाजी नाइक
34	टी. जया वेंकट रामा रेड्डी	NPL मॉडल पर आधारित क्रॉस-डोमेन मानव भाषा आधारित प्रश्नों के लिए एक SQL क्वेरी जनरेटर	डॉ.बी.बालाजी नाइक
35	सब्बिसेट्टी अमरनाध	DB4n6 - SQLite फ़ाइल नक्काशी, मानकीकरण और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन	डॉ.आनंद कुमार मिश्रा
36	दिव्यांशु तालन	ऑडियो खोज अभिव्यक्ति	डॉ.कुमुद त्रिपाठी
37	शशि सौरभ सिन्हा	"चेहरे, उंगली और आवाज का उपयोग करके मल्टी-मोडल बायोमेट्रिक सत्यापन"	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी
38	देबोलीना मंडल	एज कंप्यूटिंग में यूएवी द्वारा देरी अनुकूलन की समीक्षा	डॉ.प्रत्यय कुइला
39	अविनाश गौतम	आईएलएएएस-आईओडी: ड्रोन फ्रेमवर्क के इंटरनेट के लिए एक बेहतर लाइटवेट अनाम प्रमाणीकरण योजना (भाग -2)	डॉ.संग्राम रे
40	हिमांशु गौड़	मोबाइल एज कंप्यूटिंग में अनुकूलन में देरी	डॉ.बी.बालाजी नाइक
41	पिंटू शर्मा	एज कंप्यूटिंग में यूएवी द्वारा देरी अनुकूलन की समीक्षा	डॉ.प्रत्यय कुइला
42	अनिरुद्ध वैश	दुश्मन से बचाव आधारित पथ आवंटन के लिए भू-स्थानिक वितरण और गतिशील युद्ध वातावरण के आधार पर यूएवी स्पैनेबल क्षेत्र का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व	डॉ.प्रत्यय कुइला
43	निशांत कुमार	आईएलएएएस-आईओडी: ड्रोन फ्रेमवर्क के इंटरनेट के लिए एक बेहतर लाइटवेट अनाम प्रमाणीकरण योजना (भाग -1)	डॉ.संग्राम रे
44	हरमेश माहौर	डेंसएक्सनेट - कोविड -19 डिटेक्शन के लिए एक डीप अनुरूप तंत्रिका नेटवर्क	डॉ.गोपा भौमिक
45	रजनीश कुमार	NET4N6: नेटवर्क हमले और रोकथाम तंत्र का विश्लेषण	डॉ.आनंद कुमार मिश्रा
46	यनामडाला नागा वेंकट	सुरक्षित ई-वोटिंग प्रणाली का डिजाइन	डॉ.संग्राम रे
47	दिलीप कुमार यादव	वास्तविक दुनिया के डेटा का उपयोग करके क्वांटम वैरिएशनल क्लासिफायर का निर्माण	डॉ.प्रत्यय कुइला
48	मोनिका	LSTM का उपयोग कर असंतुलित डेटासेट के लिए नेटवर्क घुसपैठ का पता लगाने प्रणाली	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी
49	रोहित कुमार	ब्लॉकचेन पर 51% हमले का विश्लेषण और रोकथाम	डॉ. एम. सरफराज आलम अंसारी
50	साक्षी सागर	क्लाउड कंप्यूटिंग वातावरण में ऊर्जा-कुशल लोड-संतुलित सर्वर समेकन	डॉ. एम. सरफराज आलम अंसारी
51	धीरज उपाध्याय	क्लाउड पर डेटा अपलोड करने के लिए अंतरिक्ष अनुकूलित बीडीएनए डेटा एन्क्रिप्शन तकनीक का विकास	डॉ.संग्राम रे
52	कोणार्क केशव	ReEdNet – एनइनकोडर – डिकोडर फ्रेमवर्क फॉर सिंगल इमेज डिहेजिंग	डॉ.गोपा भौमिक
53	जी वी साईचरणदीप	तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग कर वीडियो में चेहरे की अभिव्यक्ति पहचान	डॉ. एम. सरफराज आलम अंसारी

छात्र जिन्हें एम. टेक. की उपाधि प्रदान की गई

क्र.सं.	छात्र का नाम	थीसिस का शीर्षक	पर्यवेक्षक
1	मार्लोम बे	मोबाइल एज कंप्यूटिंग में पार्टिकल स्वार्म ऑप्टिमाइज़ेशन और टास्क कैशिंग का उपयोग करके टास्क ऑफ़लोडिंग ऑप्टिमाइज़ेशन	डॉ.बालाजी बी. नाइक
2	श्रेया रंजन	मोबाइल एज कंप्यूटिंग में विकासवादी एल्गोरिथ्म का उपयोग करके टास्क ऑफ़लोडिंग देरी न्यूनीकरण	डॉ.प्रत्यय कुइला
3	शुआराया रंजन	आईओटी और ब्लॉकचेन फ्यूजन के लिए एक नया स्मार्ट अनुबंध आधारित संचार प्रोटोकॉल	डॉ.संग्राम रे
4	राजेश	वाहन के इंटरनेट में एज कंप्यूटिंग डिवाइस का उपयोग करके कार्य ऑफ़लोडिंग	डॉ.बालाजी बी. नाइक
5	अमन धर्मेंद्रसिंह सिकरवार	उत्तल पतवार विधि का उपयोग कर रडार क्षेत्र के माध्यम से यूएवी के लिए पथ योजना	डॉ.प्रत्यय कुइला
6	सौजन्य रे	उपन्यास लौकिक प्रतिक्रिया प्रणाली का उपयोग कर वीडियो का संश्लेषण	डॉ.प्रत्यय कुइला
7	पुबली हलदर	पेयरिंग-फ्री आईबीसी और मैक-ओटीपी का उपयोग करके सामग्री केंद्रित नेटवर्क सुरक्षित करना	डॉ.संग्राम रे
8	सौम्यजीत बिस्वास	मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग का उपयोग करके कृत्रिम समाचार का पता लगाना	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी
9	अबीसेक दहल	आपदा प्रभावित क्षेत्रों में यूएवीएस की प्रक्षेपवक्र योजना और डेटा एकत्र करना	डॉ.प्रत्यय कुइला
10	सांचा बीर गुरुंग	फेक न्यूज डिटेक्शन के लिए मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग तकनीक	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी

पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई / प्रस्तुत

क्र.सं.	शोधार्थी का नाम	थीसिस का शीर्षक	पर्यवेक्षक	प्रदान/प्रस्तुत
1	उद्दालक चटर्जी	एलिप्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी का उपयोग करके इंटरनेट ऑफ थिंग्स फ्रेमवर्क और इसके अनुप्रयोगों के लिए लाइटवेट प्रमाणीकरण और कुंजी प्रबंधन योजना का विकास	डॉ.संग्राम रे	प्रस्तुत
2	विवेक कुमार	पहचान आधारित क्रिप्टोग्राफी (आईबीसी) और व्यवहार बायोमेट्रिक का उपयोग करके कुशल और सुरक्षित प्रमाणीकरण योजनाओं का डिजाइन	डॉ.संग्राम रे	प्रस्तुत
3	सुमन मजूमदार	इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स और ब्लॉकचेन आधारित ई-वोटिंग सिस्टम के लिए प्रोवेबल सिक्योर कम्युनिकेशन प्रोटोकॉल का डिजाइन	डॉ.संग्राम रे	प्रदान
4	दीपांविता साधुखान	एलिप्टिक कर्व क्रिप्टोग्राफी (ईसीसी) का उपयोग करके इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और इसके अनुप्रयोगों के लिए कुशल और सुरक्षित दूरस्थ उपयोगकर्ता प्रमाणीकरण योजनाओं का विकास	डॉ.संग्राम रे	प्रदान
5	पिंटू कुमार राम	माइक्रोएरे हेल्थकेयर डेटा के प्रसंस्करण और विश्लेषण के लिए विकासवादी एल्गोरिदम और मशीन लर्निंग तकनीक	डॉ.प्रत्यय कुइला	प्रदान

वर्तमान शोधार्थी

क्र.सं.	शोधार्थी का नाम	शोध क्षेत्र	पर्यवेक्षक (गण)
1	धनंजय कुमार	सामग्री केंद्रित नेटवर्क	डॉ.संग्राम रे
2	दीपक कुमार खंडेलवाल	कंप्यूटर विज्ञान और उत्पादकता	प्रोफेसर एम.सी. गोविल
3	शांतनु घोष	यूएवी-असिस्टेड एज कंप्यूटिंग का उपयोग करके टास्क ऑफ़लोडिंग	डॉ.प्रत्यय कुइला
4	बिस्वदीप बंद्योपाध्याय	एज-फॉग कंप्यूटिंग में कम्प्यूटेशन ऑफ़लोडिंग	प्रोफेसर एम.सी. गोविल डॉ.प्रत्यय कुइला

क्र.सं.	शोधार्थी का नाम	शोध क्षेत्र	पर्यवेक्षक (गण)
5	कुंदन कांति साहा	सामग्री केंद्रित नेटवर्क	डॉ.संग्राम रे
6	प्रियंका दास	दूरस्थ सर्वर प्रमाणीकरण और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी	डॉ.संग्राम रे प्रोफेसर एम. सी. गोविल
7	नरिता सरकार	वायु गुणवत्ता सूचकांक	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी प्रोफेसर एम. सी. गोविल
8	मानवेंद्र सिंह	चिकित्सा चीजों के इंटरनेट के लिए कुशल स्वास्थ्य देखभाल निगरानी (आई ओ एम टी)	प्रोफेसर एम. सी. गोविल डॉ.एस.ए. अंसारी
9	मधुस्मिता सामल	ईसीसी और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सुरक्षित प्रमाणीकरण योजनाओं का डिजाइन	डॉ.संग्राम रे
10	सुमन दास	प्रतिकूल हमलों के खिलाफ पहचान और रक्षा	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी प्रोफेसर एम. सी. गोविल
11	मार्लोम बे	एज कंप्यूटिंग वातावरण में क्वांटम-प्रेरित विकासवादी एल्गोरिदम	डॉ.प्रत्यय कुइला डॉ.बालाजी बी. नाइक
12	सुमन बनर्जी	ब्लॉकचेन असिस्टेड मोबाइल एज कंप्यूटिंग	डॉ.प्रत्यय कुइला डॉ.बालाजी बी. नाइक
13	चंदन कुमार	सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्क सुरक्षा को बढ़ाना	डॉ.सरफराज आलम अंसारी
14	आरती बहुगनान	डीप-लर्निंग का उपयोग करके हाथ के इशारे की पहचान	प्रोफेसर एम. सी. गोविल डॉ.गोपा भौमिक
15	राजमा अली	इंटरनेट ऑफ थिंग्स में सामग्री केंद्रित नेटवर्क के एकीकरण के लिए कुशल और सुरक्षित संचार प्रोटोकॉल का डिजाइन	डॉ.संग्राम रे
16	अतनु सरकार	सामग्री केंद्रित नेटवर्क (सीसीएन) की प्रतियोगिता में आईओटी के लिए कुशल और सुरक्षित संचार प्रोटोकॉल का डिजाइन	डॉ.संग्राम रे
17	गजेंद्र सिंह शेखावत	सॉफ्टवेयर डीफइन्ट नेटवर्किंग	प्रोफेसर एम. सी. गोविल डॉ. अजय नेहरा डॉ. प्रत्यय कुईला

व्यावसायिक निकायों में सदस्यता

क्र. सं.	संकाय सदस्य का नाम	व्यावसायिक निकायों में सदस्यता
1	प्रोफेसर एम. सी. गोविल	• वरिष्ठ सदस्य, विद्युत एवं इलेक्ट्रोनिक्स अभियांत्रिकी संस्था (आईईईई) • सदस्य, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियर्स संस्था (आईईटीई) • आजीवन सदस्य, इंडियन सोसाइटी फॉर टेक्निकल एजुकेशन, इंडिया (आईएसटीई)
2	डॉ.संग्राम रे	• आईईईई के वरिष्ठ सदस्य • आईईईई कंप्यूटर सोसायटी के वरिष्ठ सदस्य • आईईईई संचार सोसायटी के वरिष्ठ सदस्य • सीएसआई के आजीवन सदस्य • आईएसटीई के आजीवन सदस्य • आईएससीए के आजीवन सदस्य • आईईआई के आजीवन सदस्य • सीआरएसआई के आजीवन सदस्य • आईएईएनजी के आजीवन सदस्य • एसीएम के सदस्य

अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	पत्रिकाओं का नाम
1	डॉ.संग्राम रे	• समानांतर और वितरित प्रणालियों पर आईईईई संव्यवहार • बायोमेडिसिन में सूचना प्रौद्योगिकी पर आईईईई संव्यवहार • कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस में उभरते विषयों पर आईईईई संव्यवहार • संज्ञानात्मक और विकास त्मक प्रणालियों पर आईईईई संव्यवहार • नेटवर्क और सेवा प्रबंधन पर आईईईई संव्यवहार • आईईईई सिस्टम जर्नल • आईईईई इंटरनेट ऑफ थिंग्स जर्नल • आईईईई पहुँच • आईईटीई जर्नल ऑफ रिसर्च
2		• वायरलेस व्यक्तिगत संचार, स्प्रिंगर • उभरती दूरसंचार प्रौद्योगिकियों पर संव्यवहार, विली • आईईटीई जर्नल ऑफ रिसर्च, टेलर एंड फ्रांसिस • इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन साइंस, एमराल्ड • इंडियन जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी • सुरक्षा और संचार नेटवर्क, हिंदवी • इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, इंडरसाइंस • इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कंप्यूटर सिक्योरिटी, इंदरसाइंस • जर्नल ऑफ एंबिएंट इंटेलिजेंस एंड ह्यूमनाइज्ड कंप्यूटिंग, स्प्रिंगर • सूचना सुरक्षा और अनुप्रयोगों के जर्नल, एल्सेवियर • फ्यूचर जनरेशन कंप्यूटर सिस्टम, एल्सेवियर • आईसीटी, स्प्रिंगर पर सीएसआई संव्यवहार • क्लिनिकल एपिडेमियोलॉजी एंड ग्लोबल हेल्थ, एल्सेवियर • जर्नल ऑफ मेडिकल सिस्टम, स्प्रिंगर • सुपरकंप्यूटिंग के जर्नल, स्प्रिंगर • एसएन संगणक विज्ञान, स्प्रिंगर • जर्नल ऑफ नेटवर्क एंड सिस्टम मैनेजमेंट, स्प्रिंगर • कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एल्सेवियर • ऐन शम्स अभियांत्रिकी जर्नल, एल्सेवियर • आईजीआई ग्लोबल (IGI Global) • विद्युत अभियांत्रिकी और कंप्यूटर विज्ञान के इंडोनेशियाई जर्नल • अभियांत्रिकी और तकनीकी विज्ञान के जर्नल • हेल्थकेयर अभियांत्रिकी के जर्नल • जर्नल ऑफ नेटवर्क एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन, एल्सेवियर • पीएलओएस वन जर्नल • टेल्कोमनिका (TELKOMNICA) • पीयर जे संगणक विज्ञान • जर्नल ऑफ मेडिकल इमेजिंग एंड हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स • कंप्यूटर विज्ञान में सीमाएँ • बिग डेटा में सीमाएँ

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	पत्रिकाओं का नाम
3	डॉ.प्रत्यय कुइला	● नेटवर्किंग पर IEEE / ACM संव्यवहार ● सेंसर नेटवर्क पर एसीएम ट्रांस ● IEEE संचार लैटर ● IEEE एक्सेस ● एडहॉक नेटवर्क्स (एल्सेवियर) ● कंप्यूटर नेटवर्क (एल्सेवियर) ● स्वार्म एंड इवोल्यूशनरी कम्प्यूटेशन (एल्सेवियर) ● एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग (एल्सेवियर) ● सुपरकंप्यूटिंग के जर्नल (स्प्रिंगर), आदि
4	डॉ.मोहम्मद एस. आलम अंसारी	● इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंप्यूटर एंड एप्लीकेशन (आईजेसीए), टेलर एंड फ्रांसिस। ● पीयर-टू-पीयर नेटवर्किंग और अनुप्रयोगों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, स्प्रिंगर।
5	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी	● प्रक्रिया सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण, (प्रोसेज सेफ्टी एवं इनवायरमेंटल प्रोटेक्शन) एल्सेवियर ● आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अभियांत्रिकी अनुप्रयोग, एल्सेवियर ● (कंकरेसी एंड कम्प्यूटेशन) संयोजन और गणना: अभ्यास और अनुभव, विली

गूगल स्कॉलर साइटेशन्स

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	साइटेशन्स
1	प्रोफेसर एम. सी. गोविल	कुल साइटेशन्स - 1374 एच-इंडेक्स - 18 **आई10-इंडेक्स - 35**
2	डॉ.संग्राम रे	कुल साइटेशन्स - 774 **एच-इंडेक्स - 17** आई10-इंडेक्स - 23
3	डॉ.प्रत्यय कुइला	कुल साइटेशन्स - 2678 एच-इंडेक्स - 21 आई10-इंडेक्स - 37
4	डॉ.मोहम्मद एस. आलम अंसारी	कुल साइटेशन्स - 45 **एच-इंडेक्स - 5** i10-इंडेक्स – 1
5	डॉ.पंकज कुमार केसरवानी	कुल साइटेशन्स - 191 एच-इंडेक्स - 9 i10-इंडेक्स – 6

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

उच्चतम शिक्षा वह है जो हमें केवल जानकारी नहीं देती बल्कि हमारे जीवन के समस्त अस्तित्व के साथ सामंजस्य बिठाती है।

~ रवीन्द्रनाथ टैगोर

परिचय

विभाग का लक्ष्य अपने छात्रों को वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी के क्षेत्र में समकालीन और भविष्य की प्रौद्योगिकियों का आवश्यक तकनीकी ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। विभाग इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी में बी.टेक. कार्यक्रम, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी में एम.टेक. कार्यक्रम और पी.एच.डी. उपाधि प्रदान करता है। सभी प्रस्तावित कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम में सिद्धांत और व्यावहारिक शिक्षा को उचित महत्व दिया गया है। पाठ्यक्रम में सभी हितधारकों यानी समर्थ शिक्षाविदों, छात्रों, उनके माता-पिता, औद्योगिक भागीदारों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में शामिल एजेंसियों के दृष्टिकोण पर विचार किया जाता है।

विभाग का शोध फोकस वी.एल.एस.आई. डिजाइन, एप्लीकेशन स्पेसिफिक इंटीग्रेटेड सर्किट (ए.एस.आई.सी.) डिजाइन और मॉडलिंग, उच्च प्रदर्शन वाले सेमीकंडक्टर उपकरणों का अनुकूलन, माइक्रोवेव अभियांत्रिकी और एंटीना डिजाइन, वायरलेस संचार, सैटेलाइट सिस्टम और नेविगेशन, सिग्नल प्रोसेसिंग और सौर सेल के क्षेत्रों में है।

विभाग के पास नवीनतम प्रौद्योगिकियों के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए बुनियादी प्रयोगशाला सुविधाएं हैं। विभाग में युवा, उत्साही और गतिशील संकाय सदस्यों का एक विविध समूह शामिल है। विभाग में विद्यार्थियों से आवश्यक फीडबैक प्राप्त कर शिक्षण एवं विद्वत्ता का सतत मूल्यांकन किया जाता है। छात्रों के शैक्षणिक, शोध और कैरियर पहलुओं में मदद करने के लिए उनके समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसके अलावा, छात्रों को नेतृत्व कौशल, प्रतिस्पर्धी कौशल और उद्यमशीलता कौशल हासिल करने में मदद करने के लिए प्रमुख शिक्षाविदों और उद्योग पेशेवरों के साथ इंटर्नशिप, औद्योगिक परियोजनाएं और पारस्परिक विचार-विमर्श की भी व्यवस्था की जाती है। छात्रों को प्लेसमेंट ड्राइव, कार्यशालाओं, तकनीकी महोत्सव, सांस्कृतिक महोत्सव और खेल आयोजनों के आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए, विभिन्न विभागीय और संस्थान स्तर की समितियों में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। अणुव्रत, विभागीय तकनीकी क्लब नियमित आधार पर कई तकनीकी कार्यक्रम जैसे पूर्व छात्र वार्ता श्रृंखला अर्थात् विमृष्योत्सव, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व्याख्यान, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि आयोजित करता है।

आकांक्षा

नए विचारों और प्रतिभाओं को प्रस्तुत करके देश और दुनिया के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजने में योगदान देना।

उद्देश्य

- अत्याधुनिक शोध में संबद्ध होकर नया ज्ञान उत्पन्न करना और अत्याधुनिक स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉ.क्टरेट कार्यक्रमों की पेशकश करके शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देना।
- अंतर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप, औद्योगिक परियोजना के अवसरों और भविष्य की प्रौद्योगिकियों पर शोध की सुविधा प्रदान करके छात्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता का पोषित करना।

दृष्टिकोण

- सि द्धांत और व्यवहार में संतुलन के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी के क्षेत्र में शिक्षण और शोध में उत्कृष्टता प्राप्त करना और इस तरह हमारे समाज में योगदान देना और सभी भारतीयों के लिए गर्व का स्रोत बनना।

मुख्य विशेषताएं

आलोचनात्मक सोच, नवाचार, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता, नई तकनीक का परिचय, उद्योग के रुझान आदि जैसी विशेषताओं को प्रदान करने और अनुकूलित करने के लिए विभिन्न उपाय किए जाते हैं। उनमें से कुछ हैं:

- शोध, परियोजनाओं और पेटेंट संबंधी कार्यों को पूरा करने के लिए तकनीकी सहायता।
- प्लेसमेंट एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु मार्गदर्शन।
- सेमिनारों, कार्यशालाओं और ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षणों के माध्यम से नवीनतम प्रौद्योगिकियों और शोध क्षेत्रों का प्रदर्शन।
- सेमिनारों, कार्यशालाओं और ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षणों के माध्यम से नवीनतम प्रौद्योगिकियों और शोध क्षेत्रों का प्रदर्शन।

शिक्षक गण विवरण:

डॉ.संजय कुमार जाना, सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष
पी.एच.डी. (आई.आई.टी. खड़गपुर), एम.टेक. (जादवपुर विश्वविद्यालय), एम. एस.सी. (विद्यासागर विश्वविद्यालय)
रुचि का क्षेत्र: वी.एल.एस.आई. आई.सी. के लिए नैनो स्केल उपकरणों का डिजाइन, एनालॉग एम.ओ.एस. आई.सी. डिजाइन

डॉ. सुरजीत कुंडू, सहायक प्रोफेसर
पी.एच.डी. (एन.आई.टी. सिक्किम), एम.टेक. (आई.आई.टी. खड़गपुर), बी.टेक. (डब्ल्यू.बी.यू.टी.)
रुचि का क्षेत्र: डिजिटल संचार, वायरलेस संचार, आर.एफ., माइक्रोवेव और एंटीना अभियांत्रिकी, मेटासर्फेस, आवधिक प्रतिबिंबित सतह (एफ.एस.एस., ए.एम.सी.), ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट संचार, ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार

डॉ.हेमन्त कुमार कथानिया, सहायक प्रोफेसर
पीएच.डी. (एन.आई.टी. सिक्किम), एम.टेक. (आई.आई.टी. गुवाहाटी), बी.टेक. (राजस्थान विश्वविद्यालय)
रुचि का क्षेत्र: सिग्नल और स्पीच प्रोसेसिंग

डॉ.रेशमी धारा, सहायक प्रोफेसर
पी.एच.डी. (एन.आई.टी. सिक्किम), एम.टेक. (आई.आई.टी. खड़गपुर), बी.टेक. (डब्ल्यू.बी.यू.टी.)
रुचि का क्षेत्र: ध्रुवीकृत माइक्रोस्ट्रिप एंटीना

अस्थायी संकाय सदस्य

डॉ. सुकांता धर, सहायक प्रोफेसर
पी.एच.डी. (आई.आई.ई.एस.टी. शिबपुर), एम.टेक. (जादवपुर विश्वविद्यालय), बी.टेक. (डब्ल्यू.बी.यू.टी.)
रुचि का क्षेत्र: सौर फोटोवोल्टिक, लाइट ट्रैपिंग, नैनो-सामग्री का अध्ययन

डॉ. अविनाश कुमार, सहायक प्रोफेसर
पी.एच.डी. (एन.आई.टी. पटना), एम.टेक. (जादवपुर विश्वविद्यालय), बी.टेक.
रुचि का क्षेत्र: सिग्नल प्रोसेसिंग (स्पीच प्रोसेसिंग, इमेज प्रोसेसिंग)

डॉ.जीतेन्द्र सिंह, सहायक प्रोफेसर
पी.एच.डी. (एन.आई.टी.. जालंधर), एम.टेक (दिल्ली विश्वविद्यालय), बी.टेक.
रुचि का क्षेत्र: वी.एल.एस.आई. डिजाइन, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर डिवाइस, मेमरिस्टर

डॉ.सुदीप्ता दास, सहायक प्रोफेसर
पी.एच.डी. (एन.आई.टी. दुर्गापुर), एम.टेक. (एन.आई.टी. दुर्गापुर), बी.टेक. (डब्ल्यू.बी.यू.टी.)
रुचि का क्षेत्र: एंटेना और एंटीना सारणी, विकासवादी एल्गोरिदम, बहुउद्देश्यीय अनुकूलन

सहयोगी कर्मचारी - वर्ग

श्री अमित तामंग, तकनीकी सहायक
श्री सिद्धार्थ प्रधान, तकनीशियन

विभागीय समितियाँ:

क्र.सं.	समिति का नाम	संकाय सदस्यों के नाम
1	शैक्षणिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति (ए.पी.ई.सी.)	(i) डॉ.संजय कुमार जाना, विभागाध्यक्ष एवं संयोजक (ii) डॉ.हेमन्त कुमार कथानिया, संयोजक, डी.पी.जी.सी. एवं मनोनीत विभागाध्यक्ष (iii) डॉ.रेशमी धारा, संयोजक डी.यू.जी.सी., सदस्य (iv) संबंधित छात्र (छात्रों) के संकाय सलाहकार सदस्य (v) डॉ.अरबिंदा पांडा, ई.ई.ई. विभाग

क्र.सं.	समिति का नाम	संकाय सदस्यों के नाम
2	विभागीय स्नातक समिति (डी.यू.जी.सी.)	(i) डॉ.संजय कुमार जाना, एच.ओ.डी., ई.सी.ई. (ii) डॉ.रेशमी धारा, संयोजक डी.यू.जी.सी. (iii) डॉ.हेमन्त कुमार कथानिया, सदस्य (iv) डॉ.सुदीप्ता दास, सदस्य (v) डॉ.सुकांता धर, सदस्य (vi) डॉ.जीतेंद्र सिंह, सदस्य
3	विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डी.पी.जी.सी.)	(i) डॉ.संजय कुमार जाना, एच.ओ.डी., ई.सी.ई. (ii) डॉ.हेमन्त कुमार कथानिया, संयोजक डी.पी.जी.सी. (iii) डॉ.रेशमी धारा, संयोजक डी.यू.जी.सी. (iv) डॉ.सुकांता धर, सदस्य (v) डॉ.सुदीप्ता दास, सदस्य (vi) डॉ.जीतेंद्र सिंह, सदस्य (vii) डॉ.मोले रॉय, ई.ई.ई. विभाग

तकनीकी एसोसिएशन / सोसायटी की सदस्यता

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग के संकाय सदस्य आ.ई.ई.ई.ई., यू.आर.एस.आई., आई.ई.ई.ई. एंटेना और प्रोपेगेशन सोसाइटी (ए.पी.-एस.), आई.एस.पी.आर.एस., इंटरनेट सोसाइटी, कोलकाता चैप्टर, आई.ए.ई.एन.जी., एस.डी.आई.डब्ल्यू.सी., एफ.ओ.एस.ई.टी., आई.ई.ई.ई. सिग्नल प्रोसेसिंग सोसाइटी, इंटरनेशनल स्पीच कम्युनिकेशन एसोसिएशन (आई.एस.सी.ए.), इंटरनेशनल स्पीच कम्युनिकेशन एसोसिएशन (आई. एस.सी.ए.), इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) आदि जैसे विभिन्न तकनीकी संघों/सोसाइटियों से जुड़े हुए हैं।

प्रयोगशाला सुविधाएं

विभाग में बुनियादी प्रयोगशाला सुविधाएं हैं और उनमें से प्रत्येक कुछ आधुनिक तकनीकी उपकरणों से सुसज्जित है जो यू.जी. और पी.जी. छात्रों के लिए उपयोगी हैं।

एनालॉग सर्किट प्रयोगशाला:

एनालॉग सर्किट डिज़ाइन प्रयोगशाला पाठ्यक्रम छात्रों को सिस्टम डिज़ाइन परिप्रेक्ष्य से एनालॉग की दुनिया से परिचित कराता है और छात्रों को सिस्टम डिज़ाइनर के रूप में चुनौतियों को समझने और उनका समाधान करने में सक्षम बनाता है। पाठ्यक्रम का लक्ष्य छात्र में अत्याधुनिक डिजाइन और प्रयोगों का संचालन करने, डेटा का विश्लेषण और व्याख्या करने, वांछित विशिष्टताओं को पूरा करने वाली प्रणाली को डिजाइन करने की क्षमता, अभियांत्रिकी समस्याओं को पहचानने, तैयार करने और हल करना, अभियांत्रिकी अभ्यासों के लिए आवश्यक तकनीकों, कौशल और आधुनिक अभियांत्रिकी उपकरणों का उपयोग करने की क्षमता विकसित करना है।

प्रत्येक प्रयोगशाला प्रयोग में एक डिज़ाइन भाग, सिमुलेशन और प्रयोगशाला में एक वास्तविक प्रयोगात्मक सत्यापन (ब्रेड-बोर्डिंग/सोल्डरिंग) होता है। जिसका मूल उद्देश्य एनालॉग और मिश्रित-सिग्नल सर्किट के डिजाइन और कार्यान्वयन में व्यावहारिक अनुभव देना है।

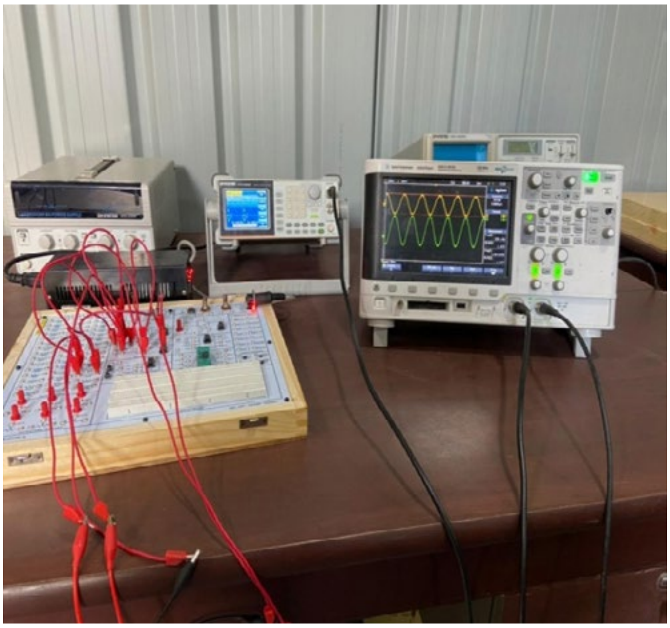

डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला:

डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला से संबंधित प्रयोग, बुनियादी गेटों का उपयोग करके कॉम्बिनेशन लॉजिक डिजाइन (कोड कन्वर्टर्स, कम्पेरेटर्स), डिकोडर और एम.यू.एक्स. का उपयोग करके कॉम्बिनेशन लॉजिक डिजाइन, अंकगणित सर्किट - आधे और पूर्ण योजक और घटाव, बुनियादी गेटों का उपयोग करके फ्लिप फ्लॉप सर्किट (आर.एस. लैच, जे.के. और मास्टर स्लेव), काउंटरों, स्थानांतरण विशेषताओं, सिंकिंग का माप और टीटीएल गेटों की सोर्सिंग धाराओं आदि में हैं। डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला डिजिटल लॉजिक ट्रेनर किटों से सुसज्जित है जहां विभिन्न प्रयोग किए जा सकते हैं। इस प्रयोगशाला में किए जा रहे प्रयोगों के माध्यम से, छात्र सरल लॉजिक सर्किट डिजाइन करने और लॉजिक सर्किट की कार्यक्षमता का परीक्षण/सत्यापन करने में सक्षम होंगे। छात्रों को डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स में उपयोग की जाने वाली मूलभूत अवधारणाओं और तकनीकों की गहन समझ प्राप्त होगी जो उन्हें विभिन्न संयोजन और अनुक्रमिक सर्किट का विश्लेषण और डिजाइन करने में मदद करेगी।

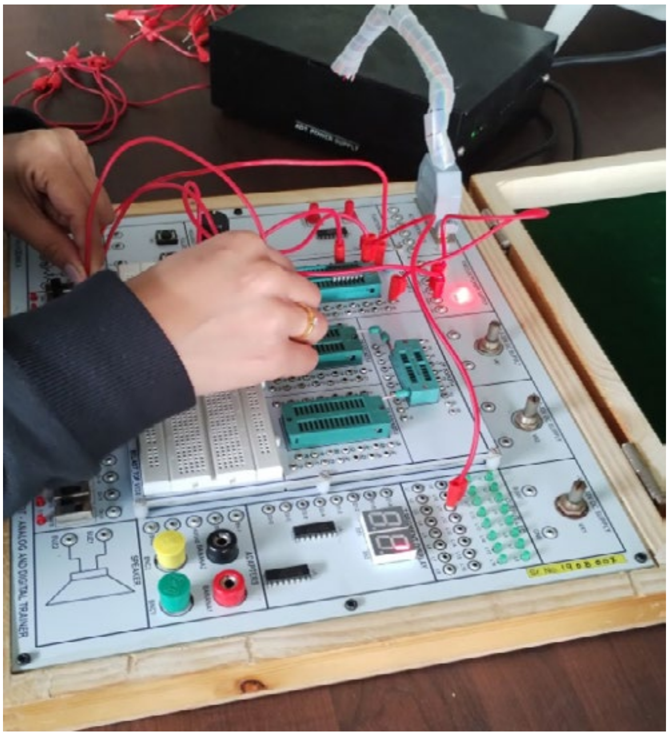

माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर प्रयोगशाला:

संबंधित प्रयोगशाला विभिन्न माइक्रोप्रोसेसर/माइक्रोकंट्रोलर प्रशिक्षण प्रणालियों से सुसज्जित है जिनका उपयोग स्टेटस चेक और इंटरप्ट का उपयोग करके असेंबली भाषा और टाइमर प्रोग्रामिंग, 8051 पर एलसीडी इंटरफेसिंग, माइक्रोकंट्रोलर का उपयोग करके मोटर स्पीड नियंत्रण, वर्तमान माइक्रोकंट्रोलर का अध्ययन जैसे ए.टी. मेगा, अरुडिनो आदि प्रासंगिक प्रयोगों को करने के लिए किया जा सकता है। यह प्रयोगशाला छात्रों को निर्देश सेट का उपयोग करके असेंबली लेवल प्रोग्रामिंग विकसित करने, विभिन्न I/O उपकरणों को प्रोसेसर के साथ कैसे इंटरफेस किया जा सकता है का विश्लेषण करने में सक्षम बनाती है और होम ऑटोमेशन सिस्टम, डिजिटल क्लॉक आदि जैसे व्यावहारिक अनुप्रयोगों के लिए इंटरफेसिंग, डिजाइन परियोजनाओं की कई तकनीकों का पता लगाएगा।

संचार अभियांत्रिकी प्रयोगशाला:

इस प्रयोगशाला में एनालॉग संचार और डिजिटल संचार तकनीकों से संबंधित प्रयोग किए जाते हैं। प्रारंभिक समझ और विज़ुअलाइज़ेशन के लिए प्रयोग मुख्य रूप से MATLAB टूल का उपयोग करके सिमुलेशन में किए जाते हैं। इसके बाद अलग-अलग घटकों, आईसी, ब्रेडबोर्ड और सिग्नल जनरेटर, डीसी बिजली की आपूर्ति, ऑसिलोस्कोप, स्पेक्ट्रम विश्लेषक इत्यादि जैसे हार्डवेयर उपकरणों का उपयोग करके व्यावहारिक प्रयोग किए जाते हैं। छात्रों के लिए मुख्य रूप से कुछ तुलनात्मक रूप से जटिल प्रयोग करने और विभिन्न चैनल स्थितियों में विभिन्न इनपुट के लिए आउटपुट तरंगों का अध्ययन करने के लिए ट्रेनर किट भी उपलब्ध हैं।

एनालॉग संचार प्रयोगशाला में किए गए कुछ प्रयोगों द्वारा विभिन्न सतत तरंग मॉड्यूलेशन तकनीकों का निर्माण और पता लगाना हैं: आयाम मॉड्यूलेशन (उदाहरण के लिए, डी.एस.बी.-एफ.सी., डी.एस.बी.-एस.सी., एस.एस.बी.), आवृत्ति मॉड्यूलेशन (एफ.एम.) और चरण मॉड्यूलेशन (पी.एम.); पल्स मॉड्यूलेशन तकनीक: पल्स आयाम मॉड्यूलेशन (पी.ए.एम.), पल्स चौड़ाई मॉड्यूलेशन (पी.डब्लू.एम.) और पल्स पोजिशनिंग मॉड्यूलेशन (पी.पी.एम.); फ्रीक्वेंसी डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग और डीमल्टीप्लेक्सिंग योजनाएँ आदि। इस प्रयोगशाला में डिजिटल संचार प्रणालियों का अध्ययन करने के लिए प्रयोग किए जाते हैं जैसे कि विभिन्न पल्स कोड मॉड्यूलेशन तकनीकों (जैसे, पी.सी.एम., डी.पी.सी.एम. और डी.एम.) का निर्माण और पता लगाना। इसके अलावा, ट्रांसमिशन लाइन पर डिजिटल डेटा प्रसारित करने के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न लाइन कोडिंग विधियों का प्रयोगात्मक रूप से अध्ययन किया जाता है जैसे कि एकध्रुवीय, ध्रुवीय और द्विध्रुवी कोडिंग। इसके अलावा, एक शोर चैनल पर अंतर-प्रतीक हस्तक्षेप (आई.एस.आई.) का अध्ययन करने के लिए, EYE पैटर्न उत्पन्न होता है और ऑसिलोस्कोप में उसका विश्लेषण किया जाता है। दूसरी ओर, एक चैनल पर डेटा संचारित करने के लिए, विभिन्न डिजिटल मॉड्यूलेशन योजनाओं, यानी, आयाम शिफ्ट कुंजीयन (ए.एस.के.), आवृत्ति-शिफ्ट कुंजीयन (एफ.एस.के.), चरण-शिफ्ट कुंजीयन (पी.एस.के.) का प्रयोगात्मक अध्ययन किया जाता है। मल्टीप्लेक्सिंग और मल्टीपल एक्सेस तकनीक जैसे टी.डी.एम. और सी.डी.एम.ए. का भी प्रदर्शन किया जाता है। इस प्रयोगशाला में पारंपरिक और उन्नत वायरलेस संचार प्रणालियों से परिचित कराया जाता है। कुछ उन्नत वायरलेस संचार अभियांत्रिकी उपकरण जैसे 2×2 एम.आई.एम.ओ. (एन.आई. यू.एस.आर.पी.), सैटेलाइट अपलिंक और डाउनलिंक डेटा ट्रांसमिशन, एड-हॉक वायरलेस कम्युनिकेशन (ब्लूटूथ, वाई-फाई और ज़िग्बी) किट, ग्लोबल पोजिशन सिस्टम (जी.पी.एस.) किट, ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशन (जी.एस.एम.) किट भी इस प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं। प्रोग्रामिंग का प्रयोग करके विभिन्न प्रकार के डिजिटल मॉड्यूलेशन तकनीकों (जैसे, ए.एस.के., एफ.एस.के., बी.पी.एस.के., क्यू.पी.एस.के.) के साथ विभिन्न प्रकार के चैनलों (जैसे, ए.डब्ल्यू.जी.एन. और फ़ेडिंग चैनल) के लिए मुक्त स्थान हानि, प्राप्त शक्ति और बीई.आर.-एस.एन.आर. ग्राफ़ निर्धारित करने के लिए मॉडल का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा इस प्रयोगशाला में प्रोग्रामिंग का उपयोग करके कुछ उन्नत वायरलेस तकनीकों, स्प्रेड स्पेक्ट्रम मॉड्यूलेशन और डिमोड्यूलेशन तकनीकों (डी.एस.एस.एस. और एफ.एच.एस.एस.), और ऑर्थोगोनल फ्रीक्वेंसी डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग (ओ.एफ.डी.एम.) मॉड्यूलेशन और डी-मॉड्यूलेशन का भी अध्ययन और प्रदर्शन किया जाता है। ये छात्रों को विभिन्न अनुप्रयोगों में उपयोग की जाने वाली आधुनिक वायरलेस संचार प्रौद्योगिकियों और मानकों से निपटने में मदद करते हैं। प्रयोगात्मक सीखने के इतने विविध अवसरों के साथ, छात्र आधुनिक संचार प्रणालियों के विभिन्न घटकों के डिजाइन और विश्लेषण का ज्ञान विकसित कर सकते हैं।

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स और एंटीना प्रयोगशाला:

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक्स और एंटीना प्रयोगशाला छात्रों को इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंग प्रसार के मूलभूत सिद्धांतों और अनुप्रयोगों से परिचित कराती है जो वायरलेस संचार के क्षेत्र में आवश्यक हैं। संबंधित प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों में विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र सिद्धांत और एंटेना से प्राप्त ज्ञान को व्यावहारिक क्षेत्र में लागू करने की क्षमता विकसित करना है। यह प्रयोगशाला विद्युत चुम्बकीय घटना जैसे विभिन्न निर्देशित माध्यमों में क्षेत्रों के प्रसार और विभिन्न एंटेना से क्षेत्रों के विकिरण के लक्षण वर्णन के बारे में छात्रों के व्यावहारिक कौशल को विकसित करती है। ट्रांसमिशन लाइन सिस्टम के साथ-साथ समाक्षीय केबल के उपयोग से, छात्र खड़ी तरंगों और सिग्नल प्रसार पर इसके प्रभाव का अध्ययन और वर्णन कर सकते हैं। इस प्रयोगशाला में छात्र विभिन्न समतलीय और गैर-तलीय एंटेना के विकिरण पैटर्न का निरीक्षण कर सकते हैं, जिसके बाद एंटीना मापदंडों का मूल्यांकन किया जा सकता है, जिससे उन्हें अनुप्रयोगों के क्षेत्र के संबंध में विभिन्न प्रकार के एंटेना के बीच अंतर करने की क्षमता प्राप्त होती है।

माइक्रोवेव अभियांत्रिकी प्रयोगशाला:

माइक्रोवेव अभियांत्रिकी प्रयोगशाला 3 गीगाहर्ट्ज़ तक की माइक्रोवेव आवृत्तियों में डायरेक्शनल कपलर, ब्रांच लाइन कपलर, रैट रेस कपलर, एटेन्यूएटर, रिंग रेज़ोनेटर, पावर डिवाइडर आदि सहित विभिन्न माइक्रोवेव निष्क्रिय घटकों की विशेषताओं का अध्ययन करने जैसे प्रयोग करने के लिए उपयुक्त है। इसके अलावा, वेवगाइड परीक्षण बेंच में GUNN डायोड और रिफ्लेक्स क्लिस्ट्रॉन जैसे माइक्रोवेव ऑसिलेटर की आवृत्ति प्रतिक्रिया देखी जाती है। इस प्रयोगशाला में माइक्रोवेव आवृत्तियों (माइक्रोस्ट्रिप पैच एंटीना, स्लॉट एंटीना) में काम करने वाले विभिन्न प्लेनर और गैर-प्लानर एंटेना का डिजाइन और सिमुलेशन किया जाता है, जिसके बाद उच्च आवृत्ति सिमुलेटर का उपयोग करके एंटीना मापदंडों (वी.एस.डब्ल्यू.आर., विकिरण पैटर्न, लाभ) का विश्लेषण किया जाता है। विकिरण, प्रकीर्णन मापदंडों, माइक्रोवेव एंटेना की प्रतिबाधा का मापन भी नेटवर्क विश्लेषक का उपयोग करके किया जाता है जो छात्रों को विभिन्न उच्च आवृत्ति अनुप्रयोगों में उपयोग किए जाने वाले एंटेना की विशेषताओं से अवगत कराता है।

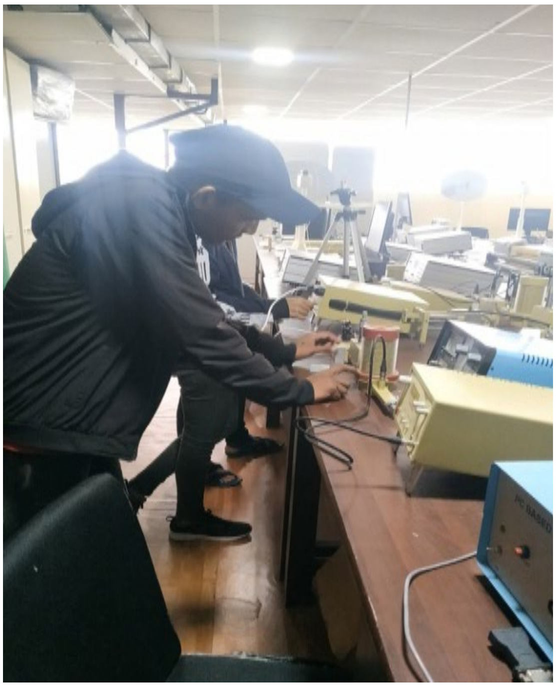

वी.एल.एस.आई. डिजाइन प्रयोगशाला:

वी.एल.एस.आई. डिजाइन प्रयोगशाला अत्याधुनिक कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है और इसमें उद्योग-मानक ईडीए टूल जैसे कैडेंस वर्चुओसो, मेंटर ग्राफिक्स, एक्सिलिनक्स विवाडो, सिनोप्सिस आदि तक पहुंच है। इस प्रयोगशाला में वीएलएसआई से संबंधित बी.टेक. और एम.टेक. प्रैक्टिकल पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं। माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वी.एल.एस.आई. डिज़ाइन में विशेषज्ञता वाले एम.टेक. के छात्र अपने एक साल के शोध प्रबंध अवधि के दौरान प्रयोगशाला सुविधाओं का भरपूर उपयोग करते हैं। इसके अलावा, एनालॉग/डिजिटल वीएलएसआई या डिवाइस मॉडलिंग में काम करने वाले संस्थान के शोध विद्वान अपने कम्प्यूटेशनल और शोध उद्देश्यों के लिए नियमित आधार पर इस प्रयोगशाला तक पहुंचते हैं। इस प्रयोगशाला में, संपूर्ण वीएलएसआई डिज़ाइन चक्र जिसमें योजनाबद्ध डिज़ाइन, फ़्लोर-प्लानिंग, प्लेसमेंट, रूटिंग, परजीवी निष्कर्षण और पोस्ट-लेआउट सिमुलेशन जैसे चरण शामिल हैं, जिन्हें एनालॉग, डिजिटल या मिश्रित-सिग्नल सर्किट के लिए निष्पादित किया जा सकता है। छात्र इस प्रयोगशाला में वी.एच.डी.एल. या वेरिलॉग का उपयोग करके संयोजन सर्किट, अनुक्रमिक सर्किट, एफ.एस.एम. के डिजाइन और संश्लेषण से संबंधित प्रयोग भी कर सकते हैं। लैब में सेमीकंडक्टर डिवाइस मॉडलिंग और प्रोसेस सिमुलेशन के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं हैं।

सिग्नल प्रोसेसिंग प्रयोगशाला:

इस प्रयोगशाला में सिग्नल और सिस्टम तथा डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग से संबंधित प्रयोग किये जाते हैं। मौलिक सिग्नल संचालन, एलटीआई सिस्टम का विश्लेषण (रैखिक कनवल्शन), आवधिक और गैर-आवधिक संकेतों का फूरियर विश्लेषण, निरंतर और असतत समय में और संकेतों के आवृत्ति डोमेन प्रतिनिधित्व आदि प्रयोग सिग्नल और सिस्टम प्रयोगशाला के लिए किए जाते हैं।

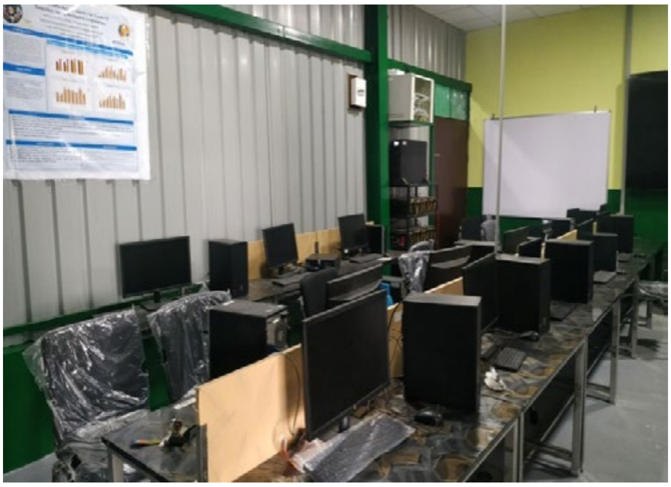

डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग (डीएसपी) प्रयोगशाला में सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर दोनों घटक हैं। सॉफ्टवेयर भाग में, छात्र डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग की कुछ मूलभूत अवधारणाओं और अनुप्रयोगों को दर्शाते हुए कई सिमुलेशन करते हैं, जैसे कि परिमाणीकरण, नमूनाकरण और अलियासिंग, सिग्नल उत्पादन और हेरफेर, ओवरलैप सेव और ओवरलैप ऐड विधि का उपयोग करके कनवल्शन द्वारा ब्लॉक प्रोसेसिंग, सिग्नल बढाने और शोर कम करने वाले फिल्टर, डिजिटल फिल्टर के प्रत्यक्ष, कैनोनिकल और कैस्केड अहसास, डी.एफ.टी. और एफ.एफ.टी. द्वारा वर्णक्रमीय विश्लेषण, आईआईआर का डिजाइन, और बैंड पास, बैंड स्टॉप, लो पास और हाई पास फिल्टर और डिजिटल के लिए एफआईआर फिल्टर ऑडियो प्रभाव अनुप्रयोग। प्रयोगशाला का हार्डवेयर भाग वास्तविक समय सिग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिदम की प्रोग्रामिंग को दर्शाता है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को असतत/डिजिटल संकेतों को संभालने, सिग्नल प्रोसेसिंग के बुनियादी संचालन, रैखिक समय-अपरिवर्तनीय (एल.टी.आई.) प्रणालियों के डिजाइन और विश्लेषण करने और इसकी प्रतिक्रिया की गणना करने, फूरियर विश्लेषण का उपयोग करके संकेतों की वर्णक्रमीय विशेषताओं का विश्लेषण करने, विश्लेषण करने में सक्षम बनाता है। लैपलेस ट्रांसफॉर्म और जेड-ट्रांसफॉर्म का उपयोग करने वाले सिस्टम, बैंडपास, बैंड स्टॉप, लो पास और हाई पास फिल्टर के लिए डिजाइन आई.आई.आर. और एफ.आई.आर. फिल्टर और सिग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिदम डिजाइन करते हैं।

ऑप्टिकल संचार प्रयोगशाला:

इस प्रयोगशाला में ऑप्टिकल नेटवर्क सिस्टम, अर्बियम डोप्ड फाइबर एम्प्लीफायर ट्रेनिंग सिस्टम, ग्लास और प्लास्टिक फाइबर के लिए फाइबर ऑप्टिक ट्रेनर किट, फाइबर ऑप्टिक, कनेक्टर और स्प्लिसिंग किट आदि प्रशिक्षण प्रणालियों के साथ ऑप्टिकल संचार से संबंधित विभिन्न प्रयोग किए जा सकते हैं। ऐसे उपकरण रंगीन फैलाव, डायोड लेजर लक्षण वर्णन, ब्रैग ग्रेटिंग लक्षण वर्णन, विभिन्न मोड का अवलोकन, ऑप्टिकल ग्लास फाइबर के संख्यात्मक एपर्चर माप आदि का अध्ययन करने के लिए उपयोगी हैं। ये प्रयोग छात्रों के लिए ऑप्टिकल संचार प्रणालियों के संबंध में उनके ज्ञान को व्यावहारिक रूप से लागू करने में उपयोगी हैं।

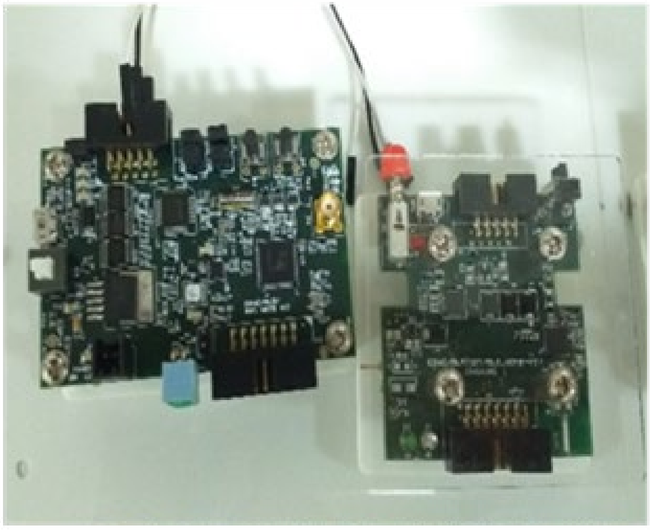

इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स (IoT) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) प्रयोगशाला:

इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स (IoT) प्रयोगशाला यूजी, पीजी छात्रों के लिए वर्तमान प्रौद्योगिकियों से निपटने के लिए उपयोगी है। यह प्रयोगशाला आई.ई.ई.ई. 802.15.4 के अनुरूप चिप पर उच्च एकीकृत प्रणाली के साथ आई.ओ.टी. मोट, आर.एफ. सबसिस्टम और सुरक्षा सबसिस्टम, आई.ओ.टी., एस.ओ.सी. के लिए लक्षित अंतर्निहित वाई-फाई प्रोटोकॉल स्टैक के साथ वायरलेस एमसीयू के साथ वाई-फाई मोट, ब्लूटूथ कम ऊर्जा आधारित अनुप्रयोगों के लिए आधारित डिवाइस, तापमान और सापेक्ष आर्द्रता प्रकाश तीव्रता, निकटता सेंसिंग जैसे विभिन्न सेंसर के साथ सेंसर मोट जैसी प्रणालियों से सुसज्जित हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रयोगशाला सुविधाए - यूजी और पीजी छात्रों को विभिन्न वास्तविक दुनिया की समस्याओं या उनके मॉडल से स्मार्ट तरीके से निपटने के लिए: यह प्रयोगशाला खोज एल्गोरिदम, मल्टी-एजेंट गेम, जेनेटिक एल्गोरिदम और ऑप्टिमाइज़ेशन, न्यूरल नेटवर्क और फ़ज़ी लॉजिक एप्लिकेशन और प्लानिंग के बाद खोज संचालन पर प्रयोग करने के लिए पायथन और टेन्सर फ्लो से सुसज्जित है। इसके अलावा, जेनेटिक एल्गोरिदम, न्यूरल नेटवर्क और फ़ज़ी लॉजिक पर MATLAB आधारित प्रयोग भी इस प्रयोगशाला में शामिल हैं।

बाहरी गतिविधियाँ:

1. डॉ.संजय कुमार जाना ने 16 फरवरी 2022 को आई.सी.पी.एम.टी. 2022 में "नैनोस्केल के साथ उभरते एकीकृत सर्किट (आईसी) डिजाइन उपकरणों के लिए एक रोडमैप" शीर्षक पर एक मुख्य व्याख्यान दिया।
2. डॉ.सुरजीत कुंडू ने 4 से 8 अप्रैल, 2022 के दौरान कलिम्पोंग गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित "माइक्रोवेव और उससे परे: वर्तमान और भविष्य के वायरलेस संचार प्रणाली" पर लघु अवधि पाठ्यक्रम में आमंत्रित ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
3. डॉ.सुरजीत कुंडू ने अप्रैल, 2022 में ई.सी.ई. विभाग, अभियांत्रिकी और प्रबंधन विश्वविद्यालय (यू.ई.एम.) कोलकाता द्वारा आयोजित "एंटीना इंजीनियर के परिप्रेक्ष्य से 5जी संचार प्रौद्योगिकी" पर आमंत्रित ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

पुरस्कार/उपलब्धियाँ:

1. डॉ.सुरजीत कुंडू को 20-22 मई, 2022 को आई.आई.टी. गुवाहाटी में नॉर्थ ईस्ट रिसर्च कॉन्क्लेव (एन.ई.आर.सी.) में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला।

पीएच.डी. पुरस्कृत:

विद्यार्थी	शोध विषय	पर्यवेक्षक
श्री सुभानिल मैती	पावर और क्षेत्र अनुकूलित हाई स्पीड फ्रीक्वेंसी डिवाइडर का डिज़ाइन	डॉ.संजय कुमार जाना
सुश्री निगिदिता प्रधान	फेज़-लॉक लूप एप्लिकेशन के लिए फेज़-फ्रीक्वेंसी डिटेक्टर और चार्ज पंप का डिज़ाइन और विश्लेषण	डॉ.संजय कुमार जाना
सुश्री प्रीति गुप्ता	पीएलएल अनुप्रयोग के लिए ट्रांस कंडक्टेंस-कैपेसिटेंस आधारित लूप फ़िल्टर का डिज़ाइन	डॉ.संजय कुमार जाना

विभाग में शोधार्थी

विद्यार्थी	शोध विषय	पर्यवेक्षक
श्री केशव दास	उच्च आवृत्ति अनुप्रयोगों के लिए वाइडबैंड एलसी वोल्टेज-नियंत्रित ऑसिलेटर (वीसीओ) का डिजाइन और विश्लेषण	डॉ.संजय कुमार जाना

विद्यार्थी	शोध विषय	पर्यवेक्षक
श्री अर्नब सोम	एनालॉग आईसी डिज़ाइन अनुप्रयोगों के लिए सेमीकंडक्टर उपकरणों की मॉडलिंग और डिज़ाइन	डॉ.संजय कुमार जाना
श्री सोमनाथ महतो	समाधान सटीकता बढ़ाने के लिए जीएनएसएस रियल टाइम काइनेमेटिक्स (आर.टी.के.)	डॉ.सुरजीत कुंडू
श्री अतनु संतरा	भारतीय नेविगेशन प्रणाली (NavIC) और इसके लाभ	डॉ.सुरजीत कुंडू
श्री धीरज पांडे	बहुकार्यात्मक एंटीना	डॉ.सुरजीत कुंडू / डॉ.रेशमी धर
सुश्री शेरिंग सांगमो शेरपा	वी.एल.एस.आई. डिज़ाइन	डॉ.संजय कुमार जाना
श्री सनोज महतो	वाइड बैंड/मल्टीबैंड माइक्रोस्ट्रिप एंटीना का डिजाइन, विश्लेषण और प्रदर्शन विकास	डॉ.रेशमी धर
सुश्री नीलम सिंह	सिंगल/मल्टी/अल्ट्रा-वाइडबैंड मेटामटेरियल अवशोषक	डॉ.रेशमी धर
सुश्री श्रीपर्णा सरमा	मिश्रित सिग्नल आर.एफ. आई.सी. डिजाइन	डॉ.संजय कुमार जाना
श्री उदारा लक्ष्मण कुमार	कम संसाधन डेटा के लिए स्वचालित वाक् पहचान	डॉ.हेमन्त कुमार कथानिया
श्री पबन सपकोटा	डिसार्थ्रिक स्पीच के लिए स्वचालित वाक् पहचान (ए.एस.आर.) प्रणाली	डॉ.हेमन्त कुमार कथानिया

अंतिम वर्ष के पी.जी. (एम.टेक.) छात्रों के प्रोजेक्ट:

पर्यवेक्षक का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
डॉ.संजय कुमार जाना	मशीन लर्निंग का उपयोग करके डिजिटल डिज़ाइन सत्यापन को स्वचालित करना	M200023EC	नीलोत्पल चक्रवर्ती
डॉ.संजय कुमार जाना	भौतिक डिज़ाइन बैकएंड प्रवाह में समय विश्लेषण	M200026EC	देबाश्री चक्रवर्ती
डॉ.संजय कुमार जाना	एक आर.आई.एस.सी.-वी निर्देश सेट प्रक्रिया माइक्रोआर्किटेक्चर विश्लेषण और आर.टी.एल. डिज़ाइन	M200028EC	गोपालकृष्ण स्वैन
डॉ.हेमन्त कुमार कथानिया	मल्टीलेयर परसेप्शन न्यूरल नेटवर्क पर आधारित ध्वनिकी के साथ कोविड-19 की भविष्यवाणी की ओर	M200030EC	पबन सापकोटा
डॉ.हेमन्त कुमार कथानिया	अंग्रेजी भाषा के लिए स्वचालित वाक् पहचान प्रणाली	M200025EC	दसारी विनीतचंद्र
डॉ.रेशमी धारा	एम.ई.एम.एस. पीजोइलेक्ट्रिक ट्रांसड्यूसर का डिजाइन और सिमुलेशन	M200039EC	श्रीपर्णा सरमा
डॉ.सुरजीत कुंडू	180nm CMOS तकनीक का उपयोग करके 5G तकनीक के लिए स्टैक्ड पावर एम्पलीफायर का डिज़ाइन	M200036EC	सर्बम नुंगाएशा मोयोन
डॉ.सुकांता धर	नेत्रहीन और बुजुर्ग लोगों के लिए स्मार्ट वॉयस असिस्टेड वॉकिंग स्टिक	M200037EC	मृणाल कौशिक
डॉ.सुकांता धर	फ्रंटएंड फ्लो में स्पाईग्लास टूल का उपयोग करके आई.पी. डिज़ाइन का परीक्षण और सत्यापन	M200038EC	देवाशीष भगवती
डॉ.सुकांता धर	एक Arduino-आधारित नॉनडिस्पर्सिव इन्फ्रारेड (NDIR) गैस सेंसर डिजाइन करना	M200024EC	कोथा वेंकट रामकृष्ण
डॉ.जीतेन्द्र सिंह	NAND फ़्लैश मेमोरी में ECC का हार्डवेयर डिज़ाइन	M200031EC	पटेल विकास हरगोविंदभाई
डॉ.जीतेन्द्र सिंह	मेमोरी विफलता और मरम्मत विश्लेषण पोस्ट सिलिकॉन यील्ड सुधार	M200029EC	श्रावंती घंटा
डॉ.अविनाश कुमार	हिंदी भाषा के लिए स्वचालित वाक् पहचान प्रणाली	M200032EC	यू लक्ष्मण कुमार
डॉ.अविनाश कुमार	आई.ओ.टी. रास्पबेरी पी.आई. का उपयोग कर आधारित स्मार्ट रूम।	M200034EC	बिनय राज

अंतिम वर्ष के यूजी छात्रों के प्रोजेक्ट:

पर्यवेक्षक का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
डॉ.संजय कुमार जाना	555 टाइमर आधारित मल्टीवाइब्रेटर का डिज़ाइन और अनुकूलन	B180065EC	चिन्नापोगुला दिनेश
	180 एन.एम. प्रौद्योगिकी का उपयोग करके 4-बिट आर-2आर डी.ए.सी. के लिए एक ऑप-एम्प का डिज़ाइन	B180063EC	सोवन मंडल
	555 टाइमर आधारित मल्टीवाइब्रेटर का डिज़ाइन और अनुकूलन	B180093EC	खुशबू गुप्ता
	180 एन.एम. प्रौद्योगिकी का उपयोग करके 4-बिट आर-2आर डी.ए.सी. के लिए एक ऑप-एम्प का डिज़ाइन	B180077EC	चंदन कुमार शर्मा
डॉ.सुरजीत कुंडू	IoT सक्षम कृषि प्रणाली के लिए वेबपेज और एंड्रॉइड एप्लिकेशन का विकास	B180062EC	सुशांत
	कृषि अनुप्रयोगों के लिए IOT सक्षम मल्टी-सेंसर इकाई का विकास	B180098EC	थातिगिरी अरुणकुमार
	IoT सक्षम कृषि प्रणाली के लिए वेबपेज और एंड्रॉइड एप्लिकेशन का विकास	B180097EC	आलोक कुमार
	कृषि अनुप्रयोगों के लिए IOT सक्षम मल्टी-सेंसर इकाई का विकास	B180071EC	अनुषा डोगरा
	कृषि अनुप्रयोगों के लिए IOT सक्षम मल्टी-सेंसर इकाई का विकास	B180069EC	अर्जुन मंडल
डॉ.हेमन्त कुमार कथानिया	ध्वनिकी सूचना (खांसी) का उपयोग करके COVID-19 का पता लगाना	B180085EC	शिवम
	ध्वनिकी सूचना (खांसी) का उपयोग करके COVID-19 का पता लगाना	B180091EC	गौरव कुमार प्रसाद
	ध्वनिकी सूचना (वाणी, सांस) का उपयोग करके COVID-19 का पता लगाना	B180078EC	अधितिया शर्मा
	ध्वनिकी सूचना (वाणी, सांस) का उपयोग करके COVID-19 का पता लगाना	B180086EC	रुटेन बासनेट
डॉ.रेशमी धारा	वायरलेस संचार अनुप्रयोगों के लिए ध्रुवीकरण विविधता के साथ मल्टीबैंड माइक्रोस्ट्रिप एंटीना का डिजाइन और विश्लेषण	B180066EC	मिडीडोडला जसवंत साई
	वायरलेस संचार अनुप्रयोगों के लिए ध्रुवीकरण विविधता के साथ मल्टीबैंड माइक्रोस्ट्रिप एंटीना का डिजाइन और विश्लेषण	B180095EC	अमन राज
	लघु वाइड बैंड माइक्रोस्ट्रिप एंटीना का डिजाइन और विश्लेषण	B180092EC	जीतेन्द्र सिंह
	लघु वाइड बैंड माइक्रोस्ट्रिप एंटीना का डिजाइन और विश्लेषण	B180084EC	मंजय कुमार आनंद
डॉ.सुकान्ता धर	पेरोव्स्काइट सौर सेल के अवशोषक, ईटीएल और एचटीएल का डिजाइन और अनुकूलन	B180088EC	पवन कुमार
	हॉट कैरियर सोलर सेल की दक्षता मॉडलिंग	B180090EC	संजीव कुमार शर्मा
	हॉट कैरियर सोलर सेल की दक्षता मॉडलिंग	B180073EC	रोहित कुमार गुप्ता
	पेरोव्स्काइट सौर सेल के अवशोषक, ईटीएल और एचटीएल का डिजाइन और अनुकूलन	B180080EC	बीटू शर्मा
डॉ.अविनाश कुमार	पी.सी.आई. एक्सप्रेस से संबंधित तर्क ब्लॉकों का औपचारिक सत्यापन	B180087EC	अश्वनी साईकिरण
	जनरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क आधारित इमेज एन्हांसमेंट	B180067EC	ऋतुपर्णा विश्वास
	जनरेटिव एडवरसैरियल नेटवर्क आधारित इमेज एन्हांसमेंट	B180094EC	अबधेश
	वेब प्रौद्योगिकी का उपयोग करके छवि विश्लेषण	B180072EC	बिशाल कुमार साहा
	वेब प्रौद्योगिकी का उपयोग करके छवि विश्लेषण	B180079EC	दीपक गुप्ता
डॉ.जीतेन्द्र सिंह	डेटा संचालित सकल से शुद्ध राजस्व विश्लेषण और मॉडलिंग	B180099EC	अंजलि रॉय
	I2C प्रोटोकॉल का डिज़ाइन और प्रदर्शन विश्लेषण	B180068EC	शिवम मौर्य
	ए.एच.बी. लाइट प्रोटोकॉल का डिज़ाइन और प्रदर्शन विश्लेषण	B180081EC	शगीर हुसैन
	ए.एच.बी. लाइट प्रोटोकॉल का डिज़ाइन और प्रदर्शन विश्लेषण	B180075EC	प्रवेश शर्मा
	I2C प्रोटोकॉल का डिज़ाइन और प्रदर्शन विश्लेषण	B170152EC	पंकज कुमार

पर्यवेक्षक का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम
डॉ.सुदीप्ता दास	जेनेटिक एल्गोरिथम का उपयोग करके एंटीना एरेज़ का पुन: कॉन्फ़िगर करने योग्य पैटर्न संश्लेषण	B180083EC	यशवंत कुमार
	समय संग्राहक ऐन्टेना सारणी का निम्न साइडेलोब पैटर्न संश्लेषण	B180074EC	प्रशांत प्रसाद
	समय संग्राहक ऐन्टेना सारणी का निम्न साइडेलोब पैटर्न संश्लेषण	B180082EC	यशवंत शर्मा
	जेनेटिक एल्गोरिथम का उपयोग करके एंटीना एरेज़ का पुन: कॉन्फ़िगर करने योग्य पैटर्न संश्लेषण	B180076EC	ज़िग्डेल शेरपा

कार्यशाला / एफडीपी / एसटीसी / आईईपी / वेबिनार में भाग लिया:

क्र. सं.	प्रतिभागियों का नाम	शीर्षक	आयोजक	दिनांक	श्रेणी
1.	अर्नब सोम	एनालॉग सर्किट डिजाइन	आई.आ.ईआई.टी. दिल्ली	27 जून-1 जुलाई, 2022	कार्यशाला
		मिश्रित सिग्नल डिज़ाइन	आई.आ.ईआई.टी. दिल्ली	4 जुलाई – 8 जुलाई	कार्यशाला
		माइक्रो/नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सर्किट और सिस्टम (MNDCS-2023)	एन.आई.टी. सिलचर	29-31 जनवरी, 2023	सम्मेलन
2	धीरज पांडे	नॉर्थ ईस्ट रिसर्च कॉन्क्लेव	आई.आई.टी. गुवाहाटी	20-22 मई 2022	सम्मेलन
		एडीएस टूल में समतुल्य सर्किट की डिजाइनिंग और विश्लेषण	एम.एन.आई.टी. जयपुर	20 जुलाई 2022	वेबिनार
		मैपकॉन	आई.ई.ई.ई. एम.टी.टी./ए.पी. सोसायटी	12-15 दिसंबर 2022	सम्मेलन
		आई.सी.ओ.आर.टी.	डी.आर.डी.ओ., चांदीपुर	23-25 फरवरी 2023	सम्मेलन
3.	शेरिंग सांगमो शेरपा	एनालॉग सर्किट डिजाइन	आई.आ.ईआई.टी. दिल्ली	27 जून-1 जुलाई, 2022	कार्यशाला
		मिश्रित सिग्नल डिज़ाइन	आई.आ.ईआई.टी. दिल्ली	4 जुलाई – 8 जुलाई	कार्यशाला
		उन्नत ई.एस.डी.पी. कार्यक्रम	एन.आई.टी. सिक्किम	16 -20 मार्च 2023	कार्यशाला
4.	सनोज महतो	उन्नत ई.एस.डी.पी. कार्यक्रम	एन.आई.टी. सिक्किम	16 -20 मार्च 2023	कार्यशाला
		मैपकॉन	आई.ई.ई.ई. एम.टी.टी./ए.पी. सोसायटी	12-15 दिसंबर 2022	सम्मेलन
5.	नीलम सिंह	आई.सी.पी.सी.ई.एस. -2023	आई.ई.ई.ई./ एम.एन.एन.आई.टी. इलाहाबाद	6-8 जनवरी 2023	सम्मेलन

विभागीय क्लब अनुव्रत द्वारा आयोजित तकनीकी कार्यक्रम:

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार के क्षेत्र में शोध और विकास कार्यों के लिए छात्रों को प्रेरित करने हेतु ECE सोसायटी अनुव्रत की स्थापना फरवरी 2013 में की गई थी। एनआईटी सिक्किम के युवाओं को परंपरागत सोच से हटकर नया सोचने और नई खोजों और आविष्कारों की ओर ले जाने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार के प्रति उत्साह के माहौल को यहां बढ़ावा दिया गया है। क्लब का लक्ष्य इन युवा इंजीनियरों को अपने विचारों, नवाचारों और विचार प्रक्रियाओं को दुनिया के सामने रखने के लिए एक मंच प्रदान करना है। हम उन्हें तकनीकी प्रगति की इस दुनिया में चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा साबित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। यहां के छात्र खुद को अनुकरणीय इंजीनियर बनाने के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल से भी लैस करते हैं। क्लब विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों का आयोजन करके इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार में तकनीकी रूप से सक्षम इंजीनियरों को विकसित करने का वादा करता है जो छात्रों को उनके करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायता करते हैं। क्लब की टैगलाइन "जहां नवाचार कभी समाप्त नहीं होता..." इस क्लब में 'सीखने और नवाचार' की सतत प्रक्रिया का प्रतीक है।

विमृष्योत्सव 2.0 :

एक पूर्व छात्र वार्ता श्रृंखला टीम अणुव्रत ने विमृष्योत्सव नामक दिलचस्प वार्ता सत्रों की श्रृंखला के दूसरे सत्र का आयोजन किया था। श्रृंखला का उद्देश्य इस प्रतिष्ठित संस्थान के पूर्व छात्रों से शाखा के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में जानकारी लेना था। इस आयोजन का प्राथमिक उद्देश्य हमारे भविष्य के कैरियर विकल्पों के लिए पूर्वापेक्षाओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करना और इस क्षेत्र में नौकरी प्रोफ़ाइल की एक झलक प्राप्त करना था।

प्लेटफार्म: गूगल मीट

1. सुश्री रुचिका प्रसाद 26 जून 2022 प्रातः 11:00 बजे - दोपहर 12:30 बजे **"भारतीय बाज़ार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता परिदृश्य"।**
2. श्री अनिमेष राज 03 जुलाई 2022 प्रातः 11:00 बजे - दोपहर 12:15 बजे **"प्रौद्योगिकी हमारे जीने का तरीका बदल रही है"।**
3. सुश्री पूजा पाल 10 जुलाई 2022 प्रातः 11:00 बजे - दोपहर 12:15 बजे **"बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव के लिए डिज़ाइन थिंकिंग आधारित व्यवसाय विश्लेषण और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन"।**
4. श्री सबरीश पद्मनाभम 24 जुलाई 2022 प्रातः 11:00 बजे - दोपहर 12:30 बजे **"विमानन"।**
5. सुश्री औरुनिमा समद्दर 31 जुलाई 2022 शाम 7:00 बजे - रात्रि 8:15 बजे **"स्वायत्त प्रणाली, खुफिया, और आगे"।**

बग क्वेस्ट 2.0: एक डिबगिंग प्रतियोगिता

टीम अनुव्रत एक और दिलचस्प तकनीकी कार्यक्रम लेकर आई, जिसका नाम बग क्वेस्ट 2.0 है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सभी कोडिंग उत्साही लोगों को एक साथ लाना और उनकी डिबगिंग कुशलता का परीक्षण करने के लिए एक प्रतिस्पर्धी माहौल देना था। प्रतिभागियों को त्रुटियों वाले कोड का सामना करना पड़ा, जिन्हें इवेंट के अंदर उनके द्वारा सोचे जा सकने वाले सबसे उपयुक्त दृष्टिकोण का उपयोग करके पता लगाना और ठीक किया जाना था। हल किए गए प्रश्नों की संख्या और उत्तीर्ण परीक्षण मामलों के आधार पर छात्रों का उत्साह बढ़ता रहा, साथ ही लीडर बोर्ड, विजेता को दिखाने के लिए अपडेट होता रहा। **दिनांक: 15 सितंबर, 2022**

पुनरुद्धार एवं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह

एक तकनीकी क्लब के रूप में, जो व्यावहारिक शिक्षा की सुविधा प्रदान करने और वैज्ञानिक जिज्ञासा को प्रोत्साहित करने के प्रति समर्पित है, हमारा मानना है कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हमारे शोध और विकास समुदाय की उपलब्धियों की घोषणा करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की पूर्व संध्या और क्लब पुनः प्रारम्भ होने के 2 साल पूरे होने पर, टीम अनुव्रत ने इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग के छात्रों के साथ बातचीत सत्र के साथ-साथ क्लब में तकनीकी उपलब्धियों और अवसरों पर एक प्रस्तुति सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संस्थान के माननीय निदेशक प्रोफेसर महेश चंद्र गोविल और विभाग के सभी संकाय सदस्य उपस्थित थे। **दिनांक: 28 फरवरी, 2023**

तकनीकी सोच: एक तकनीकी प्रश्नोत्तरी

तकनीकी सोच एक सफल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता थी जिसमें प्रतिभागियों के प्रौद्योगिकी के ज्ञान का परीक्षण किया गया। प्रतियोगिता में दो राउंड की क्विज थी। प्रतिभागियों ने प्रभावशाली विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया, और इस आयोजन की इसके आयोजन के लिए और प्रश्नों की गुणवत्ता के लिए प्रशंसा की गई। कार्यक्रम की सफलता ने प्रौद्योगिकी में लोगों की रुचि को प्रदर्शित किया और कौशल प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। **दिनांक: 28 फरवरी, 2023**

सर्किट टिंकरिंग: एक सर्किट डिजाइनिंग प्रतियोगिता

सर्किट टिंकरिंग एक टीम-आधारित प्रतियोगिता है जहां उत्साही छात्रों की 10 टीमें एक सर्किट डिजाइन और निर्माण करने के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं। प्रत्येक टीम को जटिल सुरागों की एक श्रृंखला प्रदान की जाती है, जिन्हें उन्हें प्रतियोगिता के अगले चरण में आगे बढ़ने के लिए समझना होता है। एक बार सभी सुराग सुलझ जाने के बाद, टीम को कम से कम समय में सर्किट बनाना होगा और सत्यापित करना होगा कि यह ठीक से काम कर रहा है। आउटपुट-चेकिंग उपकरणों का उपयोग करके सर्किट की जांच करने के लिए अधिकतम तीन प्रयास किए गए। **दिनांक: 28 फरवरी, 2023**

वी.एल.एस.आई. डिज़ाइन पर कार्यशाला:

अनुव्रत ने **27 अप्रैल, 2023** को बहुत बडे स्तर पर इंटीग्रेशन (वी.एल.एस. आई.) डिज़ाइन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया था। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को वी.एल.एस.आई. प्रौद्योगिकी के डिजाइन और कार्यान्वयन सहित इसके व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी प्रदान करना था।

विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग

"बिजली या किसी अन्य बल की सुंदरता यह नहीं है कि वह शक्ति रहस्यमय और अप्रत्याशित है, जो बारी-बारी से हर इंद्रिय को छूती है, बल्कि यह है कि यह कानून के अधीन है, और सिखाई गई बुद्धि अब भी इसे बड़े पैमाने पर नियंत्रित कर सकती है।"

~ माइकल फैराडे

विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभाग राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में प्रमुख और महत्वपूर्ण विभागों में से एक है और इसने 2010 में संस्थान की स्थापना के बाद से काम करना शुरू कर दिया। विभाग के संकाय सदस्य और कर्मचारी बहु-विषयक क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और शोध के माध्यम से उच्चतम मानकों की शिक्षा बनाए रखने पर पूरी तरह केंद्रित हैं। गतिशीलता और अनुभव का सही संतुलन बनाने वाले संकाय सदस्यों की बहुतायत से संपन्न, विभाग स्नातक (विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में बी.टेक.), स्नातकोत्तर (विद्युत अभियांत्रिकी में एम.टेक., नियंत्रण, पावर और इलेक्ट्रिक ड्राइव में विशेषज्ञता के साथ) और शोध कार्यक्रम (पी.एच.डी.) की एक पूरी श्रृंखला प्रदान करता है।

दृष्टिकोण

वर्तमान समय की चुनौतियों पर काबू पाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और शोध प्रदान करना, बेहतर भविष्य के विकास का मार्ग प्रशस्त करना और इस तरह समाज में मूल्यों को जोड़ना।

उद्देश्य

विभाग का लक्ष्य निम्नलिखित उद्देश्य के माध्यम से इस दृष्टिकोण को साकार करना है:

- सामाजिक आवश्यकताओं पर व्यावहारिक अभियांत्रिकी कौशल के लिए परिणाम-आधारित शिक्षण और शोध प्रदान करना।
- छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों के लिए नैतिक और नैतिक मूल्यों के साथ-साथ सर्वांगीण क्षमताओं का पोषण और विकास करने के लिए एक वातावरण बनाना।

विभाग के अत्यधिक निपुण संकाय सदस्यों के पास कई अत्याधुनिक शोध क्षेत्रों में विशेषज्ञता है। विभाग में शोध के व्यापक क्षेत्र शामिल हैं, जो केवल नियंत्रण प्रणाली, रोबोटिक्स, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर गुणवत्ता, पावर सिस्टम, हाइब्रिड माइक्रो-ग्रिड, स्मार्ट ग्रिड टेक्नोलॉजीज, इलेक्ट्रिक वाहन, अभियांत्रिकी में नॉनलाइनियर डायनेमिक्स के अनुप्रयोग, नवीकरणीय ऊर्जा और सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीकों के विकास और अनुप्रयोग तक ही सीमित नहीं हैं। विभाग को अपनी मजबूत उद्योग-संस्थान परस्परता पर बहुत गर्व है, और उसने विविध संभावित परियोजनाओं को अपनाने और पूरा करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया है।

विभाग का लक्ष्य बिजली क्षेत्र में विभिन्न उद्योगों के साथ सक्रिय सहयोग विकसित करना भी है। विभाग ने राष्ट्रीय और वैश्विक शैक्षणिक नेटवर्क में व्यापक प्रतिष्ठा अर्जित की है। वर्तमान में, विभाग में विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में बी.टेक कार्यक्रम में 30 छात्रों का वार्षिक प्रवेश है।

स्नातकोत्तर स्तर पर, विभाग एम.टेक. विद्युत अभियांत्रिकी (कंट्रोल, पावर और इलेक्ट्रिक ड्राइव) कार्यक्रम में 25 छात्रों के प्रवेश की पेशकश कर रहा है। विभाग 2020 से एम.टेक. की रिक्त सीटों पर छात्रों को संस्थान प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश दे रहा है। विभाग को भारत भर के छात्रों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। भविष्य में, विभाग नियंत्रण प्रणाली, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव और पावर सिस्टम के क्षेत्र में अलग से एम.टेक. विशेषज्ञता प्रदान करने की योजना बना रहा है। उपरोक्त के अलावा, विभाग विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित पी.एच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। इनमें पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, कंट्रोल सिस्टम, पावर सिस्टम ऑपरेशन, पावर क्वालिटी, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत, स्मार्ट ग्रिड, ऑप्टिमाइजेशन, पावर सिस्टम डायनेमिक्स और स्थिरता, फ्लेक्सिबल एसी ट्रांसमिशन, हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट, इलेक्ट्रिक ड्राइव और इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं।

वर्तमान में, विभाग के पास लगभग सभी प्रयोगशालाएँ अत्याधुनिक उपकरणों और सॉफ्टवेयर प्लेटफार्मों के नवीनतम संस्करण से सुसज्जित हैं। आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं में आमंत्रित प्रतिष्ठित व्यक्तियों के इनपुट के साथ, विभाग ने सैद्धांतिक अवधारणाओं की समझ को बढ़ाने के लिए प्रयोगशाला के बुनियादी ढांचे को संशोधित किया है। प्रयोगशालाएँ, परिष्कृत उपकरण, परीक्षण सेटअप, एम्बेडेड नियंत्रक, डिजिटल सिग्नल प्रोसेसर, पावर इन्वर्टर-कनवर्टर, विभिन्न विद्युत ड्राइव आदि कुछ नामों से सुसज्जित

हैं। विभाग भारत सरकार की MeitY और TEQIP III जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित कई प्रायोजित शोध एवं विकास परियोजनाओं को पूरा करने में शामिल है। विभाग समय-समय पर संकाय विकास कार्यक्रम, कार्यशालाएं, विशेषज्ञ व्याख्यान आदि भी आयोजित करता है। विभाग के छात्रों और संकाय सदस्यों के कठिन परिश्रम से, प्रतिष्ठित पत्रिकाओं, सम्मेलनों में प्रकाशित तकनीकी पत्रों की संख्या एक नई ऊंचाई पर पहुंच गई है। विभाग आने वाले वर्षों में अपनी शोध सुविधाओं का और विस्तार करना चाहता है जिससे छात्रों और संकाय सदस्यों के प्रकाशन में वृद्धि होगी।

विभाग के संकाय सदस्य नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की कार्यवाही के साथ-साथ आई.ई.ई.ई. संव्यवहार और आई.ई.ई.ई.. कार्यवाही, आई.ई.टी., एल्सेवियर से विद्युत अभियांत्रिकी पर जर्नल आदि जैसी प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में योगदान दे रहे हैं। इस वर्ष विभाग ने आधुनिक युग की तकनीकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए नई प्रयोगशालाएँ स्थापित की हैं, जैसे माइक्रो-ग्रिड प्रयोगशाला, इलेक्ट्रिक वाहन प्रयोगशाला, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला, इलेक्ट्रिक ड्राइव प्रयोगशाला। विभाग अपनी पहले से स्थापित पावर सिस्टम प्रयोगशाला, नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला को भी मजबूत करता है। विभाग परीक्षण, अंशांकन और मानकीकरण, विद्युत गुणवत्ता और ऊर्जा संरक्षण के लिए नई प्रयोगशालाएँ बनाने की योजना बना रहा है। विभाग धीरे-धीरे एन.आई.टी. सिक्किम के सर्वश्रेष्ठ विभागों में से एक बन गया है। प्लेसमेंट रिकॉर्ड से पता चला है कि विभाग के छात्र विभिन्न क्षेत्रों में अपनी रुचि के आधार पर आकर्षक प्लेसमेंट प्राप्त करने में सफल रहे। क्वालकॉम, एलएंडटी, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड आदि जैसे शीर्ष भर्तीकर्ताओं ने छात्रों को 10 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक के वेतन पैकेज के साथ नियुक्तियों की पेशकश की है। कोर अभियांत्रिकी और संबद्ध क्षेत्रों जैसे वेदांत समूह, विप्रो, टाटा पावर, रिलायंस आदि अन्य भर्तीकर्ताओं ने आकर्षक वेतन पैकेज के साथ विभाग से छात्रों की भर्ती की है। लगातार प्लेसमेंट रिकॉर्ड विभाग के समर्पण और योगदान को दर्शाता है। विभाग के स्नातक सरकारी और निजी दोनों संगठनों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं। छात्रों को उच्च अध्ययन के लिए जाने और शोध एवं विकास क्षेत्र में अपना करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हमारे कुछ पूर्व छात्रों ने भारत और विदेशों में प्रतिष्ठित और प्रमुख संस्थानों से स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की है। संस्थान द्वारा आयोजित 'अभियांत्रण' जैसे तकनीकी उत्सवों के माध्यम से छात्रों को कक्षा शिक्षण और प्रयोगशाला अभ्यास के अलावा तकनीकी और रचनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्हें अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलन/सेमिनार में भाग लेने और शोध पत्र प्रस्तुत करने सहित विभिन्न शिक्षण गतिविधियों में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

विभाग द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम/पाठ्यक्रम

- विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी में बी.टेक.
- विद्युत अभियांत्रिकी में एम.टेक. (कंट्रोल, पावर और इलेक्ट्रिक ड्राइव)
- विद्युत अभियांत्रिकी में पी.एच.डी.

शिक्षक गण विवरण:

डॉ.अरबिंद पांडा, विभागाध्यक्ष, सहायक प्रोफेसर,
पीएच.डी. (आई.आई.टी. रूड़की, 2016)
रुचि का क्षेत्र: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन, इलेक्ट्रिक ड्राइव
Dr. Aurobinda

डॉ.अंजन कुमार रे, एसोसिएट प्रोफेसर,
पीएच.डी. (आई.आई.टी. कानपुर, 2009)
रुचि का क्षेत्र: नियंत्रण प्रणाली, रोबोटिक्स और इंटेलिजेंट सिस्टम, मशीन लर्निंग, सेंसर फ्यूजन और स्मार्ट होम/ पर्यावरण

डॉ.सौरव मलिक, एसोसिएट प्रोफेसर,
पीएच.डी. (एन.आई.टी. दुर्गापुर, 2014)
रुचि का क्षेत्र: पावर सिस्टम स्थिति अनुमान, पावर सिस्टम ट्रांसमिशन और वितरण, पावर सिस्टम स्थिरता और नियंत्रण, सॉफ्ट कंप्यूटिंग

डॉ.मोले रॉय, सहायक प्रोफेसर,
पीएचडी (आई.आई.ई.एस.टी. शिबपुर, 2017)
रुचि का क्षेत्र: पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कनवर्टर और नियंत्रक।

डॉ.प्रदीप कुमार, सहायक प्रोफेसर,
पीएच.डी. (एन.आई.टी. जमशेदपुर, 2017)
रुचि का क्षेत्र: बिजली की गुणवत्ता, नियंत्रण प्रणाली, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स।

डॉ.निमाई चरण पटेल, सहायक प्रोफेसर,
पीएच.डी. (उत्कल विश्वविद्यालय, 2021)
रुचि का क्षेत्र: विद्युत मशीन, पावर सिस्टम, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस और अनुकूलन तकनीक

अस्थायी संकाय

डॉ.अमित कुमार यादव, सहायक प्रोफेसर,
पीएच.डी. (एन.आई.टी. हमीरपुर, 2016)
रुचि का क्षेत्र: विद्युत प्रणाली, नवीकरणीय ऊर्जा, अभियांत्रिकी अनुकूलन, कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क, सौर फोटोवोल्टिक्स

डॉ.कुंतल मंडल, सहायक प्रोफेसर,
पीएच.डी. (आई.आई.टी. खड़गपुर, 2013)
रुचि का क्षेत्र: सर्किट और सिस्टम, नॉनलाइनियर नियंत्रण और स्विचिंग सिस्टम की गतिशीलता स्थिरता

डॉ.अभिषेक राजन, सहायक प्रोफेसर,
पीएच.डी. (एन.आई.टी. सिलचर, 2018)
रुचि का क्षेत्र: इष्टतम बिजली प्रवाह, बिजली प्रणाली में नवीकरणीय एकीकरण, बिजली प्रणाली विनियमन, बिजली प्रणाली संचालन और नियंत्रण, सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीक।

डॉ.प्रसेनजीत डे, सहायक प्रोफेसर,
पीएच.डी. (एन.आई.टी. अगरतला, 2020)
रुचि का क्षेत्र: विद्युत प्रणाली स्थिरता

डॉ.अनुलेखा साहा, सहायक प्रोफेसर,
पीएच.डी. (एन.आई.टी. अगरतला, 2020)
रुचि का क्षेत्र: लचीला_एसी_ट्रांसमिशन_सिस्टम, बेहतर बिजली प्रवाह, विकासवादी एल्गोरिदम अनुकूलन तकनीक

डॉ.सुभ्रा ज्योति सरकार, सहायक प्रोफेसर,
पीएच.डी. (जादवपुर विश्वविद्यालय, 2016)
रुचि का क्षेत्र: स्मार्ट ग्रिड, नवीकरणीय फेड वितरण प्रणाली के लिए ऊर्जा प्रबंधन, कम कम्प्यूटेशनल डेटा संपीड़न और डेटा सुरक्षा

डॉ.सुजय दिलीप कदम, सहायक प्रोफेसर,
पीएच.डी. (आई.आई.टी. गांधीनगर, 2021)
रुचि का क्षेत्र: रोबोटिक्स, नियंत्रण सिद्धांत, स्वायत्त जमीन और पानी के नीचे वाहन, मानव मोटर लर्निंग, लर्निंग कंट्रोलर, सबस्पेस स्टेट-स्पेस सिस्टम पहचान

स्टॉफ विवरण

सुश्री दीपिका छेत्री *(तकनीकी सहायक)*
श्री पवन कुमार कथानिया *(तकनीकी सहायक)*
श्री अनिल गुर्जर *(तकनीकी सहायक)*
श्री मनीष कुमार *(तकनीशियन)*
श्री महावीर गुर्जर *(तकनीशियन)*
श्री सैकत मिस्त्री *(तकनीशियन)*

तकनीकी एसोसिएशन / सोसाइटी की सदस्यता

क्र.सं.	नाम	तकनीकी सोसायटी	सदस्यता का प्रकार
1	डॉ.सौरव मलिक	आई.ई.ई.ई., आई.ई.ई.ई. पावर एंड एनर्जी सोसायटी, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत)	सदस्य सदस्य संबद्ध सदस्य
2	डॉ.अंजन कुमार रे	आई.ई.ई.ई., स्मार्ट सिटीज़ कम्युनिटी, आई.ई.ई.ई., इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स कम्युनिटी, आई.ई.ई.ई., ई.ई.ई. सिस्टम्स काउंसिल, आई.ई.ई.ई. सेंसर्स काउंसिल. सिस्टम्स, मैन, और साइबरनेटिक्स सोसायटी, आई.ई.ई.ई. रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन सोसायटी, आई.ई.ई.ई. कंट्रोल सिस्टम्स सोसायटी.	सदस्य
3	डॉ.अरबिंद पांडा	आई.ई.ई.ई.	सदस्य
4	डॉ.प्रदीप कुमार	सिस्टम सोसाइटी ऑफ इंडिया, इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ संगणक विज्ञान एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (IACSIT), इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इंजीनियर्स (IAENG), इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर साइबर साइंस एंड अभियांत्रिकी (IACSE, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (ISRD)।	**आजीवन सदस्यता**
5	डॉ.निमाई चरण पटेल	आई.ई.ई.ई., आई.ई.(आई.)	सदस्य

प्रयोगशाला सुविधाएं

1. आधारीय विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

आधारीय विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला छात्रों को विद्युत अभियांत्रिकी की बुनियादी तौर पर एक मजबूत आधार विकसित करने में मदद करती है। प्रत्येक प्रयोग को पिछले सेमेस्टर में सीखे गए सिद्धांतों के व्यावहारिक पहलू को दिखाने के लिए तैयार किया गया है। प्रयोगों के माध्यम से, छात्र विभिन्न नेटवर्क प्रमेय, विभिन्न प्रकार के भार और उनकी वोल्टेज-वर्तमान विशेषताओं, संतुलित और असंतुलित भार की शक्ति माप, डीसी बिजली आपूर्ति और स्रोतों को डिजाइन करना और सुरक्षा मुद्दे जैसे कि सर्किट के लिए फ्यूज रेटिंग के अनुप्रयोग सीखते हैं। छात्रों को प्रयोगशाला से प्राप्त ज्ञान को विद्युत अभियांत्रिकी के अन्य सभी क्षेत्रों में लागू करने में सक्षम बनाया जाता है। प्रयोगशाला चित्र 1 में दर्शाई गई है।

चित्र. 1 - आधारीय विद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

2. विद्युत मापन प्रयोगशाला

विभाग में मापन प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों को ऊर्जा मीटर, मल्टी मीटर, वोल्टमीटर, एमीटर आदि जैसे बुनियादी प्रयोगशाला उपकरणों के संचालन से परिचित कराना है। एक अन्य लक्ष्य प्राप्त परिणाम के अभ्यास और विश्लेषण के साथ व्यावहारिक ज्ञान को फिर से लागू करना और सही प्रयोगशाला प्रक्रियाओं और तकनीकों को सीखना है। यह सरल सर्किट पर निर्माण, परीक्षण और माप लेकर पूरा किया जाता है। प्रयोगों के निष्पादन में, छात्र किसी उपकरण के विभिन्न भागों के प्रदर्शन और कार्यप्रणाली के बीच अंतर कर सकते हैं। प्रयोगशाला चित्र 2 में दर्शाई गई है।

चित्र. 2 - विद्युत मापन प्रयोगशाला

3. नियंत्रण प्रणाली और रोबोटिक्स प्रयोगशाला

नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला पाठ्यक्रम उन्नत नियंत्रण, गैर-रेखीय नियंत्रण और बुद्धिमान नियंत्रण सहित नियंत्रण प्रणालियों के विभिन्न पहलुओं का वैचारिक और व्यावहारिक अभ्यास प्रदान करता है। यहां, छात्र विभिन्न ओपन सोर्स प्लेटफार्मों जैसे सिमुलेशन करने के लिए SCILAB, C/C++ से परिचित होते हैं। इसमें हार्डवेयर सेटअप भी है जिसमें लीनियर डबल इनवर्टेड पेंडुलम और रोटरी डबल इनवर्टेड पेंडुलम शामिल हैं। छात्रों को माइक्रोकंट्रोलर और सेंसर के उपयोग के भविष्य के रुझानों के लिए भी प्रशिक्षित किया जाता है। इन सिमुलेशन और हार्डवेयर सुविधाओं के माध्यम से, छात्र सिस्टम मॉडलिंग और सिमुलेशन के विभिन्न पहलुओं से परिचित होते हैं। वे सिस्टम प्रतिक्रियाओं और स्थिरता पहलुओं का अध्ययन करते हैं। छात्रों को विभिन्न प्रणालियों के लिए नियंत्रकों और पर्यवेक्षकों को डिजाइन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। इसके अलावा, उन्हें सिस्टम मॉडलिंग और नियंत्रण में शामिल करने के लिए मशीन इंटेलिजेंस का उपयोग करने का अनुभव दिया जाता है। प्रयोगशाला चित्र 3 में दर्शाई गई है।

चित्र. 3 - नियंत्रण प्रणाली और रोबोटिक्स प्रयोगशाला

4. विद्युत मशीन प्रयोगशाला

विद्युत मशीन प्रयोगशाला ई.ई.ई. अनुशासन में प्रमुख विषयों में से एक है। डीसी और एसी मशीनों पर कई प्रयोग करके, छात्र प्रत्यक्ष धारा मशीनों और प्रत्यावर्ती धारा मशीनों के संचालन और निर्माण के सिद्धांतों की अपनी सैद्धांतिक समझ को व्यावहारिक के साथ जोड़ सकते हैं। बेहतर समझ के लिए, विभाग ने ओपन मशीन सेट अप खरीदा है जो यू.जी. और पी.जी. छात्रों के मशीनों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए एक बहुत उपयोगी उपकरण बन गया है। प्रयोगशाला चित्र 4 में दर्शाई गई है।

चित्र. 4 - विद्युत मशीन प्रयोगशाला

5. विद्युत प्रणाली प्रयोगशाला

वर्तमान समाज में विषय के महत्व को देखते हुए, वर्तमान यू.जी. पाठ्यक्रम में पावर सिस्टम प्रयोगशाला को तीन सेमेस्टर में पढ़ाया जाता है। बिजली प्रणालियों में विभिन्न प्रयोग करके छात्र बिजली पारेषण और वितरण प्रणालियों, दोषों, सिस्टम स्थिरता आदि से संबंधित विभिन्न प्रासंगिक अभियांत्रिकी समस्याओं को डिजाइन करने, विश्लेषण करने और हल करने में सक्षम होंगे। विभाग ने पहले से ही एक ट्रांसमिशन लाइन विश्लेषक सेट अप खरीद लिया है जो छात्रों को पावर ट्रांसमिशन लाइन के बारे में जानकारी देता है। वर्तमान में, विभिन्न प्रकार के कंडक्टरों और केबलों के लिए 200 किमी तीन चरण एकल सर्किट और 600 किमी एकल चरण सर्किट का अनुकरण किया जा सकता है। इसके अलावा, उस विश्लेषक में तीन चरण और एकल दोष सिमुलेशन भी संभव हैं। विभाग एनालॉग और डिजिटल रिले की पूरी व्यवस्था के साथ इस प्रयोगशाला का विस्तार करने की योजना बना रहा है। विभाग ने वर्तमान बिजली परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए पवन, सौर ऊर्जा स्रोत प्रयोगशाला उपकरणों से युक्त एक माइक्रो ग्रिड सेटअप स्थापित किया है। प्रयोगशाला चित्र 5 में दर्शाई गई है।

66/11 सबस्टेशन का दौरा

चित्र. 5 - विद्युत प्रणाली प्रयोगशाला

6. पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला

विभाग के विद्यार्थी विद्युत अर्धचालक उपकरणों और अन्य निष्क्रिय/सक्रिय घटकों के संचालन एवं विशेषताओं और व्यावहारिक अभियांत्रिकी समस्याओं को हल करने में उनके अनुप्रयोग के संबंध में विभिन्न प्रयोग कर सकते हैं। विभाग ने बुनियादी एवं उन्नत ढ़ाँचे से युक्त पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला की स्थापना की हैं। इससे विद्यार्थियों को विभिन्न पॉवर इलेक्ट्रॉनिक कन्वर्टर्स के ऑपरेटिंग सिद्धांतों, डिजाइन और संश्लेषण का व्यावहारिक ज्ञान हो रहा है। प्रयोगशाला पाठ्यक्रम विशेष रुप से तैयार किया गया है, जो विद्यार्थियों को बिजली इलेक्ट्रॉनिक सर्किट के औद्योगिक नियंत्रण के साथ-साथ सुरक्षित विद्युत कनेक्शन और माप प्रथाओं से अवगत कराता है। विभाग के विभिन्न अभियांत्रिकी मॉडलों के सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के बीच इंटरफेस स्थापित करने के उद्दश्य से विभाग ने dSPACE की खरीद की थी, जो विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रोटोटाइप विकसित करने/परीक्षण करने में सहायक होगी। प्रयोगशाला की तस्वीर चित्र सं. 6 में दी गई है।

Fig. 6 पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला

7. इलेक्ट्रिक ड्राइव प्रयोगशाला

विभाग को बी.टेक., एम.टेक. और पीएच.डी. विद्यार्थियों के लिए एक इलेक्ट्रिक ड्राइव प्रयोगशाला स्थापित किए जाने की आवश्यकता थी। यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों की (पाठ्यक्रम के अनुसार) प्रयोगशाला कक्षाओं, व्यावहारिक प्रशिक्षण और उनके पाठ्यक्रम से संबंधित परियोजना कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है। विभिन्न पाठ्यक्रम (बी.टेक. और एम.टेक.) में सैद्धांतिक विषयों और उनके व्यावहारिक कार्यान्वयन के बीच एक संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से इलेक्ट्रिक ड्राइव जैसे डीसी मोटर ड्राइव, एसी मोटर ड्राइव एवं स्पेशल मोटर ड्राइव पर विभिन्न प्रयोगों को करने के लिए इस प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। इन प्रयोगों के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के पॉवर इलेक्ट्रॉनिक कन्वर्टर्स का उपयोग करके अलग-अलग प्रकार की

चित्र 7 इलेक्ट्रिक ड्राइव प्रयोगशाला

मोटरों के मोटरिंग और इलेक्ट्रिक ब्रेकिंग ऑपरेशन करने में सक्षम होते हैं। यह प्रयोगशाला स्नातक, परिस्नातक एव पी.एच.ड़ी विद्यार्थियों को उनके प्रोजेक्ट संबंधी कार्यों को पूर्ण करने में सहायक है। नव स्थापित इलेक्ट्रिक ड्राइव प्रयोगशाला की कुछ तस्वीरें अगले अनुभाग में दी गई हैं। प्रयोगशाला चित्र 7 में दर्शाई गई है।

8. इलेक्ट्रिक वाहन प्रयोगशाला

केंद्र सरकार द्वारा एनईपी-2020 (नई शिक्षा निति) की शुरुआत के बाद विभाग ने उद्योग 4.0 ध्येय केंद्रित यूजी, पीजी और पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए एक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रयोगशाला की स्थापना की। यह प्रयोगशाला न केवल (पाठ्यक्रम के अनुसार) विद्यार्थियों की प्रयोगशाला कक्षाओं, पाठ्यक्रम से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं परियोजना कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि विद्यार्थियों और संकायों दोनों के लिए शोध संबंधी कार्यों को पूर्ण करने में भी महत्वपूर्ण है। यह प्रयोगशाला ईवी मोटर नियंत्रण पर विभिन्न प्रयोग करने के लिए स्थापित की गई है। इस प्रयोगशाला के माध्यम से विद्यार्थी फॉरवर्ड मोटरिंग, रिवर्स मोटरिंग के तहत स्थिर और गतिशील प्रदर्शन की कल्पना करने में सक्षम हैं। ईवी अनुप्रयोगों के लिए उद्योग में उपयोग की जाने वाली मोटरों की फॉरवर्ड ब्रेकिंग और रिवर्स ब्रेकिंग। नव स्थापित इलेक्ट्रिक ड्राइव प्रयोगशाला की कुछ तस्वीरें अगले भाग में दी गई हैं। प्रयोगशाला चित्र 8 में दर्शाई गई है।

चित्र 8 इलेक्ट्रिक वाहन प्रयोगशाला

9. विभाग ने हाल ही में विभिन्न प्रकार की वितरण प्रणाली जैसे फोटोवोल्टिक वितरित उत्पादन प्रणाली, पवन ऊर्जा प्रणाली आदि को व्यक्त करने के लिए एक माइक्रोग्रिड प्रयोगशाला भी स्थापित की है। इसके अतिरिक्त विभाग में सिमुलेशन प्रयोगशाला और माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला भी है। इन प्रयोगशालाओं की कुछ तस्वीरें नीचे दी गई हैं,

(क) सिमुलेशन प्रयोगशाला

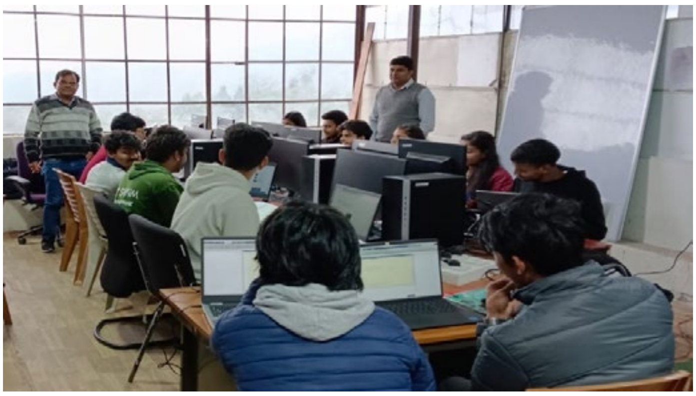

(ख) माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला

चित्र.9 (ग) माइक्रोग्रिड प्रयोगशाला

मुख्य वक्ता / विशेषज्ञ वक्ता :

- डॉ.संजय कुमार परिदा, आई.आई.टी पटना में दिनांक 16.03.2023 को "पॉवर सिस्टम ऑटोमेशन का परिचय" पर एक विशेष व्याख्यान दिया है।
- श्री शैल जादव, सह-संस्थापक टेसेरैक्ट रोबोटिक्स गांधीनगर ने दिनांक 17.03.2023 को "कृषि और पशुपालन में स्वचालन और ऊर्जा प्रबंधन में रोबोटिक्स पर" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ.सुजय दिलीप कदम, एनआईटी सिक्किम ने दिनांक 17.03.2023 को "सिस्टम पहचान: एक कृषि स्वचालन परिप्रेक्ष्य" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ.सुभेंदु दत्ता, आईआईटी दिल्ली ने दिनांक 18.03.2023 को "सोलर पीवी आधारित वॉटर पंपिंग सिस्टम" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया है।
- डॉ.सुभेंदु दत्ता, आईआईटी दिल्ली ने 18.03.2023 को "ग्रिड-टाइड सोलर पीवी स्ट्रिंग इन्वर्टर की स्थापना और संचालन" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- आईआईटी गुवाहाटी के प्रोफेसर संतोष के. द्विवेदी ने 18.03.2023 को "रोबोटिक्स एवं कृषि क्षेत्र में उद्यमी गतिविधियां और हालिया प्रगति" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- आईआईटी गुवाहाटी के प्रोफेसर संतोष के. द्विवेदी ने दिनांक 18.03.2023 को "एक्वाकल्चर इकोसिस्टम के स्वचालन और स्मार्ट मॉनिटरिंग में उद्यमशील गतिविधियां और प्रौद्योगिक प्रगति" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया है।
- आईआईटी गुवाहाटी के प्रोफेसर संतोष के. द्विवेदी ने दिनांक 18.03.2023 को "ड्रोन: फ़ाउंडेशन, असेंबली और प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया है।
- डॉ.औसगुल गर्ग, आईआईटी गुवाहाटी ने दिनांक 19.03.2023 को "ड्रोन: फ़ाउंडेशन, असेंबली और प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया है।
- डॉ.रंजन कुमार बेहरा, आईआईटी पटना ने दिनांक 19.03.2023 को "सौर एकीकरण के लिए उन्नत कनवर्टर नियंत्रण" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ.रंजन कुमार बेहरा, आईआईटी पटना ने दिनांक 19.03.2023 को "आईओटी आधारित सौर ऊर्जा आधारित स्मार्ट सिंचाई और गृह प्रबंधन प्रणाली" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया
- डॉ.प्रभाष कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक डी एनआईएच रूड़की ने दिनांक 19.03.2023 को "जल संसाधन प्रबंधन के लिए पायथन आधारित जल लेखा प्लस (डब्ल्यूए+)" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ.प्रभाष कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक डी एनआईएच रूड़की ने दिनांक 19.03.2023 को "वाटरशेड प्रबंधन प्लस: आजीविका सुरक्षा की ओर एक दृष्टिकोण" पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- डॉ.प्रभाष कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक डी एनआईएच रूड़की ने 20.03.2023 को "पायथन आधारित WA+ पर एक अभिव्यक्ति" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया
- प्रोफेसर अमिताव चटर्जी, जादवपुर विश्वविद्यालय ने दिनांक 20.03.2023 को "कंप्यूटर विजन आधारित मोबाइल रोबोट के स्वायत्त नेविगेशन" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया
- प्रोफेसर अमिताव चटर्जी, जादवपुर विश्वविद्यालय ने दिनांक 20.03.2023 को "मानव रोबोट सहयोग के लिए सीखने योग्य रणनीतियाँ" पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
- प्रोफेसर महेश चंद्र गोविल, निदेशक एन.आई.टी. सिक्किम ने दिनांक 20.03.2023 को "आईओटी के अनुप्रयोग" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया

विभागीय समितियां

क्र.सं.	संकाय सदस्यों के नाम	समिति का नाम
1	1. डॉ.अरबिंद पांडा, विभागाध्यक्ष एवं संयोजक 2. डॉ.मोले रॉय (संयोजक, ड़ी.यू.जी.सी.) 3. प्रत्येक बैच के संकाय सलाहकार i. ड़ॉ. सुभ्रा ज्योति सरकार, संकाय समन्वयक, बी.टैक (प्रथम वर्ष) ii. डॉ.प्रदीप कुमार, संकाय समन्यवक, द्वितीय वर्ष, प्रौद्योगिकी स्नातक iii. डॉ.अमित कुमार यादव, संकाय समन्वयक, प्रौद्योगिकी स्नातक (तृतीय वर्ष) iv. डॉ.अभिषेक रंजन, संकाय समन्वयक, प्रौद्योगिकी स्नातक (चतुर्थ वर्ष) v. डॉ.मोले रॉय, संकाय समन्वयक, प्रौद्योगिकी परिस्नातक (प्रथम वर्ष) vi. डॉ.मोले रॉय, संकाय समन्वयक, प्रौद्योगिकी परिस्नातक (द्वितीय वर्ष) vii. डॉ.अंजन कुमार रे, संकाय समन्वयक, पी.एच.ड़ी 4. डॉ.रंजन बसक, संकायाध्यक्ष शैक्षणिक के प्रतिनिधि	शैक्षणिक प्रदर्शन मूल्यांकन समिति (एपीईसी)
2	1. डॉ.मोले रॉय (संयोजक, ड़ी. यू. जी. सी) 2. डॉ. अरबिंद पांडा, विभागाध्यक्ष (ई.ई.ई) 3. डॉ.अंजन कुमार रे (संयोजक, डी.पी जी.सी) 4. डॉ.सौरव मल्लिक (विभागाध्यक्ष के प्रतिनिधि} 5. डॉ.प्रदीप कुमार (विभागाध्यक्ष के प्रतिनिधि) 6. डॉ.प्रत्यय कुइला {विभागाध्यक्ष के प्रतिनिधि)	विभागीय स्नातक समिति (डीयूजीसी)

क्र.सं.	संकाय सदस्यों के नाम	समिति का नाम
3	1. डॉ. अंजन कुमार रे (संयोजक, ड़ी.पी.जी.सी) 2. डॉ. अरबिंद पांडा,विभागाध्यक्ष(ई.ई.ई) 3. डॉ. मोले रॉय (संयोजक, ड़ी. यू जी. सी) 4. डॉ. सौरव मल्लिक,विभागाध्यक्ष के प्रतिनिधि 5. डॉ. प्रदीप कुमार (विभागाध्यक्ष के प्रतिनिधि) 6. डॉ. प्रत्यय कुइला,अध्यक्ष सीनेट के नामिति	विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी)

प्रयोगशाला प्रभारी की सूची नीचे संलग्न है:

क्र.सं.	प्रयोगशाला का नाम	संकाय प्रभारी	प्रयोगशाला प्रभारी (कर्मचारी)
1	मूलभूत वैद्युतिक प्रयोगशाला	डॉ.अभिषेक रंजन डॉ.सुजय दिलीप कदम	सुश्री दीपिका छेत्री श्री सैकत मिस्त्री श्री महावीर गुर्जर
2	विद्युत माप प्रयोगशाला	डॉ.प्रदीप कुमार डॉ.सुभ्रा ज्योति सरकार	सुश्री दीपिका छेत्री श्री सैकत मिस्त्री श्री महावीर गुर्जर
3	विद्युत कार्यशाला	डॉ.अमित कुमार यादव डॉ.सुभ्रा ज्योति सरकार	सुश्री दीपिका छेत्री श्री सैकत मिस्त्री श्री महावीर गुर्जर
4	पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला	डॉ. अरबिंद पांडा डॉ.मोले रॉय	श्री पवन कुमार कथानिया श्री सैकत मिस्त्री
5	ड्राइव प्रयोगशाला	डॉ. अरबिंद पांडा डॉ.मोले रॉय	श्री पवन कुमार कथानिया श्री मनीष कुमार
6	विद्युत वाहन प्रयोगशाला	डॉ. अरबिंद पांडा	श्री पवन कुमार कथानिया श्री मनीष कुमार
7	विद्युत मशीन प्रयोगशाला	डॉ.मोले रॉय डॉ.अभिषेक रंजन डॉ.शुभ्राज्योति सरकार	श्री अनिल गुर्जर श्री मनीष कुमार श्री महावीर गुर्जर
8	विद्युत प्रणाली प्रयोगशाला	डॉ.सौरव मल्लिक डॉ.अभिषेक रंजन	श्री पवन कुमार कथानिया श्री अनिल गुर्जर श्री मनीष कुमार
9	नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला	डॉ.अंजन कुमार रे डॉ.सुजय दिलीप कदम	सुश्री दीपिका छेत्री श्री सैकत मिस्त्री
10	माइक्रोग्रिड प्रयोगशाला	डॉ.मोले रॉय डॉ.अमित कुमार यादव	सुश्री दीपिका छेत्री श्री मनीष कुमार श्री महावीर गुर्जर

विभाग में चल रही परियोजनाएं / योजनाएं

1. डॉ.अंजन कुमार रे को प्रो. अरुण बरन समद्दर के साथ विश्वेश्वरैया पीएच.डी. प्रोजेक्ट "इंटेलिजेंट नेटवर्क्ड रोबोटिक सिस्टम्स" प्राप्त हुआ। इस परियोजना के तहत विभाग में एक पूर्णकालिक पीएचडी विद्वान कार्यरत है।
2. डॉ.अंजन कुमार रे - एक चौपाया और उच्च निपुणता वाले रोबोटिक प्लेटफॉर्म के प्रोटोटाइप का विकास।
3. डॉ.अरबिंदा पांडा - एकीकृत बिजली गुणवत्ता आधारित फोटोवोल्टिक वितरित उत्पादन प्रणाली का विकास।
4. डॉ.मोले रॉय - उद्योग अनुप्रयोगों के लिए कैस्केड मल्टी-लेवल इन्वर्टर का डिजाइन और विकास।
5. डॉ.अंजन कुमार रे: प्रधान अन्वेषक, जटिल नेटवर्क सिद्धांत के माध्यम से पावर ग्रिड की गतिशीलता: भेद्यता, स्थिरता और सिंक्रनाइज़ेशन का एक अध्ययन, मैट्रिक्स, एसईआरबी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित। 2022 से 2025 तक।
6. डॉ.अंजन कुमार रे: प्रधान अन्वेषक, यूएवी-यूजीवी समन्वय और मानव रहित वितरण सेवाओं के लिए गठन नियंत्रण: एक प्रायोगिक अध्ययन, आर्ट पार्क, आईआईएससी बैंगलोर द्वारा वित्त पोषित। 2021 से 2022।

आमंत्रित भाषण:

1. डॉ.अरबिंदा पांडा, 14 फरवरी, 2023 को ईई विभाग, एनआईटी वारंगल के सहयोग से और ईईई विभाग, जीआरआईईटी हैदराबाद द्वारा आयोजित और एआईसीटीई, अटल अकादमी द्वारा प्रायोजित "प्लग-इन इलेक्ट्रिक वाहन के लिए बेहतर पॉवर गुणवत्ता आधारित ग्रिड-टाई पीवी सिस्टम", विषय पर ऑनलाइन एफडीपी।
2. ए.के. रे, उद्योगों एवं कृषि हेतु उन्नत एआई और सिस्टम अभियांत्रिकी, उद्योगों एवं कृषि हेतु उन्नत एआई संबंधी उन्नत उद्यमिता और कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम, सीएसई विभाग, एनआईटी सिक्किम, मार्च, 2023।
3. ए.के. रे, डिज़ाइन ऑफ ए स्टेट फीडबैक कंट्रोलर: फ्रॉम पोल प्लेसमेंट टू इंटेलिजेंट कंट्रोल, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग, गार्गी मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, आईईईई एसपीएस, कोलकाता सेक्शन, फरवरी, 2023।
4. स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, आईआईएमटी यूनिवर्सिटी, मेरठ, उत्तर प्रदेश, भारत द्वारा 21/02/2023 को आयोजित "वैज्ञानिक नवाचारों और प्रौद्योगिकी में मैटलैब के अनुप्रयोग" नामक वेबिनार में एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

पीएच.डी. शोधार्थी

क. जिन्हें उपाधि प्रदान की गई हैं:-

क्र.सं.	शोधार्थी का नाम	सुपरवाईज़र	शोध का क्षेत्र (विषय)
1	श्री अरिंदम सिंघा	डॉ. अंजन कुमार रे	इंटेलिजेंट नेटवर्क्ड रोबोटिक सिस्टम
2	श्री रोशन प्रधान	डॉ. अरबिंद पांडा	पीवीडीजी सिस्टम
3	श्री अमित कुमार	डॉ.प्रदीप कुमार	पॉवर क्वालिटी इम्प्रूवमेंट यूजिंग कस्टम पॉवर डिवाइसेस
4	श्री अरबिंद घोष	डॉ. अंजन कुमार रे	इंटेलीजेंट कण्ट्रोल सिस्टम्स
5	श्री देबांजन मुखर्जी	डॉ.सौरव मल्लिक	पॉवर लाइन हार्मोनिक रिडक्शन यूजिंग फैक्ट्स

ख. जिन्होंने शोध प्रस्तुत किया है:-

क्र.सं.	शोधार्थी का नाम	सुपरवाईज़र	शोध का क्षेत्र (विषय)
1	श्री सुधांशु शेखर दास	डॉ. अरबिंद पांडा	नवीन Zsi/Qzsi टोपोलॉजी का डिज़ाइन एवं विकास और उसके अनुप्रयोग

ग. जिनका शोध चल रहा है:-

क्र.सं.	शोधार्थी का नाम	सुपरवाईज़र	शोध का क्षेत्र (विषय)
1	श्री रजनीकांत साहू	डॉ. मोले रॉय	डिज़ाइन एंड कण्ट्रोल ऑफ़ मल्टीलेवल इन्वर्टर फॉर होम ऍप्लिकेन्सेस
2	श्री रोमियो अथा	डॉ.सौरव मल्लिक	विद्युत सुरक्षा प्रणाली
3	श्री ओमकार सिंह	डॉ. अंजन कुमार रे	रोबोटिक्स और इंटेलीजेंट प्रणालियों में नियंत्रित अनुप्रयोग
4	श्री अविस्मित दत्ता	डॉ. अरबिंद पांडा	इलेक्ट्रिक वाहनों में मोटर ड्राइव का कार्य निष्पादन विश्लेषण
5	श्री प्रतीक प्रधान	डॉ. अरबिंद पांडा	इलेक्ट्रिक वाहन
6	श्री इस्लावातु श्रीकांत	डॉ.प्रदीप कुमार	विद्युत गुणवत्ता
7	सुश्री दीपिका क्षेत्री	डॉ. मोले रॉय	विद्युत चुम्बकीय प्रेरण का उपयोग करके विद्युत विद्युत ट्रांसफर और उसका विश्लेषण
8	सुश्री तुंपा दास	डॉ. मोले रॉय	घरेलू प्रेरण हीटिंग का निर्माण और कार्य निष्पादन विश्लेषण
9	श्री तापस मंडल	डॉ.सौरव मल्लिक	विद्युत प्रणाली
10	श्री चंदन कुमार	डॉ. अंजन कुमार रे	इंटेलीजेंट कंट्रोल का अनुप्रयोग
11	श्री सौरव घोष	डॉ.सौरव मल्लिक	विद्युत प्रणाली
12	श्री चयन चक्रवर्ती	डॉ. अंजन कुमार रे	एआई आधारित रोबोटिक्स
13	सुश्री प्रोमिला दास	डॉ.प्रदीप कुमार	विद्युत गुणवत्ता विश्लेषण

स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट

क्र.सं.	सुपरवाईज़र	प्रोजेक्ट का शीर्षक	प्रोजेक्ट का क्षेत्र	विद्यार्थी का नाम
1	डॉ.सौरव मलिक	माइक्रोग्रिड एकीकरण संबंधी चुनौतियां	नवीकरणीय ऊर्जा	अरुणा एस, रितेश छेत्री, देबाश शर्मा
		दो क्षेत्र प्रणाली में पीएसओ आधारित पीआईडी नियंत्रक का लोड आवृत्ति नियंत्रण	विद्युत प्रणाली	अंदिती अखिल कुमार
2	डॉ.मोले रॉय	मल्टी-कॉइल इंडक्शन कुकिंग सिस्टम का डिजाइन, निर्माण और विश्लेषण	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स	दीपांशु दुबे, कुणाल कुमार, पवन कुमार छेत्री
3	डॉ.प्रदीप कुमार	थ्री-लेग वीएसआई आधारित डीवीआर टोपोलॉजी द्वारा विद्युत गुणवत्ता मुआवजा	विद्युत प्रणाली	सचिन कुमार सिंह, पंकज कुमार, शिवानी प्रिया
		रैखिक और गैर-रेखीय लोड स्थिति के तहत स्टेटकॉम द्वारा प्रदर्शन में सुधार	विद्युत प्रणाली	पवन कुमार प्रसाद
4	डॉ. अनुलेखा साहा	बीएलडीसी मोटर का उपयोग कर सौर संचालित जल पंपिंग सिस्टम पर प्रयुक्त पी एंड ओ आधारित एमपृष्ठटी	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स	अतुल कुमार, शिवम कुमार, दिलीप तमांग
5	डॉ. अरबिंद पांडा	परफॉरमेंस एनालिसिस ऑफ़ बी.एल.डी.सी मोटर फॉर ई.वी ऍप्लिकेशन्स	पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्राइव्स	सचिन कुमार, निधि भारती
		ग्राउंड सर्विलांस राडार		आदित्य कुमार
6	डॉ.अंजन कुमार रे	यू.ए.वी- यू. जी. वी कोआर्डिनेशन एंड कण्ट्रोल	कण्ट्रोल सिस्टम्स	प्रशांत कुमार, श्रेयांश शर्मा, अभिनव कुमार सिंह
		एलएफसी में आभासी जड़ता की भागीदारी	कण्ट्रोल सिस्टम्स	निज़ामपट्टनम साई मोहम्मद मुकर्रम रुचि कुमारी भगत
7	डॉ.अमित कुमार यादव	कृषि क्षेत्र के लिए स्मार्ट सौर ऊर्जा संचालित प्रणाली का डिजाइन	रिन्यूएबल एनर्जी	आदर्श रंजन, उज्जवल कुमार, तल्लुरु साई विनिल कुमार
8	डॉ.अभिषेक रंजन	एकल और बहुउद्देश्यीय ढांचे संबंधी इष्टतम सक्रिय बिजली प्रेषण समस्या का समाधान	पावर सिस्टम्स	प्रीति कुमारी, सुभम कुमार, नेहा कुमारी
9	डॉ.कुंतल मण्डल	कनवर्टर-फेड कॉन्स्टेंट पावर लोड के लिए वर्चुअल प्रतिबाधा आधारित ल्यापुनोव नियंत्रक	नियंत्रण प्रणाली	सौम्य करन
		संसाधन आयोजना और परिनियोजन से संबंधित समाधान प्रदान करने के लिए अनुकूलन विधियों का अनुप्रयोग	उद्योग	सुरभि कुमारी
		मल्टी इनपुट सिंगल आउटपुट डीसी-डीसी कनवर्टर का डिजाइन और विश्लेषण	कण्ट्रोल सिस्टम्स	पम्मी कुमारी गुप्ता
10	डॉ.सौरव मलिक एवं डॉ. अभिषेक रंजन	"पार्टिकल स्वार्म ऑप्टिमाईजेशन का उपयोग करते हुए इकॉनॉमिक लोड डिस्पेच समस्याओं का समाधान।	विद्युत प्रणाली	टुन्ना बैथा
	डॉ.अरबिंद पांडा एवं डॉ. मोले रॉय	4 वायर शंट सक्रिय पावर फिल्टर के चरण-1 और चरण-3 का सिमुलेशन और विश्लेषण	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स & ड्राइव	चेबाथिनी मैक्सिमस, पेम शेरिंग लेप्चा
11	डॉ.प्रदीपकुमार एवं डॉ.अमित कुमार यादव	भारतीय स्थलों के लिए पवन ऊर्जा उत्पादन का आकलन और अर्थशास्त्र	नवीकरणीय ऊर्जा	प्रिंस प्रसाद, अविनाश जाम्बेकर
12	डॉ.अमितकुमार यादव एवं डॉ. कुन्तल मण्डल	निरंतर करंट चार्जिंग सर्किट का डिजाइन और विश्लेषण	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स	यसवंत मदीना, कर्मा दादुल भूटिया

क्र.सं.	सुपरवाईज़र	प्रोजेक्ट का शीर्षक	प्रोजेक्ट का क्षेत्र	विद्यार्थी का नाम
13	डॉ.अनुलेखा साहा व डॉ.प्रसनजीत डे	डबल स्टेज सिंगल फेज ग्रिड कनेक्टेड सोलर पीवी इन्वर्टर	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स	तकेंद्र रेम्मी, मनीष कुमार पासवान

स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट:

क्र.सं.	पर्यवेक्षक	परियोजना का शीर्षक	परियोजना का क्षेत्र	विद्यार्थी का नाम
1	डॉ. अरबिंद पांडा	इलेक्ट्रिक वाहन अनुप्रयोग हेतु प्रत्यक्ष टोर्क नियंत्रित प्रेरण मोटर ड्राइव का कार्यनिष्पादन विश्लेषण	इलेक्ट्रिक वाहन	सत्यब्रत बेहरा
		ईवी एप्लिकेशन के लिए 12-वेक्टर आधारित जेड-सोर्स इन्वर्टर फेड बीएलडीसी मोटर ड्राइव का कार्य निष्पादन विश्लेषण		नीलांजन दास
2	डॉ.सौरव मलिक	कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क (एएनएन) और पीआई आधारित नियंत्रित गतिशील वोल्टेज रिस्टोरर (डीवीआर) का कार्यनिष्पादन विश्लेषण	विद्युत प्रणाली	अंकित सिंह
3	डॉ. मोले रॉय	बैकअप और प्रतिक्रियाशील बिजली क्षतिपूर्ति के रूप में ट्रांसफार्मरलेस यूपीएस का डिजाइन, कार्यान्वयन	पावर इलेक्ट्रॉनिक	सतदल भौमिक
4	डॉ. प्रदीप कुमार	संशोधित-एसआरएफ, यूवीटी और डीक्यू थ्योरी कंट्रोल अपक्यूसी द्वारा तुलनात्मक बिजली गुणवत्ता प्रदर्शन	विद्युत गुणवत्ता	आयशा जहां
5	डॉ.कुंतल मंडल	उन्नत नियंत्रक डिजाइन हेतु ईवी का एकीकृत स्विच गैर-रैखिक मॉडल	नियंत्रण प्रणाली	दिब्येंदु खान
		सिलिकॉन चिप के वर्ग परीक्षण में विद्युत और थर्मल चुनौतियों की पहचान	नियंत्रण प्रणाली	सयोन करमाकर
6	डॉ.सौरव मलिक व डॉ. मोले रॉय	3-व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहन अनुप्रयोग के लिए बीएलडीसी मोटर और ड्राइव सिस्टम का डिजाइन और विश्लेषण	पॉवर इलेक्ट्रॉनिक	निर्वाण रोहन अनिल कुमार
7	डॉ. प्रदीप कुमार एवं डॉ. अमित कुमार यादव	ग्रिड कनेक्टेड सौर पीवी प्रणाली का तुलनात्मक विद्यत गुणवत्ता कार्यनिष्पादन मूल्यांकन	विद्युत प्रणाली	राजेश रंजन
8	डॉ.अभिषेक राजन और डॉ.सौरव मलिक	मेटा-हेरिस्टिक अनुकूलन तकनीक का उपयोग कर वीएआर आयोजना संबंधी समस्या का समाधान	विद्युत प्रणाली	दीपक कुमार
9	डॉ.प्रदीप कुमार और डॉ.अनुलेखा साहा	वीएसआई आधारित डीवीआर द्वारा पॉवर फैक्टर और वॉल्टेज गुणवत्ता कार्यक्रम में सुधार।	विद्युत प्रणाली	के. डिकीला
10	डॉ.कुंतल मंडल और डॉ.मोले रॉय	डिजिटल रूप से नियंत्रित पीवी एमुलेटर का डिजाइन और विश्लेषण	पावर इलेक्ट्रॉनिक्स	पार्थसारथी पनुया

कार्यशाला का आयोजन

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रायोजित विषय "कृषि और पशुपालन में स्वचालन और ऊर्जा प्रबंधन" पर 5 दिवसीय उन्नत उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 16 से 20 मार्च के दौरान ईईई विभाग, एनआईटी सिक्किम, रावंगला द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ.अरबिंदा पांडा एवं डॉ.अंजन कुमार रे थे। उद्यमिता की ओर रुझान रखने वाले मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व राज्यों के प्रतिभागियों को इस कार्यक्रम में गहन प्रशिक्षण प्राप्त हुआ था। आईआईटी और एनआईटी, एनआईएच, जादवपुर विश्वविद्यालय सहित शिक्षा जगत और उद्योग जगत के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और व्याख्यान के साथ-साथ व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से अपनी विद्वता और विशेषज्ञता को साझा किया।

वर्ष 2022 में ईईई विभाग की प्रमुख उपलब्धियां

(a) श्री सचिन कुमार ने विभाग में उच्चतम सीजीपीए (9.06) अंक प्राप्त किए।

(b) श्री श्रेयांश शर्मा (बी.टेक. 2018-2022 बैच) ने गेट- 2023 में ऑल इंडिया रैंक - 12 हासिल की।

(c) सुश्री सौम्या करण (बी.टेक. 2018-2022 बैच) का चयन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर में पी.एच.ड़ी (डाइरेक्ट पी.एच.ड़ी) में हुआ है।

(d) सुश्री सृष्टि (बी.टेक. 2019-2023 बैच) का स्नातक के अंतिम वर्ष हेतु भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद में चयन हुआ है।

यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग

जहां तक गणित के नियमों का संबंध वास्तविकता से है, वे निश्चित नहीं हैं; और जहां तक वे निश्चित हैं, वे वास्तविकता का उल्लेख नहीं करते हैं

~ अलबर्ट आइंस्टीन

थर्मल एजेंसी जिसके द्वारा यांत्रिकी प्रभाव प्राप्त किया जा सकता है, कम तापमान पर एक शरीर से दूसरे शरीर में गर्मी का अंतरण है।

~ सादी कार्नोट

यांत्रिकी अभियांत्रिकी उत्पादों, प्रक्रियाओं और विद्युत के संवर्धन से संबंधित है. हमारे भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कई आविष्कारों की जड़ें द्रव्यमान, गति, बल और ऊर्जा की दुनिया में होंगी — यांत्रिकी इंजीनियर्स की सष्टि. यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग उत्कृष्ट शिक्षा और शोध के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है जिसका ध्येय बदलती औद्योगिक माँगों और सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए योग्य, नवोन्वेषी, उद्यमशील और सफल इंजीनियरों को तैयार करना है. विभाग का लक्ष्य नवीन शोध करना और विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करना है जो समाज में प्रभावशाली योगदान देने के लिए आवश्यक पेशेवर, तकनीकी, महत्वपूर्ण विचार-कौशल एवं संचार कौशल पैदा करता है।

विभाग ने अपनी यात्रा 2014 में शुरू की थी। अपनी स्थापना के बाद से, विभाग ने विश्व स्तर पर सक्षम यांत्रिकी इंजीनियरों को तैयार किया है जो नवाचार और बहु-विषयक क्षेत्रों में काम करके समाज में योगदान देने में सक्षम विभाग का लक्ष्य विद्यार्थियों को बौद्धिक और व्यावहारिक अनुभवों का सही मिश्रण प्रदान करना है जो उन्हें समाज की सेवा करने और मानव की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करता है।

विभाग के प्राथमिक लक्ष्य इस प्रकार हैं:

- उत्कृष्ट शिक्षण, नवीन पाठ्यक्रम और शोध प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षा के उच्च मानक को बनाए रखना जो समाज की बदलती जरूरतों को प्रतिबिंबित करता हो।.
- यांत्रिकी अभियांत्रिकी में उत्साह, योग्यता और रुचि वाले अत्यधिक प्रेरित विद्यार्थियों को आकर्षित करना.
- शोध और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में उत्कृष्टता को आगे बढ़ाना.
- विभाग में संकाय सदस्यों की भर्ती और उन्हें बनाए रखना.
- विभागीय गतिविधियों और यांत्रिकी अभियांत्रिकी पेशे के बारे में जनता में जागरूकता बढ़ाना।
- नवीनतम ज्ञान और शोध के साथ-साथ सर्वोत्तम प्रथाओं के परामर्श देने एवं साझा करने का अवसर प्रदान करना।.
- आधुनिक यांत्रिकी अभियांत्रिकी क्षेत्रों की समझ के साथ अद्यतन करना जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, कंप्यूटर-एडेड डिजाइन (सीएडी), कंप्यूटर-एडेड मैन्युफैक्चरिंग (सीएएम), प्रोडक्ट लाइफ साइकिल मैनेजमेंट विनिर्माण संयंत्रों, औद्योगिक उपकरणों और मशीनरी का डिज़ाइन और विश्लेषण करना।
- हीटिंग और कूलिंग सिस्टम, परिवहन प्रणाली, विमान, रोबोटिक्स, चिकित्सा उपकरणों, हथियारों आदि के आधुनिक ज्ञान प्रदान करना।.
- विभिन्न उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के साथ बहु-विषयक और सहयोगात्मक शोध कार्य संचालित करना।

प्रस्तुत कार्यक्रम / पाठ्यक्रम

- यांत्रिकी अभियांत्रिकी में बी.टेक.
- यांत्रिकी अभियांत्रिकी में पीएच.डी.

विद्यार्थियों की संख्या (बी. टेक.)

	कुल स्वीकृत संख्या	विद्यार्थियों की संख्या (2022-23)
प्रथम वर्ष	30	30
द्वितिय वर्ष	30	24
तृतीय वर्ष	30	28
चतुर्थ वर्ष	30	20

प्राध्यापक विवरण

विभाग के सदस्य व्यावसायिकता और अखंडता, शिक्षण उत्कृष्टता के साथ-साथ विद्यार्थियों की पहल और नवाचार को महत्व देते हैं. विभागीय संकाय सदस्य हर स्तर पर और हर स्थिति में निर्णयों और कार्यों को साकार करने के लिए इन मूल्यों को एक अभिन्न संदर्भ ढांचे के रूप में रखते हैं।

डॉ. शंभुनाथ बर्मन
सह-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
पीएच.डी. (जादवपुर यूनिवर्सिटी, 2014), एम.ई. (बीईएसयू शिबपुर, 2008)
विषय विशेष : स्टडी ऑफ़ ट्रांसपोर्ट फेनोमेनन इन मैटेरियल्, प्रोसेसिंग एक्सपेरिमेंटल एंड न्यूमेरिकल हीट ट्रांसफर एंड कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनामिक्स.

डॉ. रंजन बसाक
सह-प्राध्यापक
पीएच.डी. (जादवपुर विश्वविद्यालय, 2012), एम.एम.ई. (जादवपुर विश्वविद्यालय, 2000)
विषय विशेष : फ्लूइड मैकेनिक्स एंड मशीन डिज़ाइन

डॉ. अनिल लाल एस
सह-प्राध्यापक
पीएच.डी. (आईआईटी मद्रास, 2002), एम.टेक. (आईआईटी मद्रास, 1996)
विषय विशेष: कम्प्यूटेशनल मेथड्स इन फ्लूइड मैकेनिक्स एंड हीट ट्रांसफर, मैथमेटिकल मेथड्स फॉर अभियांत्रिकी , मशीन लर्निंग टेक्निक्स, रिसर्च मेथोडोलोजी, ऑप्टिमाइजेशन टेक्निक्स, इकोनॉमिक्स

डॉ. जय गोपाल गुप्ता
सहेयक प्रोफेसर
अनुसंधान रुचि: *प्रदर्शन, उत्सर्जन, आंतरिक दहन इंजन में दहन, वैकल्पिक ईंधन और नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन*

अस्थायी प्राध्यापक

डॉ.देबजीत साहा
डॉ.कीर्ति तिवारी
डॉ.विभूति भूषण नायक
डॉ.शितेन्दु सोम
डॉ. दीपायन दास
डॉ. उत्तम कुमार मोहंती
डॉ.सुदीप बनर्जी

कर्मचारी विवरण

1 ***श्री सुनील कुमार कुशवाह***
तकनीकी सहायक
प्रौद्योगिकी स्नातक (यांत्रिक अभियांत्रिकी), एफ.जी.आई.ई.टी

2 ***श्री अमित मैती***
लैब तकनीशियन
आईटीआई, डिप्लोमा (यांत्रिकी)

तकनीकी एसोसिएशन/सोसायटी की सदस्यता

- डॉ.अनिल लाल एस, सदस्य, इंडियन सोसायटी ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (आईएसटीई)
- डॉ.अनिल लाल एस, सदस्य, एरोनॉटिकल सोसायटी ऑफ इंडिया
- डॉ.अनिल लाल एस, सदस्य, इंडियन सोसायटी ऑफ हीट एंड मास

प्रयोगशाला सुविधाएँ

अपनी स्थापना के बाद से, विभाग सामाजिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक और आधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित करने पर जोर दे रहा है। विभाग अब निम्नलिखित प्रयोगशालाओं से सुसज्जित है:

- यांत्रिक कार्यशाला
- द्रव यांत्रिकी एवं मशीनरी प्रयोगशाला
- ठोस यांत्रिकी तत्व प्रयोगशाला
- मशीनिंग विज्ञान प्रयोगशाला
- उन्नत विनिर्माण प्रक्रिया प्रयोगशाला
- कम्प्यूटर ग्राफ़िक्स प्रयोगशाला
- सीएडी/सीएएम प्रयोगशाला
- मशीन ड्राइंग प्रयोगशाला
- मेट्रोलोजी एवं इंस्ट्रुमेंटेशन प्रयोगशाला

- ताप स्थानांतरण प्रयोगशाला
- आईसी इंजन प्रयोगशाला
- प्रशीतन एवं वातानुकूलन प्रयोगशाला
- ऊर्जा रूपांतरण प्रयोगशाला
- मशीनरी प्रयोगशाला की गतिकी और गतिशीलता
- धातु काटने वाली प्रयोगशाला
- कंपन एवं रोटर गतिशीलता प्रयोगशाला

1. यांत्रिक कार्यशाला

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर श्रम की गरिमा, सटीकता एवं सुरक्षा, टीम वर्क और सही दृष्टिकोण के विकास में मशीनिंग कौशल विकसित करना हैं। यह पाठ्यक्रम माप के कौशल को भी बढ़ाता है और बुनियादी प्रौद्योगिकी प्रथाओं में हाथ के औजारों और उपकरणों के साथ कौशल में सुधार करता है जो आमतौर पर बुनियादी कार्यशाला अभ्यास में उपयोग किए जाते हैं।

सीट बैंडिग मशीन

विद्युत भट्टी

पैड्स्टल ग्राइंडर

एमआईजी वैल्डिंग मशीन

एमआईजी वैल्डिंग मशीन

स्पॉट वैल्डिंग मशीन

पॉवर सॉ

एमएमएड्ब्ल्यू मशीन

2. द्रव यांत्रिकी एवं मशीनरी प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य द्रव यांत्रिकी और हाइड्रोलिक मशीनों के बुनियादी सिद्धांतों की समझ को मजबूत करना और बढ़ाना है. . यहां प्रयोगों को बुनियादी तरल यांत्रिकी सिद्धांतों के अनुप्रयोगों को प्रदर्शित करने और सिद्धांत की अधिक सहज और भौतिक समझ प्रदान करने के लिए शिल्प किया गया है। इस प्रयोगशाला का मुख्य उद्देश्य द्रव यांत्रिकी की मानक माप तकनीकों और उनके अनुप्रयोगों पर चर्चा और अभ्यास करना है. इसमें अलग-अलग ऑपरेटिंग बिंदुओं पर विभिन्न उपकरणों का प्रदर्शन भी शामिल है। इस प्रयोगशाला कक्षा के पूरा होने के बाद, विद्यार्थी द्रव मशीनरी की अवधारणा जैसे कि विभिन्न प्रकार के टर्बाइन और पंप और हाइड्रोलिक मशीनों पर लागू विभिन्न गैर-आयामी पैरामीटर को समझने में सक्षम होंगे।

विद्यार्थियों को बर्नौली के प्रमेय को सत्यापित करने और वेंचुरी-मीटर, ओरिफिस मीटर, नोजल, पिटोट ट्यूब आदि को कैलिब्रेट करने योग्य जाता है। विद्यार्थी इस प्रयोगशाला कक्षा के अंत में लैमिनर, अशांत प्रवाह को चिह्नित करने और तैरते निकायों की स्थिरता का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे. प्रयोगशाला में सुविधाएं अत्यंत उच्च गुणवत्ता की हैं और कुछ सेटअप पीएचडी विद्यार्थियों के शोध स्तर के प्रयोगों को संचालित करने के लिए संशोधित किए जा सकते हैं।

कुछ उपकरणों के चित्रात्मक दृश्य नीचे दिए गए हैं:

प्रवाह मापन यंत्र

टरबाइन सैटअप

रैसीप्रोकेटिंग पंप टैस्ट रिज

सीरीज एंड पैरेलेल सैंट्रीफ्यूगल टैस्ट रिज

पैल्टन व्हील सैटअप

3. यांत्रिकी प्रयोगशाला के ठोस तत्व

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को धातुओं के विभिन्न यांत्रिक गुणों के मूल्यांकन के बारे में अवगत कराना है जैसे. a) अनुपातिकता की सीमा b) प्रत्यास्थ सीमा c) नम्य क्षमता d) आघारभूत क्षमता e) यंग का प्रत्यास्थता मापांक f) प्रतिशत दीर्घीकरण g) प्रतिशत कमी आदि. इस प्रयोगशाला में यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन (यूटीएम) एक प्रमुख सुविधा के रुप में उपलब्ध है जिसका उपयोग चार प्रयोगों को करने के लिए किया जाता है :खिंचाव, संकोचन, मानक परीक्षण नमूनों को मोड़ना और कतरना, इसके अतिरिक्त, टोरसन परीक्षण, कठोरता परीक्षण, इज़ोड एवं चार्पी परीक्षण, इस प्रयोगशाला में संपीड़न शक्ति परीक्षण भी आयोजित किए जाते हैं. कुछ उपकरणों के सचित्र दृश्य नीचे दिखाए गए हैं:

हार्डनैस टैस्टिंग मशीन

यूनीवर्सल टैस्टिंग मशीन

टॉरीसन टैस्टिंग मशीन

इम्पेक्ट टैस्टिंग मशीन

स्प्रिंग टैस्टिंग मशीन

4. कम्प्यूटर ग्राफ़िक्स प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऑटोकैड की, 2डी मॉडलिंग और विभिन्न यांत्रिक भागों के आइसोमेट्रिक चित्रों के विषय में बुनियादी कौशल प्रदान करना है। इस प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के यांत्रिक घटकों की 3डी मॉडलिंग की जाती है।

कम्प्यूटर ग्रॉफिक्स प्रयोगशाला

5. उत्पादन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

इस कोर्स का उद्देश्य लेथ, शेपर, प्लानर, स्लॉटर, मिलिंग, हॉबिंग और ग्राइंडिंग जैसे मशीन टूल्स पर कार्य करने का प्रशिक्षण प्रदान करना और वांछित घटकों के निर्माण के लिए उपयुक्त उत्पादन प्रक्रिया के चयन से परिचित कराना है। यह कोर्स एनसी और सीएनसी मशीन टूल प्रोग्रामिंग और कंप्यूटर एडेड पार्ट प्रोग्रामिंग की बुनियादी अवधारणाओं का भी उद्घाटन करता है। कुछ उपकरणों के सचित्र दृश्य नीचे दिखाए गए हैं:

परिशुद्धता परंपरागत खराद

परिशुद्धता परंपरागत खराद

परिशुद्धता परंपरागत खराद

6. उत्पादन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला II

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न फ़ीड दरों और गति के तहत मशीनिंग प्रक्रियाओं में काटने वाले बलों, औसत काटने वाले तापमान का अध्ययन करना है. पाठ्यक्रम को विशेष रूप से चिप निर्माण तंत्र और प्रासंगिक मामलों को समझने के लिए रेखांकित किया गया है (प्रकार, रंग एवं मोटाई) विभिन्न मशीनिंग प्रक्रियाओं के दौरान चिप कमी गुणांक / कटिंग अनुपात और कतरनी कोण पर काटने की गति और फ़ीड में भिन्नता की भूमिका का मूल्यांकन . कुछ उपकरणों के सचित्र दृश्य नीचे दर्शाये गये हैं:

टीआईजी वैल्डिंग सैटअप

एमआईजी वैल्डिंग सैटअप

हॉरिजॉन्टल सर्फेस ग्राइंडर

7 सीएडी / सीएएम प्रयोगशाला

संस्थान की सीएडी/सीएएम प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार के डिजाइन सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण प्रदान करती है जो विभिन्न प्रकार के मशीन घटकों को डिजाइन करने के लिए उपयोगी होते हैं।. इस प्रयोगशाला में विद्यार्थी सीएडी सॉफ्टवेयर में 2डी और 3डी मॉडल विकसित कर सकते हैं (ठोस पदार्थ/ठोस छोर). विद्यार्थियों को बुनियादी बूलियन संचालन से परिचित कराता है: 3डी मॉडल के लिए शेल, स्वीप, रिवॉल्व, लॉफ्ट, एक्सट्रूड, फ़िलेटिंग, चम्फर, स्प्लिन इत्यादि। इन्हें सीएनसी लेथ और एनसी मिलिंग के लिए मैन्युअल पार्ट प्रोग्रामिंग करने के लिए अभ्यास प्रशिक्षण दिया जाता है।

सचित्र दृश्य सीएडी/सीएएम प्रयोगशाला

8. मशीन ड्राइंग प्रयोगशाला

इस प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों को मशीन ड्राइंग के तत्वों के प्रतिनिधित्व, अभियांत्रिकी सामग्री का परिचय, सतह फिनिश, सहिष्णुता, अनुभागीय दृश्य और पेंच धागे के बारे में अभ्यास कराना है। बोल्ट और नट्स के घटक चित्र, लॉकिंग डिवाइस, चाबियाँ और कॉटर जोड़, पोर जोड़, रिवेट जोड़, शाफ्ट युग्मन, बियरिंग और पाइप जोड़ भी छात्रों को सिखाए जाते हैं। इसके अलावा, इस प्रयोगशाला में छात्रों द्वारा असेंबली ड्राइंग, स्टफिंग बॉक्स की असेंबली का ड्राइंग, और घटक चित्रों का उपयोग करके पेडस्टल असर का अभ्यास किया जा रहा है।

मशीन ड्राइंग प्रयोगशाला का सचित्र दृश्य

9. मेट्रोलॉजी और उपकरण प्रयोगशाला

यांत्रिकी माप और मेट्रोलॉजी लैब का उद्देश्य यांत्रिकी माप और मेट्रोलॉजी में सिखाई गई सैद्धांतिक अवधारणाओं का प्रदर्शन करना और अंशांकन के साथ विभिन्न माप उपकरणों के उपयोग का अभ्यास करना भी है। विद्यार्थियों को थ्रेड प्रोफ़ाइल माप, ऑटोकॉलिमेटर, प्रोफ़ाइल प्रोजेक्टर, सतह खुरदरापन परीक्षक, थर्मल इमेजिंग डिवाइस का उपयोग सिखाया जा रहा है.

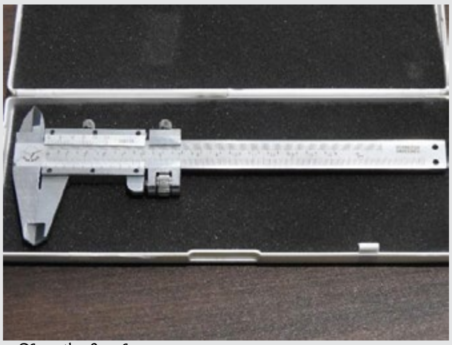
वर्नियर कैलीपर्स

माइक्रोमीटर

डिजिटल माइक्रोमीटर

डायल गॉज

बेवेल प्रॉटेक्टर एंड कॉम्बिनेशन सैट

बोर गॉज

ऑटोकॉलीमेटर

सर्फेस रफनैस टैस्टर

स्लिप गॉज

साइन बार

10. ताप अंतरण प्रयोगशाला

ऊष्मा अंतरण प्रयोगशाला अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है जिससे इस ज्ञान क्षेत्र में विद्यार्थियों की समझ को सदृढ़ बानाया जा सके। इस प्रयोगशाला के उपकरण संस्थान के अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद-तृतीय के सहयोग से खरीदे जाते हैं. इस प्रयोगशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को कंडक्टिव, कन्वेक्टिव और रेडिएटिव हीट ट्रांसफर पर उचित ज्ञान से अवगत करना है। विद्यार्थियों को ताप अंतरण, ताप विनिमायक, विभिन्न तापमान माप मॉड्यूल आदि से परिचित कराना एवं उनका अभ्यास करना है।.. कुछ उपकरणों के सचित्र दृश्य नीचे दिखाए गए हैं:

उबाल और संघनन उपकरण

थर्मो-कपल उपकरण का अंशांकन

विकिरण ढाल व्यवस्था के साथ विकिरण उपकरण

11. आईसी इंजिन प्रयोगशाला

अभ्यंतर ज्वलन इंजन प्रयोगशाला विद्यार्थियों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए कई उपकरणों से सुसज्जित है और उपकरणों को संस्थान के टीईक्यूआईपी-III की पूर्ण वित्तीय सहायता से खरीदा जाता है। इस प्रयोगशाला में, वीटीडी प्लॉटिंग के साथ विभिन्न इंजनों के कट-सेक्शन मॉडल विद्यार्थियों को प्रस्तुत किए जाते हैं. इस प्रयोगशाला में एकल सिलेंडर डीजल, पेट्रोल इंजन, बहु-सिलेंडर इंजन पर प्रदर्शन परीक्षण किए गए जाते हैं। उपर्युक्त परीक्षण सुविधाओं के अलावा, इस प्रयोगशाला में शोध स्तर के प्रयोगों के संचालन के लिए खुले ईसीयू के साथ एक बहु-ईंधन वीसीआर इंजन उपलब्ध है।. प्रदर्शन, ज्वलन परीक्षण विभिन्न वैकल्पिक ईंधन का उपयोग करके उपलब्ध उपकरणों के साथ संचालित किए जा सकते हैं। यह प्रयोगशाला इंजन की उत्सर्जन विशेषताओं की जांच करने के लिए बहु-गैस एनालाइज़र से भी सुसज्जित है। कुछ उपकरणों के सचित्र दृश्य नीचे दर्शाए गए हैं:

बम कैलोरीमीटर

इंजन और बॉयलर के कट सेक्शन मॉडल

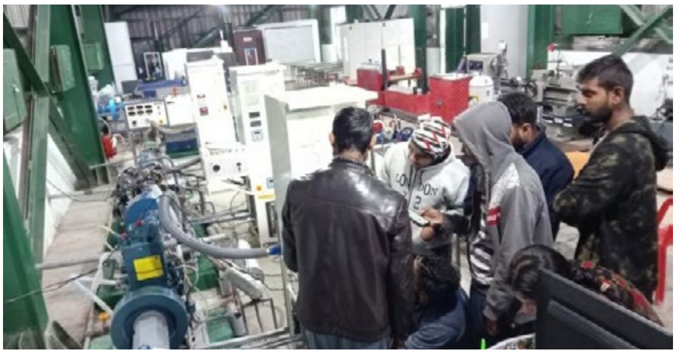

इंजन

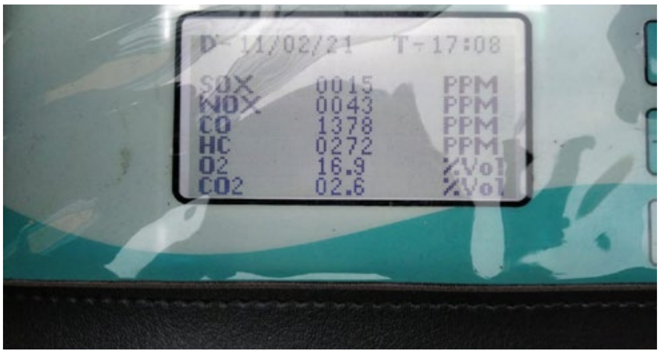

मल्टी-गैस विश्लेषक

12. प्रशीतन एवं वातानुकूलन प्रयोगशाला

प्रशीतन एवं वातानुकूलन प्रयोगशाला में इस विषय पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रयोग करने के लिए उपकरण और यंत्र मौजूद हैं। हाल ही में, TEQIP-III की वित्तीय सहायता से इस प्रयोगशाला में प्रशीतन प्रयोगों से संबंधित नए उपकरण शामिल किए गए हैं। कंप्रेसर के कट-सेक्शन मॉडल, घरेलू रेफ्रिजरेटर का प्रयोग आरएसी प्रणाली के कामकाज को प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है। घरेलू प्रकार के प्रशीतक के COP का निर्धारण, विद्यार्थियों को छोटे बर्फ के पौधे (कम्प्यूटरीकृत), वीएआर सिस्टम सिखाया जाता है। इस प्रयोगशाला में प्रशीतक रिसाव का पता लगाने का प्रयोग किया जाता है। इसके अतिरिक्त , प्रयोगशाला एक एसी परीक्षण रिग, थर्मो-इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेटर, विभिन्न प्रकार के कंप्रेसर मॉडल आदि से सुसज्जित है . कुछ उपकरणों के सचित्र दृश्य नीचे दर्शाए गए हैं:

वीसीआर टेस्ट रिग (घरेलू रेफ्रिजरेटर) -मैनुअल मोड

वीएआर टेस्ट रिग

एसी टेस्ट रिग

13. ऊर्जा रुपांतरण प्रयोगशाला

ऊर्जा रुपांतरण प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार की बुनियादी ऊर्जा रूपांतरण प्रक्रियाओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिए कई अत्याधुनिक सुविधाओं से सुज्जित है। इस प्रयोगशाला में विभिन्न प्रकार के बॉयलरों के कट-सेक्शन मॉडल विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत किए जाते हैं। इस प्रयोगशाला में ब्लोअर टेस्ट रिग पर भी प्रयोग किया जाता है। कुछ उपकरणों के सचित्र दृश्य नीचे दर्शाए गए हैं:

स्टर्लिंग बॉयलर का कट-सेक्शन मॉडल

लंकाशायर बॉयलर का कट-सेक्शन मॉडल

4-एस 4-सी पेट्रोल इंजन का असेंबलिंग और डिसमैक्लिंग सेट-अप (काम कर रहा है)

डेटा लॉगिंग सुविधा के साथ केन्द्रापसारक ब्लोअर

14. उपकरण गतिकी एवं गतिशीलता प्रयोगशाला

उपकरण गतिकी एवं गतिशीलता प्रयोगशाला का उद्देश्य किसी उपकरण में निर्दिष्ट प्रकार की गति के लिए तंत्र के डिजाइन और विश्लेषण पर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है। क्ठोर पदार्थों के अध्ययन से, संचारण प्रणाली की गतियाँ और बल, उपकरण गतिकी एवं गतिशीलता को समझा जा सकता है। उपकरणों की गतिशीलता को समझने के लिए गवर्नर्स, जाइरोस्कोप और एपिकाइक्लिक गियर ट्रेनों के साथ विभिन्न प्रयोग उपलब्ध हैं। यह प्रयोगशाला मशीन घटकों के स्थिर और गतिशील संतुलन पर व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान करती है। कुछ उपकरणों के सचित्र दृश्य नीचे दर्शाए गए हैं:

स्थैतिक और गतिशील संतुलन मशीन

शाफ्ट उपकरण का भंवर

जाइरोस्कोप उपकरण

एपिसाइक्लिक गियर ट्रेन उपकरण

15. . धातु-कतरन प्रयोगशाला

यह पाठ्यक्रम अभियांत्रिकी विश्लेषण के सिद्धांतों और तरीकों, उपकरण मर्चेंट के सिद्धांतों का उपयोग करके उपकरण आधारित प्रक्रियाओं में विशेष ज्ञान और कौशल का परिचय देता है। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य उद्योगों में नियंत्रित तरीके से माल हटाकर भागों के निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली सामान्य प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान करना है। सहायक उपकरणों के साथ-साथ वांछित सटीकता और गुणवत्ता के लिए मशीनिंग की विधियों को भी शामिल किया जाता है। प्रयोगशाला पाठ्यक्रम में मशीनों के निर्माण के विवरण, या विनिर्माण में सामान्य विशेषताएँ या मशीनों के संचालन में कौशल प्राप्त करने के बजाय प्रक्रियाओं की बुनियादी विशेषताओं को समझने पर जोर दिया जाता है। कुछ उपकरणों के सचित्र दृश्य नीचे दर्शाए गए हैं:

यूनिवर्सल मिलिंग मशीन

रेडियल ड्रिल मशीन

16. उपकरण गतिकी एवं गतिशीलता प्रयोगशाला

गियर मॉडल

कैम विश्लेषण उपकरण

गवर्नर उपकरण

एपिसाइक्लिक गियर ट्रेन

जर्नल बेयरिंग उपकरण

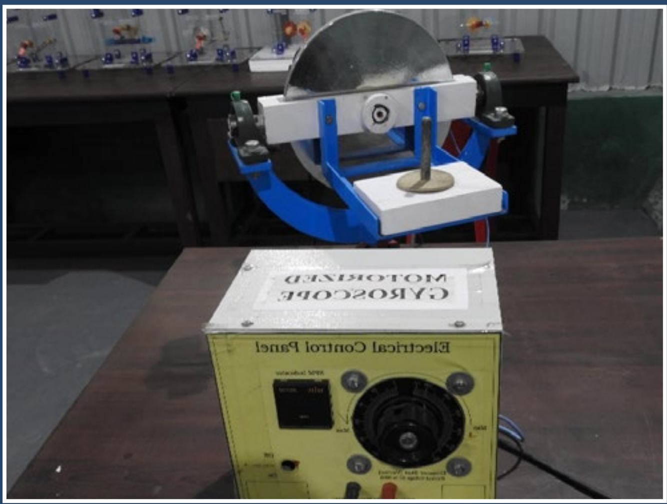

जाइरोस्कोप उपकरण

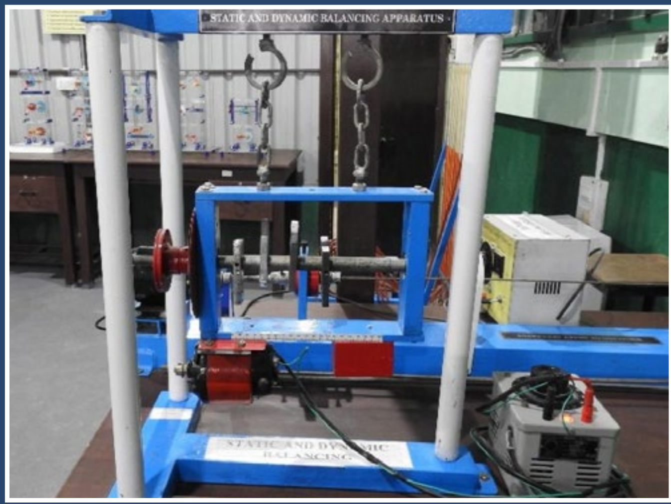

स्टैटिक्स और डायनामिक्स बैलेंसिंग उपकरण

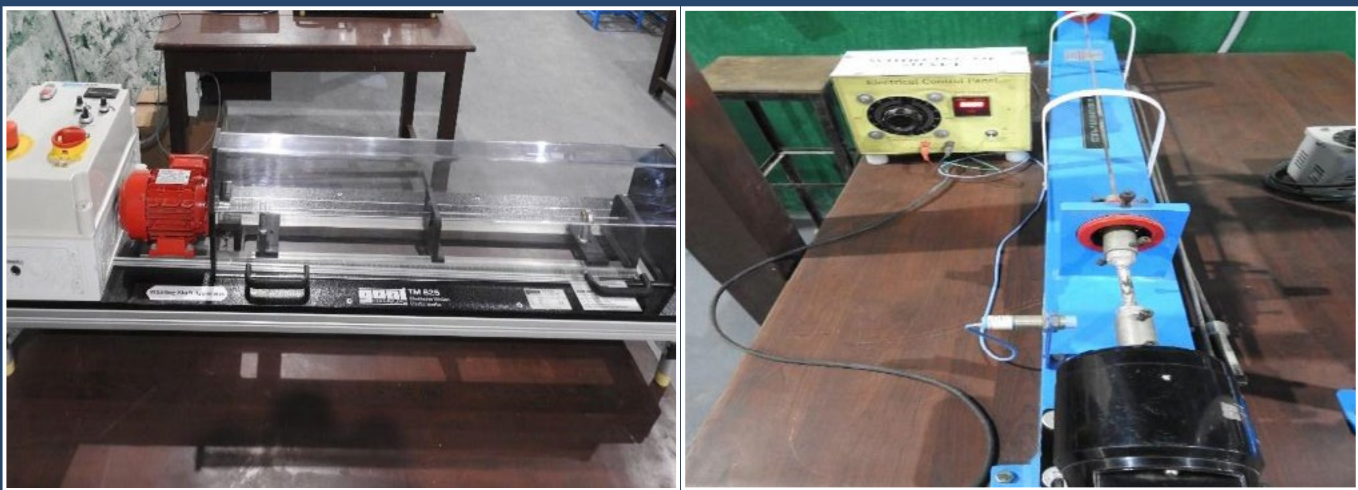

भंवर शाफ्ट उपकरण

16. कंपन एवं रोटर गतिशीलता प्रयोगशाला

कंपन और रोटर गतिशीलता प्रयोगशाला का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के यांत्रिक घटकों के लिए मुक्त और बलात् कंपन विश्लेषण पर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना है।. यह प्रयोगशाला मजबूर कंपन में अवमंदन, अनुनाद और अवशोषक प्रभाव, मरोड़ तार की लंबाई, व्यास और घूर्णन द्रव्यमान के आधार पर दोलन अवधि के निर्धारण पर प्रयोगों को प्रदर्शित करती है। यह प्रयोगशाला मुक्त और अवमंदित मरोड़ कंपन पर व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान करती है। मशीन की गतिशीलता को समझने के लिए गवर्नर, इलास्टिक शाफ्ट, कैम तंत्र के साथ विभिन्न प्रयोग उपलब्ध हैं। कुछ उपकरणों के सचित्र दृश्य नीचे दर्शाए गए हैं:

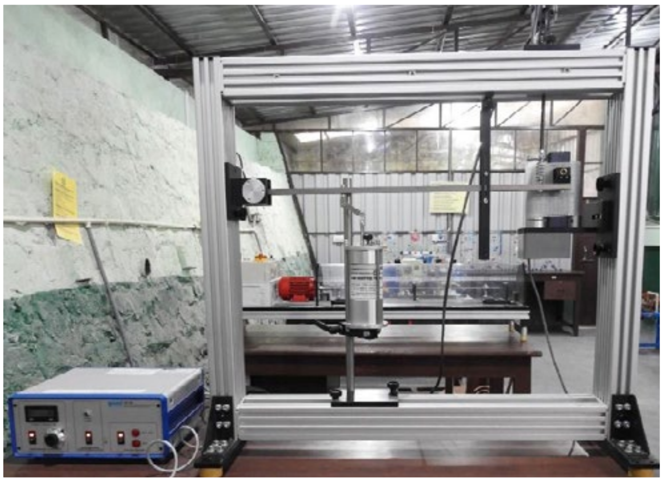

मुक्त और फोर्स्ड कंपन उपकरण

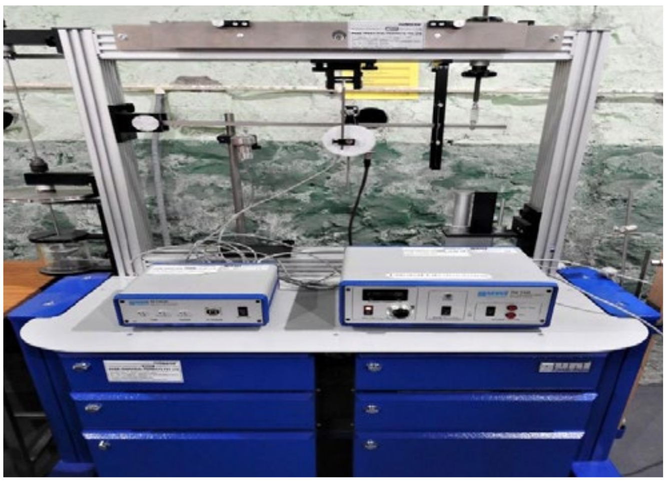

यूनिवर्सल वाइब्रेशन उपकरण

एच. पी.सी सॉफ्टवेयर

- स्नातक परियोजना कार्य एचपीसी प्लेटफॉर्म के साथ-साथ संस्थागत एएनएसवाईएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से किए जा रहे हैं।
- विभाग के पीएच.डी. विद्यार्थी एवं संकाय सदस्य अपने शोध कार्यों के संचालन के लिए एचपीसी सुविधा के साथ-साथ एएनएसवाईएस और ओपन सोर्स सॉफ़्टवेयर का लाभ उठा रहे हैं।
- विभाग द्वारा ऑनलाइन इंटीग्रेटिव लर्निंग/प्रोग्राम टूल का प्रयोग विभिन्न प्रयोगशालाओं के लिए भी किया जा रहा है, जैसे; बुनियादी कार्यशाला, मेट्रोलॉजी और मापन, महामारी युग के दौरान विद्यार्थियों को अधिक प्रभावी तरीके से पढ़ाने के लिए प्रोडक्शन अभियांत्रिकी।

आयोजित सम्मेलन/विशेष व्याख्यान/संगोष्ठी/ कार्यशाला

पेशेवर कार्य

द्वितीय वर्ष के बाद से विद्यार्थियों के व्यावहारिक कौशल को मजबूत करने के लिए विभाग नियमित रूप से व्यावसायिक अभ्यास कक्षाएं आयोजित कर रहा है। इससे प्लेसमेंट के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में भी विद्यार्थियों के प्रदर्शन में काफी सुधार हो रहा है।

सामुदायिक विकास में सहभागिता

पास के स्कूलों के विद्यार्थी यांत्रिकी अभियांत्रिकी का अनुभव पाने के लिए विभागीय प्रयोगशालाओं, कार्यशालाओं में जाते हैं. इसके अलावा, संकाय सदस्य स्थानीय निवासियों के साथ बातचीत करने के लिए नियमित रूप से पड़ोसी / निवासी स्थानों पर जाते हैं। विभागीय संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने "स्वच्छ भारत अभियान" और सामुदायिक विकास कार्यक्रम में भाग लिया। सामुदायिक विकास कार्यक्रम की झलकियाँ नीचे दिखाई गई हैं:

विभाग द्वारा पूर्ण की गई परियोजनाएँ

- **उन्नत दीवार फ़ंक्शन और बेहतर इनलेट स्थिति का उपयोग करके वायुमंडलीय सीमा परत का विश्लेषण,** सीड़ अनुदान टीईक्यूआईपी-तृतीय, एनपीआईयू, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, सरकार द्वारा वित्त पोषित है। (रु. 2 लाख).
- **विशिष्ट कक्षाओं के लिए सौर-पीवी आधारित शीतकालीन एयर कंडीशनिंग प्रणाली का डिजाइन और विकास, सीड़ अनुदान टीईक्यूआईपी-तृतीय, एनपीआईयू, मानव संसाधन और विकास मंत्रालय, सरकार द्वारा वित्त पोषित है। (रु. 2 लाख).**

पीएच.डी. शोधार्थियों का ब्यौरा

विद्यार्थी का नाम	थीसिस शीर्षक/शोध क्षेत्र	पर्यवेक्षक	स्थिति
श्री लक्ष्मण आर	न्यूमेरिकल मॉडलिंग ऑफ़ न्यूट्रल एटमोस्फियरिक बाउंड्री लेयर	डॉ. रंजन बसाक	उपाधि प्रदान की गई
श्री अन्वेश वीरकुंवर	सम स्टडीज ऑन मैकेनीकल एंड ट्राईबोलोजिकल बेहेवियर ऑफ़ एआई कंपोजिट्स रैनफोरस्ड़ विद इंडस्ट्रियल वेस्ट	डॉ. रंजन बसाक डॉ. शौविक घोष (जे.यू, कोलकाता)	उपाधि प्रदान की गई
श्री सद्दाम हुसैन मल्लिक	नेचुरल कन्वेक्शन एंड एन्ट्रापी फार्मेशन इनसाइड द एनक्लोसर: अ न्यूमेरिकल स्टडी	डॉ. प्रणब कुमार कुंडू डॉ.रंजन बसाक डॉ.देबब्रत दासगुप्ता (आईआईटी दिल्ली)	उपाधि प्रदान की गई
श्री प्रसन दीवान	नॉन ट्रेडिशनल मशीनिंग ई.डी.एम	डॉ. प्रणब कुमार कुंडू डॉ.रंजन बसाक	शोधरत

विद्यार्थी का नाम	थीसिस शीर्षक/शोध क्षेत्र	पर्यवेक्षक	स्थिति
श्री देबायन मंडल	ट्रिबोलोजिकल एनालिसिस ऑफ़ कम्पोजिट मैटेरियल्स	डॉ.रंजन बसाक	शोधरत
श्री आदित्य कुमार सिंह	थर्मो-फ्लूइड	डॉ. शंभुनाथ बर्मन	शोधरत
श्री वेद प्रकाश मिश्रा	बॉयोफियूल्स,आई.सी इंजन, थर्मल एनालिसिस ऑफ़ हीट रिकवरी	डॉ. शंभुनाथ बर्मन डॉ.प्रदीप मंडल, IIEST शिबपुर	शोधरत
श्री मन्नू यादव	इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ फ्लो ओवर प्रोटूडिंग ऑब्जेक्ट्स	डॉ.अनिल लाल एस	शोधरत
सुश्री मौमिता रॉय	अल्टरनेटिव फ्यूल्स	डॉ. शंभुनाथ बर्मन डॉ.प्रोकाश च. रॉय (जेयू, कोलकाता)	शोधरत

स्नातक विद्यार्थी इंटर्नशिप विवरण

स्नातक चतुर्थ-वर्ष के विद्यार्थी

अनुक्रमांक	नाम	विवरण
बी190122 एम.ई	अबिनेश छेत्री	सिक्स सिग्मा क्वालिटी इंटरनेशनल
बी190123 एमई	अमन प्रसाद	पन्ना इंफोटेक
बी190126एमई	आशीष कुमार मीना	बाबा ऑटोमोबाइल प्राइवेट लिमिटेड
बी190127एमई	बेध्या लोचन लिम्बु	सिक्स सिग्मा क्वालिटी इंटरनेशनल
बी190128एमई	भव्य शर्मा	यूनिक कार स्कैनर्स
बी190130एमई	चट्टराज मंगर	सिक्स सिग्मा क्वालिटी इंटरनेशनल
बी190131एमई	गौरी कुमार मण्डल	एनएचपीसी लिमिटेड, सिंगटैम
बी190134एमई	कुशाग्र आनंद	फॉक्सएएसआर
बी190136एमई	ओम प्रकाश शर्मा	इंटेरशेप प्राइवेट लिमिटेड
बी190137एमई	पहाना वामसि कृष्ण	थर्मल पॉवर स्टेशन, कोथागुडेम
बी190138एमई	पंकज जोशी	ओएनजीसी अकादमी, देहरादून
बी190140एमई	प्रज्वल छेत्री	सिक्स सिग्मा क्वालिटी इंटरनेशनल
बी190141एमई	राजा कुमार	कैड क्राफ्टर
बी190142एमई	रमिनेनी शैली	ओएनजीसी अकादमी, देहरादून
बी190143एमई	रोहन कुमार साहू	ओएनजीसी अकादमी, देहरादून
बी190144एमई	रोहित जयसवाल	एनएचपीसी लिमिटेड, सिंगटैम
बी190145एमई	समशेर अली	एनएचपीसी, रंगित नगर
बी190147एमई	सोका सामंत कुमार	सिक्स सिग्मा क्वालिटी इंटरनेशनल
बी190148एमई	सोमिल गुप्ता	आईटीआईएफवाई बिजनेस कॉर्पोरेशन
बी170150एमई	येसुपागा राज किरन	स्काई राइडर इंस्टीट्यूशंस प्रा. लिमिटेड

स्नातक तृतीय-वर्ष विद्यार्थी

क्रमांक	नाम	विवरण
बी200131एमई	अमित प्रसाद	फाक्सेइजर, एनएचपीसी
बी200132एमई	सांगेय त्सोमु	आईओसीएल , जॉन्स इलेक्ट्रिक प्राइवेट लिमिटेड.
बी200133एमई	जीतेन्द्र कुमार	बीएचईएल , ओएनजीसी
बी200134एमई	अखिल	एस्क्वायर इन्फोटेक
बी200135एमई	- अभिजीत केशरी	ओएनजीसी

क्रमांक	नाम	विवरण
बी200136एमई	-हिमांशु कुमार	आईओसीएल, फाक्सेइज
बी200137एमई	अनुग्रह सिंह	जॉन्स इलेक्ट्रिक प्राइवेट लिमिटेड
बी200138एमई	दुर्गेश वर्मा	फाक्सेइजर, ओएनजीसी
बी200139एमई	योगेश कुमार मीना	भारतीय रेल
बी200141एमई	सुजल राज	ओएनजीसी
बी200142एमई	शौरव छेत्री	वी एस इन्फार्मेटिक्स
बी200143एमई	-सौरभ कुमार	जॉन्स इलेक्ट्रिक प्राइवेट लिमिटेड
बी200144एमई	शिवेंद्र प्रताप सिंह	नैनोबीज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ओएनजीसी
बी200145एमई	तुषार कुमार रॉय	बीएचईएल
बी200146एमई	मानव मणि त्रिपाठी	बीएचईएल
बी200147एमई	दिवाकर सिंह	वरुण बेवरेजेज लिमिटेड
बी200148एमई	साक्षी	आईओसीएल
बी200150एमई	सौगम देशमुख	आईओसीएल, ओएनजीसी, Foxaisr
बी200151एमई	गज्जेलम्मा गारी मधु	जॉन्स इलेक्ट्रिक प्राइवेट लिमिटेड
बी200152एमई	ऋषि राज तिवारी	धरक्षा इकोसोल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड
बी200153एमई	भावना शंखवार	माइक्रोज़ेंसिस प्राइवेट लिमिटेड
बी200154एमई	नवराज ठकुरी	जॉन्स इलेक्ट्रिक प्राइवेट लिमिटेड
बी200155एमई	विष्णु कुमार	फाक्सेइजर
बी200156एमई	प्रिया जैन	फाक्सेइजर
बी200158एमई	श्वेता पटेल	फाक्सेइजर
बी200159एमई	याड़ला तेजेश	माइक्रोज़ेंसिस प्राइवेट लिमिटेड
बी190135एमई	नुनावथ सोना जयश्री	बीएचईएल

स्नातक द्वितीय वर्ष विद्यार्थी

क्रमांक	नाम	विवरण
बी210128एमई	आयुष माइती	आईओसीएल
बी210147एमई	वैभव बगरोडिया	जेएसडब्ल्यू स्टील प्लांट, चंडी इस्पात संयंत्र
बी210131एमई	देबजीत चटर्जी	एनएचपीसी लिमिटेड

अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट

क्रमांक	नाम	परियोजना शीर्षक
बी190122एमई	अबिनेश छेत्री	एनालिसिस ऑफ़ कंट्रक्शन कोन ऑफ़ ओपन सर्किट विंड टनल
बी190123एमई	अमन प्रसाद	डिज़ाइन ऑफ़ अन्थ्रोपोमेट्रिक क्लासरूम फर्नीचर एन आरिटिफिशल न्यूरल नेटवर्क एप्रोच
बी190126एमई	आशीष कुमार मीना	परफॉरमेंस एनालिसिस ऑफ़ इंजन यूसिंग डिफरेंट ब्लेंडेड फ्यूल
बी190127एमई	बेध्य लोचन लिम्बु	एनालिसिस ऑफ़ वाइड एंगल डिफ्यूजर प्रोफाइल ऑफ़ एन ओपन सर्किट विंड टनल
बी190128एमई	भव्य शर्मा	डिज़ाइन ऑफ़ अन्थ्रोपोमेट्रिक क्लासरूम फर्नीचर एन आरिटिफिशल न्यूरल नेटवर्क एप्रोच
बी190130एमई	चट्टराज मंगर	पॉलीकार्बोनेट सोलर ड्रायर डिज़ाइन एंड परफॉरमेंस एनालिसिस
बी190131एमई	गौरी कुमार मण्डल	एक्सपेरिमेंटल एंड न्यूमेरिकल एनालिसिस ऑफ़ फ्लूइड फ्लो ओवर वेरियस नोचेस
बी190134एमई	कुशाग्र आनंद	एक्सपेरिमेंटल एंड न्यूमेरिकल एनालिसिस ऑफ़ फ्लूइड फ्लो ओवर वेरियस नोचेस
बी190136एमई	ओम प्रकाश शर्मा	कम्प्यूटेशनल स्टडी ऑफ़ बायो गैस प्रोडक्शन् सिंग बायोगैस डाईजेस्टर

क्रमांक	नाम	परियोजना शीर्षक
बी190137एमई	पहाना वमसी कृष्णा	एक्सपेरिमेंटल इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ मशीनिंग ऑफ़ टी.आई-सिक्स एआई-फोरवी एलाय एंड एआईएसआई 1040 कार्बन स्टील यूजिंग 3-एक्सेस वर्टिकल मिलिंग मशीन
बी190138एमई	पंकज जोशी	टेम्परेचर एंड स्टेडी स्टेट कैरक्टेरस्टिक्स एनालिसिस ऑफ़ ए जनरल बेअरिंग लुब्रिकेशन सिस्टम अंडर द तुर्बुलेंट फ्लो ऑफ़ ए नॉन-नयूटनियन लुब्रीकेंट
बी190140एमई	प्रज्ज्वल छेत्री	साइलेंसर में वैक्यूम का अनुप्रयोग (नॉवेल डिनाइन)
बी190141एमई	राजा कुमार	टेम्परेचर एंड स्टेडी स्टेट कैरक्टेरस्टिक्स एनालिसिस ऑफ़ ए जनरल बेअरिंग लुब्रिकेशन सिस्टम अंडर द तुर्बुलेंट फ्लो ऑफ़ ए नॉन-नयूटनियन लुब्रीकेंट
बी190142एमई	रमिनेनी शैली	डी-लावल नोजल का द्रव प्रवाह विश्लेषण
बी190143एमई	रोहन कुमार साहू	पॉलीकार्बोनेट सोलर ड्रायर डिज़ाइन एंड परफॉरमेंस एनालिसिस
बी190144एमई	रोहित जयसवाल	आईसी इंजन से एग्जॉस्ट हीट रिकवरी का विश्लेषण
बी190145एमई	समशेर अली	डिज़ाइन ऑफ़ अन्थ्रोपोमेट्रिक क्लासरूम फर्नीचर एन आरिटिफिशल न्यूरल नेटवर्क एप्रोच
बी190147एमई	सोका सामंत कुमार	एएल मिश्र धातु के मशीनिंग मापदंडों का अनुकूलन
बी190148एमई	सोमिल गुप्ता	साइलेंसर में वैक्यूम का अनुप्रयोग (नॉवेल डिनाइन))
बी170150एमई	येसुपगा राज किरन	कम्प्यूटेशनल स्टडी ऑफ़ बायो गैस प्रोडक्शन् सिंग बायोगैस डाईजेस्टर

स्नातक विद्यार्थियों की उपलब्धियां

स्नातक विद्यार्थियों की उपलब्धियां

क्रमांक	नाम	संगठन
स्नातक चतुर्थ-वर्ष विद्यार्थी		
बी 190130एमई	चट्टराज मंगर	लार्सन एंड टुब्रो
बी190134एमई	कुशाग्र आनंद	केईसी इंटरनेशनल
बी190137एमई	पहाना वामसि कृष्ण	जेएसडब्ल्यू समूह
बी190138एमई	पंकज जोशी	डेलॉयट
बी190141एमई	राजा कुमार	जेएसडब्ल्यू समूह
बी190142एमई	रमिनेनी शैली	रिलायंस बीपी मोबिलिटी
बी190143एमई	रोहन कुमार साहू	डेलॉयट
बी190144एमई	रोहित जायसवाल	लार्सन एंड टुब्रो
बी190145एमई	समशेर अली	स्कोलर
बी190148एमई	सोमिल गुप्ता	ओनाइन समाधान
स्नातक तृतीय वर्ष विद्यार्थी		
बी200134एमई	अखिल	कमिन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
बी200146एमई	मानव मणि त्रिपाठी	कमिन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
बी200148एमई	साक्षी	कमिन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
बी200152एमई	ऋषि राज तिवारी	धरक्षा इकोसोल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड
बी200158एमई	श्वेता पटेल	कमिन्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

स्नातक तीसरे वर्ष (यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग) के निम्नलिखित विद्यार्थियों ने GATE 2023 में अर्हता प्राप्त की है-

- श्री शिवेंद्र प्रताप सिंह
- श्री मानव मणि त्रिपाठी
- श्री अभिजीत केशरी
- श्री सुजल राज
- श्री हिमांशु कुमार

विद्यार्थी कार्यक्रम

यांत्रिका: विभागीय क्लब

संकाय प्रभारी: डॉ.दीपायन दास

विद्यार्थी संयोजक: श्री रोहन कुमार साहू, चतुर्थ वर्ष, एमई विभाग।

यांत्रिका की स्थापना 2015 में यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग के विभागीय क्लब के रूप में की गई थी। इसका प्राथमिक उद्देश्य प्रौद्योगिकी-संचालित युग में संपन्न होने के लिए आवश्यक उपकरणों और सॉफ्टवेयर से लैस करने की आवश्यकता को पहचानते हुए छात्रों के बीच आवश्यक कौशल के विकास को बढ़ावा देना है। सोसायटी प्रतिभागियों की मुख्य और तकनीकी दक्षताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों की मेजबानी करती है। यांत्रिका का दृढ़ विश्वास है कि कोई भी शानदार विचार तब तक व्यर्थ है जब तक कि उसे सफलतापूर्वक व्यक्त नहीं किया जाए। इस प्रकार, समाज संचार कौशल के महत्व पर जोर देता है, जिससे व्यक्ति अपने विचारों को व्यावहारिक संभावनाओं में बदल पाए। इस तरह के कौशल के मूल्य को स्वीकार करके, यांत्रिका प्रतिभागियों के समग्र विकास को सुनिश्चित करता है, जिसमें उनके मूल, तकनीकी और सॉफ्ट कौशल सेट शामिल हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही यांत्रिका विद्यार्थियों हेतु सीखने का अनुकूल माहौल बनाने के लिए समर्पित है। यह सोसायटी अपने सदस्यों में भाई-चारे की भावना को बढ़ावा देते हुए, सक्रिय भागीदारी और जुड़ाव को प्रोत्साहित करती है। छात्रों को सहयोग करने, विचारों को साझा करने और एक दूसरे से सीखने के अवसर प्रदान किए जाते हैं। यांत्रिका नेटवर्किंग और उद्योग के पेशेवरों के साथ जुड़ने के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करता है, जिससे भविष्य के कैरियर की संभावनाओं के लिए रास्ते बनते हैं।

यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग के छात्रों ने शिक्षक दिवस मनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया है। डॉ.शंभूनाथ बर्मन (एचओडी), डॉ.रंजन बसाक अधिष्ठाता शैक्षणिक और एमई विभाग के सभी संकायों और कर्मचारियों ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई है। विभागाध्यक्ष डॉ.शंभूनाथ बर्मन ने यांत्रिकी अभियांत्रिकी के छात्रों के दैनिक जीवन में वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के महत्व के साथ-साथ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की खोज को चिह्नित करने के उद्देश्य से एक भाषण दिया है। दूसरे, तीसरे और चौथे वर्ष के B.Tech छात्रों ने इस आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लिया है। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गायन, पाठ, कहानी सुनाना, बीट बॉक्सिंग और वाद्ययंत्र वादन शामिल थे। इस आयोजन ने छात्रों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान किया और अपने शैक्षणिक जीवन में एक-दूसरे के साथ जुड़ने के लिए कदम उठाया।

विभागीय क्लब "यंत्रिका" द्वारा आयोजित कार्यक्रम

यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग में शिक्षक दिवस समारोह

विभागीय समितियाँ

क्र.सं	संकाय सदस्यों के नाम	समिति का नाम
1	i) डॉ.अनिल लाल एस, संयोजक ii) डॉ.शंभुनाथ बर्मन, विभागाध्यक्ष iii) डॉ.रंजन बसाक, संयोजक, डीपीजीसी iv) सुश्री कीर्ति तिवारी, सदस्य v) डॉ.देबजीत साहा, सदस्य	विभागीय स्नातक समिति (डीयूजीसी)
2	i) डॉ.रंजन बसाक, संयोजक ii) डॉ.शंभुनाथ बर्मन, विभागाध्यक्ष iii) डॉ.अनिल लाल एस, संयोजक (डीयूजीसी) iii) डॉ.विभूति भूषण नायक, सदस्य iv) डॉ.कीर्ति तिवारी, सदस्य v) डॉ.शितेन्दु सोम, सदस्य v) डॉ.अरबिंदा पांडा, अध्यक्ष सीनेट द्वारा नामित सदस्य	विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी)
3	i) डॉ.शंभुनाथ बर्मन, विभागाध्यक्ष ii) डॉ.अनिल लाल एस, संयोजक डीयूजीसी iii) संकाय सलाहकार प्रथम वर्ष सलाहकार: डॉ.सुदीप बनर्जी द्वितीय वर्ष सलाहकार: डॉ.उत्तम कुमार मोहंती तृतीय वर्ष सलाहकार: डॉ.विभूति भूषण नायक चतुर्थ वर्ष सलाहकार: डॉ.देबजीत साहा iv) डॉ.रंजन बसाक, एचओडी द्वारा मनोनीत v) डॉ.अनिंद्य बिस्वास , अधिष्ठाता, शैक्षणिक द्वारा मनोनीत	शैक्षणिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन समिति (एपीईसी)
4	i) डॉ.शंभूनाथ बर्मन, विभागाध्यक्ष ii) डॉ.रंजन बसाक (संयोजक, डीपीजीसी) iii) डॉ.अनिल लाल एस, सदस्य iv) डॉ.देबजीत साहा, सदस्य v) डॉ.कीर्ति तिवारी, सदस्य vi) डॉ.मोले रॉय, सदस्य	विभागीय प्रवेश समिति (डीएसी)
5	i) डॉ.शंभुनाथ बर्मन, एचओडी ii) डॉ.अनिल लाल एस, संयोजक, डीयूजीसी iii) संकाय सलाहकार प्रथम वर्ष सलाहकार: डॉ.सुदीप बनर्जी द्वितीय वर्ष सलाहकार: डॉ.उत्तम कुमार मोहंती तृतीय वर्ष सलाहकार: डॉ.विभूति भूषण नायक चतुर्थ वर्ष सलाहकार: डॉ.देबजीत साहा iv). परीक्षा कक्ष से संकाय सदस्य: डॉ.शितेन्दु सोम	विभागीय विद्यार्थी शिकायत कक्ष (डीएसजीसी)
6	प्रथम वर्ष सलाहकार: डॉ.सुदीप बनर्जी द्वितीय वर्ष सलाहकार: डॉ.उत्तम कुमार मोहंती तृतीय वर्ष सलाहकार: डॉ.विभूति भूषण नायक चतुर्थ वर्ष सलाहकार: डॉ.देबजीत साहा	संकाय सलाहकार
7	i) डॉ.शंभूनाथ बर्मन, संयोजक **ii) सदस्य:** क) डॉ.प्रकाश च. रॉय, प्रोफेसर, एमईडी, जादवपुर विश्वविद्यालय (संयुक्त पर्यवेक्षक) ख) डॉ.अनिल लाल एस, एसोसिएट प्रोफेसर, एनआईटी सिक्किम ग) डॉ.अचिंतेश नारायण बिस्वास, एसोसिएट प्रोफेसर, एनआईटी सिक्किम	डॉ.क्टरेट मार्गदर्शन समिति (डीजीसी) (शोध अध्येता: सुश्री मौमिता रॉय
8	i) डॉ.अनिल लाल एस, संयोजक **ii) सदस्य:** क) डॉ.शंभूनाथन बर्मन, एसोसिएट प्रोफेसर, एनआईटी सिक्किम ख) डॉ.जय गोपाल गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, एनआईटी सिक्किम ग) डॉ.मोहम्मद नुरुज्जमन, एसोसिएट प्रोफेसर, एनआईटी सिक्किम	डॉ.क्टरेट मार्गदर्शन समिति (डीजीसी) (रिसर्च स्कॉलर: श्री मन्नू यादव)
9	i) डॉ.रंजन बसाक, संयोजक **ii) सदस्य:** क) डॉ.शितेन्दु सोम, सहायक प्रोफेसर, एनआईटी सिक्किम ख) डॉ.अरबिंदा पांडा, सहायक प्रोफेसर, एनआईटी सिक्किम	डॉ.क्टरेट मार्गदर्शन समिति (डीजीसी) (शोध विद्वान: श्री देबायन मंडल)

क्र.सं	संकाय सदस्यों के नाम	समिति का नाम
10	i) डॉ.प्रणब कुमार कुंडू , सहायका प्रोफेसर, एमई विभाग एमएनएनआईटी इलाहाबाद, संयोजक **ii) सदस्य:** क) डॉ.रंजन बसाक , (संयुक्त पर्यवेक्षक) ख) डॉ.दिपायन दास, सहायका प्रोफेसर, एमई विभाग, एनआईटी सिक्किम ग) डॉ.अनिंद्य बिस्वास , सहायक. प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, एनआईटी सिक्किम	डॉ.क्टरेट मार्गदर्शन समिति (डीजीसी) (रिसर्च स्कॉलर: श्री प्रसन दीवान)
11	i) डॉ.शंभुनाथ बर्मन, संयोजक **ii) सदस्य:** क) डॉ.प्रदीप मंडल, सहायक प्रोफेसर, आईआईईएसटी शिबपुर (संयुक्त पर्यवेक्षक) ख) डॉ.कीर्ति तिवारी, सहा. प्रोफेसर, एनआईटी सिक्किम ग) डॉ.मोले रॉय, सहायक प्रोफेसर, एनआईटी सिक्किम	डॉ.क्टरेट मार्गदर्शन समिति (डीजीसी) (श्री वेद प्रकाश मिश्र)
12	डॉ.शितेन्दु सोम, संयोजक **सदस्य:** प्रथम वर्ष सलाहकार: डॉ.सुदीप बनर्जी द्वितीय वर्ष सलाहकार: डॉ.उत्तम कुमार मोहंती तृतीय वर्ष सलाहकार: डॉ.विभूति भूषण नायक चतुर्थ वर्ष सलाहकार: डॉ.देबजीत साहा रिसर्च स्कॉलर: डॉ.कीर्ति तिवारी	विभागीय परीक्षा एवं परिणाम समिति
13	i) डॉ.देबजीत साहा, संयोजक **ii) सदस्य:** क) डॉ.सुदीप बनर्जी ख) डॉ.उत्तम कुमार मोहंती ग) विभूतिभूषण नायक घ) श्री अमित मैती	समय सारणी/कक्षा कक्ष/भार वितरण
14	i) डॉ.विभूति भूषण नायक , संयोजक **सदस्य:** a) डॉ.उत्तम कुमार मोहंती b) डॉ.सुदीप बनर्जी	विभागीय पुस्तकालय समिति
15	i) डॉ.दीपायन दास, संयोजक **ii) सदस्य:** प्रथम वर्ष सलाहकार: डॉ.सुदीप बनर्जी द्वितीय वर्ष सलाहकार: डॉ.उत्तम कुमार मोहंती तृतीय वर्ष सलाहकार: डॉ.विभूति भूषण नायक चतुर्थ वर्ष सलाहकार: डॉ.देबजीत साहा	प्रशिक्षण और प्लेसमेंट, गेट, व्यावसायिक अभ्यास
16	डॉ. शंभुनाथ बर्मन, संयोजक **सदस्य:** क) डॉ.रंजन बसाक ख) डॉ.अनिल लाल एस ग) डॉ.कीर्ति तिवारी घ) डॉ.देबजीत साहा; ङ) डॉ.सुदीप बनर्जी च) डॉ.उत्तम कुमार मोहंती छ) डॉ.शितेन्दु सोम	विभागीय अनुशासन समिति (डीडीसी)

संकाय सदस्य जिन्होंने कार्यशाला/ एसटीसी/ एफडीपी में भाग लिया।

डॉ.विभूतिभूषण नायक

- मल्टीफ़ेज़ फ़्लो पर कार्यशाला- शोध और अनुप्रयोग (एमएफआरए- 2023), 11 मार्च, 2023, आईआईटी खड़गपुर।
- व्यावहारिक अभ्यास के साथ एप्लाइड अभियांत्रिकी समस्याओं के लिए सीएफडी पर एसटीसी, 19-23 दिसंबर, 2022, एनआईटी राउरकेला।
- सामुदायिक सहभागिता के लिए संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और सुविधा के लिए मार्गदर्शन पर एफडीपी, 8-12 फरवरी, 2022, एमजीएनसीआरई, भारत सरकार।

गणित विभाग

गणित सीखने का एकमात्र तरीका गणित करना है ...

~ पॉल आर. हल्मोस

मैंने हमेशा गणित का आनंद लिया है। यह किसी विचार को व्यक्त करने का सबसे सटीक और संक्षिप्त तरीका है।

~एन आर नारायण मूर्ति, भारतीय आईटी उद्योगपति

गणित विश्व की वैज्ञानिक क्रांति में एक सक्रिय घटक रहा है और भारत ने इस प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्राचीन भारत अपनी गणितीय प्रतिभाओं और अपने क्रांतिकारी विचारों के लिए प्रसिद्ध है। आर्यभट्ट, वराहमिहिर, ब्रह्मगुप्त और भास्कर द्वितीय अपने समय के अग्रणी पथप्रदर्शक थे। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैदिक काल तक, भारत ने 'व्यावहारिक गणित' का बीड़ा उठाया है, जिसमें वास्तविक जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाले गणितीय उपकरण शामिल हैं।

गणित विज्ञान, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी विषयों का एक अभिन्न और मौलिक भाग है। संस्थान की वर्ष 2010 में स्थापना के बाद से ही गणित विभाग इसका अभिन्न अंग रहा है। शुरुआत से ही, विभाग विद्यार्थियों को विषय की आवश्यक पृष्ठभूमि के निर्माण हेतु एक मंच प्रदान करने के लिए कठिन यात्रा तय की है। इस विषय में एक ठोस आधार विद्यार्थियों को शैक्षणिक समस्याओं, वास्तविक जीवन की समस्याओं और शोध समस्याओं से निपटने में सक्षम बनाता है। कुल मिलाकर उत्कृष्ट गणितीय कौशल वाला कोई भी विद्यार्थी सामान्य तौर पर बेहतर और सुविज्ञ निर्णय लेता है। विभाग स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी विद्यार्थियों के शिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेता है। विभाग वर्तमान में सभी शाखाओं के स्नातक विद्यार्थियों के लिए दो अनिवार्य पाठ्यक्रम प्रदान करता है - अर्थात् गणित- I और गणित- II, यह दो और अनिवार्य पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है, अर्थात् गणित-III (यांत्रिकी और सिविल अभियांत्रिकी के स्नातक विद्यार्थियों के लिए) और कम्प्यूटेशन गणित (सीएसई, ईईई और ईसीई के स्नातक विद्यार्थियों के लिए)। कम्प्यूटेशनल गणित और रैखिक बीजगणित, स्टोकेस्टिक प्रक्रिया और अनुकूलन तकनीक विभाग द्वारा क्रमशः सीएसई और ईसीई विभागों में पीजी विद्यार्थियों को पढ़ाए जाने वाले दो अनिवार्य पाठ्यक्रम हैं। पीएचडी विद्यार्थियों के लिए, विभाग उनके शोध और व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार कई वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

विभाग ऑपरेशन रिसर्च और स्पेक्ट्रल ग्राफ थ्योरी में पीएचडी कार्यक्रम भी प्रदान करता है। संचालन शोध में बेहतर निर्णय लेने के लिए विश्लेषणात्मक तरीके शामिल होते हैं; इस प्रकार, इसे व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक माना जाता है। स्पेक्ट्रल ग्राफ़ सिद्धांत ग्राफ़ से जुड़े मैट्रिक्स के आइगेनवैल्यू और आइजेनवेक्टर के माध्यम से ग्राफ़ के गुणों का अध्ययन करता है।

विभाग सभी स्नातक विद्यार्थियों को उनके प्लेसमेंट और सामान्य तौर पर करियर के लिए तैयार करने के लिए व्यावसायिक अभ्यास पर एक अनिवार्य पाठ्यक्रम प्रदान करता है। व्यावसायिक अभ्यास का मुख्य लक्ष्य योग्यता, कम्प्यूटेशनल दक्षता और संचार कौशल को मजबूत करना है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए, हम अक्सर मात्रात्मक योग्यता परीक्षण और तर्क परीक्षण आयोजित करते हैं। समूह चर्चा, व्यक्तिगत साक्षात्कार और सार्वजनिक भाषण का नियमित आधार पर अभ्यास किया जाता है। इस तैयारी के साथ, विद्यार्थी GATE जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

विज़न

विभाग का लक्ष्य देश के उत्तर-पूर्व क्षेत्र में गणितीय कौशल को बढ़ावा देने के लिए सर्वोत्तम स्थानों में से एक बनना है। विभाग अधिक पीएच.डी. प्रवेश देना चाहता है। विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शोध और सहयोग का मार्ग प्रशस्त करना। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हम देश और सिक्किम राज्य के विकास और लाभ के लिए अनुप्रयुक्त गणित और सांख्यिकी पर आधारित परियोजनाएं शुरू करने के इच्छुक होंगे।

उद्देश्य

विभाग संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए गणित के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रयासरत है। हमारा मिशन युवा शिक्षार्थियों में स्वतंत्र रूप से गणित की दुनिया में शोध करने के लिए पर्याप्त रुचि जगाना है। इसके अलावा, विभाग गणित के शिक्षण, शोध और वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों को समान प्राथमिकता देता है। विभाग के सभी पाठ्यक्रमों की समय-समय पर प्रसिद्ध संस्थानों और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा और अद्यतन किया जाता है।

मूल्य

हम अपने विद्यार्थियों को अच्छे नैतिक एवं आचार संबंधी मूल्य प्रदान करते हुए समावेशी शिक्षा और खुली चर्चा के दर्शन में विश्वास करते हैं। कक्षा में पढ़ाने से लेकर शोध प्रकाशित करने और एल्गोरिदम विकसित करने तक, हमारा विभाग समाज के सभी वर्गों के लिए समावेशिता और समान अवसर में विश्वास करता है। इसके अलावा, हम शिक्षा के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण विकसित करने का भी प्रयास करते हैं।

शिक्षक गण विवरण

डॉ.रवि श्रीवास्तव
सहायक प्रोफेसर एवं विभाग प्रमुख
पीएच.डी. (आईआईटी गुवाहाटी-2012), नेट-जेआरएफ, एम. एससी (बीएचयू, वाराणसी),
बी.एससी (उदय प्रताप ऑटोनॉमस कॉलेज, वाराणसी)
रुचि का क्षेत्र : *स्पेक्ट्रल ग्राफ सिद्धांत, संख्यात्मक रैखिक बीजगणित।*

डॉ.ओम प्रकाश
सहायक प्रोफेसर
पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर-2013), नेट-जेआरएफ, एम. एससी (बीएचयू), बी. एससी (वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय)
रुचि का क्षेत्र: *उत्पादन योजना और इन्वेंटरी नियंत्रण, परिचालन शोध, गणितीय वित्त।*

अस्थायी संकाय सदस्य

डॉ.सुरेश कुमार चौबे
सहायक प्रोफेसर

डॉ. प्रशांत झा
सहायक प्रोफेसर

विभागीय समितियाँ

क्र.सं.	संकाय सदस्यों के नाम	समिति का नाम
1.	i) डॉ.ओम प्रकाश (संयोजक) ii) डॉ.रवि श्रीवास्तव (सदस्य और विभागाध्यक्ष) iii) डॉ.अनिंद्य बिस्वास (सदस्य) iv) डॉ.प्रदीप कुमार (सदस्य)	विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी)

शोधार्थी विवरण

क्र.सं.	शोधार्थी	शोध निर्देशक	शोध क्षेत्र
1.	सुश्री निपा बिस्वास	डॉ.ओम प्रकाश	इन्वेंटरी मॉडल
2.	श्री सत्यम गुरगैन	डॉ.रवि श्रीवास्तव	वर्णक्रमीय ग्राफ़ सिद्धांत
3.	अभिषेक जी	डॉ.ओम प्रकाश	परिचालन शोध
4.	श्री शुभम् प्रियदर्शी	डॉ.ओम प्रकाश	परिचालन शोध
5.	श्री बिशाल सोनार	डॉ.रवि श्रीवास्तव	वर्णक्रमीय ग्राफ़ सिद्धांत

भौतिक विज्ञान विभाग

> कल्पना ज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण है। क्योंकि ज्ञान जो कुछ हम अब तक जानते और समझते हैं केवल वहीं तक सीमित है जबकि कल्पना में पूरी दुनिया समाहित है जिन्हें हम कभी जानेंगे और समझेंगे ।
>
> ~ अल्बर्ट आइंस्टीन

भौतिक विज्ञान विभाग वर्ष 2010 में अपनी स्थापना के बाद से ही राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम का एक अभिन्न अंग रहा है। विभाग के संकाय सदस्य संस्थान के शिक्षण, शोध और प्रशासन में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। विभाग शोध के निम्नलिखित क्षेत्रों में लगा हुआ है - मात्रात्मक वित्त, शेयर बाजार का समय श्रृंखला विश्लेषण, गैर-रेखीय गतिशीलता, कम तापमान भौतिकी, क्वांटम जानकारी और अनेक-कायिक भौतिकी के साथ इसका इंटरफ़ेस।

विभाग वर्तमान में पीएच.डी. प्रदान करता है और शीघ्र ही एम.एससी. कार्यक्रम प्रस्तुत करने की आकांक्षा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के बाद, विभाग का भौतिक विज्ञान में बी.एससी. कार्यक्रम प्रस्तुत करने का भी लक्ष्य है। विभाग के प्रस्तावित विस्तार कार्यक्रम में शिक्षण और शोध संकायों को मजबूत करने में सक्षम गुणवत्ता वाले संकाय सदस्यों को शामिल करने की आवश्यकता है। विभाग, जिसके पास क्वांटम सूचना, गणना और गतिशील प्रणालियों जैसे नए-युग के शोध क्षेत्रों में कतिपय विशेषज्ञता है, निकट भविष्य में विविध अत्याधुनिक शोध क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करने की योजना बना रहा है। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों की जिज्ञासा को प्रज्ज्वलित करना, उन्हें उनके विषय क्षेत्रों में गहन ज्ञान से लैस करना, उन्हें तेजी से विकसित हो रही दुनिया में आगे बढ़ने के लिए तैयार करना और उन्हें पूर्ण और समृद्ध जीवन जीने के लिए सशक्त बनाना है।

वर्तमान में, विभाग बी.टेक कार्यक्रम की विभिन्न अभियांत्रिकी शाखाओं को अभियांत्रिकी भौतिक विज्ञान पाठ्यक्रम प्रस्तुत करता है। पिछले कुछ वर्षों में, विभाग ने बी.टेक अभियांत्रिकी के विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों के लिए इलेक्ट्रोमैग्नेटिक फील्ड थ्योरी, इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी पेशे का परिचय, गणित और सॉलिड स्टेट डिवाइसेस जैसे बहुत सारे पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए हैं। विभाग ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सहायता के लिए उच्च गुणवत्ता वाले एनपीटीईएल और अन्य एमओओसी पाठ्यक्रमों का उपयोग किया है। अस्थायी परिसर की सीमाओं के बावजूद, विभाग उच्च गुणवत्ता वाले उपकरणों का उपयोग करते हुए भौतिक विज्ञान के मौलिक नियमों की समझ को सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक प्रयोग हेतु प्रयोगशाला प्रदान करता है।

शिक्षक गण विवरण

डॉ.अनिंद्य बिस्वास
सह - प्राध्यापक
एचआरआई इलाहाबाद (प्रयागराज) में पोस्टडॉ.क , आईएमएससी चेन्नई, आईएसीएस कोलकाता, पीएचडी (कलकत्ता विश्वविद्यालय)
एम.एससी (कलकत्ता विश्वविद्यालय)
रुचि का क्षेत्र: निम्न तापमान भौतिकी, बीईसी, क्वांटम जानकारी और अनेक-बॉडी भौतिकी के साथ इसका इंटरफ़ेस

डॉ.मोहम्मद नुरुज्जमन
सह - प्राध्यापक
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च सेंटर फॉर एप्लिकेबल मैथमेटिक्स बैंगलोर में पोस्टडॉ.क, पीएच.डी. (होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, BARC), M.Sc (जादवपुर विश्वविद्यालय)
रुचि का क्षेत्र: प्रायोगिक अरेखीय गतिशीलता, मात्रात्मक वित्त, शेयर बाजार की गतिशीलता

कर्मचारी विवरण

श्री हैप्पी मंडल
प्रयोगशाला सहायक

प्रयोगशाला सुविधाएं

अभियांत्रिकी भौतिकी प्रयोगशाला: विभाग की अभियांत्रिकी भौतिकी प्रयोगशाला नए विद्यार्थियों को विषय के व्यापक दायरे का अनुभव कराने के लिए आवश्यक उपकरणों से सुसज्जित है। अर्धचालक, लेजर डायोड, हॉल प्रभाव, करंट ले जाने वाले कॉइल के कारण चुंबकीय क्षेत्र, तरल पदार्थों की चुंबकीय संवेदनशीलता आदि के गुणों की जांच करने के लिए प्रयोगात्मक सुविधाएं हैं। छात्रों को कुछ ऑप्टिकल घटनाओं जैसे प्रकाश का कुल आंतरिक प्रतिबिंब और ऑप्टिकल फाइबर, न्यूटन के रिंग उपकरण और मिशेलसन इंटरफेरोमीटर से जुड़े प्रयोगों के माध्यम से प्रकाश का हस्तक्षेप, से भी अवगत कराया जाता है । फाइबर ऑप्टिक्स उपकरण का उपयोग ऑप्टिकल फाइबर के संख्यात्मक एपर्चर को मापने के लिए किया जाता है जबकि माइकलसन इंटरफेरोमीटर उपकरण का उपयोग प्रकाश स्रोत की तरंग दैर्ध्य निर्धारित करने के लिए किया जा सकता है। ये भी कुछ ऐसे प्रयोग हैं जिनका अध्ययन वे अपने सैद्धांतिक अभियांत्रिकी भौतिकी पाठ्यक्रम में करते हैं।

भौतिक विज्ञान विभाग के सदस्य

विभागीय समितियाँ

क्र.सं.	समिति का नाम	संकाय सदस्यों के नाम
1	विभागीय संकाय बोर्ड (डीएफबी)	1. डॉ.मोहम्मद नुरुज्जमन, विभागाध्यक्ष 2. डॉ.अनिंद्य बिस्वास, सदस्य
2	विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी)	1. डॉ.अनिंद्य बिस्वास, संयोजक 2. डॉ.मोहम्मद नुरुज्जमां, सदस्य 3. डॉ.ओम प्रकाशे, सदस्य
3	प्रयोगशाला प्रभारी	डॉ.मोहम्मद नुरुज्जमन

प्रोजेक्ट:

- ***पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएवंसीसी) द्वारा वित्त पोषित सिक्किम और पश्चिम बंगाल के भारतीय हिमालयी क्षेत्र में पेयजल सुरक्षा के लिए नवोन्मेषी एवं संवहनीय निर्णय समर्थन प्रणाली*** द्वारा वित्त पोषित (50 लाख रुपये)

अन्य विभागों/संस्थानों के साथ सहयोग

विभाग का साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स, कोलकाता, जादवपुर यूनिवर्सिटी, प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी और हरीश-चंद्र रिसर्च इंस्टीट्यूट, प्रयागराज के साथ सक्रिय शोध सहयोग है। भूकंप का शीघ्र पता लगाने के लिए एक संभावित माध्यम, रेडॉ.न गैस निगरानी प्रणाली, जादवपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से एनआईटी सिक्किम में स्थापित की गई है।

शोधार्थियों का विवरण

क्र.सं.	शोधार्थी	शोध निर्देशक	शोध का क्षेत्र	टिप्पणी
1	अजीत मेहता	डॉ.मोहम्मद नुरुज्जमन	शेयर बाज़ार का अरेखीय समय श्रृंखला विश्लेषण।	पीएचडी उपाधि प्रदान की गई
2	जॉर्ज बिस्वास	डॉ.अनिंद्य बिस्वास	अनेक-बॉडी प्रणालियों में उलझाव और अन्य क्वांटम सहसंबंध।	पीएचडी उपाधि प्रदान की गई
3	अनीश राय	डॉ.मोहम्मद नुरुज्जमन	अरेखीय समय-श्रृंखला विश्लेषण, शेयर बाजार की विशेषता	शोधरत
4	शांतनु सरकार	डॉ.अनिंद्य बिस्वास	क्वांटम सूचना और संगणना	शोधरत
5	सलाम रवीन्द्रजीत लुवांग	डॉ.मोहम्मद नुरुज्जमन	अरेखीय समय-श्रृंखला विश्लेषण, शेयर बाजार की विशेषता	शोधरत
6	सयान सेनगुप्ता	डॉ.अनिंद्य बिस्वास	क्वांटम सूचना और संगणना	शोधरत
7	ऋत्विज रॉय	डॉ.अनिंद्य बिस्वास	क्वांटम सूचना और संगणना	शोधरत
8	कुंदन मुखिया	डॉ.मोहम्मद नुरुज्जमन	मशीन लर्निंग और गैर-रेखीय समय श्रृंखला विश्लेषण।	शोधरत

रसायन विज्ञान विभाग

> मेरा मानना है कि किसी बुद्धिमान सृजक के अस्तित्व को केवल रसायन विज्ञान ही लगभग सिद्ध कर सकता है।
>
> **~ थॉमस ए. एडिसन**

रसायन विज्ञान विभाग अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम (एनआईटी सिक्किम) का एक अभिन्न अंग है। विभाग ने हमेशा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शोध अनुभव प्रदान करके शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत की है। एनआईटी सिक्किम में रसायन विज्ञान विभाग अब सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान, अकार्बनिक रसायन विज्ञान, उत्प्रेरण, नवीकरणीय ऊर्जा आदि में विशेषज्ञता के साथ मास्टर (रसायन विज्ञान में दो वर्षीय एम.एससी. कार्यक्रम) और पीएच.डी. उपाधियाँ प्रदान करने वाला एक व्यापक विभाग है।

विभाग के संकाय सदस्य युवा, गतिशील, प्रेरित, बेहद योग्य हैं और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और सामाजिक महत्व वाली समस्याओं को हल करने के लिए अत्याधुनिक शोध करने के इच्छुक हैं। उनकी प्रतिबद्धता प्रकाशनों की गुणवत्ता, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध परिषद (सीएसआईआर), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) आदि द्वारा वित्त पोषित शोध परियोजनाओं में अच्छी तरह से परिलक्षित होती है।

संस्थान और अन्य वित्त पोषण एजेंसियों के उदार समर्थन के सहयोग से विभाग अब कई अत्याधुनिक उपकरण और कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है। विभाग के पास उपलब्ध उपकरणों में गैस क्रोमैटोग्राफी (जीसी) प्रणाली, इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन, स्पेक्ट्रोइलेक्ट्रोकैमिस्ट्री सेट अप के साथ पोटेंशियोस्टेट, रोटरी इवेपोरेटर, डायोड-एरे यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एफटी-आईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, कम तापमान (-80˚C) स्नान, आटोक्लेव, आदि शामिल हैं, परंतु केवल इन्हीं तक सीमित नहीं है। कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान प्रयोगशाला की उच्च-स्तरीय सर्वर और सॉफ्टवेयर पैकेज (गॉसियन, एम्स्टर्डम डेंसिटी फंक्शनल (ADF), टर्बोमोल, आदि) तक पहुंच है।

2-वर्षीय एम.एससी. (रसायन विज्ञान) में प्रवेश का प्रबंधन एम.एससी./एम.एससी. (टेक) (सीसीएमएन) प्लेटफॉर्म, हेतु केंद्रीकृत काउंसलिंग के माध्यम से उम्मीदवारों के JAM स्कोर के आधार पर केंद्रीय रूप से किया जाता है। संस्थान रिक्त सीटों को भरने के लिए इंस्टीट्यूट एडमिशन टेस्ट (IAT) भी आयोजित करता है। विभाग रसायन विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों और निकट से संबंधित क्षेत्रों को कवर करने वाले मौलिक और उन्नत पाठ्यक्रम प्रदान करता है और विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में तकनीकी रूप से पेशेवर बनने में मदद करने के लिए व्यापक व्यावहारिक शोध प्रशिक्षण प्रदान करता है। रसायन विज्ञान विभाग रासायनिक विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक सुरक्षित, समावेशी, लिंग-निरपेक्ष और निष्पक्ष वातावरण तैयार करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

विज़न

हमारा विज़न एक राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित शिक्षण और शोध संस्थान के रूप में हमारी प्रतिष्ठा को बढ़ाना है जो अपने नवाचार, उत्कृष्टता और खोज के लिए जाना जाए और देश भर में सर्वश्रेष्ठ छात्रों, संकाय और कर्मचारियों को आकर्षित करे। पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए डिज़ाइन किया गया है और उन्हें उद्योग के लिए तैयार करने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। विभाग उत्तर-पूर्व एनआईटी में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है, और भारत में एनआईटी के बीच शीर्ष 10 में और भारत में शीर्ष 50 रसायन विज्ञान शिक्षण संस्थानों में माना जाता है।

मिशन

हमारा मिशन ऐसा विभाग बनाए रखना है जो शिक्षण और शोध एवं सुविधाओं के साथ-साथ सीखने के अवसरों और काम करने के अनुभव की प्रासंगिकता जैसे किसी भी मामले में समान रहे। विभाग प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उद्यमिता के माध्यम से बहु-विषयक एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी शोध, मेंटॉरिंग एवं नेतृत्व और आर्थिक प्रभाव के जरिए रसायन विज्ञान शिक्षा, शोध और सेवा के माध्यम से समाज को आगे बढ़ाने का प्रयास करता है। विभाग एनआईटी सिक्किम की मुख्य ताकत का लाभ उठाते हुए अद्वितीय आणविक विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से छात्र / संकाय टीम उपलब्धि, पेशेवर सेवा, मान्यता और वैश्विक जुड़ाव को सक्षम बनाता है। विभाग एनआईटी सिक्किम के मिशन, लक्ष्यों और शोध केन्द्रित क्षेत्रों को परिभाषित करता है और उनमें अनुकरणीय योगदान देता है।

मूल्य

हम ऐसे मूल्यों की आकांक्षा रखते हैं जो हमारे विद्यार्थियों, संकायों और कर्मचारियों को दी जाने वाली व्यक्तिगत वृद्धि और संतुष्टि के संदर्भ में, हमारे कार्यों की उत्कृष्टता में, सम्मान, विश्वास, सत्यनिष्ठा और नैतिक आचरणों पर आधारित टीम वर्क में उच्चतम पेशेवर और शैक्षणिक मानकों पर आधारित हैं।

विभाग द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम

विज्ञान निष्णात (रसायन विज्ञान में एम.एससी.)

- एनआईटी सिक्किम में रसायन विज्ञान विभाग अब मास्टर (रसायन विज्ञान में दो वर्षीय एम.एससी) कार्यक्रम प्रदान करने वाला एक व्यापक विभाग है। 2-वर्षीय एम.एससी. (रसायन विज्ञान) में प्रवेश का प्रबंधन एम.एससी./ एम.एससी. (टेक) (CCMN) प्लेटफॉर्म, हेतु केंद्रीकृत काउंसलिंग के माध्यम से उम्मीदवारों के JAM स्कोर के आधार पर केंद्रीय रूप से किया जाता है। संस्थान रिक्त सीटों को भरने के लिए इंस्टीट्यूट एडमिशन टेस्ट (IAT) भी आयोजित करता है। विभाग रसायन विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों और निकट से संबंधित क्षेत्रों को कवर करने वाले मौलिक और उन्नत पाठ्यक्रम प्रदान करता है और विद्यार्थियों को क्षेत्र में तकनीकी पेशेवर बनने में मदद करने के लिए व्यापक व्यावहारिक शोध प्रशिक्षण प्रदान करता है।

डॉक्टरेट कार्यक्रम (पीएचडी)

- एनआईटी सिक्किम में रसायन विज्ञान विभाग रसायन विज्ञान और संबंधित विषयों के विभिन्न क्षेत्रों में स्नातक शोध कार्य करने का अवसर प्रदान करता है। रसायन विज्ञान में अपनी एम.एससी. पूरी करने वाले छात्र इस कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं। उपलब्ध फैलोशिप विकल्पों में (क) संस्थान द्वारा वित्त पोषित पीएचडी, (ख) अन्य वित्त पोषण एजेंसियों, एसईआरबी (डीएसटी), सीएसआईआर, इंस्पायर आदि द्वारा वित्त पोषण शामिल हैं।

शोध क्षेत्र

- सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान (फोटोरेडॉ.क्स कटैलिसिस, प्राकृतिक उत्पादों का संश्लेषण, मैक्रोलाइड्स, सिंथेटिक पद्धतियां, सी-एच सक्रियण, हेटरोसाइकिल, कार्बोहाइड्रेट रसायन विज्ञान, ग्रीन कार्बनिक संश्लेषण, इलेक्ट्रोसिंथेसिस, आदि)
- अकार्बनिक रसायन विज्ञान (बायोइंस्पायर्ड कैटेलिसिस, डाइऑक्सीजन एक्टिवेशन/रिडक्शन, आर्टिफिशियल फोटोसिंथेसिस, हाई-वैलेंट मेटल ऑक्सो, इलेक्ट्रोकैटेलिसिस, माइक्रोपोटैलिस्ट्स का डिग्रेडेशन, ट्रांजिशन मेटल कॉम्प्लेक्स द्वारा सी-एच सक्रियण, आदि)।

विभाग द्वारा बी.टेक विद्यार्थियों के लिए प्रस्तावित पाठ्यक्रम

- अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान, अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान प्रयोगशाला, और स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण।

वर्तमान में विद्यार्थियों की कुल संख्या

स्नातकोत्तर विद्यार्थी (एम.एससी.)	पीएच.डी. शोधार्थी
27	09

संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों का विवरण

डॉ.अचिंतेश एन. विश्वास
एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
पोस्टडॉ.क (मिनेसोटा विश्वविद्यालय, यूएसए 2012-13),
पीएच.डी. (उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय, 2011),
एम.एससी. (उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय, 2003)
रुचि का क्षेत्र: जल उपचार, कृत्रिम प्रकाश संश्लेषण, छोटे अणु सक्रियण, जैव-प्रेरित कैटलिसिस

डॉ. तारकनाथ कुंडू
सह - प्राध्यापक
पोस्टडॉ.क (बोस इंस्टीट्यूट, 2008-09, आईआईएससी, बैंगलोर, 2009-12),
पीएच.डी. (बोस इंस्टीट्यूट/ जादवपुर विश्वविद्यालय, 2008) एम.एससी. (कलकत्ता विश्वविद्यालय, 2001)
रुचि का क्षेत्र: सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान; औषधीय रसायन शास्त्र

डॉ.सुमित साहा
सह - प्राध्यापक
पीएच.डी. (आईएसीएस/ जादवपुर विश्वविद्यालय, 2012), एम.एससी. (आईआईटी खड़गपुर , 2007)
रुचि का क्षेत्र: सिंथेटिक कार्बनिक रसायन विज्ञान, प्राकृतिक उत्पादों का कुल संश्लेषण

डॉ. निधि गोविल
पीएच.डी. (एमएनआईटी जयपुर), एम.एससी. (आईआईटी रुड़की)
रुचि का क्षेत्र: विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान, इलेक्ट्रोएनालिटिकल मैथड्स

डॉ.सुमन्त्र भट्टाचार्य
पीएच.डी. (एनसीएल पुणे, 2013), एम.एससी. (बीएचयू, 2005)
रुचि का क्षेत्र: सैद्धांतिक रसायन विज्ञान, अणुओं के गुणों की उत्तेजित अवस्था संरचना, सजातीय और विषम उत्प्रेरण। फॉक स्पेस मल्टी-रेफरेंस युग्मित क्लस्टर विधि का उपयोग करके अणुओं की निचली उत्तेजित अवस्थाओं की गणना के लिए अत्यधिक सटीक क्वांटम रासायनिक विधि का विकास।

डॉ.दीपमाल्य बसाक
पीएच.डी. (आईआईटी खड़गपुर, 2021), एम.एससी. (एनआईटी दुर्गापुर, 2013)
रुचि का क्षेत्र: सौंदर्य की दृष्टि से मनभावन टोपोलॉजी के साथ हेटेरोमेटैलिक 3डी-4एफ कॉम्प्लेक्स, फोटोल्यूमिनसेंस, उत्प्रेरक गुणों जैसे अन्य गुणों के साथ-साथ उनके चुंबकीय गुणों (एकल आणविक मैग्नेट, मैग्नेटोकलोरिक प्रभाव, आदि) की जांच करने के लिए।

डॉ.अरुण कु. पाल
पीएच.डी. (आईआईटी बॉम्बे, 2015), एम.एससी. (बर्दवान विश्वविद्यालय, 2011)
रुचि का क्षेत्र: कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान, क्वांटम रसायन विज्ञान, आणविक चुंबकत्व और इलेक्ट्रॉनिक संरचना, गैर-रेखीय ऑप्टिकल गुण, स्पेक्ट्रोस्कोपिक गुण, आवधिक संरचना गणना, घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत (डीएफटी), समय-निर्भर डीएफटी, एब-इनिशियो मैथड्स: कार्बनिक/ अकार्बनिक सिस्टम

कर्मचारियों का विवरण

श्री सुमन पाठक

सुश्री चंद्रमा मजूमदार

पीएच.डी शोधार्थी

क्र.सं.	पीएच.डी. शोधार्थी का नाम	पीएच.डी. शोधार्थी का नाम	पर्यवेक्षक
1	सुश्री श्रीजन सुब्बा (थीसिस प्रस्तुत)	प्राकृतिक उत्पादों का कुल संश्लेषण	डॉ.सुमित साहा
2	श्री सृजन नारायण चौधरी	डाइऑक्सीजन रिडक्शन	डॉ.अचिंतेश एन. विश्वास
3.	श्री पंजोलेप्चा	उत्प्रेरक जल ऑक्सीकरण	डॉ.अचिंतेश एन. विश्वास
4	श्री रामानंद दास	सी -ग्लाइकोसाइड्स का संश्लेषण	डॉ. तारकनाथ कुंडू
5	श्री रावण कुमार	प्राकृतिक उत्पादों का कुल संश्लेषण	डॉ.सुमित साहा
6	सुश्री मालती दास	फोटो-रेडॉ.क्स रिएक्शंस	डॉ. तारकनाथ कुंडू
7	श्री सैकत दास	वॉटर रिमिडिएशन	डॉ.अचिंतेश एन. विश्वास
8	श्री गुंटुरु प्रभाकर राव	निर्देशित सीएच सक्रियण	डॉ. तारकनाथ कुंडू
9	कंचन जी चक्रवर्ती	कार्बनिक संश्लेषण	डॉ.सुमित साहा

चतुर्थ दीक्षांत समारोह में स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी विद्यार्थी

प्रयोगशालाएँ और शोध सुविधाएँ

क्र.सं.	प्रयोगशाला का नाम	उद्देश्य	उपलब्ध उपकरण	संकाय प्रभारी
1	अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान	बी.टेक कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के सभी विद्यार्थियों को सामग्री विज्ञान, गुणात्मक और मात्रात्मक अनुमान और पर्यावरणीय प्रभावों के ज्ञान से लैस करना।	माइक्रोबैलेंस, माइक्रोसेंट्रीफ्यूज, पीएच मीटर, कंडक्टोमीटर, गर्म हवा ओवन, वैक्यूम पंप, फ्रिज, आदि।	डॉ. तारकनाथ कुंडू
2	एम.एससी. कार्बनिक रसायन विज्ञान	एम.एससी. विद्यार्थियों को जैविक गुणात्मक और मात्रात्मक अनुमान, कार्बनिक अणुओं की क्रियाशीलता, प्राकृतिक उत्पादों के अलगाव और लक्षण वर्णन, मल्टीस्टेप संश्लेषण और जैव रसायन प्रयोगों के बारे में पढ़ाना।	20 उपाधि से. चिलर के साथ आईला रोटरी इवेपोरेटर, आईला पीएसएल 1810 (-) 80 उपाधि से. रिएक्शन चैम्बर, मेटलर - टोलेडो 0.01 मिलीग्राम माइक्रोबैलेंस, ग्लव बॉक्स आदि।	डॉ.सुमित साहा
3	एम.एससी. अकार्बनिक रसायन विज्ञान	एम.एस.सी. के विद्यार्थियों को लवण की पहचान, गुणात्मक और मात्रात्मक अनुमान, उत्प्रेरक गतिविधियाँ, जैव-अकार्बनिक रसायन विज्ञान के बारे में पढ़ाना।	डायोड-ऐरे यूवी – विज़िबल स्पेक्ट्रोमीटर विद पेल्टियर, इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन, हंसाटेकऑक्सीग्राफ, स्पेक्ट्रोइलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन	डॉ.अचिंतेश एन. विश्वास
4	एमएससी भौतिक रसायन	भौतिक स्थिरांकों का मात्रात्मक अनुमान, जैवभौतिकीय प्रयोग।	पोटेंशियोमीटर, पोलारिमीटर, कलरमीटर, इलेक्ट्रोड असेंबली, जल शुद्धिकरण सेटअप	डॉ.अरुण कु. पाल और डॉ.सुमन्त्र भट्टाचार्य
5	एम.एससी. एनालिटिकल और पर्यावरणीय रसायन विज्ञान	पर्यावरण प्रदूषकों का गुणात्मक एवं मात्रात्मक विश्लेषण	बीओडी इनक्यूबेटर, सीओडी डाइजेस्टर, एएस/एफ डिटेक्टर, मफल फर्नेस, घुलित ऑक्सीजन (डीओ) सेंसर, माइक्रोबैलेंस, आदि।	डॉ. निधि गोविल
5	कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान प्रयोगशाला	आणविक सिमुलेशन, क्वांटम रासायनिक ऊर्जा गणना, रिएक्शन पाथवेज का पूर्वानुमान।	गॉसियन, एम्स्टर्डम डेंसिटीफंक्शनल (एडीएफ), टर्बोमोल, आदि	डॉ.सुमन्त्र भट्टाचार्य एवं अरुण कु. पाल
6	उपकरण प्रयोगशाला	संश्लेषित और प्राकृतिक यौगिकों का विश्लेषण।	गैस क्रोमैटोग्राफी प्रणाली, यूवी-दृश्य स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एफटी-आईआर स्पेक्ट्रोमीटर, जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस प्रणाली, जैव सुरक्षा कैबिनेट, आदि।	डॉ.तारकनाथ कुंडू
7	शोध प्रयोगशाला	पीएचडी शोध के लिए	तीन फ्यूम हुड्स, आईकेए रोटरी इवेपोरेटर, अन्य प्रायोगिक सेट-अप।	डॉ.सुमित साहा

प्रयोगशालाएं

शोध प्रयोगशाला

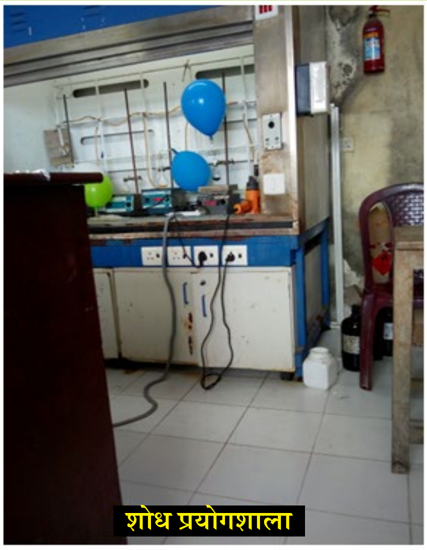

शोध प्रयोगशाला

प्रयोगशाला से दृश्य

स्नातकोत्तर प्रयोगशाला

प्रयोगशाला से दृश्य

शोध सुविधाएं

एफआईडी व टीसीडी डिटेक्टर्स के साथ क्रोमोग्राफी

रोटरी इवेपोरेटर्स

इलेक्ट्रोकैमीकल वर्कस्टेशन्स

डायोड एरे स्पेक्ट्रोमीटर विद पेल्टियर

ऑक्सीग्रॉफ फ्रॉम हंसटेक

-800 C बाथ

स्पेक्ट्रोकैमिस्ट्री सैटअप

अन्य सुविधाएं

- आईआर स्पेक्ट्रोमीटर
- आटोक्लेव
- सोनिकेटर
- मफल फर्नेस
- बीओडी इनक्यूबेटर
- सीओडी डाइजेस्टर
- जेल वैद्युतकणसंचलन

...................और भी कई

सॉफ्टवेयर

- गॉसियन09
- गॉस व्यू
- एडीएफ
- टर्बोमोल

विभाग में चल रही परियोजनाएं

1. इलेक्ट्रोकेमिकल रूप से उत्पन्न ऑक्सोमेटल कॉम्प्लेक्स (सीआरजी/2021/002064)' विज्ञान एवं अभियांत्रिकी शोध बोर्ड (एसईआरबी), नई दिल्ली द्वारा 43 लाख रुपये का वित्त पोषण। पीआई डॉ.अचिंतेश एन. बिस्वास।

अन्य संस्थानों के साथ सहयोग

प्रयोगशाला कक्षाएं संचालित करने और शोध करने के लिए विभाग ने निम्नलिखित संस्थानों के साथ सहयोग किया है:-

- यॉर्क विश्वविद्यालय, यूके - डॉ.अचिंतेश नारायण बिस्वास
- उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी - डॉ.अचिंतेश नारायण विश्वास / डॉ.सुमित साहा
- सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय, सिक्किम - विभाग के सभी संकाय
- आईआईपी देहरादून - डॉ.सुमन्त्र भट्टाचार्य
- इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस, कोलकाता - डॉ.अचिंतेश नारायण बिस्वास / डॉ.सुमित साहा
- राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे - डॉ.सुमन्त्र भट्टाचार्य
- सीएसआईआर- भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून - डॉ.सुमन्त्र भट्टाचार्य
- कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता - डॉ.तारकनाथ कुंडू
- भगिनी निवेदिता विश्वविद्यालय, कोलकाता - डॉ.तारकनाथ कुंडू
- आईआईटी खड़गपुर - डॉ.तारकनाथ कुंडू और डॉ.दीपमाल्य बसाक

विभागीय उत्तरदायित्व

क्र.सं.	उत्तरदायित्व	संकाय प्रभारी
01.	विभागाध्यक्ष	डॉ.अचिंतेश एन. विश्वास
02.	एम.एससी. प्रवेश (एनआईटी में वर्ष 2022 के लिए एम.एससी. हेतु केंद्रीकृत काउंसलिंग के उप उप प्रभारी,)	डॉ.तारकनाथ कुंडू
03.	एम.टेक /एम.एससी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए संस्थान प्रवेश परीक्षा 2022 के संयोजक।	डॉ. तारकनाथ कुंडू
04.	विभागीय स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी)	डॉ.सुमित साहा (संयोजक) डॉ.अचिंतेश एन. बिस्वास (एचओडी) डॉ.तारकनाथ कुंडू (सदस्य) डॉ.निधि गोविल (सदस्य) डॉ.सुमन्त्र भट्टाचार्य (सदस्य) डॉ.धनंजय त्रिपाठी (अध्यक्ष सीनेट द्वारा मनोनीत सदस्य)
05.	शैक्षणिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन समिति	डॉ.तारकनाथ कुंडू (संयोजक) डॉ.अचिंतेश नारायण बिस्वास (सदस्य) डॉ.सुमित साहा (सदस्य) डॉ.निधि गोविल (सदस्य)
06.	एमएससी भौतिक रसायन प्रयोगशाला	डॉ.निधि गोविल
07.	एमएससी अकार्बनिक रसायन प्रयोगशाला	डॉ.अचिंतेश एन. विश्वास
08.	एमएससी कार्बनिक रसायन प्रयोगशाला	डॉ.सुमित साहा
09.	एमएससी विश्लेषणात्मक और पर्यावरण रसायन विज्ञान प्रयोगशाला	डॉ.दीपमाल्य बसाक
10.	एमएससी कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान प्रयोगशाला	डॉ.सुमंत्रा भट्टाचार्य और डॉ.अरुण कु. पाल
11.	बी. टेक अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान प्रयोगशाला	डॉ. तारकनाथ कुंडू
12.	परीक्षा कक्ष में विभागीय सदस्य	डॉ.अचिंतेश एन. विश्वास
13.	संस्थान शोध समिति में विभागीय सदस्य	डॉ.सुमित साहा
14.	विभागीय रिकार्ड रखना	डॉ.अचिंतेश एन. विश्वास
15.	संकाय सलाहकार	डॉ.अचिंतेश एन. विश्वास डॉ.तारकनाथ कुंडू डॉ.सुमित साहा

संकाय सदस्यों और स्टाफ सदस्यों के साथ छात्र

एमएससी 2020-22 बैच - विदाई

एमएससी 2021-23 बैच

एमएससी 2022-24 बैच

विभाग पिकनिक

बी.टेक 2021-25 बैच प्रथम वर्ष अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान प्रयोगशाला

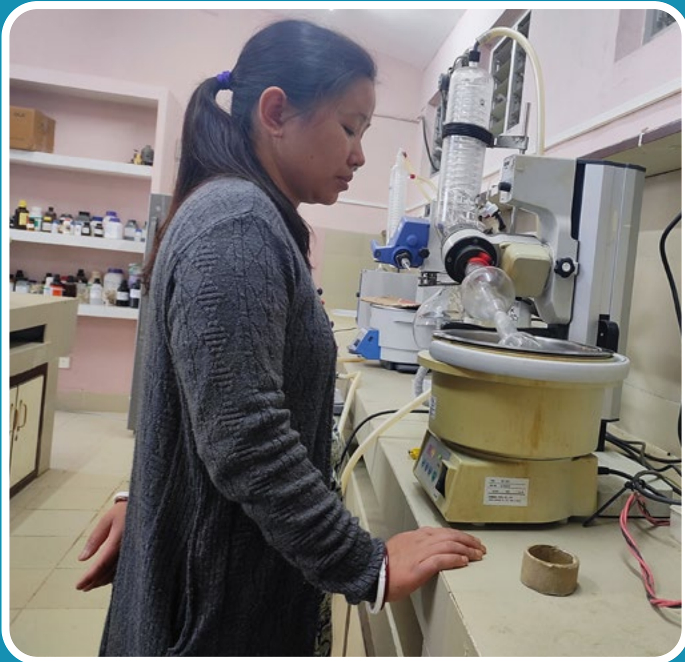

सुश्री श्रीजनासुब्बा, सिंथेटिक कार्बनिक रसायन शोध के लिए रोटरी इवेपोरेटर का उपयोग करने वाली पीएचडी शोधार्थी।

बीटेक प्रथम वर्ष अभियांत्रिकी रसायन विज्ञान प्रयोगशाला में विद्यार्थियोंके साथ डॉ.सुमंत्र भट्टाचार्य

श्री सृजन नारायण चौधरी, पीएचडी शोधार्थी और श्री सैकत दास, प्रोजेक्ट जेआरएफ यूवी-विज़िबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर से जुड़े इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन का उपयोग कर रहे हैं।

मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग

> साहित्य मानवता की सर्वाधिक रोचक एवं महत्वपूर्ण अभिव्यक्तियों में से एक है।
>
> ~ पीटी बरनम

मानविकी एवं समाज विज्ञान (एचएसएस) विभाग संस्थान का एक महत्वपूर्ण भाग है जो विद्यार्थियोंको उनके एकीकृत अभिविन्यास के लिए एक मंच प्रदान करने का प्रयास करता है। इसका उद्देश्य ऐसा ज्ञान प्रदान करना है जो विद्यार्थियोंकी शैक्षणिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता पर समग्र प्रभाव डालता हों। विभाग में उत्साही एवं उच्च योग्यता प्राप्त शिक्षक हैं जो मानवीय मूल्यों और साहित्य के बारे में ज्ञान प्रदान करने की नई तकनीकों को सीखने के संबंध में चर्चा को प्रोत्साहित करते हैं। वे अंग्रेजी और अर्थशास्त्र के विभिन्न क्षेत्रों पर व्यापक अध्ययन के साथ शोध के मापदंडों का विस्तार करने पर केंद्रित हैं।

एचएसएस विभाग अभियांत्रिकी विद्यार्थियों को अंग्रेजी, अर्थशास्त्र और प्रबंधन में स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो खुद को इंजीनियरों के रूप में निष्पादित करने में सक्षम होंगे जो संरक्षण रणनीतियों को महत्व देते हैं।

विभाग शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है जिसकी शुरुआत वर्ष 2014 में की गई थी। विभागीय संकाय और शोध शोधार्थियों द्वारा अन्वेषित शोध रुचि के वर्तमान क्षेत्र - अंग्रेजी के विषय क्षेत्र में, आधुनिक भारतीय कथा साहित्य, शेक्सपियर के नाटकों का फिल्म रूपांतरण का अध्ययन, उत्तर-पूर्वी साहित्य, लैंगिक अध्ययन एवं साहित्य और अर्थशास्त्र के विषय क्षेत्र में औद्योगिक अर्थशास्त्र और उद्यमिता हैं जिनमें शोध कार्य किया गया है। विभाग के संकाय और शोध शोधार्थी शोध प्रकाशनों की दिशा में बड़े पैमाने पर काम करते हैं और उनके प्रयास राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में पेपर प्रकाशनों के माध्यम से प्रतिबिंबित होता है। वे वैश्विक स्पेक्ट्रम पर प्रतिष्ठित सम्मेलनों में शोध पत्र प्रस्तुतियों और कार्यवाही प्रकाशनों पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं।

विभागीय साहित्यिक क्लब:

द रेम्नेंट इंक की स्थापना 24 फरवरी, 2018 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम में साहित्यिक और मुखर स्वभाव वाले विद्यार्थियों की एकीकृत उन्नति के विज़न के साथ की गई थी। क्लब विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है, जिसमें क्विज़ प्रतियोगिताएं, मूवी शामिल हैं, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है। नाइट्स, लेखन प्रतियोगिताएं, सम्मानित अतिथियों द्वारा टॉक सत्र, और इस वर्ष क्लब भारत सरकार के अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 के उत्सव को बढ़ावा देने के लिए संस्थान में प्रमुख आयोजक रहा है।

उद्देश्य:

- संचार कौशल, फोनेटिक्स, भाषाविज्ञान और विदेशी एवं क्षेत्रीय भाषाओं में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम से संबंधित कुछ पाठ्यक्रम विभाग के दीर्घकालिक एजेंडे का हिस्सा हैं।
- विभाग देश के अन्य प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग करके विद्यार्थियों के बीच एकीकृत दृष्टिकोण विकसित करने को बढ़ावा देता है।
- विभाग का स्नातक विद्यार्थियों को वैश्विक औद्योगिक कामकाजी माहौल के समकक्ष तैयार करने का भी उत्तरदायित्व है।
- राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर औद्योगिक बाजार की प्रतिस्पर्धा में विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम का लगातार उन्नयन किया गया है।
- अपने शोध स्पेक्ट्रम को व्यापक बनाने में सहायता के लिए पीएच.डी. कार्यक्रम के माध्यम से अंतःविषयक विषयों पर व्यापक शोध कार्य तैयार करना। ।

विभाग के पाठ्यक्रम में उन्नयन :

विभाग हर दो साल में पाठ्यचर्या विकास कार्यशालाओं के माध्यम से अपने पाठ्यक्रम को अद्यतन करता है और संस्थान की सीनेट इसका समर्थन करती है। 2017 की पाठ्यचर्या विकास कार्यशाला की सामग्री के आधार पर, विभाग में अंग्रेजी में दो नए पाठ्यक्रम, *अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य* और

मानव मूल्य एवं प्रभावी संचार शुरू किए गए हैं। इसके अलावा, अर्थशास्त्र और प्रबंधन संबंधी पिछले पाठ्यक्रमों को भी *अभियांत्रिकी अर्थशास्त्र* और *प्रबंधन के सिद्धांत* के रूप में पुनर्गठित किया गया था। मई, 2019 में, गहन शिक्षाविदों के साथ एक और पाठ्यचर्या विकास कार्यशाला आयोजित की गई, जिन्होंने अपने ज्ञान के साथ मौजूदा पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने और अद्यतन करने में मदद की जो विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के लिए सबसे उपयुक्त होगा। विभाग ने विद्यार्थियों के संचार कौशल की दक्षता को बढ़ावा देने के लिए *प्रोफेशनल प्रैक्टिस (अंग्रेजी)* नामक एक ऑडिट पाठ्यक्रम भी शुरू किया है, जिसमें समूह चर्चा, वाद-विवाद और आशुभाषण शामिल है। विभाग ने विद्यार्थियों को उच्चारण, स्ट्रेस पैटर्न, स्वर-शैली और उच्चारण की सूक्ष्मताएं सिखाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक भाषा प्रयोगशाला भी विकसित की है ताकि उन्हें बोलने की क्षमता और आत्मविश्वास से लैस किया जा सके जो उन्हें उच्च प्लेसमेंट के लिए तैयार करने में मदद करेगा।

विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम

स्नातक कार्यक्रम (बी.टेक) के लिए पाठ्यक्रम:

- अंग्रेजी भाषा और साहित्य (एचएस11101) - बी.टेक प्रथम वर्ष
- मानवीय मूल्य और प्रभावी संचार (HS12101) - बी.टेक प्रथम वर्ष
- व्यावसायिक अभ्यास (ZZ12402) – बी.टेक प्रथम वर्ष
- अभियांत्रिकी अर्थशास्त्र (HS15101) – बी.टेक तृतीय वर्ष
- प्रबंधन के सिद्धांत (एचएस16101) - बी.टेक तृतीय वर्ष

पीएचडी कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम:

- शोध पद्धति (HS31101)
- साहित्यिक सिद्धांत-I (HS31102)
- साहित्यिक सिद्धांत-II (HS31103)

शोध क्षेत्र

विषय	शोध के प्रमुख क्षेत्र
अंग्रेज़ी	• आधुनिक भारतीय कथा साहित्य • फिल्म अध्ययन • लैंगिक अध्ययन और साहित्य • साहित्यिक आलोचना • मिथक और उसका पुनर्कथन • भारतीय अंग्रेजी लेखन
अर्थशास्त्र	• औद्योगिक अर्थशास्त्र और उद्यमिता • वित्तीय प्रबंधन • बिग डेटा एनालिटिक्स • प्रबंधकीय अर्थशास्त्र

शोध शोधार्थी

जिन्हें उपाधि प्रदान की गई:

क्र.सं.	नाम	पर्यवेक्षक	थीसिस का शीर्षक
1	श्रीमती लक्ष्मी राय	डॉ.धनंजय त्रिपाठी	बॉलीवुड में शेक्सपियर की चुनिंदा त्रासदियों का सिनेमाई रूपांतरण
2	श्री भास्कर छेत्री	डॉ.धनंजय त्रिपाठी	चुनिंदा राज उपन्यासों में बहुसंस्कृतिवाद
3	सुश्री अंकिता सरमा	डॉ.धनंजय त्रिपाठी एवं डॉ.बेदब्रत सैकिया (सह-पर्यवेक्षक)	असम में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के अवसरों एवं चुनौतियों संबंधी अन्वेषण

शोधरत विद्यार्थी :

क्र.सं.	नाम	पर्यवेक्षक	शोध का क्षेत्र
1	सुश्री संजना चक्रवर्ती	डॉ.धनंजय त्रिपाठी	मेल बॉडी एंड आइडेंटिटि पॉलिटिक्स इन साउथ एशियन लिटरेचर

शोध प्रोजेक्ट्स :

क्र.सं.	प्रोजेक्ट्स का शीर्षक	प्रमुख अन्वेषक	वित्त पोषण एजेंसी	स्थिति
1	***सिक्किम में शमनवाद की रहस्यमयी परंपरा:*** *इसके मूल विश्वास और जनजातीय प्रकृति का अध्ययन।*	डॉ.धनंजय त्रिपाठी	आईसीएसएसआर	पूर्ण
2	***कोविड-19 और सिक्किम पर इसका प्रभाव:*** *सिक्किम कैसे और क्यों अपवाद बना, का अध्ययन।*	डॉ.धनंजय त्रिपाठी	आईसीएसएसआर	पूर्ण

शिक्षक गण विवरण

डॉ.धनंजय त्रिपाठी
सह - प्राध्यापक
डी. फिल (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 2013), एम.ए. (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 2006)
रुचि का क्षेत्र: *साहित्यिक आलोचना, मिथक और उसकी पुनर्कथन, भारतीय अंग्रेजी लेखन।*

डॉ.ऋचा मिश्रा
सहायक प्रोफेसर (अस्थायी)
डी. फिल (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 2016), एमए (इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 2011)
रुचि का क्षेत्र: *अंग्रेजी में भारतीय लेखन, पौराणिक पुनर्कथन।*

डॉ.मार्क्सिया ओली. सिगो
सहायक प्रोफेसर (अस्थायी)
पी.एचडी. (भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, 2019), एमबीए (बीएसएमईडी- भारथिअर विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, 2006)
रुचि का क्षेत्र: *वित्तीय प्रबंधन, बिग डेटा एनालिटिक्स, प्रबंधकीय अर्थशास्त्र।*

स्नातक विद्यार्थियों के लिए भाषा प्रयोगशाला

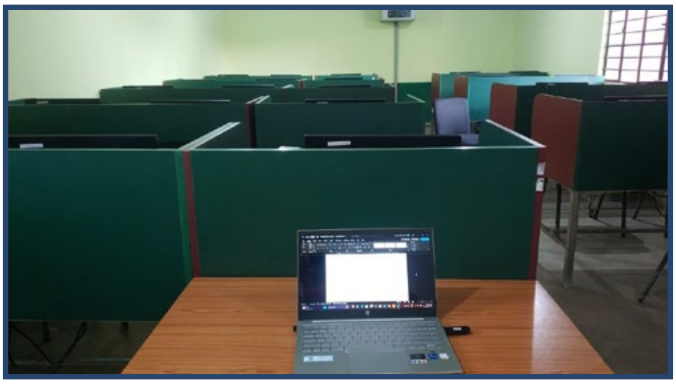

विद्यार्थियों की जरूरतों को पूरा करने और उनकी भाषा सीखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए दिसंबर, 2019 में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ एक ओरेल टॉक डिजिटल भाषा प्रयोगशाला की स्थापना की गई थी। भाषा प्रयोगशाला सॉफ्टवेयर परिणामोन्मुख है और यह न केवल भाषा सीखने में सहायता करता है बल्कि सौंदर्य एवं व्यक्तित्व विकास में उन्नत पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व का विकास करना है।

इन अत्यधिक लाभकारी पाठ्यक्रमों को अपनाकर छात्र न केवल अपने व्यक्तित्व को निखार सकते हैं बल्कि आत्मविश्वास भी विकसित कर सकते हैं। सॉफ्टवेयर में निम्नलिखित घटक शामिल हैं: -

- **एएसएल –** विद्यार्थियों को बोलने और सुनने की गतिविधियाँ सौंपने का उपकरण।
- **इंटरकॉम -** शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच दोतरफा संचार सक्षम बनाता है।
- **लाइव क्लासरूम -** लाइव कक्षाएं संचालित करता है और विद्यार्थियों की सीखने की गतिविधियों का मूल्यांकन करने की अनुमति देता है।
- **पाठ स्टूडियो -** शिक्षक को वीडियो, ऑडियो और टेक्स्ट प्रारूप में अध्ययन सामग्री बनाने की अनुमति देता है।
- **ई-राइटर –** विद्यार्थियों को लेखन कार्य सौंपना।
- **ई-रीडर -** व्यक्तिगत या विद्यार्थियों के समूह को पढ़ने का कार्य भेजने के लिए।
- **ई-परीक्षा -** व्यक्तिगत या विद्यार्थियों के समूह को परीक्षा कार्य सौंपना।
- **स्क्रीन व्यूअर -** शिक्षक विद्यार्थियों की स्क्रीन कैप्चर कर सकते हैं और उनकी जानकारी के बिना भी उनकी गतिविधियों पर नज़र रख सकते हैं।
- **चेतावनी –** शिक्षक को कॉल करने में विद्यार्थियों को सहायता।

विभागीय समितियाँ

क्र.सं.	संकाय सदस्य का नाम	समिति का नाम
1	डॉ.धनंजय त्रिपाठी	विभागाध्यक्ष
2	डॉ.धनंजय त्रिपाठी, डॉ.ऋचा मिश्रा, डॉ.मार्क्सिया ओली. सिगो	विभागीय संकाय बोर्ड
3	डॉ.धनंजय त्रिपाठी (संयोजक) डॉ.ऋचा मिश्रा डॉ.मार्क्सिया ओली. सिगो डॉ.अचिंतेश एन बिस्वास (एक्सटर्नल) डॉ. राजीव रंजन द्विवेदी (एक्सटर्नल) डॉ.संग्राम रे (एक्सटर्नल)	विभाग स्नातकोत्तर समिति (डीपीजीसी)
4	डॉ.ऋचा मिश्रा	फैकल्टी मेंटर बी.टेक प्रथम वर्ष
5	डॉ.धनंजय त्रिपाठी डॉ.ऋचा मिश्रा डॉ.मार्क्सिया ओली. सिगो	एनईपी, 2020 के तहत भारतीय भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए समिति
6	डॉ.धनंजय त्रिपाठी	संकाय प्रभारी- प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल
7	डॉ.ऋचा मिश्रा	विभागीय वार्षिक रिपोर्ट समिति
8	डॉ.धनंजय त्रिपाठी डॉ.ऋचा मिश्रा डॉ.मार्क्सिया ओली. सिगो	विभाग ग्रेड मॉडरेशन समिति
9	डॉ.धनंजय त्रिपाठी	लोक सूचना अधिकारी
10	डॉ.धनंजय त्रिपाठी	संकाय प्रभारी प्रकाशन एवं वेब सूचना प्रणाली

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन और वार्षिक खाता

सत्यमेव जयते

कार्यालय प्र. महालेखाकार , (लेखापरीक्षा)
लेखापरीक्षा भवन, देवराली, सिक्किम
गान्तोक – 737 102
Office of the Pr. Accountant General (Audit),
Lekha Pariksha Bhawan, Deorali,
Sikkim, Gangtok – 737 102

No: Comm/NIT/SAR/22-23/2023-24/77

दिनांक: 03 नवम्बर 2023

सेवा में,
निदेशक महोदय
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
रावंग्ला परिसर
रावंग्ला, बर्फुंग ब्लॉक
दक्षिण सिक्किम – 737139

विषय: 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षा प्रतिवेदन अग्रेषित करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

मैं आपकी ओर से आवश्यक कार्यवाई हेतु 31 मार्च 2023 को समाप्त वितीय वर्ष के प्रथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन अग्रेषित कर रहा हूँ।

संस्थान द्वारा अंकेक्षित लेखा एवं पृथक ऑडिट रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किये जाने से पूर्व इन पर विचार करना चाहिए एवं इन्हें अपनाया जाना चाहिए।

इसके अलावा, लेखापरीक्षित खातों/प्रथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट को सदन सदन के समक्ष रखने की तारीख इस कार्यालय को सूचित की जाए। अनुमोदित वार्षिक रिपोर्ट के हिंदी और अंग्रेजी संस्करणों की दो-दो प्रतियां सीएजी, भारत को प्रसारण हेतु इस कार्यालय को भेजी जा सकती हैं।

कृपया इस पत्र की प्राप्ति की पावती दी जाए।

भवदीय

उप महालेखाकार

31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम,
रावंगला के
खातों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

(राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 2007 की धारा 22(4) के अनुसार)

31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के लेखा पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

हमने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम 2007 की धारा 2(2) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के (कर्त्तव्य, शक्तियां एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम 1971 की धारा 19(2) के अधीन 31 मार्च 2022 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के संलग्नित तुलन पत्र, उसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबंधन का उत्तरदायित्व हैं। हमारा दायित्व लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय प्रकट करना है।

2. इस प्रथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में केवल वर्गीकरण, उत्तम लेखांकन अभ्यासों के साथ अनुरूपता, लेखांकन मानकों एवं प्रकटन मानकों आदि के सम्बन्ध में लेखांकन व्यव्हार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां शामिल हैं। कानून, नियमों एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि के सम्बन्ध में वित्तीय लेनदेन पर लेखा परीक्षा अवलोकनों, यदि कोई हो, तो उन्हें निरीक्षण प्रतिवेदनों/नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों के माध्यम से अलग से प्रतिवेदित किया जाता है।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा, भारत में सामान्य रूप से स्वीकार किये गए लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार की है। इन मानकों में यह उपेक्षित है की हम इस विषय में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए योजना बनाएं और लेखा परीक्षा करें की क्या वित्तीय विवरण मिथ्या वर्णन से मुक्त हैं। एक लेखा परीक्षा में परीक्षण, एक जांच आधार पर, राशियों को सहयोग करने वाले साक्ष्य तथा वित्तीय विवरण में प्रकटीकरण शामिल हैं। एक लेखा परीक्षा में उपयोग में लाये गए लेखांकन सिद्धांतों का मूल्यांकन तथा प्रबंधन द्वारा बनाये गए प्राक्कलनों के मूल्यांकन के साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल करता है। हम विश्वास करते हैं की हमारी लेखा परीक्षा, हमारी राय के लिए समुचित आधार प्रदान करती हैं।

4. अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर हम प्रतिवेदन करते हैं कि:

   (i) हमने वे सभी सूचनाएं एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक थे।

   (ii) इस प्रतिवेदन में व्यवहृत तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किये गए हैं।

(iii) हमारे मत में, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम द्वारा लेखों की उपर्युक्त बहियों तथा अन्य अभिलेखों का संधारण, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम 2007 की धारा 22(1) के अंतर्गत वांछित आवश्यकताओं के अनुरूप किया गया है, जैसा की इन पुस्तिकाओं की जांच करने पर प्रकट होता है।

(iv) हम आगे प्रतिवेदित करते हैं कि:

(क) सामान्य

1. सीपीडब्ल्यूडी ने समय-समय पर संस्थान के लिए विभिन्न कार्यों को निष्पादित किया है। सीपीडब्ल्यूडी की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, सात कार्यों की प्रशासनिक स्वीकृति ₹11.98 करोड़ थी। इन कार्यों के लिए, संस्थान ने ₹ 8.61 करोड़ जमा किए थे, जिसमें से सीपीडब्ल्यूडी ने ₹8.44 करोड़ का खर्चा किया। एमपीआर में यह लिखित है कि कुछ कार्यों में देनदारी निपटाने के लिए शेष धनराशि की आवश्यकता थी। हालाँकि, चूंकि सीपीडब्ल्यूडी ने संबंधित कार्यों का कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र, अंतिम लगत के साथ प्रस्तुत नहीं किया, इसलिए संस्थान ने केवल ₹8.62 करोड़ की पूंजी लगाई थी। इसके अलावा, सीपीडब्ल्यूडी द्वारा विभिन्न अवधियों में प्रस्तुत की गयी प्रगति रिपोर्ट में भी व्यय के संदर्भ में भिन्नता एवं असंगतता है। संस्थान के स्तर पर भी, विभिन्न कार्यों के बीच पूंजीकरण की विधि अलग-अलग थी क्योंकि कुछ मामलों में सीपीडब्ल्यूडी के पास जमा राशि को पूंजीकृत किया गया था, और अन्य में, किए गए व्यय की राशि को पंजीकृत किया गया था। अतः, इस प्रकार, संस्थान द्वारा सीपीडब्ल्यूडी के साथ एक संपूर्ण समाधान किए जाने की आवश्यकता है एवं उनके द्वारा निष्पादित सभी कार्यों के लिए राशी का सही पूंजीकरण करके लेखापरीक्षा को सूचित जा सकता है।

2. सहायता अनुदान

   इस वर्ष में संस्थान को ₹ 26.17 करोड़ अनुदान के रूप में प्राप्त हुए हैं। जिसमे से संस्थान ने ₹ 26.17 करोड़ (जिसमें से ₹ 3.29 करोड़ एमओई को वापस कर दिए गए हैं) का उपयोग किया है एवं अव्ययित अनुदान शून्य दिया हैं।

(ख) लेखा का पुनरीक्षण

संस्थान के खातों को ऑडिट के कहने पर संशोधित किया गया। खातों के संशोधन के कारण संपत्ति एवं देनदारियाँ ₹ 0.26 करोड़ बढ़ गई एवं हानि ₹ 0.79 करोड़ बढ़ गई।

(v) पिछले पैराग्राफ में हमारे अवलोकन के अंतर्गत, हम प्रमाणित करते हैं कि इस रिपोर्ट द्वारा बनाये गए बैलेंस शीट, आय एवं व्यय खाते व प्राप्ति एवं भुगतान खाता, लेखा पुस्तक के अनुरूप हैं।

(vi) हमारी सर्वोत्तम जानकारी, मत एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखांकन नीतियों व खातों पर नोट्स के साथ पढ़े जाते हैं, एवं ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों व अनुबंध- I में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन होते हैं, जो भारतीय स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार सत्य एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं:

(क) जहां तक यह राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 31 मार्च 2023 तक की बैलेंस शीट से संबंधित है; और

(ख) जहां तक यह 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष में अधिशेष पर आय एवं व्यय खाते से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

के लिए एवं उनकी ओर से

प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा),

सिक्किम, गंगतोक

स्थान: गंगतोक

दिनांक:

अनुलग्नक

1) आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता:

संस्थान ने 24 जनवरी 2023 को एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को आंतरिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया है। 30 जनवरी 2023 और 30 मई 2023 को रिपोर्ट (अर्धवार्षिक) प्रस्तुत करने के साथ ही फर्म ने 30 मई 2023 को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। इसके अलावा, अंतिम रिपोर्ट को विचार विमर्श के लिए बीओजी एवं वित्त समिति के समक्ष रखा जाना बाकी है। इसके अलावा, वही फर्म वित्तीय विवरणों की तैयारी/संकलन में भी शामिल थी। इस प्रकार, आंतरिक लेखापरीक्षा की स्वतंत्रता शामिल थी।

2) आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता:

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली संस्थान के आकार और प्रकृति के अनुरूप नहीं थी जैसा कि नीचे बताया गया है:

(i) क़ानून के अनुसार, संस्थान के बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स की एक वर्ष में कम से कम चार बार बैठक होगी। 2022-23 के दौरान बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की छह बैठकें हुईं।

(ii) क़ानून के खंड 10 (2) के अनुसार, वित्त समिति आम तौर पर एक वर्ष में कम से कम चार बार बैठक करेगी, अधिमानतः बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक से पहले। वर्ष 2022-23 के दौरान वित्त समिति की चार बैठकें आयोजित की गईं।

3) वैधानिक बकाया के भुगतान में नियमितता

प्रबंधन, उपयुक्त प्राधिकारियों के साथ वैधानिक बकाया का भुगतान नियमितता से करता है।

प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा)
सिक्किम, गंगटोक

जगह:

तारीख:

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

31 मार्च 2023 को तुलन पत्र

राशि रुपये में

निधियों का स्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष 31.03.2023	विगत वर्ष 31.03.2022
कॉर्पस / पूंजी निधि	1	425,115,379.00	434,663,190.00
निर्दिष्ट/ चिन्हित / बंदोबस्ती निधि	2	9,424,289.00	9,753,505.00
चालू देयताएं एवं प्रावधान	3	70,945,088.00	73,317,088.00
कुल		**505,484,756.00**	**517,733,783.00**
निधियों का उपयोग			
स्थिर परिसंपत्तियां	4		
मूर्त परिसंपत्ति		369,638,047.00	388,771,085.00
अमूर्त परिसंपत्ति		776,194.00	2,296,712.00
पूंजी कार्य प्रगति		3,866,000.00	23,808,030.00
चिन्हित / बंदोबस्ती निधि से निवेश	5		
दीर्घावधि		-	-
अल्पावधि		-	-
निवेश-अन	6	-	-
चालू परिसंपत्तिया	7	127,584,844.00	98,743,476.00
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	3,619,671.00	4,114,480.00
कुल		**505,484,756.00**	517,733,783.00

-

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23	-
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां	24	

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम के लिए एवं उसकी ओर से

निदेशक

कुलसचिव

सहायक कुलसचिव

दिनांक: 07.08.2023

स्थान: रवांगला, दक्षिण सिक्किम

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

आय एवं व्यय लेखा

31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए राशि रुपये में

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष 31.03.2023	विगत वर्ष 31.03.2022
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	45,321,653.00	30,760,080.00
अनुदान / सब्सिडी	10	201,195,608.00	88,228,043.00
निवेश से आय	11	2,947,130.00	4,281,359.00
अर्जित ब्याज	12	306,250.00	416,035.00
अन्य आय	13	1,457,801.00	2,028,967.00
पूर्वावधि आय	14	788,168.00	-
कुल (क)		**252,016,610.00**	**125,714,484.00**
व्याय			
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ			
(स्थापना व्यय)	15	126,783,555.00	101,606,864.00
शैक्षणिक व्यय	16	22,300,496.00	17,805,496.00
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	53,844,232.00	46,136,356.00
परिवहन व्यय	18	1,584,132.00	1,054,165.00
मरम्मत एवं रखरखाव	19	7,287,632.00	13,925,926.00
वित्त लागत	20	62,788.00	19,855.00
मूल्यह्रास	4	68,158,202.00	68,679,306.00
अन्य व्यय	21	-	-
पूर्वावधि व्यय	22	9,106,000.00	194,107.00
कुल (ख)		**289,127,037.00**	**249,422,075.00**
शेष जो कि व्यय पर			
आय का अधिशेष (क-ख) है		-37,110,427.00	-123,707,591.00
निर्दिष्ट निधि में/से अंतरण		-	7,178,764.00
भवन निधि		-	-
अन्य (निर्दिष्ट करें)		-	-
शेष जो कि अधिशेष/घाटा है,			
पूंजी निधि में अग्रेनीत		-37,110,427.00	-130,886,355.00
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	23		
आकस्मिक देयताएं एवं लेखा पर टिप्पणियां	24		

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम के लिए एवं उसकी ओर से

निदेशक

कुलसचिव

सहायक कुलसचिव

दिनांक: 07.08.2023

स्थान: रवांगला, दक्षिण सिक्किम

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए

प्राप्तिया	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	विगत वर्ष
	31.03.2023	31.03.2022		31.03.2023	31.03.2022
1. . प्रारम्भिक शेष			1. व्यय		
क) नकद शेष	53,000.00	3,000.00	क) स्थापना व्यय	115,925,754.00	92,831,184.00
ख) नकद शेष-परियोजना	3,385,614.00	899,157.00	ख) शैक्षणिक व्यय	20,593,893.00	16,454,348.00
ग) बैंक शेष			ग) प्रशासनिक व्यय	53,550,137.00	42,334,503.00
i) चालू खाता	5,689,760.00	10,004,406.00	घ) परिवहन व्यय	1,394,894.00	964,916.00
ii) जमा खातों म	62,463,082.00	88,075,435.00	ङ) मरम्मत एवं रखरखाव	7,287,632.00	6,052,624.00
iii) बचत खाता	25,558,978.00	42,169,944.00	च) पूर्वावधि व्यय	9,106,000.00	-
iv) परियोजना खाता	-	-	छ) वित्त लागत	62,788.00	19,855.00
v) ग्रांट इन ट्रांजिट	-	-			
2. अनुदान प्राप			2. चिन्हित/ बंदोबस्ती निधि के		
क) भारत सरकार से	261,700,000.00	179,992,000.00	प्रति भुगतान	2,909,403.00	871,150.00
ख) अन्य स्रोतों से (विवरण)	-	-			
(पूंजी और राजस्व व्यय के लिए अनुदान, जिसे उपलब्ध होने पर पृथक रूप में दिखाया जाय)			3. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के प्रति भुगतान	7,039,183.00	4,173,239.00
3. शैक्षणिक प्राप्तियां	46,727,985.00	32,921,302.00	4. प्रायोजित फै लोशिप / छात्रवृत्तियों के प्रति भुगतान	424,922.00	265,380.00
4. चिन्हित / बंदोबस्ती निधि के प्रति प्राप्तिया	2,859,403.00	8,066,933.00			
5. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के प्रति प्राप्तिया	67,465.00	8,542,998.00	5. निवेश एवं जमा		
			क) चिन्हित / बंदोबस्ती निधियों से	-	-
			ख) स्व-निधियों से	-	-
6. प्रायोजित फै लोशिप और छात्रवृत्ति	58,117.00	423,422.00	6. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा	-	-
के प्रति प्राप्तिया			7. अनुदानों की वापसी	-	-
7. निम्न निवेश पर आय			8. स्थिर परिसंपत्तियों एवं अमूर्तस्थिर		
क) चिन्हित निधिया			परिसंपत्तियों पर व्यय		
			कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	-	420,225.00
			पूंजी कार्य प्रगति	3,866,000.00	-
			अमूर्तस्थिर परिसंपत्तियां		
8. ब्याज प्राप्त			क) कंप्यूटर एवं पेरिफेरल	5,919,136.00	21,237,816.00
क) बैंक जमा	2,947,130.00	4,281,359.00	ख) कार्यालय उपकरण	1,009,528.00	173,288.00
ख) ऋण एवं अग्रिम	-	-	ग) पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं	1,005,866.00	169,591.00
ग) बचत बैंक खाता	9,408,610.00	606,804.00	घ) विज्ञान उपकरण	11,164,659.00	49,295,006.00
			ङ) संयंत्र एवं मशीनरी	578,990.00	-

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

RECEIPT AND PAYMENTS ACCOUNT

FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH 2023

प्राप्तिया	चालू वर्ष 31.03.2023	विगत वर्ष 31.03.2022	भुगतान	चालू वर्ष 31.03.2023	विगत वर्ष 31.03.2022
9. निवेश नकदीकरण	-	-	च) अन्य स्थिर परिसंपत्तियां	-	23,062.00
			छ) फर्नीचर फिक्सचर एंड फिटिंग	3,385,031.00	3,605,238.00
10. अनुसूचित बैंकों में सावधि जमा नकदीकरण		-	ज) साइट विकास	-	-
			झ) अस्थायी शेड	166,742.00	751,076.00
			ञ) श्रव्य-दृश्य उपकरण	179,991.00	2,499,923.00
			ट) विद्युत स्थापना एवं उपकरण	29,324.00	4,664,294.00
			ठ) भवन	-	555,387.00
			ड) वाहन	-	882,342.00
			ढ) खेल उपकरण	257,349.00	
			9. सांविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान	34,238,667.00	29,453,770.00
	420,919,144.00	375,986,760.00		280,095,889.00	277,698,217.00
			10. जमा एवं अग्रिम	1,072,293.00	4,889,063.00
11. अन्य आय (पूर्वावधि सहित)	669,633.00	2,028,967.00	11. अन्य भुगतान (एमएचआरडी से अनुदान राशि)	32,941,776.00	14,202,117.00
12. जमा, देनदार एवं अग्रिम	733,471.00	2,857,733.00	12. अंतिम शेष		
13. वैधानिक प्राप्तियां सहित			क) नकद शेष	50,000.00	53,000.00
विविध प्राप्तकर्ता	17,889,202.00	11,795,266.00	क) नकद शेष		
			i) चालू खाता	8,363,129.00	5,689,760.00
14. जमानती जमा राशि	693,016.00	350,000.00	ii) जमा खाता	97,382,622.00	62,463,082.00
			iii) बचत खाता	21,384,308.00	25,558,978.00
15. अन्य कोई प्राप्तियां	409,828.00	921,105.00	iv) परियोजना खाता	24,277.00	3,385,614.00
			v) ग्रांट इन ट्रांजिट	-	-
	441,314,294.00	393,939,831.00		441,314,294.00	393,939,831.00

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम के लिए एवं उसकी ओर से

निदेशक

कुलसचिव

सहायक कुलसचिव

दिनांक: 07.08.2023

Place: Ravangla, South Sikkim

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 1 : कॉर्पस / पूंजी निधि

राशि रुपये में

		चालू वर्ष 31.03.2023	विगत वर्ष 31.03.2022
	वर्ष के प्रारम्भ में शेष	434,663,190.00	487,987,704.86
जोड़ें:	कॉर्पस / पूंजी निधि में योगदान		
जोड़ें:	पूंजी व्यय के लिए प्रयुक्त होने तक यूजीसी,		
	भारत सरकार एवं		
	राज्य सरकार से अनुदान	27,562,616.00	77,561,840.00
जोड़ें:	चिन्हित निधि से क्रय की गई परिसंपत्तिया	-	-
जोड़ें:	प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय की गई परिसंपत्तियां,		
	जहां संस्थानों में स्वामित्व निहित ह	-	-
जोड़ें:	परिसंपत्तियां दान/उपहार प्राप	-	-
जोड़ें:	अन्य अधिशेष	-	-
जोड़ें:	व्यय पर आय का अधिशेष आय एवं		
	व्यय लेखा से अंतरित	-37,110,427.00	-130,886,355.00
	वर्ष के अंत में शेष	425,115,379.00	434,663,189.86

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश है

अनुसूची - 2 : निर्दिष्ट / चिन्हित / बंदोबस्ती निधि

राशि रुपये में

विवरण		निधिनुसार विवरण								चालू वर्ष	विगत वर्ष
		निधि	निधि	निधि	निधि	निधि	निधि	निधि		31.03.2023	31.03.2022
		सीएसएबी	डीओई एवं एसएम कार्यशाला	डीएएसए	सीसीएमटी	स्थायित्व	सीयूईटी प्रोजेक्ट	सीएसटीटी एमएचआरडी	ईएसपीडी	निधिया	(रु)
अ)											
क)	प्रारम्भिक शेष	50,000.00	4,124.00	283,933.00	-	9,424,289.00	-	-8,841.00	-	9,753,505.00	2,524,641.00
ख)	वर्ष के दौरान अधिशेष	298,542.00		-	157,500.00	-	368,793.00	-	2,034,568.00	2,859,403.00	8,100,014.00
ग)	निधियों से निर्मित निवेश से आय	.								-	-
घ)	निवेश / अग्रिम पर अर्जित ब्याज									-	-
ङ)	बचत बैंक खाते पर ब्याज									-	-
च)	अन्य परिवर्धन (नियोक्ता योगदान)							8,841.00		8,841.00	-
	कुल (क)	**348,542.00**	**4,124.00**	**283,933.00**	**157,500.00**	**9,424,289.00**	**368,793.00**	**-**	**2,034,568.00**	**12,621,749.00**	**10,624,655.00**
ब)										-	-
	उपयोग, निधियों के उद्देश्य के प्रति व्यय									-	-
i)	पूंजीगत व्यय	.								-	-
ii)	राजस्व व्यय	348,542.00	4,124.00	283,933.00	157,500.00	-	368,793.00	-	2,034,568.00	3,197,460.00	871,150.00
iii)	वापसी						-			-	-
	कुल (ख)	348,542.00	4,124.00	283,933.00	157,500.00	-	368,793.00	-	2,034,568.00	3,197,460.00	871,150.00
वर्ष के अंत में अंतिम शेष (क-ख)		-	-	-	-	9,424,289.00	-	-	-	9,424,289.00	9,753,505.00
द्वारा प्रस्तु											
	नकद एवं बैंक शेष	-	-	-	-	9,424,289.00	-		-	9,424,289.00	9,753,505.00
	निवेश										
	ब्याज अर्जित लेकिन देय नही										
	कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**9,424,289.00**	**-**		**-**	**9,424,289.00**	**9,753,505.00**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश है

अनुसूची - 2क : बंदोबस्ती निधि

राशि रुपये में

	बंदोबस्ती निधि का नाम	प्रारम्भिक शेष		वर्ष के दौरान परिवर्धन		कुल		वर्ष के दौरान वस्तु पर व्यय	प्रारंभिक शेष		कुल
		बंदोबस्ती	संचित ब्याज	बंदोबस्ती	ब्याज	बंदोबस्ती	संचित ब्याज		बंदोबस्ती	संचित ब्याज	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
						(3+5)	(4+6)				(10+11)
अ)											
क)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख)											
ग)											
घ)											
ङ)											
च)											

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 3 : चालू देयताएँ एवं प्रावधान

राशि रुपये में

		चालू वर्ष	विगत वर्ष
		31.03.2023	**31.03.2022**
अ.	**चालू देयताए**		
1	आपूर्तिकर्ताओं से जमा	1,769,528.00	1,704,634.00
2	विद्यार्थियों से जमा	13,636,061.00	11,154,471.00
3	विविध लेनदार		
क)	माल एवं सेवाओं के लिए	2,593,629.00	6,832,189.00
ख)	अन्य	992,708.00	5,618,175.00
4	जमा-अन्य (ईएमडी, प्रतिभूति जमा सहित)	2,259,790.00	2,332,250.00
5	वैधानिक दायित्व	3,130,805.00	2,098,811.00
	(जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यूसी कर, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस)		
क)	अतिदेय	-	-
ख)	अन्य	2,622.00	2,622.00
6	अन्य चालू देयताए		
क)	वेतन एवं मजदूरी	61,259.00	6,304,907.00
ख)	प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां	1,177,184.00	8,148,901.50
ग)	प्रायोजित फै लोशिप एवं छात्रवृत्ति के प्रति प्राप्तियां	58,117.00	423,422.00
घ)	अनुपयोगी अनुदान	-	-
ङ)	मेडिकल बोर्डनिधि	361,001.00	231,842.00
च)	सीपीएफ फंड	411,455.00	411,455.00
छ)	फ़ेलोशिप/छात्रवृत्ति देय	-	1,503,259.00
ज)	चीफ वार्डन निधि	9,172,922.00	7,635,554.00
झ)	अन्य देयताएं	488,981.00	1,179,669.00
ञ)	एल्युमिनी एसोसिएशन शुल्क	125,805.00	125,805.00
ट)	छात्रावास मेस एवं कर्मचारी कल्याण निधि	1,118,055.00	1,118,055.00
ठ)	सोसायटी शुल्क	202,903.00	62,903.00
ड)	अग्रिम शुल्क	1,222,027.00	2,379,976.00
ढ)	फीस माफी देय	932,093.00	639,093.00
ण)	मंत्रालय को देय ब्याज की बचत	9,102,360.00	190,769.00
	कुल (क)	**48,819,305.00**	**60,098,762.50**
ख)	**प्रावधान**		
1	कराधान के लिए	-	-
2	ग्रेच्युटी	11,981,320.00	7,094,032.00
3	सुपरनेशन पेंशन	-	-
4	संचित अवकाश नकदीकरण	10,144,463.00	6,124,293.00
5	ट्रेड वारंटियाँ / दाववे	-	-
6	अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
	कुल (ख)	**22,125,783.00**	**13,218,325.00**
	कुल (क + ख)	**70,945,088.00**	**73,317,087.50**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 3क : प्रायोजित परियोजनाएं

राशि रुपये में

1	2	3	4	5	6	7	8	9
क्र. सं.	परियोजना का नाम	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान	कुल	वर्ष के दौरान	अंतिम शेष	
		क्रेडिट	डेबिट	प्राप्तियां / वसूली		व्यय	क्रेडिट	डेबिट
1	एसईआरबी मैट्रिक्स	220,000.00		-	220,000.00	219,270.00	730.00	
2	अन्य	295,758.00		-	295,758.00	-	295,758.00	
3	एसईआरबी - टी कुं डू	200,000.00		-	200,000.00	-	200,000.00	
5	एसएमडीपी प्रोजेक	-			-	-	-	
6	विश्वेश्वरैया	-	503,535.00	-	-503,535.00	-	-503,535.00	
7	एमईआईटीवाई - सीसीबीटी	2,663,668.00	-	35,577.00	2,699,245.00	2,697,232.00	2,013.00	
8	डीएसटी - अचिंतेश नारायण	83.00		-	83.00	-	83.00	
9	यूडीएचडी परियोजना	73,318.00		-	73,318.00		73,318.00	
10	डीएसटी - आईसीपीएस	703,188.50		9,991.00	713,179.50	711,099.00	2,080.50	
11	एनएमएचएस प्रोजेक	-	111,301.00	1,152.00	-110,149.00	-	-110,149.00	
12	सीएसएसआर-कोविड	-	12,245.00	20,745.00	8,500.00	8,240.00	260.00	
13	एनएमपीईटी	2,586,461.00	-	-	2,586,461.00	1,335,460.00	1,251,001.00	
14	एसईआरबी परियोजना	2,033,506.00	-	-	2,033,506.00	2,067,882.00	-34,376.00	
	कुल	**8,775,982.50**	**627,081.00**	**67,465.00**	**8,216,366.50**	**7,039,183.00**	**1,177,183.50**	**-**

अनुसूची - 3ख : प्रायोजित फ़ेलोशिप एवं स्कॉलरशिप

राशि रुपये में

1	2	3	4	5	6	3	4
क्र. सं.	प्रायोजक का नाम	01.04.2019 को प्रारम्भिक शेष		वर्ष के दौरान लेन-देन		31.03.2020 को शेष	
		क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट
	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग						
	मंत्रालय						
	अजजा के लिए शीर्ष वर्ग छात्रवृत्ति	-1,000.00	-	1,500.00	500.00	-	-
	अजा के लिए शीर्ष वर्ग छात्रवृत्ति	404,400.00	-	-	404,400.00	-	
	अन्य क्षेत्रीय राज्य	-	-	-	-	-	
	अन्य (निर्दिष्ट करें)	20,022.00	-	-	20,022.00	-	
	कुल	**423,422.00**		**1,500.00**	**424,922.00**	**-**	

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 3ग : यूजीसी, भारत सरकार एवं राज्य सरकारों से अप्रयुक्त अनुदान

राशि रुपये में

		चालू वर्ष 31.03.2023	विगत वर्ष 31.03.2022
क)	**योजना अनुदान: भारत सरकार**		
	शेष अग्रानीत	-	-
	जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां	261,700,000.00	165,789,883.00
	घटाएं : वापसी	32,941,776.00	-
	घटाएं : राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त	201,195,608.00	88,228,043.00
	घटाएं : पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त	27,562,616.00	77,561,840.00
	अप्रयुक्त अग्रेनीत कुल (क)	**-**	**-**
ख)	**यूजीसी अनुदान: योजना**		
	शेष अग्रानीत		
	जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		
	घटाएं : वापसी		
	घटाएं : राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त		
	अप्रयुक्त अग्रेनीत कुल (ख)		
ग)	यूजीसी अनुदान: योजना		
	शेष अग्रानीत		
	जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		
	घटाएं : वापसी		
	घटाएं : राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त		
	अप्रयुक्त अग्रेनीत कुल (ग)		
घ)	**राज्य सरकार से अनुदान**		
	शेष अग्रानीत		
	जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्तियां		
	घटाएं : वापसी		
	घटाएं : राजस्व व्यय के लिए प्रयुक्त		
	अप्रयुक्त अग्रेनीत कुल (घ)		
	कुल (क + ख + ग + घ)	**-**	**-**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 4 : स्थिर संपत्तिया

राशि रुपये में

			सकल खंड				मूल्यह्रास				निवल खंड	
क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	दर %	प्रारम्भिक शेष 01.04.2022	परिवर्धन/ विलोपन	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2023	01.04.2022 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	विलोपन/ समायोजन	अंतिम शेष 31.03.2023	31.03.2023 को	31.03.2022 को
1	भूमि		-	-		-	-	-	-	-	-	-
2	कार्यस्थल विकास		56,491,485.00	-		56,491,485.00	-	-		-	56,491,485.00	56,491,485.00
3	भवन	2%	24,473,433.00	10,363,162.00		34,836,595.00	5,214,646.80	696,732.00		5,911,378.80	28,925,216.00	19,258,786.00
4	अस्थायी शेड	2%	17,366,015.00	-		17,366,015.00	347,320.00	347,320.00		694,640.00	16,671,375.00	17,018,695.00
5	प्रीफैब छात्रावास	33%	19,638,960.00	166,742.00		19,805,702.00	19,504,479.00	189,506.00		19,693,985.00	111,717.00	134,481.00
6	पूर्वनिर्मित	20%	154,682,947.00	-		154,682,947.00	58,865,789.00	30,936,589.00	-	89,802,378.00	64,880,569.00	95,817,158.00
7	ट्यूबवेल एवं जलापूर्ति	2%	424,809.00	-		424,809.00	44,083.00	8,496.00		52,579.00	372,230.00	380,726.00
8	सीवरेज एवं ड्रेनेज	2%	-	-		-	-	-		-	-	-
9	विद्युत स्थापना एवं उपकरण	5%	36,797,544.00	13,474,192.00		50,271,736.00	11,406,126.00	2,513,587.00		13,919,713.00	36,352,023.00	25,391,418.00
10	संयंत्र एवं मशीनरी	5%	2,763,691.00	578,990.00		3,342,681.00	900,668.10	167,134.00		1,067,802.10	2,274,879.00	1,863,023.00
11	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	8%	100,355,728.00	11,164,659.00	-7,761,920.00	103,758,467.00	26,974,981.55	8,300,677.00	-3,104,768.00	32,170,890.55	71,587,576.00	73,380,746.00
12	कार्यालय उपकरण	7.50%	15,101,132.00	1,009,528.00		16,110,660.00	9,178,178.08	1,208,300.00		10,386,478.08	5,724,182.00	5,922,954.00
13	श्रव्य दृश्य उपकरण	7.50%	20,269,244.00	179,991.00		20,449,235.00	4,230,918.00	1,533,693.00		5,764,611.00	14,684,624.00	16,038,326.00
14	कंप्यूटर एवं पेरिफेरल	20%	108,016,259.00	5,919,136.00		113,935,395.00	64,622,975.00	9,862,484.00	-	74,485,459.00	39,449,936.00	43,393,284.00
15	फर्नीचर फिक्सचर एंड फिटिंग	7.50%	51,985,147.00	3,385,031.00		55,370,178.00	23,452,537.80	4,152,763.00	-	27,605,300.80	27,764,877.00	28,532,609.00
16	खेल उपकरण	10%	2,308,679.00	257,349.00		2,566,028.00	1,629,059.45	256,603.00		1,885,662.45	680,366.00	679,620.00
17	पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं	10%	17,870,383.00	1,005,866.00	-7,880,679.00	10,995,570.00	16,835,419.00	1,099,557.00	-7,880,679.00	10,054,297.00	941,273.00	1,034,964.00
18	वाहन	10%	7,070,910.00	-		7,070,910.00	3,638,100.00	707,091.00		4,345,191.00	2,725,719.00	3,432,810.00
19	कम मूल्य की परिसंपत्तिया	100%	380,159.00	-		380,159.00	380,159.00	-		380,159.00	-	-
	कुल (क)		**635,996,525.00**	**47,504,646.00**	**-15,642,599.00**	**667,858,572.00**	**247,225,439.78**	**61,980,532.00**	**-10,985,447.00**	**298,220,524.78**	**369,638,047.00**	**388,771,085.00**
20	पूंजी कार्य प्रगति - भवन		10,363,162.00	-10,363,162.00		-	-	-		-	-	10,363,162.00
21	पूंजी कार्य प्रगति- विद्युत		13,444,868.00	-13,444,868.00		-	-	-		-	-	13,444,868.00
22	निर्माण पूर्व व्यय (नया परिसर)		-	3,866,000.00		3,866,000.00					3,866,000.00	-
	कुल (ख)		**23,808,030.00**	**-19,942,030.00**		**3,866,000.00**					**3,866,000.00**	**23,808,030.00**
23	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	5,247,447.00	-		5,247,447.00	4,477,362.00	770,084.00		5,247,446.00	1.00	770,085.00
24	ई. जर्नल्स	40%	24,712,543.00	-	15,642,599.00	40,355,142.00	23,185,916.00	5,407,586.00	10,985,447.00	39,578,949.00	776,193.00	1,526,627.00
	कुल (ग)		**29,959,990.00**	**-**	**15,642,599.00**	**45,602,589.00**	**27,663,278.00**	**6,177,670.00**	**10,985,447.00**	**44,826,395.00**	**776,194.00**	**2,296,712.00**
	कुल (क+ख+ग)		**689,764,545.00**	**27,562,616.00**	**-**	**717,327,161.00**	**274,888,717.78**	**68,158,202.00**	**-**	**343,046,919.78**	**374,280,241.00**	**414,875,827.00**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश है

अनुसूची - 4क : योजना

राशि रुपये में

क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	दर %	सकल खंड				मूल्यह्रास				निवल खंड	
			प्रारम्भिक शेष 01.04.2022	परिवर्धन/ विलोपन	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2023	01.04.2022 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	विलोपन/ समायोजन	अंतिम शेष 31.03.2023	31.03.2023 को	31.03.2022 को
1	भूमि		-	-			-					
2	कार्यस्थल विकास		56,491,485.00	-		56,491,485.00	-	-		-	56,491,485.00	56,491,485.00
3	भवन	2%	24,473,433.00	10,363,162.00		34,836,595.00	5,214,646.80	696,732.00		5,911,378.80	28,925,216.00	19,258,786.00
4	सड़कें और पुल	2%	17,366,015.00	-		17,366,015.00	347,320.00	347,320.00		694,640.00	16,671,375.00	17,018,695.00
4	अस्थायी शेड	33%	19,638,960.00	166,742.00		19,805,702.00	19,504,479.00	189,506.00		19,693,985.00	111,717.00	134,481.00
5	पूर्वनिर्मित	20%	154,682,947.00	-		154,682,947.00	58,865,789.00	30,936,589.00	-	89,802,378.00	64,880,569.00	95,817,158.00
6	ट्यूबवेल एवं जलापूर्ति	2%	424,809.00	-		424,809.00	44,083.00	8,496.00		52,579.00	372,230.00	380,726.00
7	सीवरेज एवं ड्रेनेज		-	-		-	-	-		-	-	-
8	विद्युत स्थापना एवं उपकरण	5%	36,797,544.00	13,474,192.00		50,271,736.00	11,406,126.00	2,513,587.00		13,919,713.00	36,352,023.00	25,391,418.00
9	संयंत्र एवं मशीनरी	5%	2,763,691.00	578,990.00		3,342,681.00	900,668.10	167,134.00		1,067,802.10	2,274,879.00	1,863,023.00
10	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण	8%	100,355,728.00	11,164,659.00		111,520,387.00	26,974,981.55	8,921,631.00		35,896,612.55	75,623,774.00	73,380,746.00
11	कार्यालय उपकरण	7.50%	15,101,132.00	1,009,528.00		16,110,660.00	9,178,178.08	1,208,300.00		10,386,478.08	5,724,182.00	5,922,954.00
12	श्रव्य दृश्य उपकरण	7.50%	20,269,244.00	179,991.00		20,449,235.00	4,230,918.00	1,533,693.00		5,764,611.00	14,684,624.00	16,038,326.00
13	कंप्यूटर एवं पेरिफेरल	20%	108,016,259.00	5,919,136.00		113,935,395.00	64,622,975.00	9,862,484.00	-	74,485,459.00	39,449,936.00	43,393,284.00
14												
15	फर्नीचर फिक्सचर एंड फिटिंग	7.50%	51,985,147.00	3,385,031.00		55,370,178.00	23,452,537.80	4,152,763.00	-	27,605,300.80	27,764,877.00	28,532,609.00
16	खेल उपकरण	5%	2,308,679.00	257,349.00		2,566,028.00	1,629,059.45	256,603.00		1,885,662.45	680,366.00	679,620.00
17	पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं	10%	17,870,383.00	1,005,866.00		18,876,249.00	16,835,419.00	1,887,625.00		18,723,044.00	153,205.00	1,034,964.00
18	वाहन	10%	7,070,910.00	-		7,070,910.00	3,638,100.00	707,091.00		4,345,191.00	2,725,719.00	3,432,810.00
19	कम मूल्य की परिसंपत्तिया	100%	380,159.00	-		380,159.00	380,159.00	-		380,159.00	-	-
	कुल (क)		635,996,525.00	47,504,646.00		683,501,171.00	247,225,439.78	63,389,554.00	-	310,614,993.78	372,886,177.00	388,771,085.00
20	पूंजी कार्य प्रगति - भवन		10,363,162.00	-10,363,162.00		-					-	10,363,162.00
21	पूंजी कार्य प्रगति- विद्युत		13,444,868.00	-13,444,868.00		-					-	13,444,868.00
22	निर्माण पूर्व व्यय (नया परिसर)		-	3,866,000.00		3,866,000.00					3,866,000.00	-
	कुल (ख)		23,808,030.00	-19,942,030.00		3,866,000.00					3,866,000.00	23,808,030.00
23	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	5,247,447.00	-		5,247,447.00	4,477,362.00	770,084.00	-	5,247,446.00	1.00	770,085.00
24	ई. जर्नल्स	40%	24,712,543.00	-		24,712,543.00	23,185,916.00	5,407,586.00		28,593,502.00	-3,880,959.00	1,526,627.00
	कुल (ग)		29,959,990.00	-		29,959,990.00	27,663,278.00	6,177,670.00		33,840,948.00	-3,880,958.00	2,296,712.00
	कुल (क+ख+ग)		689,764,545.00	27,562,616.00	-	717,327,161.00	274,888,717.78	69,567,224.00	-	344,455,941.78	372,871,219.00	414,875,827.00

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश है

अनुसूची - 4ख : गैर-योजना

राशि रुपये में

			सकल खंड				मूल्यह्रास				निवल खंड	
क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	दर %	प्रारम्भिक शेष 01.04.2022	परिवर्धन/ विलोपन	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2023	01.04.2022 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	विलोपन/ समायोजन	अंतिम शेष 31.03.2023	31.03.2023 को	31.03.2022 को
1	भूमि											
2	कार्यस्थल विकास											
3	भवन											
4	सड़कें और पुल											
5	ट्यूबवेल एवं जलापूर्ति											
6	सीवरेज एवं ड्रेनेज											
7	विद्युत स्थापना एवं उपकरण											
8	संयंत्र एवं मशीनरी											
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण											
10	कार्यालय उपकरण											
11	श्रव्य दृश्य उपकरण											
12	कंप्यूटर एवं पेरिफेरल											
13	फर्नीचर फिक्सचर एंड फिटिंग											
14	वाहन											
15	पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाए											
	पत्रिकाओं											
16	कम मूल्य की परिसंपत्तिया											
	कुल (क)											
17	पूंजी कार्य प्रगति											
	कुल (ख)											
18	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर											
19	ई. जर्नल											
20	पेटेंट											
	कुल (ग)											
	कुल (क+ख+ग)											

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 4ग : अमूर्त परिसंपत्तिया

राशि रुपये में

			सकल खंड				मूल्यहास				निवल खंड	
क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	दर %	प्रारम्भिक शेष 01.04.2022	परिवर्धन/ विलोपन	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2023	01.04.2022 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के लिए मूल्यहास	विलोपन/ समायोजन	अंतिम शेष 31.03.2023	31.03.2023 को	31.03.2022 को
1	पेटेंट एवं कॉपीराइट		-									
2	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%	5,247,447.00	-		5,247,447.00	4,477,362.00	770,084.00		5,247,446.00	1.00	937,317.60
3	ई-पत्रिकाएं	40%	24,712,543.00	-		24,712,543.00	23,185,916.00	5,407,586.00		28,593,502.00	-3,880,959.00	1,761,492.69
	कुल (क)	40%	29,959,990.00	-	-	29,959,990.00	27,663,278.00	6,177,670.00	-	33,840,948.00	-3,880,958.00	2,698,810.29

अनुसूची - 4ग(i) : पेटेंट्स एवं कॉपीराइट

क्र . सं.	विवरण	प्रारम्भिक शेष 01.04.2022	परिवर्धन	सकल	परिशोधन	निवल खंड 01.04.2023	निवल खंड 01.04.2022
क.	**पेटेंट स्वीकृत**						
1	प्राप्त पेटेंस का 31.03.2023 को शेष (मूल मूल्य रु. ....)						
2	प्राप्त पेटेंस का on 31.03.2023 को शेष (मूल मूल्य रु. ....)						
3	प्राप्त पेटेंस का on 31.03.2023 को शेष (मूल मूल्य रु. ....)						
4	चालू वर्ष के दौरान स्वीकृत पेटेंट्स						
	कुल (क)						

क्र . सं.	विवरण	प्रारम्भिक शेष 01.04.2022	परिवर्धन	सकल	परिशोधन	निवल खंड 01.04.2023	निवल खंड 01.04.2022
ख	आवेदन किए गए पेटेंट के संबंध में लंबित पेटेंट्स						
1	के दौरान किया गया व्यय						
2	के दौरान किया गया व्यय						
3	के दौरान किया गया व्यय						
	कुल (ख)						
	कुल योग (क+ख)						

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश है

अनुसूची - 4घ : गैर-योजना

राशि रुपये में

			सकल खंड				मूल्यहास				निवल खंड	
क्र. सं.	परिसंपत्ति शीर्षक	दर %	प्रारम्भिक शेष 01.04.2022	परिवर्धन/ विलोपन	कटौती	अंतिम शेष 31.03.2023	01.04.2022 को प्रारम्भिक शेष	वर्ष के लिए मूल्यहास	विलोपन/ समायोजन	अंतिम शेष 31.03.2023	31.03.2023 को	31.03.2022 को
1	भूमि											
2	कार्यस्थल विकास											
3	भवन											
4	सड़कें और पुल											
5	ट्यूबवेल एवं जलापूर्ति											
6	सीवरेज एवं ड्रेनेज											
7	विद्युत स्थापना एवं उपकरण											
8	संयंत्र एवं मशीनरी											
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण											
10	कार्यालय उपकरण											
11	श्रव्य दृश्य उपकरण											
12	कंप्यूटर एवं पेरिफेरल											
13	फर्नीचर फिक्सचर एंड फिटिंग											
14	वाहन											
15	पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाए											
	पत्रिकाओं											
16	कम मूल्य की परिसंपत्तिया											
	कुल (क)											
17	पूंजी कार्य प्रगति											
	कुल (ख)											

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 5 : चिन्हित से निवेश बंदोबस्ती निधियां

राशि रुपये में

		चालू वर्ष 31.03.2023	विगत वर्ष 31.03.2022
1	केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में		
2	राज्य सरकार की प्रतिभूतियों म		
4	अन्य स्वीकृत प्रतिभूति		
3	शेयर्स		
4	डिबेंचर एवं बांड		
5	बैंकों में सावधि जमा		
6	अन्य (निर्दिष्ट करें)		
	कुल (क+ख+ग+घ)	-	-

अनुसूची - 5क : चिन्हित/ बंदोबस्ती निधियों से निवेश (निधिनुसार)

			चालू वर्ष 31.03.2023	विगत वर्ष 31.03.2022
1				
2				
3				
4				
5				
		बंदोबस्ती निधि निवेश		
		कुल	-	-

अनुसूची - 6 : निवेश - अन्य

		चालू वर्ष 31.03.2023	विगत वर्ष 31.03.2022
1	केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में		
2	राज्य सरकार की प्रतिभूतियों मे		
4	अन्य स्वीकृत प्रतिभूति		
3	शेयर्स		
4	डिबेंचर एवं बांड		
5	बैंकों में सावधि जमा		
6	अन्य (निर्दिष्ट करें)		
	कुल	**-**	**-**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 7 : चालू परिसंपत्तियां

राशि रुपये में

			चालू वर्ष 31.03.2023	विगत वर्ष 31.03.2022
1	**भंडार**			
	क)	भंडार एंड पुर्जे	-	-
	ख)	लूज टूल	-	-
	ग)	प्रकाशन	-	-
	घ)	प्रयोगशाला रसायन, उपभोग्य एंड ग्लासवेयर	-	-
	ङ)	भवन सामग्र	564,813.00	1,374,288.00
	च)	विद्युत सामग्र	-	-
	छ)	स्टेशनरी	-	-
	ज)	जलापूर्ति सामग्र	-	-
2	**विविध देनदार**			
	क)	छह महीने की अवधि के लिए बकाया ऋण	-	-
	ख)	अन्य	-184,305.00	218,754.00
3	**नकद एवं बैंक शेष**			
	क)	अनुसूचित बैंकों में		
		- चालू खाते में	8,363,129.00	5,689,760.00
		- सावधि जमा खाते में	97,382,622.00	62,463,082.00
		- बचत खाते में	21,408,585.00	28,944,592.00
		- ग्रांट इन ट्रांजिट	-	-
	ख)	गैर-अनुसूचित बैंकों में		
		- सावधि जमा खाते में	-	-
		- बचत खाते में	-	-
	ग)	हाथ में नकद	50,000.00	53,000.00
4	डाकघर बचत खाता		-	-
		कुल	127,584,844.00	98,743,476.00

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुलग्नक - क

राशि रुपये में

		चालू वर्ष 31.03.2023	विगत वर्ष 31.03.2022
I)	बचत खाता		
1	एमएचआरडी खाता से अनुदान	-	-
2	विश्वविद्यालय प्राप्ति खाता	15,175,830.00	12,732,106.00
3	छात्रवृत्ति खाता		
4	शैक्षणिक शुल्क प्राप्ति खाता	3,643,055.00	8,568,373.00
5	विकास (योजना) खाता		
6	संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीबीटी) खाता		
7	यूजीसी योजना फै लोशिप खाता		
8	कॉर्पस निधि खाता (ईएमएफ)		
9	प्रायोजित परियोजनाएं निधि खाता	24,277.00	3,385,614.00
10	प्रायोजित फै लोशिप खाता		
11	बंदोबस्ती एवं चेयर खाता (ईएमएफ)		
12	यूजीसी जेआरएफ फै लोशिप खाता (ईएमएफ)		
13	एचबीए निधि खाता (ईएमएफ)		
14	कॉन्वेयांस खाता (ईएमएफ)		
15	यूजीसी राजीव गांधी नेशनल फै लोशिप खाता (ईएमएफ)		
16	शैक्षणिक विकास निधि खाता (ईएमएफ)		
17	जमा खाता (नामित निधि)		
18	विद्यार्थी निधि खाता	2,565,423.00	4,258,499.00
19	विद्यार्थी सहायता निधि खाता		
20	सीपीएफ खाता	-	-
II)	चालू खाता	8,363,129.00	5,689,760.00
III)	अनुसूची बैंकों में सावधि जमा	97,382,622.00	62,463,082.00
	कुल	**127,154,336.00**	**97,097,434.00**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 8 : ऋण, अग्रिम एवं जमा

राशि रुपये में

			चालू वर्ष 31.03.2023	विगत वर्ष 31.03.2022
1	**कर्मचारियों को अग्रिम कर्मचारीगण (बिना ब्याज वाला)**			
	क)	वेतन		
	ख)	त्यौहार		
	ग)	चिकित्सा अग्रिम		
	घ)	अवकाश यात्रा रियायत	-	-
	ङ)	अन्य (निर्दिष्ट करें)	320,400.00	131,433.00
2	**कर्मचारियों को दीर्घकालिक अग्रिम (ब्याज वाला)**			
	क)	वाहन ऋण		
	ख)	गृह ऋण		
	ग)	अन्य (निर्दिष्ट करें)		
3	अग्रिम एवं अन्य राशियाँ नकद में या वस्तु रूप में या मूल्य के लिए प्राप्त की जा सकती है			
	क)	पूंजी खाते पर	91,908.00	562,954.00
	ख)	आपूर्तिकर्ता को	10,000.00	10,000.00
	ग)	एनआईटी कालीकट	118,150.00	118,150.00
	घ)	स्रोतों पर कर कटौती	144,793.00	275,296.00
	ङ)	सीसीसीबी	-	-
	च)	क्लियर न हुए चेक	6,781.00	6,781.00
4	**पूर्वदत्त व्यय**			
	क)	बीमा		
	ख)	अन्य व्यय (वार्षिक रखरखाव शुल्क)	-	-
5	जमा			
	क)	टेलीफोन		
	ख)	लीज रेंट		
	ग)	बिजली		
	घ)	एआईसीटीई, यदि प्रयोज्य हो		
	ङ)	अन्य (निर्दिष्ट करें)		
6	अर्जित आय			
	क)	चिन्हित / बंदोबस्ती निधि से निवेश पर		
	ख)	निवेश-अन्य	2,927,639.00	3,009,866.00
	ग)	ऋण एवं अग्रिम पर		
	घ)	अन्य (वसूल न हुई आय सहित)		
7	**अन्य - चालू परिसंपत्तियां यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त**			
	क)	प्रायोजित परियोजनाओं में डेबिट शेष		
	ख)	प्रायोजित फै लोशिप एवं छात्रवृत्ति में डेबिट शेष		
	ग)	अनुदान प्राप्य		
	घ)	यूजीसी से अन्य प्राप्य		
8	**दावे प्राप्य**			
		कुल	**3,619,671.00**	**4,114,480.00**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 9 : शैक्षणिक प्राप्तियां

राशि रुपये में

			चालू वर्ष 31.03.2023	विगत वर्ष 31.03.2022
विद्यार्थियों से शुल				
क)	**शैक्षणिक**			
	1	ट्यूशन शुल्क	23,555,937.00	22,124,852.00
	2	प्रवेश शुल्क	126,710.00	227,250.00
	3	नामांकन शुल्क	-	-
	4	पुस्तकालय शुल्क	1,298,560.00	1,149,000.00
	5	प्रयोगशाला शुल्क	785,730.00	266,400.00
	6	आर्ट एंड क्राफ्ट शुल्क	-	-
	7	पंजीकरण शुल्क	534,446.00	337,350.00
		कुल (क)	**26,301,383.00**	**24,104,852.00**
ख)	**परीक्षा**			
	1	प्रवेश शुल्क	-	-
	2	वार्षिक परीक्षा शुल्क	1,010,110.00	749,500.00
	3	मार्कशीट, प्रमाणपत्र शुल्क	13,850.00	-
		कुल (ख)	**1,023,960.00**	**749,500.00**
ग)	**अन्य शुल्क**			
	1	पहचान पत्र शुल्क	-	86,450.00
	2	जुर्माना / विविध शुल्क	482,034.00	172,778.00
	3	चिकित्सा शुल्क	814,880.00	825,300.00
	4	प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट शुल्क	418,830.00	115,200.00
	5	छात्रावास शुल्क	10,144,250.00	1,430,250.00
	6	बस शुल्क	679,140.00	-
	7	छात्रावास प्रवेश शुल्क	68,500.00	-
		कुल (ग)	**12,607,634.00**	**2,629,978.00**
घ)	**अन्य शुल्क**			
	1	प्रकाशन की बिक्री	-	-
	2	प्रवेश पत्र की बिक्री	-	-
	3	विषय-सूची, प्रश्न पत्र, आदि की बिक्री	-	-
	4	प्रवेश पत्र सहित प्रोस्पेक्टस की बिक्री	-	-
		कुल (घ)		
ङ)	**अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां**			
	1	सत्यापन शुल्क	127,257.00	-
	2	ग्रेड कार्ड शुल्क	171,900.00	-
	3	विकास शुल्क	1,677,470.00	1,262,950.00
	4	मैस स्थापना शुल्क	719,409.00	126,750.00
	5	छात्र गतिविधि शुल्क	1,243,670.00	1,222,100.00
	6	दीक्षांत समारोह	202,650.00	235,000.00
	7	बीमा शुल्क	465,450.00	-
	8	इंटरनेट शुल्क	394,180.00	-
	9	अन्य	386,690.00	428,950.00
		कुल (ङ)	**5,388,676.00**	**3,275,750.00**
		कुल (क से ङ)	**45,321,653.00**	**30,760,080.00**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश है

अनुसूची - 10 : अनुदान/सब्सिडियां (गैर वसूली योग्य अनुदान प्राप्त)

राशि रुपये में

विवरण	योजना			कुल योजना	गैर योजना यूजीसी	चालू वर्ष	विगत वर्ष
	भारत सरकार	यूजीसी					
		योजना	विशिष्ट योजना				
शेष अग्रानीत	-	-	-	-	-	-	-
जोड़: वर्ष के दौरान प्राप्तियां	261,700,000.00	-	-	261,700,000.00		261,700,000.00	179,992,000.00
कुल	261,700,000.00	-		261,700,000.00		261,700,000.00	179,992,000.00
घटाएं : यूजीसी को रिफंड	32,941,776.00			32,941,776.00		32,941,776.00	14,202,117.00
शेष	228,758,224.00	-	-	228,758,224.00	-	228,758,224.00	165,789,883.00
घटाएं : पूंजीगत व्यय							
के लिए प्रयुक्त (क)	27,562,616.00			27,562,616.00		27,562,616.00	77,561,840.00
शेष	201,195,608.00	-	-	201,195,608.00	-	201,195,608.00	88,228,043.00
घटाएं : राजस्व के लिए प्रयुक्त							
व्यय (ख)	201,195,608.00			201,195,608.00		201,195,608.00	88,228,043.00
शेष अग्रेनीत (ग)	-	-	-	-	-	-	-

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 11 : निवेशों से आय

राशि रुपये में

विवरण	चिन्हित/बंदोबस्ती निधियां		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	विगत वर्ष	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूति				
ख) अन्य बांड / डिबेंचर				
2. सावधि जमा पर ब्याज	-		464,726.00	1,628,042.00
3. सावधि जमा/कर्मचारियों को अग्रिम पर ब्याज पर आय प्रोद्भुत लेकिन बकाया नहीं			2,482,404.00	2,653,317.00
4.बचत बैंक खाता पर ब्याज	-		-	-
5. अन्य (निर्दिष्ट करें)			-	-
	-	-	2,947,130.00	4,281,359.00
चिन्हित/बंदोबस्ती निधि में स्थानांतरित				
शेष			**2,947,130.00**	**4,281,359.00**

अनूसूची - 12 : ब्याज अर्जित

राशि रुपये में

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1. अनुसूचित बैंक में बचत खाते पर	306,250.00	416,035.00
2. ऋण पर		
क) कर्मचारीगण / स्टाफ	-	-
ख) अन्य	-	-
3. अन्य देयताएं /अन्य प्राप्य	-	-
शेष	**306,250.00**	**416,035.00**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 13 : अन्य आय

राशि रुपये में

	विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
क	**भूमि एवं भवन से आय**		
1	छात्रावास कमरा किराया	-	-
2	लाइसेंस शुल्क	66,590.00	62,525.00
3	ऑडिटोरियम / खेल मैदान / कन्वेंशन सेंटर	-	-
	आदि का किराया प्रभार	-	-
4	बिजली शुल्क वसूल	266,160.00	179,116.00
5	जल प्रभार वसूल	-	-
	कुल (क)	**332,750.00**	**241,641.00**
ख	संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री	-	-
	कुल (ख)		
ग	**कार्यक्रमों के आयोजन से आय**	**-**	**-**
1	वार्षिक समारोह / खेल कार्निवल से सकल प्राप्तियां	-	-
	घटाया: वार्षिक कार्यक्रम / खेल कार्निवाल	-	-
	पर प्रत्यक्ष व्यय		-
2	उत्सवों से सकल प्राप्तियां	-	-
	घटाएं : उत्सवो पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय	-	-
3	शैक्षणिक यात्रा के लिए सकल प्राप्तियां	-	-
	घटाएं : यात्राओं पर किया गया प्रत्यक्ष व्यय	-	-
4	अन्य (विद्यार्थी योगदान)	-	-
	कुल (ग)	**-**	**-**
घ	**अन्य**		
1	कंसल्टेंसी से आय	516,933.00	83,755.00
2	आरटीआई शुल्क	-	-
3	रॉयल्टी से आय	-	-
4	आवेदन पत्र (भर्ती) की बिक्री	8,000.00	955,000.00
5	विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र, वैस्टर पेपर आदि की बिक्री)	35,294.00	152,182.00
6	परिसंपत्तियों की बिक्री / निपटान पर लाभ	-	-
	क) स्वाधिकृत परिसंपत्तियां	-	-
	ख) नि:शुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	-	-
7	संस्थानों, कल्याण निकायों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से	-	-
	अनुदान / दान	-	-
8	वेतन की वसूली	7,000.00	44,054.00
9	पीएचडी नामांकन शुल्क	129,300.00	187,076.00
10	निविदा शुल्क	-	-
11	परिवहन शुल्क वसूली	-	-
12	जुर्माना एवं अर्थदंड	42,806.00	-
13	अन्य आय	-	-
14	एसबीसीए की वसूली	4,337.00	16,658.00
15	प्रोजेक्ट से ओवरहेड्स	381,381.00	348,601.00
	कुल (घ)	**1,125,051.00**	**1,787,326.00**
	कुल योग (क से घ)	**1,457,801.00**	**2,028,967.00**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

Schedule-14 ; PRIOR PERIOD INCOME

राशि रुपये में

	विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1	शैक्षणिक प्राप्तियां	188,622.00	-
2	निवेश से आय	-	-
3	अर्जित ब्याज	-	-
4	अन्य आय	599,546.00	-
5	चेक का व्युतक्रम	-	-
6	एचआरए की वसूली	-	-
	कुल	**788,168.00**	**-**

अनुसूची - 15 : कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपये में

	विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
		योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
क)	वेतन और मजदूरी	74,683,392.00		74,683,392.00	80,150,609.00		80,150,609.00
ख)	भत्ते और बोनस	25,660,400.00		25,660,400.00	9,888,939.00		9,888,939.00
ग)	भविष्य निधि में योगदान	-		-	-		-
घ)	अन्य फं ड (एनपीएस) में योगदान	9,313,210.00		9,313,210.00	6,474,384.00		6,474,384.00
ङ)	कर्मचारी कल्याण व्यय	682,832.00		682,832.00	-		-
च)	सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ	9,969,020.00		9,969,020.00	2,470,773.00		2,470,773.00
छ)	एलटीसी सुविधा	1,105,462.00		1,105,462.00	529,946.00		529,946.00
ज)	स्वास्थ्य सुविधा	838,907.00		838,907.00	595,640.00		595,640.00
झ)	बाल शिक्षा भत्ता	543,857.00		543,857.00	459,000.00		459,000.00
ञ)	मानदेय	204,700.00		204,700.00	30,426.00		30,426.00
ट)	परिवहन भत्ता	2,777,511.00		2,777,511.00	540,861.00		540,861.00
ठ)	बकाया	868,715.00		868,715.00	410,532.00		410,532.00
ड)	संकायों को सीपीडीए	135,549.00		135,549.00	55,754.00		55,754.00
	कुल	126,783,555.00		126,783,555.00	101,606,864.00		101,606,864.00

अनुसूची - 15क: कर्मचारियों की भर्ती और टर्मिनल लाभ

राशि रुपये में

	विवरण	पेंशन	ग्रेच्युटी	अवकाश नकदीकरण	कुल
	01.04.2022 को प्रारम्भिक शेष				-
	जोड़ें: अन्य संगठनों से प्राप्त योगदान का पूंजीकृ मूल				
	कुल (क)				
	घटाएं : वर्ष के दौरान किए गए भुगतान				-
	31.03.2023 को उपलब्ध शेष				-
	वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2023 को आवश्यक प्रावधान				-
क.	चालू वर्ष में किए जाने का प्रावधान	-	4,887,288.00	4,020,170.00	8,907,458.00
ख	नई पेंशन योजना में योगदान	8,510,688.00			8,510,688.00
ग	सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति				-
घ	गृहनगर सेवानिवृत्ति के लिए यात्रा				-
ङ	लिंक बीमा भुगतान जमा				-
	कुल (क+ख+ग+घ+ङ)	**8,510,688.00**	**4,887,288.00**	**4,020,170.00**	**17,418,146.00**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 16 : शैक्षणिक व्यय

राशि रुपये में

	विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
		योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
क)	प्रयोगशाला व्यय	116,989.00		116,989.00	22,048.00		55,971.00
ख)	पाठ्यचर्याविकास कार्यशाला व्यय	49,644.00		49,644.00	-		53,941.00
ग)	संगोष्ठियों / कार्यशालाओं पर व्यय	75,899.00		75,899.00	-		-
घ)	संकाय दौरा हेतु भुगतान	-		-	-		-
ङ)	परीक्षा	298,000.00		298,000.00	-		-
च)	विद्यार्थी चिकित्सा बीमा	658,185.00		658,185.00	883,285.00		891,684.00
छ)	प्रवेश व्यय	-		-	-		-
ज)	दीक्षांत समारोह व्यय	1,141,280.00		1,141,280.00	373,606.00		212,400.00
झ)	प्रकाशन	-		-	-		-
ञ)	वृत्ति / मीन्स-कम मेरिट छात्रवृत्ति / पीएचडी छात्रवृत्ति	12,750.00		12,750.00	125,000.00		-
ट)	मिश्रित सिग्नल और आरएफ सर्किट डिजाइन परियोजना	-		-	-		-
ठ)	विद्यार्थी छात्रावास शुल्क वापसी	-		-	-		-
ड)	शैक्षणिक व्यय	156,409.00		156,409.00	366,103.00		208,181.00
ढ)	खेलकूद गतिविधियां	-		-	-		-
ण)	एम.टेक/पीएचडी फेलोशिप	16,850,474.00		16,850,474.00	15,726,760.00		3,964,480.00
त)	पुस्तकालय व्यय	-		-	-		-
थ)	सांस्कृति गतिविधियां	2,372,351.00		2,372,351.00	280,378.00		220,754.00
द)	पंजीकरण शुल्क	76,682.00		76,682.00	11,800.00		-
ध)	प्रशिक्षण एवं नियोजन	229,730.00		229,730.00	16,516.00		20,710.00
न)	पीएचडी अध्येता आकस्मिक व्यय	-		-	-		-
प)	अन्य विविध शैक्षणिक व्यय	262,103.00		262,103.00	-		-
	कुल	22,300,496.00		22,300,496.00	17,805,496.00		17,805,496.00

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 17 : प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

राशि रुपये में

	विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
		योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
अ)	आधारभूत ढांचा						-
क)	विद्युत एवं ऊर्जा	1,534,590.00		1,534,590.00	504,980.00		504,980.00
ख)	जल प्रभार	3,840.00		3,840.00	19,560.00		19,560.00
ग)	बीमा	-		-	-		-
घ)	किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)	3,589,296.00		3,589,296.00	3,044,367.00		3,044,367.00
ब)	संचार	-		-	-		-
ङ	डाक एवं स्टेशनरी	-		-	-		-
च)	टेलीफोन, फैक्स और इंटरनेट शुल्क	2,888,387.00		2,888,387.00	3,034,496.00		3,034,496.00
स)	अन्य	-		-	-		-
छ)	मुद्रण एवं स्टेशनरी (उपभोग)	833,658.00		833,658.00	758,465.00		758,465.00
ज)	यात्रा एवं यातायात व्यय	2,604,642.00		2,604,642.00	-		-
झ)	हॉस्पिटैलिटी	388,651.00		388,651.00	191,725.00		191,725.00
ञ)	लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	405,240.00		405,240.00	461,072.00		461,072.00
ट)	वार्षिक रखरखाव शुल्क	537,055.00		537,055.00	617,375.00		617,375.00
ठ)	विज्ञापन एवं प्रचार	-		-	-		-
ड)	बीडब्ल्यूसी बैठक	110,631.00		110,631.00	151,940.00		151,940.00
ढ)	कार्यालय व्यय	11,464,825.00		11,464,825.00	17,713,614.00		17,713,614.00
ण)	बाहरी विशेषज्ञों को सम्मान	2,007,123.00		2,007,123.00	1,022,671.00		1,022,671.00
त)	कैम्पस मेंटेनेंस एवं हाउस कीपिंग	19,965,424.00		19,965,424.00	12,095,183.00		12,095,183.00
थ)	बागवानी एवं लैंड स्केप	-		-	-		-
द)	सुरक्षा सेवाएँ एवं अन्य	2,511,144.00		2,511,144.00	2,429,364.00		2,429,364.00
ध)	सामुदायिक विकास	-		-	-		-
न)	चिकित्सा केंद्र व्यय	1,285,526.00		1,285,526.00	683,849.00		683,849.00
प)	कंप्यूटर सेंटर व्यय	-		-	-		-
फ)	भर्ती व्यय	2,591,838.00		2,591,838.00	2,720,023.00		2,720,023.00
ब)	बीओजी एवं एफसी बैठक	1,034,663.00		1,034,663.00	571,783.00		571,783.00
भ)	विविध व्यय	87,699.00		87,699.00	115,889.00		115,889.00
	कुल	**53,844,232.00**		**53,844,232.00**	**46,136,356.00**		**46,136,356.00**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 18 : परिवहन व्यय

राशि रुपये में

	विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
		योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
1	वाहन (संस्थानों द्वारा स्वामित्व)						
क)	संचालन व्यय	1,425,487.00		1,425,487.00	890,403.00		890,403.00
ख)	बीमा व्यय	158,645.00		158,645.00	163,762.00		163,762.00
2	किराए / लीज पर वाहन			-			-
क)	किराया / पट्टेव्यय	-		-	-		-
3	वाहन (टैक्सी) किराया व्यय	-		-	-		-
	कुल	1,584,132.00		1,584,132.00	1,054,165.00		1,054,165.00

अनुसूची - 19 : मरम्मत और रखरखाव

राशि रुपये में

	विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
		योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
क)	भवन	5,352,528.00		5,352,528.00	11,676,972.00		11,676,972.00
ख)	फर्नीचर एवं फिक्सचर	476,408.00		476,408.00	298,250.00		298,250.00
ग)	कार्यशाला एवं यंत्र			-			-
घ)	कार्यालय उपकरण	181,906.00		181,906.00	141,336.00		141,336.00
ङ)	नेटवर्क / इंटरनेट	19,470.00		19,470.00	44,840.00		44,840.00
च)	निर्माण एवं कैम्पस का रखरखाव	-		-	-		-
छ)	श्रव्य दृश्य उपकरण	-		-	-		-
ज)	सफाई सामग्री एवं सेवाए	-		-	-		-
झ)	बुक बाइंडिंग शुल्क	-		-	-		-
ञ)	बागवानी	-		-	-		-
ट)	संपदा रखरखाव	-		-	-		-
ठ)	सॉफ़्टवेयर रखरखाव/समर्थन	503,651.00		503,651.00	-		-
ड)	सड़क एवं कनेक्शन की मरम्मत	-		-	-		-
ढ)	विद्युतीय रखरखाव	343,778.00		343,778.00	1,336,307.00		1,336,307.00
ण)	वाहन रखरखाव	409,891.00		409,891.00	428,221.00		428,221.00
	कुल	**7,287,632.00**		**7,287,632.00**	**13,925,926.00**		**13,925,926.00**

अनुसूची - 20 : वित्त लागत

राशि रुपये में

	विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
		योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
क)	बैंक शुल्क	62,788.00		62,788.00	19,855.00		19,855.00
ख)	अन्य (निर्दिष्ट करें)	-		-	-		-
	कुल	62,788.00		62,788.00	19,855.00		19,855.00

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

अनुसूची जो तुलन पत्र का अंश हे

अनुसूची - 21 : अन्य व्यय

राशि रुपये में

	विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
		योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
क	अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण/ अग्रिम के लिए प्रावधान						-
ख	अशोध्य शेष बट्टे खाते में						-
ग)	अन्य संस्थानों / संगठनों को अनुदान / सब्सिड						-
घ)	अन्य (निर्दिष्ट करें)				-		-
	कुल				-		-

अनुसूची - 22 : पूर्वावधि व्यय

राशि रुपये में

	विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
		योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
1	स्थापना व्यय	-		-	-		-
2	शैक्षणिक व्यय			-			-
3	प्रशासनिक व्यय			-			-
4	जमानती जमा			-			-
5	मरम्मत एवं रखरखाव	-		-	-		-
6	अन्य व्यय	9,106,000.00		9,106,000.00	194,107.00		194,107.00
7	चेक का व्युतपन	-		-	-		-
	कुल	**9,106,000.00**		**9,106,000.00**	**194,107.00**		**194,107.00**

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 23

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखा को परम्परागत लागत प्रथा के तहत तैयार किया जाता है, जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो एवं आम तौर पर लेखांकन की प्रोद्भवन पद्धति पर तैयार किया जाता है।

2. 2. राजस्व स्वीकृति

2.1 विद्यार्थियों से शुल्क (ट्यूशन शुल्क एवं छात्रावास शुल्क को छोड़कर), प्रवेश प्रपत्र की बिक्री, रॉयल्टी एवं बचत बैंक खाते पर ब्याज का हिसाब नकद आधार पर किया जाता है। प्रत्येक सेमेस्टर के लिए अलग से एकत्र किए गए ट्यूशन शुल्क एवं छात्रावास शुल्क का हिसाब संचय के आधार पर किया जाता है एवं 31 मार्च 2022 तक अग्रिम रूप से प्राप्त ट्यूशन शुल्क एवं हॉस्टल फीस को देनदारी के रूप में अग्रिम शीर्षक के तहत दर्शाया गया है।

2.2 गृह निर्माण, वाहनों एवं कंप्यूटरों की खरीद के लिए कर्मचारियों को दिए गए ब्याज वाले अग्रिम पर ब्याज का लेखांकन प्रत्येक वर्ष संचय के आधार पर किया जाता है, हालांकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन की पूरी चुकौती के बाद शुरू होती है।

3. अचल परिसंपत्तियां एवं मूल्यह्रास

3.1 अचल परिसंपत्तियों को अधिग्रहण की लागत पर उल्लिखित किया गया है जिसमें आवक माल ढुलाई, शुल्क तथा कर एवं अधिग्रहण, स्थापना एवं उसे चालू करने से संबंधित आकस्मिक एवं प्रत्यक्ष व्यय शामिल हैं।

3.2 उपहार/दान की गई परिसंपत्ति का मूल्य जहां उपलब्ध हो वहां घोषित मूल्य पर लगाया जाता है; यदि उपलब्ध नहीं है, तो संपत्ति की भौतिक स्थिति के संदर्भ में समायोजित वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर मूल्य का अनुमान लगाया जाता है। इन्हें पूंजी निधि में क्रेडिट द्वारा स्थापित किया जाता है तथा संस्थान की अचल संपत्ति के साथ विलय कर दिया जाता है। मूल्यह्रास संबंधित परिपरिसंपत्तियों पर लागू दरों के रूप में लगाया जाता है।

3.3 अचल परिसंपत्तियों का मूल्यांकन संचित मूल्यह्रास को घटाकर लागत पर किया जाता है। अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास निम्नलिखित दरों पर सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया जाता है: -

क्रम सं.	मूर्त परिसंपत्तियां	दर
1	भूमि	0%
2	साइट विकास	0%
3	भवन	2%
4	सड़कें एवं पुल	2%
5	ट्यूबवेल एवं जलापूर्ति	2%
6	सीवरेज एवं जल निकासी	2%
7	विद्युत स्थापना एवं उपकरण.	5%
8	संयंत्र एवं मशीनरी	5%
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण.	8%
10	कार्यालय उपकरण	7.5%
11	श्रव्य दृश्य उपकरण	7.5%
12	कंप्यूटर एवं उससे जुड़ा उपकरण	20%
13	फ़र्निचर फिक्स्चर एवं फिटिंग	7.5%
14	खेल उपकरण	10%
15	पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	10%

क्रम सं.	अमूर्त परिसंपत्तियां (परिशोधन)	दर
1	ई. पत्रिकाएँ	40%
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
3	पेटेंट	9 वर्ष

3.4 वर्ष के दौरान योग पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

3.5 जहां किसी संपत्ति का पूरी तरह से मूल्यह्रास हो जाता है, उसे तुलन-पत्र में 1 रुपये के अवशिष्ट मूल्य पर रखा जाएगा एवं आगे मूल्यह्रास नहीं किया जाएगा। इसके बाद परिसंपत्ति मद के लिए लागू मूल्यह्रास की दर पर प्रत्येक वर्ष की वृद्धि पर अलग से मूल्यह्रास की गणना की जाती है।

3.6 निर्दिष्ट निधि एवं निधि प्रायोजित परियोजनाओं से निर्मित परिसंपत्तियां, जहां ऐसी परिसंपत्तियों का स्वामित्व संस्थानों में निहित होता है, उन्हें पूंजीगत निधि में जमा करके स्थापित किया जाता है तथा संस्थानों की अचल परिसंपत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है। मूल्यह्रास संबंधित दरों पर लागू दरों पर लगाया जाता है। प्रायोजित परियोजना निधियों से निर्मित परिसंपत्ति, जहां स्वामित्व प्रायोजकों के पास रहता है लेकिन संस्था द्वारा आयोजित एवं उपयोग किया जाता है, खातों पर टिप्पणियों में अलग से खुलासा किया जाता है।

3.7 ऐसी संपत्तियां, जिनमें से प्रत्येक का व्यक्तिगत मूल्य रु. 2,000.00 या उससे कम है (पुस्तकाल पुस्तकों को छोड़कर) को छोटे मूल्य की परिसंपत्ति के रूप में माना जाता है, ऐसी परिसंपत्तियों के संबंध में उनके अधिग्रहण के समय 100% मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। हालाँकि, ऐसी परिपरिसंपत्तियों के धारक भौतिक लेखांकन एवं नियंत्रण जारी रखते हैं।

4. अमूर्त परिसंपत्तियां :-

4.1 पेटेंट एवं कॉपीराइट, ई जर्नल एवं कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त संपत्ति के अंतर्गत समूहीकृत किया गया है।

4.2 प्रदान किए गए सीमित लाभ को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रॉनिक जर्नल्स (ई-पत्रिकाओं) को पुस्तकालय पुस्तकों से पृथक किया जाता है। ई-पत्रिकाएं मूर्त रूप में नहीं हैं, लेकिन अस्थायी रूप से पूंजीकृत हैं तथा व्यय की मात्रा एवं अकादमिक और शोध कर्मचारियों द्वारा अर्जित सतत ज्ञान के संदर्भ में प्राप्त लाभ को देखते हुए; पुस्तकालय पुस्तकों के संबंध में प्रदान किए गए 10% के मूल्यह्रास की तुलना में ई-पत्रिकाओं के संबंध में 40% की उच्च दर पर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

4.3 सॉफ्टवेयर के अधिग्रहण पर व्यय को कंप्यूटर एवं उससे संबंधित उपकरणों से अलग कर दिया गया है, क्योंकि इनके संबंध में अप्रचलन के अमूर्त होने के अलावा यह बहुत अधिक है। कंप्यूटर एवं उससे संबंधित उपकरणों के संबंध में प्रदान किए गए 20% के मूल्यह्रास की तुलना में सॉफ्टवेयर के संबंध में 40% की उच्च दर पर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

5. भंडार:

रसायनों, कांच के बर्तनों, प्रकाशनों एवं अन्य भंडार की खरीद पर व्यय को राजस्व व्यय के रूप में शामिल किया जाता है। छोटे निर्माण एवं मरम्मत तथा रखरखाव के लिए सिविल एवं हार्डवेयर सामग्री का स्टॉक बनाए रखा जाता है। 31 मार्च 2023 को ऐसी वस्तुओं का अंतिम भंडार रु. 5,64,813.00 है।

6. सेवानिवृत्ति लाभ

संस्थान द्वारा अपने सभी नियमित कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति लाभ अर्थात नई पेंशन योजना अपनाई गई है। निदेशक एमएनआईटी जयपुर से प्रतिनियुक्ति पर हैं, उनके सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान एमएनआईटी जयपुर को किया जाता है, जब एमएनआईटी जयपुर मांग करता है।

7. निर्दिष्ट/ बंदोबस्ती निधि

विशिष्ट प्रयोजनों के लिए प्राप्त धनराशि को निर्धारित निधि के रूप में रखा गया है। प्राप्ति एवं भुगतान का हिसाब नकद आधार पर किया जाता है। खर्च न की गई शेष राशि बैंक खाते में रखी जाती है।

7.1 **कॉर्पस/पूंजी निधि**

संस्थान एक पूंजी निधि रखता है। यह निधि वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियों के प्रयोजन के लिए उपयोग किए गए अनुदान के मूल्य एवं 31 मार्च को व्यय पर आय की अधिकता से बनी है।

निधि में शेष राशि, जिसे अग्रेनीत जाता है, को एक अलग बैंक खाते में शेष राशि, एवं बैंक में सावधि जमा एवं सावधि जमा पर अर्जित ब्याज द्वारा दर्शाया जाता है।

8. बंदोबस्ती निधि

संस्थान द्वारा कोई बंदोबस्ती निधि नहीं रखी जाती है।

9. सरकारी एवं यूजीसी अनुदान

9.1 सरकारी अनुदान एवं यूजीसी अनुदान का हिसाब प्राप्ति के आधार पर किया जाता है। हालाँकि, वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान जारी करने की स्वीकृति 31 मार्च से पहले प्राप्त हो जाती है तथा अनुदान वास्तव में अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होता है, अनुदान का हिसाब नकद आधार पर किया जाता है एवं वर्ष के दौरान उपयोग की गई सीमा तक स्वीकृति दी जाती है। 31 मार्च 2023 तक आरबीआई खाते में अप्रयुक्त अनुदान की शेष राशि समाप्त हो गई है एवं मंत्रालय को वापस कर दी गई है।

9.2 पूंजीगत व्यय के लिए प्रयुक्त सीमा तक, सरकारी अनुदान एवं यूजीसी से अनुदान को पूंजीगत निधि (प्रोद्भवन के आधार पर) में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

9.3 राजस्व व्यय (प्रोद्भवन के आधार पर) को पूरा करने के लिए सरकार एवं यूजीसी अनुदान को, उपयोग की गई सीमा तक, उस वर्ष की आय के रूप में माना जाता है जिसमें उन्हें प्राप्त किया जाता है।

9.4 अप्रयुक्त अनुदान (ऐसे अनुदान से भुगतान किए गए अग्रिम सहित) को आगे बढ़ाया जाता है एवं तुलन पत्र में दायित्व के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

10. निर्धारित निधियों का निवेश एवं अर्जित ब्याज आय

व्यय के लिए तत्काल आवश्यक न होने वाली सीमा तक, ऐसी निधियों के प्रति उपलब्ध राशि बैंकों के पास निश्चित अवधि के लिए जमा की जाती है, शेष राशि बचत बैंक खातों में छोड़ दी जाती है।

प्राप्त ब्याज, अर्जित एवं देय ब्याज एवं ऐसे फंडों पर अर्जित लेकिन देय नहीं ब्याज को संस्थान की आय के रूप में नहीं माना जाता है।

11. प्रायोजित परियोजनाएं

11.1 प्रायोजित परियोजनाएं, जो जारी हैं, के संबंध में, प्रायोजित से प्राप्त राशि को "चालू देयताएं एवं प्रावधान - चालू देयताएं - अन्य देयताएं - जारी प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां" शीर्षक में जमा किया जाता है। जब भी ऐसी परियोजनाओं के प्रति व्यय / अग्रिम भुगतान किया जाता है, या संबंधित परियोजना को आवंटित ओवरहेड शुल्क के साथ डेबिट किया जाता है, देयता खाते को डेबिट किया जाता है।

11.2 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित जूनियर रिसर्च फ़ेलोशिप के लिए निर्धारित निधि के अलावा, फ़ेलोशिप एवं छात्रवृत्तियां भी विभिन्न संगठनों द्वारा प्रायोजित की जाती हैं। इनका लेखांकन प्रायोजित परियोजनाओं की तरह ही किया जाता है, सिवाय इसके कि व्यय आम तौर पर केवल फ़ेलोशिप एवं छात्रवृत्ति के वितरण पर होता है, जिसमें अध्येताओं एवं विद्वानों द्वारा आकस्मिक व्यय के लिए भत्ते शामिल हो सकते हैं।

11.3 संस्थान स्वयं फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति भी प्रदान करता है, जिसे शैक्षणिक व्यय के रूप में शामिल किया जाता है।

12. आयकर

संस्थान की आय धारा 10(23सी) (iiiएबी) के तहत आयकर से मुक्त है, इसलिए कर लेखा में बनाया जाता है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान-सिक्किम

वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची: 24

लेख पर टिप्पणियाँ

1. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम' का गठन संसद द्वारा पारित एक अधिनियम "राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम 2009" के माध्यम से किया गया था।

वित्तीय विवरण 'केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए वित्तीय विवरण के प्रारूप' के आधार पर तैयार किया गया है जैसा कि भारत सरकार के मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा प्रदान किया गया है।

2. कराधान :

विश्वविद्यालय को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(23सी)(iiiएबी) के प्रावधान के अनुसार आयकर के भुगतान से छूट प्राप्त है।

3. अचल परिसंपत्तियां :

3.1 अचल परिसंपत्तियों को अधिग्रहण की लागत पर उल्लेखित किया गया है जिसमें आवक माल ढुलाई, शुल्क एवं कर तथा अधिग्रहण, स्थापना एवं कमीशनिंग से संबंधित आकस्मिक एवं प्रत्यक्ष व्यय शामिल हैं।

3.2 नए भवन एवं संरचनाओं के नवीनीकरण तथा निर्माण पर किया गया पूंजीगत व्यय राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई भूमि पर किया गया है। ऐसी भूमि का स्वामित्व राज्य सरकार के पास होता है।

3.3 सीडीएसी पुणे द्वारा संस्थान को दान किया गया एक हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटर सेटअप ट्रायल रन पर है तथा वर्तमान में इसे सीडीएसी के इंजीनियरों द्वारा प्रबंधित किया जा रहा है। उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटर को पूरी तरह से संस्थान को सौंपने के बाद परिसंपत्ति को संस्थान की परिसंपत्ति में ले लिया जाएगा।

3.4 तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी) परियोजना के तहत संस्थान ने रु. 9.99 करोड़ की संपत्ति खरीदी है। परिसंपत्ति पूरी तरह से संस्थान को सौंपने के बाद संस्थान की परिसंपत्ति में ले ली जाएगी।

3.5 पूंजीगत परिसंपत्ति का मूल्य 31 मार्च 2022 तक रु. 37.73 लाख, जिसमें से स्वामित्व हस्तांतरित किया जाना बाकी है।

3.6 सीपीडब्ल्यूडी इलेक्ट्रिकल एवं सिविल डिवीजन द्वारा किए गए कार्य, जो वार्षिक खातों में सीडब्ल्यूआईपी के रूप में परिलक्षित होते हैं, को क्रमशः 1.34 करोड़ रुपये एवं 1.03 करोड़ रुपये की राशि को चालू वित्त वर्ष 2022-23 में पूंजीकृत किया गया है क्योंकि ये कार्य सीपीडब्ल्यूडी द्वारा निष्पादित पुराने छोटे कार्यों से संबंधित हैं। ये कार्य संस्थान के अस्थायी परिसर में छोटे-मोटे कार्य हैं।

3.7 संस्थान को स्थायी परिसर के निर्माण के लिए 99.67 एकड़ भूमि सौंपी गई है। सिक्किम सरकार द्वारा प्रदत्त भूमि सभी बाधाओं से मुक्त है। हालाँकि, स्थायी परिसर की स्थापना से जुड़े छोटे-मोटे मुद्दे बने हुए हैं जैसे कि परिसर क्षेत्र के भीतर सड़क का मार्ग परिवर्तन, विद्युत सबस्टेशन, मौजूदा सड़क का चौड़ीकरण, जल आपूर्ति का प्रावधान आदि, जिनका संस्थान द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार के उचित स्तर पर व्यापक चर्चाओं एवं अभ्यावेदन के माध्यम से सक्रिय रूप से समाधान किया जा रहा है।

4. मूल्यह्रास :

4.1 अचल परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास निम्नलिखित दरों पर सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया जाता है: -

क्रम सं.	मूर्त परिसंपत्ति	दर
1	भूमि	0%
2	साइट विकास	0%
3	भवन	2%
4	सड़कें एवं पुल	2%
5	ट्यूबवेल एवं जलापूर्ति	2%
6	सीवरेज एवं जल निकासी	2%
7	विद्युत स्थापना एवं उपकरण.	5%
8	संयंत्र एवं मशीनरी	5%

क्रम सं.	मूर्त परिसंपत्ति	दर
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण.	8%
10	कार्यालय उपकरण	7.5%
11	श्रव्य दृश्य उपकरण	7.5%
12	कंप्यूटर एवं संबंधित उपकरण	20%
13	फ़र्निचर फिक्स्चर एवं फिटिंग	7.5%
14	खेल उपकरण	10%
15	पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	10%

क्रम सं.	अमूर्त संपत्ति (परिशोधन)	दर
1	ई. पत्रिकाएँ	40%
2	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
3	पेटेंट	9 years

4.3 वर्ष के दौरान योग पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

4.4 ऐसी संपत्तियां, जिनमें से प्रत्येक का व्यक्तिगत मूल्य 2,000.00 रुपये या उससे कम है (पुस्तकालय पुस्तकों को छोड़कर) को छोटे मूल्य की संपत्ति के रूप में माना जाता है, ऐसी परिसंपत्तियों के संबंध में उनके अधिग्रहण के समय 100% मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

4.5 संस्थान ने अस्थायी शेड का निर्माण किया है, जिसकी जीवन प्रत्याशा तीन साल है क्योंकि संस्थान एक अस्थायी परिसर से काम कर रहा है, इसलिए परिसंपत्तियों को भवनों के निर्माण में पूंजीकृत नहीं किया गया है। तदनुसार 33% प्रति वर्ष की दर से मूल्यह्रास वसूला जाता है।

4.6 संस्थान ने एक प्रीफैब छात्रावास I एवं II का निर्माण किया है, जिसकी जीवन प्रत्याशा पांच साल है क्योंकि संस्थान एक अस्थायी परिसर से परिचालित है, इसलिए परिसंपत्तियों को भवनों के अतिरिक्त पूंजीकरण में नहीं लगाया गया है। तदनुसार 20% प्रति वर्ष की दर से मूल्यह्रास किया जाता है।

5. संबंधित पार्टी का खुलासा

लेन-देन का नाम : लेन-देन का नाम

लेन-देन की प्रकृति : अस्थायी संकाय सदस्य-मानदेय

राशि : : रु. 6,75,000.00

6. पूंजी प्रतिबद्धता :

पूंजी खाते पर निष्पादित होने के लिए शेष अनुबंधों की अनुमानित संख्या एवं इसके लिए प्रावधान नहीं किया गया है।

शून्य.

7. आकस्मिक दायित्व :

तुलन पत्र की तिथि को कोई आकस्मिक देनदारी नहीं है।

8. परियोजना खाते :

परियोजना खातों को वित्तीय विवरण एवं शेष राशि की अनुसूचियों में दर्शाया गया है तथा 31 मार्च 2023 को प्रत्येक परियोजना के शेष को चालू देयताओं में विचार किया गया है।

9. चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम एवं जमा:

प्रबंधन की राय में, वर्तमान परिपरिसंपत्तियों, ऋणों, अग्रिमों एवं जमाओं का सामान्य पाठ्यक्रम में प्राप्ति पर मूल्य होता है, जो कम से कम तुलन-पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर होता है।

10. अनुसूचियां 1 से 24 संलग्न हैं, जो 31 मार्च 2023 को तुलन पत्र एवं उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेका का एक अभिन्न अंग हैं।

11. पुनः समूहीकरण :

पिछले वर्षों के आँकड़ों को जहाँ भी आवश्यक हुआ, पुनः समूहीकृत एवं पुनः व्यवस्थित किया गया है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम

National Institute of Technology Sikkim

बारफंग ब्लॉक, वांगला सब-डिवीजन
दक्षिण सिक्किम - 737 139

निदेशक कार्यालय: +91 7479013180

Semaphore Technologies Pvt. Ltd.